वार्षिक प्रतिवेदन

2012
2013

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर
विश्वर्मा शासकीय अभियाँत्रिकी महाविद्यालय परिसर, चाँदखेड़ा, अहमदाबाद - 382 424

AON

वार्षिक प्रतिवेदन

2012
2013

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गाँधीनगर

विश्वर्मा शासकीय अभियाँत्रिकी महाविद्यालय परिसर, चाँदखेड़ा, अहमदाबाद - 382 424

EVERY SHUT EYE
AIN'T ASLEEP
Hemingway

विषय–सूची

1
निर्देशक की कलम से

3
शैक्षणिक
प्रदत्त कार्यक्रम
- अवर–स्नातक (बी.टेक)
- स्नातकोत्तर (एम.टेक और डी.आई.आई.टी.)
- डॉक्टरल

भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर में विकास
- शासी मंडल द्वारा नए प्रोग्राम और केन्द्रों का अनुमोदन
- रेसीडेंस और इंडस्ट्री–अकादमी असोसिएट में स्कालर
- शैक्षिक सलाहकार परिषद की बैठक
- लीडरशिप कॉन्क्लेव
- भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर बोर्ड से 5 नए सदस्यों का जुड़ना
- भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर का प्रथम दीक्षांत समारोह
- युवा शोधकर्ताओ की खास सभा (वाई.आर.सी.)
- स्थापना कार्यक्रम 2012
- भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर इन्क्युवेशन सेंटर (आई.आई.सी.)
- रोड्डम नरसिंहा सेमिनार श्रृंखला
- पियर असिस्टेड लर्निंग (पी.ए.एल.)
- भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर का अवर स्नातक छात्रों के लिए ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप
- अन्य अभियांत्रिकी संस्थाओं के संकाय (फैकल्टी) के लिए ग्रीष्मकालीन शोध के अवसर
- पैन – भा.प्रौ.सं. सम्मेलन
- कर्मचारी प्रशिक्षण और शैक्षिक कार्यक्रम (एस.टी.ई.पी.)
- 2013 सी.यू.डी.ए. शिक्षा केंद्र के लिए भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर का चयन
- नये आई.आई.टी. के पुस्तकालयाध्यक्षों का सम्मेलन
- वी.जी.ई.सी.–भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर क्लब

छात्रों के लिए छात्रवृत्ति
- उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति

विशिष्ट माननीय प्राध्यापक
अतिथि प्राध्यापक
विशिष्ट अभ्यागत
अन्य अभ्यागत
सम्मेलन/परिसंबाद/कार्यशाला/संगोष्ठियां
अल्पावधि पाठ्यक्रम
सतत शिक्षण कार्यक्रम
आमंत्रित व्याख्यान
पैनल विवेचना

31
आधारभूत ढांचा और सुविधाएँ
पुस्तकालय
कंप्यूटर केंद्र
चिकित्सा केंद्र
प्रयोगशाला सुविधाएँ
- रसायन अभियांत्रिकी
- रसायन शास्त्र
- सिविल अभियांत्रिकी
- विद्युत अभियांत्रिकी
- यांत्रिकी अभियांत्रिकी
- भौतिक विज्ञान

शोध सुविधाएँ
- संज्ञानात्मक विज्ञान प्रयोगशाला
- फ्यूल सेल सिस्टम रिसर्च प्रयोगशाला
- उच्च निष्पादन का आकलन करने वाली प्रयोगशाला
- रसायनशास्त्र के लिए यंत्रो की सुविधा
- मैटेरियल्स इलेक्ट्रोकेमिस्ट्री प्रयोगशाला
- आणविक जीवविज्ञान प्रयोगशाला
- कण अभियांत्रिकी और चूर्ण प्रसंस्करण प्रयोगशाला
- औषधि विज्ञान और जैव चिकित्सा प्रयोग के लिए कण अभियांत्रिकी
- फोटोनिक सेन्सर्स प्रयोगशाला
- सेमीकंडक्टर डिवाइस करेक्टराइजेशन सुविधा

- सौर पी.वी. प्लांट सुविधा
- एक्स–रे डीफ्रैक्शन प्रणाली

नए भवन

49

संकाय कार्य–कलाप

प्रायोजित योजनाएं
- 2012–13 में स्वीकृत योजनाएं
- चालू प्रायोजित योजनाएं

परामर्शदायी योजनाएं
- 2012–13 के दौरान स्वीकृत योजनाएं
- चालू परामर्शदायी योजनाएं

आतंरिक रूप से दिए गए कोष की योजनाएं

पुरस्कार और मान्यता

शैक्षणिक कार्य

संकाय द्वारा व्याख्यान

अन्य संकाय कार्य–कलाप

प्रकाशन
- पुस्तकें
- सम्पादित पुस्तकें
- पुस्तक–अध्याय
- तकनीकी रिपोर्ट
- दैनिक पत्र / जर्नल पेपर
  - उल्लेख किये 'जर्नल' में प्रकाशित पेपर्स
- अधिवेशन पेपर्स
  - अधिवेशन के दौरान प्रकाशित पेपर्स
  - अधिवेशन में पेश किये गए पेपर्स
- वर्किंग पेपर्स
- पेश किये पोस्टर
- पत्रिका / समाचार–पत्र के लेख
- समीक्षा

77

छात्रों के कार्य–कलाप

सह–पाठ्यक्रम कार्य–कलाप
- परिसर नियुक्ति
- ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप
- मॉडलिंग में मैथमेटिकल प्रतियोगिता
- आटोमोटिव तकनीक पर विशिष्ट सभा
- विद्युतीय वाहन प्रतियोगिता
- शोधकर्ताओ का फेरेटकोन्फाब 2012
- मेकनिज्म माक–अप प्रदर्शन
- मीन–मेकानिक्स 2012
- विज्ञान दिवस उत्सव
- इंडस्ट्री विजिट
- महफिल–ए–आदाब: उर्दू काव्य संध्या
- लाइफ स्कील श्रृंखला

पाठ्यक्रम के अतिरिक्त अन्य कार्य–कलाप
- ब्लिथक्रान 2013
- हल्लाबोल 2013
- जश्न–अंतरमहाविद्यालयीय सांस्कृतिक महोत्सव
- ग्रीष्मकालीन कैम्प 2012
- उड़ान: एक संगीतमय संध्या
- अवन्त गार्ड: विजुअल कला एक्सपो–कम–कार्यशाला
- हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत की एक शाम
- लोथल की सैर
- वेब–डिजाइन हैकथोंन
- यंत्रविज्ञान विजन 2035
- प्रतिबिम्ब

विशेष अवसर
- स्वतंत्रता दिवस समारोह
- गणतंत्र दिवस समारोह

पुरस्कार और प्रशस्ति
- भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर वार्षिक खेलकूद पुरस्कार
- डीन की सम्मान सूची के छात्र
- केशव जी. का गांधीयन युवा यंत्रविज्ञान नवनिर्माण पुरस्कार प्राप्त करना
- भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर छात्र टीम का आई–क्रियेट स्पार्क–अप आईडिया फंड ग्रान्ट
- राष्ट्रीय स्तर ऑटो डेस्क स्टूडेंट डिजाइन प्रतियोगिता
- छात्र पेटेंट
- छात्रों की अन्य उपलब्धियां

खेलकूद समाचार
- गली क्रिकेट टूर्नामेंट
- जेनेसिस कप 2012
- राज्यस्तरीय तैराकी प्रतियोगिता
- 48वाँ अंतर भा.प्रौ.सं. जलीय / एक्वाटिक महोत्सव सम्मेलन 2012
- 48वाँ अंतर आई.आई.टी. खेलकूद प्रतियोगिता 2012
- 2012 में लडकियों की बास्केटबाल टीम का चौम्पियनशिप उपाधि जीतना
- पुरुषों की बास्केटबाल टीम जिला चौम्पियनशिप 2012
- पेट्रो कप 2013
- अंतर–विभागीय टेबल टेनिस चौंपियनशिप 2012–13
- कैपिटल सीजन लीग (सी.एस.एल.)
- अन्य खेलकूद स्पर्धाएं

छात्रों के अन्य कार्य–कलाप

91

वाह्य सम्बन्ध

- अंतर्राष्ट्रीय सहमति ज्ञापन (एम.ओ.युस.)
- राष्ट्रीय सहमति ज्ञापन (एम.ओ.युस.)
- 2012 में विदेशी संस्थाओ में ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप
- 2013 में ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप के लिए जानेवाले अपेक्षित छात्र
- विदेशों में उच्चतर अध्ययन की लक्ष्य प्राप्ति के लिए 2009 बैच के अपेक्षित छात्र
- भारत में उच्चतर अध्ययन की लक्ष्य प्राप्ति के लिए 2009 बैच के अपेक्षित छात्र

रीचिंग आउट / बाहर तक पहुँच

97

भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर के लिए सहयोग

- श्री अविनाश द्वारा शोध फेलोशिप
- श्री अशरफ हबीबुल्लाह द्वारा सहयोग
- भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर में शास्त्री स्थायी निधि / इंडोमेंट
- उकाभाई सोलंकी द्वारा सहयोग
- सुश्री आशा जडेजा द्वारा सहयोग
- श्री राज मशरूवाला द्वारा सहयोग

99

संगठन

शासी मंडल
वित्त समिति
भवन और निर्माण समिति
अभिषद सभा
अभिषद स्थायी समितियां

- अभिषद शैक्षणिक कार्य मूल्यांकन समिति (एस.ए.पी.ई.सी.)
- अभिषद शैक्षणिक कार्यक्रम समिति (एस.ए.पी.सी.)
- अभिषद छात्रवृति एवं पुरस्कार समिति (एस.एस.पी.सी.)
- अभिषद पुस्तकालय समिति (एस.एस.ए. सी.)

शैक्षणिक अधिकारी
प्रशासनिक अधिकारी
छात्र नेतृत्व

- भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर के संकाय / फैकल्टी सदस्य
- नियमित पदों पर नियुक्त शिक्षकेत्तर कर्मचारी
- पी.एच.डी. के छात्र
- पी.आर.एल. से पी.एच.डी. छात्र

2011 बैच के एम.टेक. छात्र
2012 बैच के एम.टेक. छात्र
2009 बैच के बी.टेक. छात्र
2010 बैच के बी.टेक. छात्र
2011 बैच के बी.टेक. छात्र
2012 बैच के बी.टेक. छात्र
2012 बैच के डी.आई.आई.टी. छात्र

125

दूरदृष्टि, उद्देश्य और मूल्य

लक्ष्य
दूरदृष्टि
उद्देश्य
मूल्य
सिद्धांत

निदेशक की कलम से

Prof Sudhir K Jain

यह संस्थान बहुत तेज और जुनूनी गति से विकसित हो रहा है, हमारे युवा संकाय, कर्मचारी और छात्रों की भरपूर ऊर्जा और प्राण शक्ति को धन्यवाद. अनेक अभ्यागत यहाँ की तीव्र इच्छा शक्ति के बारे में बात करते हैं और वे यहाँ के समुदाय में व्याप्त उत्साह को महसूस करते हैं. बीते वर्ष में भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर ने संस्थान को विश्वस्तरीय संस्थान के रूप में विकसित करने के अपने उद्देश्य में तेज व लम्बी छलांग लगाईं है सबसे ज्यादा उल्लेखनीय हैं.

1. हमने अपने स्थाई परिसर के लिए भूमि हासिल कर ली है और बहुत नवीन सहयोगात्मक और परामर्शात्मक प्रक्रिया के द्वारा इसके निर्माण योजनाओं को विकसित किया. हम एक अनुपम परिसर बनाने की कामना करते हैं जो पारस्परिक कार्यकलापों को प्रोत्साहित करे और जिसमे न्यूनतम उर्जा खपत और रख–रखाव की जरुरत हो.
2. भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर में शोध के कुछ केन्द्रीय क्षेत्र उभरने शुरू हो गए हैं. पिछले वर्ष के दौरान हमारे शासी मंडल ने सुरक्षा, डिजाईन और नवीनीकरण, जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी और पुरातत्व विज्ञान में 4 केन्द्रों की स्थापना की स्वीकृति प्रदान किया अंडरराइटर्स प्रयोगशाला (यू.एल.) सुरक्षा केंद्र को समर्थन देने के लिए अग्रसर हुआ. रिको कंपनी लि. डिजाईन और नवीनीकरण केंद्र को समर्थन दे रहा है, और गुजरात सरकार जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी केंद्र को समर्थन दे रही है. इस वर्ष इस संस्थान द्वारा सुरक्षा पर एक बड़ा अन्तर्राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजन किया गया जिसने हमें भारत और विदेशो से कई प्रसिद्ध विशेषज्ञों की मेजबानी करने तथा सहयोग विकसित करने में समर्थ बनाया.
3. नये दानदाताओ की एक उल्लेखनीय संस्था ने इसकी उत्कृष्टता कार्यक्रम में निवेश करके इस संस्थान के भविष्य में अपने विश्वास का प्रदर्शन किया.

कारपोरेट इकाइयों में अंडरराइटर्स प्रयोगशाला और रिको कंपनी लि. गुजरात मिनरल विकास कारपोरेशन (जी.एम.डी.सी.) है जिसने इस संस्थान में उल्लेखनीय निधि का योगदान दिया है.

4. इस संस्थान ने अपना परिपोषण केंद्र स्थापित कर लिया है, जो आजकल भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर के अग्रणी बैच के 4 स्नातको के नेतृत्व में आरंभ की गई, कम्पनी "ग्रिड एंट्स" का परिपोषण कर रहा है.
5. हमने अपना स्कॉलर–इन–रेजिडेंस कार्यक्रम प्रारंभ किया है जिसने हमें पूरे विश्व के कई प्रख्यात विद्वानों को भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर में अपना समय बिताने के लिए लाने में समर्थ बनाया. संकाय नियुक्ति की हमारी सफलता, करियर संकाय और अभ्यागत संकाय, दोनों ने देश का विस्तृत ध्यान खीचा हैं.

5 वर्ष से भी कम समय में इस संस्थान ने जबरदस्त प्रगति की है और इन क्षेत्रो में सही रूप से गर्व कर सकता है:

अपने छात्रों को प्रदान की जाने वाली शिक्षा और बी.टेक और एम. टेक पाठ्यक्रम में इसकी नवीनता.

संकाय नियुक्ति और शासन में इसकी नवीनता.

अनुशासन सम्बन्धी विभिन्नता जिसमे इस संस्थान की कुल मिलकर शैक्षिक संस्कृति के अंतर्गत मानविकी और समाज विज्ञानों का एकीकरण शामिल है.

दानदाताओं या दान निधि की वृद्धि और उत्कृष्टता को बढ़ावा देने में इसका नवीन प्रयोग.

फिर भी, विश्व में उच्च स्तरीय विश्वविद्यालयों में एक होने की हमारी महत्वाकांक्षा को प्राप्त करने के लिए काफी कुछ करने के लिए शेष है. उत्कृष्टता के लिए इस एजेण्डा का अनुसरण करने के लिए कुछ प्राथमिक विषयवस्तु हैं–

1. उल्लेखनीय रूप से पी.एच.डी. और एम.टेक कार्यक्रम में दाखिले की गुणवत्ता में सुधार करना. हमारे शोध के आधारभूत ढांचा और शोध परिणाम को जोरदार ढंग से आगे बढ़ाया कुछ आला क्षेत्र में राष्ट्रीय (अल्पकाल में) और अन्तर्राष्ट्रीय (मध्यम काल में) नेतृत्व प्राप्त करना.
2. हमारे दान दी गई राशि को जोरदार ढंग से आगे बढ़ाना और एक वृहत अक्षयनिधि की रचना करना.
3. उत्कृष्टता को अपनी संस्कृति, शोध और छात्रवृति, और अपने बेदाग सत्यनिष्ठा के मूल मूल्यों को, इस संस्थान प्रबंधन के सभी क्षेत्रो में दृढ़ता पूर्वक अन्तः स्थापित करना, जिसे भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर समुदाय का प्रत्येक सदस्य स्वीकार करे.
4. नेतृत्व का विकास जो आगे कई दशकों के लिए वर्तमान गति को कायम रखेगा. एक कर्मचारी कैडर (गैर संकाय) का निर्माण जो इस गति को आगे ले जाने के लिए संकाय की सहायता करेगा.
5. इस संस्थान का अन्तर्राष्ट्रीयकरण ताकि हमारे छात्रों का एक उल्लेखनीय भाग अन्तर्राष्ट्रीय अनुभव प्राप्त करे और किसी दिए गए समय में छात्र और संकाय के रूप में पर्याप्त संख्या में विद्वान इस संस्थान में मौजूद रहें.

भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर बहुत भाग्यशाली है जहाँ ऐसे छात्र, कर्मचारी और संकाय हैं जो इस संस्थान के प्रति अपनेपन की भावना से भरपूर हैं जहॉ एक बहुत सहायक शासी मंडल है, देश के अन्दर और बाहर अनगिनत शुभेच्छु हैं जो न सिर्फ हमें आगे बढ़ाने वाले नेता हैं बल्कि खुले रूप से इस संस्थान में योगदान देते हैं, एक बहुत सहायक स्थानीय समुदाय और सरकारी अधिकारी (केन्द्रीय और राज्य दोनों) जो इस संस्थान के भविष्य में हमारे उत्साह के भागीदार हैं. विशेष रूप से, प्रा. एम. आर. पटेल, प्राचार्य, वी.जी.ई. सी. और उनके सहयोगी और छात्र जो हमारे अनुपम मेजबान रहे हैं. उनका उल्लेख किया जाना चाहिए अनगनित सलाहकार और भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर और सी.पी.डब्ल्यू.डी. की अभियांत्रिकी टीम ने अत्यधिक कार्य किए हैं और एक किफायती लागत में समय पर इस संस्थान के लिए एक विश्वस्तरीय परिसर के निर्माण में निष्ठा का उदाहरण पेश किया है.

कुछ ही व्यक्तियों को एक नये विश्वविद्यालय के निर्माण का अवसर मिलता है और इसलिए भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर का प्रत्येक स्टेक–होल्डर पुरुष या महिला अपने साथ विल्कुल सही काम करने का बड़ा उत्तरदायित्व वहन करता है, इस बात को सुनिश्चित करता है कि छात्रों और शिक्षाविदो की आगे आने वाली पीढ़ी सच्ची मायने में उच्च श्रेणी की शिक्षा और शोध के अवसर प्राप्त करें और इस बात को सुनिश्चित करता है कि भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर समाज द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों के लिए समाधान का प्रमुख स्रोत / सूत्र बने. भारत कई शताब्दी पहले के नालंदा और तक्षशिला के समान एक अन्तर्राष्ट्रीय कद के महान विश्वविद्यालय बनने के योग्य है, और भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर 21वीं शताब्दी का वही श्रेष्ट या महान भारतीय विश्वविद्यालय बनने की आकांक्षा रखता है. हमारा देश, जहाँ एक विशाल जनसंख्या अपनी मूल आवश्यकता पूर्ति से वंचित है, न तो अपनी आकांक्षाओं को कम कर सकता है, न ही अपनी ऊँची अपेक्षाओं की पूर्ति के लिए किए कार्यो में कमी कर सकता है.

प्रा. सुधीर कु. जैन
निदेशक

शैक्षिक

प्रदत्त कार्यक्रम

अवर स्नातक (बी.टेक)
रसायन अभियांत्रिकी
विद्युत अभियांत्रिकी
यांत्रिकी अभियांत्रिकी

स्नातकोत्तर (एम.टेक)
रसायन अभियांत्रिकी
सिविल अभियांत्रिकी
विद्युत अभियांत्रिकी
सामग्री विज्ञान और अभियांत्रिकी
यांत्रिकी अभियांत्रिकी

डी.आई.आई.टी.
रसायन अभियांत्रिकी
सिविल अभियांत्रिकी
विद्युत अभियांत्रिकी
सामग्री विज्ञान और अभियांत्रिकी
यांत्रिकी अभियांत्रिकी

डाक्टरल
रसायन अभियांत्रिकी
रसायन शास्त्र
सिविल अभियांत्रिकी
संज्ञानात्मक विज्ञान
विद्युत अभियांत्रिकी
अंग्रेजी
गणित
यांत्रिकी अभियांत्रिकी
सामग्री विज्ञान और अभियांत्रिकी
दर्शन शास्त्र
भौतिक विज्ञान
मनोविज्ञान
समाज शास्त्र

भा. प्रौ. सं. गाँधीनगर में विकास

शोध व शिक्षा की एक अग्रणी संस्था होने के अपने प्रयास में भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर अपनी दूरदृष्टिता व उद्देश्य के अनुरूप, नयी पहल व साहसी प्रयोगों को प्रोत्साहित करता है. 2012–13 के दौरान की गई पहल:

शासी मंडल द्वारा नए कार्यक्रम, केंद्र और योजना की स्वीकृति

3 दिसंबर 2012 को हुई बैठक में प्रशासकीय मंडल ने रसायन शास्त्र, गणित और भौतिक विज्ञान में **दो वर्षीय विज्ञान स्नातकोत्तर** और सिविल अभियांत्रिकी में स्नातक प्रोग्राम की स्थापना की स्वीकृति दी. मंडल ने **सुरक्षा, डिजाइन और नवीनीकरण, जैव–चिकित्साअभियांत्रिकी और पुरातत्व विज्ञान** के लिए 4 केन्द्रों के निर्माण की भी स्वीकृति दी. इसके साथ ही मंडल ने स्थाई परिसर के लिए फेज–1, में छात्रावास, रिहाईसी और शैक्षिक भवनों के निर्माण के लिए प्रशासनिक स्वीकृति और वित्तीय मंजूरी भी दी. 28 मार्च 2013 को हुई दूसरी बैठक में शासी मंडल ने **दो वर्षीय स्नातकोत्तर प्रोग्राम**, संज्ञानात्मक विज्ञान, और दो वर्षीय स्नातकोत्तर कला प्रोग्राम, समाज और संस्कृति के स्थापना की स्वीकृति भी दी. संविदा से जुड़े स्टाफ के सदस्यों के लिए **बाल शिक्षा निधि योजना** को मजबूत बनाने के लिए मंडल ने वापस करने वाली राशि की सीमा 7500 से बढ़ाकर 10000 प्रति वर्ष कर दिया है. अवरस्नातक छात्रों और स्नातकोत्तर शोधकर्ताओ को प्रोत्साहन देने के लिए शासी मंडल ने उल्लेखित पत्रिका / जर्नल में प्रकाशित पेपर के लिए नकद राशि की स्वीकृति भी दी है और भा. प्रौ.सं. गाँधीनगर के शोधकर्ता छात्रों को विदेशी शोध के अनुभव लेने की भी पुष्टि की है. मंडल ने **स्थाई परिसर में शोध एवं विकास पार्क** के निर्माण की भी स्वीकृति दी है.

स्कालर्स–इन–रेसीडेंस और उद्योग – शैक्षिक सहयोग

23 जून 2012 को हुई शासी मंडल की बैठक में 2 नई योजनायें, **स्कालर्स–इन–रेसीडेंस** और **उद्योग–शैक्षिक समागम योजना** की स्वीकृति दी गई. विद्वान अवासीय योजना भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर में खोज की भावना, शोध और छात्रवृति को बढ़ावा देने के लिए एक महीना से एक वर्ष तक के महत्वपूर्ण समय के लिए शिक्षण और शोध में उत्कृष्ट रिकार्ड रखने वाले विद्वानों को आमंत्रित करने का लक्ष्य है.

शैक्षिक सलाहकार परिषद की बैठक

दूसरी शैक्षिक सलाहकार परिषद की बैठक 17 दिसम्बर 2012 को हुई. प्रसिद्ध आगंतुकों ने खास मूल्यों और संस्कृति की चर्चा की जो भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर जैसी विकसित होती संस्था की आकांक्षा है. इस विस्तृत चर्चा में शोध की उत्कृष्टता और परिणाम को बेहतर बनाना और युवा संकाय और कर्मचारियों में नेतृत्व को समर्थन व परामर्श देना शामिल है. वाह्य सदस्यों में **प्रा. प्रतिम विश्वास**, अध्यक्ष, ऊर्जा विभाग, लुसी व स्टेनली, लोपाटा प्रा. वाशिंगटन विश्वविद्यालय सेंट लुईस, अमेरिका, **प्रा. नीतेश चावला**, फ्रेंक फ्रीमन कॉलेजिएट चेयर और निदेशक, अन्तः इंटरडिसिप्लिनरी केंद्र नेटवर्क साइंसऔर अनुप्रयोग (iCeNSA) और डाटा इन्फेरेंस एनालिटिक्स और लर्निंग लैब (डी.आई.ए.एल.) नोट्रे डेम विश्वविद्यालय अमेरिका, **प्रा. सैम मैन्नन**, रिजेंट प्राध्यापक, टी. माइकेल ओ. कोन्नोर चेयर प्रोफेसर टेक्सास ए. और एम. विश्वविद्यालय, अमेरिका. **प्रा. अभिजीत मुखर्जी**, निदेशक, थापर विश्वविद्यालय, **प्रा. धीरज सांघी**, डीन, शैक्षिक मामले व भा.प्रौ.सं. कानपुर, **प्रा. एस.पी. सुखात्मे**, पूर्व निदेशक भा.प्रौ. सं. मुंबई और **प्रा. सतीश के. त्रिपाठी**, अध्यक्ष, स्टेट विश्वविद्यालय, न्यूयार्क, बफैलो, सं.रा.अमेरिका.

शैक्षणिक सलाहकार परिषद बैठक

नेतृत्व कान्क्लेव

तीसरा नेतृत्व कान्क्लेव 18 दिसम्बर 2012 को संपन्न हुआ. जिन विषयो पर इसमे चर्चा की गई उसमे विशिष्ट क्षेत्रो में अगले 5 वर्षों में राष्ट्रीय नेतृत्व, भा. प्रौ.सं. गाँधीनगर के संकाय सदस्यों और स्टाफ में विकास के लिए दान–निधि का संभावित उपयोग जैसी वृहत् पहल शामिल हैं. बाहर से भाग लेने वालो में **डॉ. हसमुख आधिया**, सचिव, शिक्षा विभाग, गुजरात सरकार, **प्रा. प्रतिम विश्वास**, अध्यक्ष, उर्जा विभाग, लूसी व स्टेनली लोपाटा प्राध्यापक वाशिंगटन विश्वविद्यालय, सेंट लुईस, अमेरिका **प्रा. नीतेश चावला**, फैंक फेरिमन्न कोलेजिएट चेयर व निदेशक अन्तःविषय इंटरडिसिप्लिनरी केंद्र नेटवर्क साइंस और अनुप्रयोग (iCeNSA) और डाटा इन्फेरेंस एनालिटिक्स और लर्निंग लैब (डी.आई.ए.एल.) नोट्रे डेम विश्वविद्यालय अमेरिका, **श्री सलिल दवे**, वरिष्ठ निदेशक, माइक्रोसॉफ्ट सूचना प्रौद्योगिकी ग्लोबल स्ट्रेटेजी इनिसिएटिव टीम सीटल अमेरिका **प्रा. सैम मन्नन** रिजेंट प्राध्यापक, टी. माइकेल ओ. कोन्नोर चेयर प्रोफेसर टेक्सास ए. और एम. विश्वविद्यालय अमेरिका **श्री कमल नानावती**, अध्यक्ष, स्ट्रेटजी विकास, रिलायंस इंडस्ट्रीज लि. मुंबई, **प्रा. अक्षयी रंचल**, अध्यक्ष, एनालिटिक एन्ड कम्प्यूटेशन शोध, इंक, कैलिफोर्निया, यू.एस., **श्री कुशल चंद सचेती**, मुख्य कार्यकारी अधिकारी, गैलेक्सी न्यूयोर्क **श्री महेश्वरी साहू** प्रधान सचिव, उद्योग व खनन, गुजरात सरकार, **प्रा. धीरज सांघवी** डीन शैक्षिक मामले व प्राध्यापक, भा.प्रौ.सं. कानपुर, **श्री पीयूष शाह**, कार्यकारी उपाध्यक्ष प्रबंध निदेशक, हितैची हाई–रेल पॉवर इलेक्ट्रोनिक्स प्राइवेट लिमिटेड, गाँधीनगर, गुजरातय **प्रा. एस. पी. सुखात्मे**, पूर्व निदेशक, भा. प्रौ.सं. मुंबईय **प्रा. नीतिश वी. ठाकोर**, निदेशक, एस.आई.एन.ए.पी. एस.ई. संस्थान, राष्ट्रीय विश्वविद्यालय सिंगापुर और **प्रा. सतीश के. त्रिपाठी**, अध्यक्ष, स्टेट विश्वविद्यालय न्यूयार्क, बुफैलो, सं.रा.अमेरिका.

भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर का प्रथम दीक्षांत समारोह

22 जुलाई 2012 को भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर का प्रथम दीक्षान्त समारोह संपन्न हुआ जहाँ 86 स्नातक छात्रों को रासायनिक, विद्युत व यांत्रिकी अभियांत्रिकी की उपाधि प्रदान की गई. **श्री एन. आर. नारायणमूर्ति**, मुख्य परामर्शदाता, इन्फोसिस टेक्नोलोजी, प्रमुख अतिथि थे. श्री मूर्ति ने स्नातकों को मजबूत व समतावादी भारत के निर्माण के दिलचस्प अवसर का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया. **डॉ. आर. ए. माशेलकर**, एफ. आर.एस. व अध्यक्ष, शासी मंडल, भा. प्रौ.सं. गाँधीनगर ने इस कार्यक्रम की अध्यक्षता की. अपने दीक्षान्त समारोह के व्याख्यान में डॉ. माशेलकर और **प्रा. सुधीर कु. जैन**, निदेशक, भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर ने भी छात्रों के लिए एक प्रेरणात्मक व्याख्यान दिए.

राष्ट्रपति–स्वर्ण पदक उत्कृष्ट शोधकर्ता पदक और दूसरे निष्पादन पदक डॉ. माशेलकर द्वारा प्रदान किये गए, जबकि बी.टेक की उपाधि प्रा. जैन द्वारा दी गई. **स्वेतेवा गांगुली** को भा. प्रौ.सं. गाँधीनगर का प्रथम राष्ट्रपति स्वर्ण पदक मिला, दूसरी श्रेणियों में दिए जाने वाले पुरस्कार हैं: संस्थान स्वर्ण पदक (**योगेश गोयल**, **प्रथमेश जुवात्कर** और **स्वेतावा गांगुली**) संस्थान रजत पदक (**प्रत्युल कपूर**, **प्रेरित तर्वे** और **ईशान तेम्भेकर**)य निदेशक स्वर्ण पदक (**सार्थक जैन**) निदेशक रजत पदक (**अक्षय विश्नोई**, **मणिशंकर शाही** और **स्वाति वर्मा**) उत्कृष्ट नव–निर्माण / इनोवेसन पुरस्कार (**केशव गिरियापनवर**) उत्कृष्ट समाज सेवा पुरस्कार (**कंचन पटेल**) सत्यनिष्ठ और अनुकरणीय मानवीय गुणों का पुरस्कार (**तन्मय वलवा**) उत्कृष्ट शोध पुरस्कार (**योगेश गोयल**) उत्कृष्ट खेलकूद निष्पादन पुरस्कार (**भार्गव कुमार थादेम**) उत्कृष्ट नेतृत्व पुरस्कार (**अजिंक्य कुलकर्णी**) अभियांत्रिकी ग्राफिक, मैनिफैक्चुरिंग व कार्यशाला अभ्यास के मूल पाठ्यक्रम में सबसे अच्छे प्रदर्शन के लिए (**सौरभ नागारेचा**) गणित के

"भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर में एक युवा विश्वविद्यालय की उदीयमान भावना है जिसका महान बनना निश्चित है. गतिशील नेतृत्व और युवा संकाय के काडर और उत्साहित छात्रों के कारण इसमें अग्रणी मार्गदर्शन की भावना है"

प्रा. नीतिश ठाकोर
प्रतिष्ठित मानद प्राध्यापक

भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर का प्रथम दीक्षांत समारोह

मूल पाठ्यक्रम में सबसे अच्छे प्रदर्शन के लिए पुरस्कार (**अनुषा गुंटूरु**) भौतिक विज्ञान रसायन शास्त्र, मानविकी और समाज विज्ञान में सबसे अच्छे प्रदर्शन के लिए पुरस्कार (**स्वेतावा गांगुली**) को दिए गए.

स्थापना कार्यक्रम 2012

19 जुलाई से 23 अगस्त के दौरान आगत छात्रों के लिए द्वितीय 5 सप्ताह का स्थापना कार्यक्रम का संचालन किया गया. इस कार्यक्रम को शारीरिक फिटनेस, मूल्य और नैतिकता, सृजनशीलता, सामाजिक जागरूकता और टीम कार्य के गुणों को अच्छी तरह मस्तिष्क में जगाने के लिए तैयार किया गया है. **श्री अरविन्द सिंघल**, अध्यक्ष टेक्नोपाक एडवाईसर प्राइवेट लिमिटेड ने इस कार्यक्रम में अपने उद्‌घाटन व्याख्यान दिए. छात्र पतंग निर्माण, हस्तलिपि / कैलीग्राफी वर्ली चित्रकारी, फाड़ पेंटिंग, थिएटर कार्यशाला, मुखौटा निर्माण और मिट्टी के बर्तन बनाने जैसे विभिन्न प्रकार के सृजनात्मक क्रिया कलापों के साथ शामिल हुए. मशहूर वक्ताओं द्वारा महत्पूर्ण विषयो पर कई व्याख्यान पेश किये गए जैसे 'सूचना पाने का अधिकार' (**डॉ. संदीप पांडे**, सामाजिक सक्रिय कार्यकर्ता) 'टीच फॉर इंडिया' (**श्री गुनवंत जैन**, टीच फॉर इंडिया–गैर सरकारी संस्थान), सामाजिक मीडिया (**श्री विजयेन्द्र हरयाल**, लेखक), नीतिशास्त्र (**प्रा. आर. पी. छावड़ा**, भा.प्रौ.सं. कानपुर), ग्रासरूट कॉमिक्स, (**प्रा. सुचित्रा माथुर**, भा.प्रौ. सं. कानपुर), अन्तः कर्मचारी संचार साधन, (**श्री रश्मि दत्त**, संस्थापक, संबाद सेवा) प्राचीन भारत में प्रौद्योगिकी, (**श्री मिशेल डैनिनो**, पुरातत्वविद एवं विद्वान) केरल स्कूल ऑफ पोलिशी मैथमेटिक्स (**डॉ. एम. डी. श्रीनिवास**, सेन्टर ऑफ पोलिशी स्टडीज) हिग्गस बोसन (**प्रा. राघवन रंगराजन**, पी.आर.एल., अहमदाबाद और ग्रोइंग इन क्वालिटीज इन इंडिया (**श्री जयदीप हार्दिकर**, पत्रकार) छात्रों को बाहर की सैर के द्वारा अपनी रूचि के ऐतिहासिक स्थानों के बारे में जानकारी डी गई जैसे लोथल, एक पुराना परम्परावादी शहर

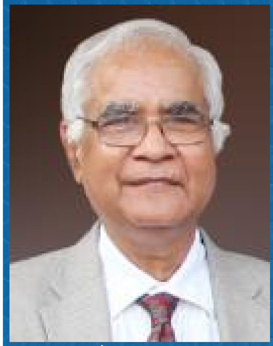
डॉ. बलदेव राज

प्रा. सुखात्मे

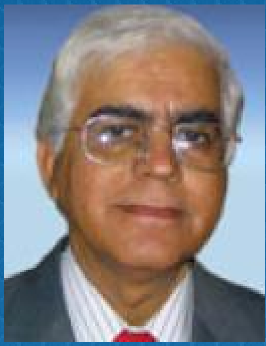
प्रा. प्रसाद

प्रो. पाठक

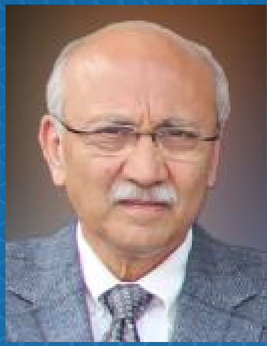
श्री नानावती

पांच नए सदस्यों का भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर बोर्ड से जुड़ना

डॉ. बलदेव राज को भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर बोर्ड का नया अध्यक्ष मनोनीत किया गया है. डॉ. राज भारतीय राष्ट्रीय एकेडमी इंजीनियरी, अंतर्राष्ट्रीय वेल्डिंग संस्था के अध्यक्ष है व "अडवांस स्टडीज" संस्था 'पी.एस.जी.' के शोध सलाहकार मंडल कोयम्बतूर के अध्यक्ष है. उन्हें अनगिनत पुरस्कार व प्रतिष्ठा मिली है, जुसमे पद्मश्री (2007) भारतीय नाभकीय समाज, जीवन पर्यंत उपलब्धि पुरस्कार (2004) और पहला डॉ. होमी भाभा शताब्दी पुरस्कार (2009) शामिल है. मंडल में जुड़ने वाले दूसरे सदस्य है प्रा. एस. पी. सुखात्मे, पूर्व अध्यक्ष परमाणु उर्जा नियामक मंडल, प्रो. दीपक बी. पाठक, सुब्राओ एम. निलेकानी अध्यक्ष, प्रोफेसर भा.प्रौ.सं. बॉम्बे और श्री कमाल नानावती अध्यक्ष, सामरिक विकास, एम. एस. रिलायन्स उद्योग लिमिटेड.

भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर प्रशासकीय मंडल से पद–मुक्त डॉ. आर. ए. माशेलकर एफ. आर. एस. व सी. एस. आई. आर. भटनागर अध्यक्ष फेलो का आभार प्रकट करता है. संस्था कृतज्ञता पूर्वक मंडल निर्गत सदस्यों श्री सुरेश नेओतिया सम्मानपूर्वक सेवा मुक्त, अध्यक्ष अम्बुजा सीमेंट, श्री मलविंदर मोहन सिंह समूह अध्यक्ष, रेलिगेयर व फोर्टिज हेल्थकेयर लिमिटेड, श्री दीपक सूरी अध्यक्ष, प्रवंध निदेशक, मोजर वेयर भारत लिमिटेड, श्री अशोक ठाकोर विशिष्ठ सचिव मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार.

अहमदाबाद और श्रेयस संग्रहालय व गुजरात विद्यापीठ की सैर, कार्यक्रम का समापन मुख्य अतिथि **प्रा. महेश टंडन**, प्रबंध निदेशक, टंडन कंसल्टेंट प्राइवेट लिमिटेड नई दिल्ली के लोकप्रिय व्याख्यान द्वारा किया गया. 5 सप्ताह के इस अनूठे कार्यक्रम का समन्वय **प्रा. अमित अरोरा** व **प्रा. प्राची थरेजा** द्वारा किया गया.

युवा शोधकर्ता कान्क्लेव (वाई.आर.सी.)

27–29 दिसम्बर 2013 के दौरान द्वितीय युवा शोधकर्ताओ का कान्क्लेव ६ विशिष्ट सम्मेलन (वाई.आर.सी.) भा. प्रौ.सं. गाँधीनगर में संपन्न हुआ जिसमे विश्व भर से भारतीय मूल के 35 युवा व प्रतिभावान शोधकर्ता शामिल हुए. अपनी तरह के इस अनोखे दो दिवसीय सम्मेलन में भारत में खास तौर पर भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर में शैक्षिक जीवन के बिभिन्न पहलुओं पर विवेचन शामिल है. इसके साथ ही शोध के फंड और प्रायोगिक शोध के लिए संसाधन पर सूचना बैठक भी हुई. नए भा.प्रौ.सं. में जीवन, शोध में महिलायें, शोध के लिए फंड पाने के अवसर, सहयोगात्मक अवसर भारत लौटने की खुशी व चुनौतियों जैसे विषय भी शामिल किये गए. यह कान्क्लेव **सौरीन्द्र चौधुरी**, विकास त्रिवेदी (स्नातक छात्र, प्रिंसटन विश्वविद्यालय और कलटेक) **प्रा. श्रीनिवास रेड्डी** और **प्रा. हरीश पी. एम.** के द्वारा संगठित किया गया. यह कार्यक्रम आंशिक रूप से गुजरात सरकार द्वारा प्रायोजित किया गया.

युवा शोधकर्ता कान्क्लेव (वाई.आर.सी.)

भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर ऊष्मायन केंद्र (आई.आई.सी.)

23 जून 2012 को हुई बैठक में शासी मंडल ने भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर में ऊष्मायन केंद्र की स्थापना की स्वीकृति दी. भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर को भारत सरकार की तरफ से एक प्रौद्योगिक ऊष्मायन व उद्यमकर्मी केंद्र के विकास के लिए 1.55 करोड़ रुपये देने की स्वीकृति मिली है. इसका उद्देश्य भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर के स्नातकों के लिए एक मंच प्रदान करना है ताकि व्यावसायिक उपयोग के लिए विकासशील प्रौद्योगिकी में प्रयोग किया जाए. व उद्यमशीलता की भावना को बढ़ावा मिले. यह कदम भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर के विश्वास की डोर के साथ है कि इसके कई स्नातक नौकरी ढूंढने के बजाय नौकरी देने वाले होंगे. प्रथम बैच में 4 छात्र, **श्री सार्थक जैन**, **श्री प्रथमेश जुवात्कर**, **श्री प्रशान्त बोर्डे** और **श्री जी. नीतिन कुमार** ने एक प्रौद्योगिकी नई पद्धति वाली कंपनी की स्थापना की है जिसका नाम '**ग्रीडएंट्स**' है. यह भा. प्रौ.सं. गाँधीनगर में आरंभ की गई प्रथम कंपनी है. यह कंपनी वर्गीकृत आकलन को केन्द्रीभूत करने पर ध्यान देती है और विभिन्न भौगोलिक स्थानों पर आकड़ों को इकठ्ठा करने व उन्हें इस्तेमाल करने के लिए प्रौद्योगिकी समाधान पेश करने का लक्ष्य रखती है. ग्रीडएंट्स का प्रमुख उत्पाद एल.बी. एस.2.0 है जो पेटेंट के लिए विचाराधीन तकनीक है जो सिर्फ 10 फीट की त्रुटि तक स्थान की सही जानकारी देने में समर्थ है. यह दूसरे उपग्रह पर आधारित लोकेशन सर्विस द्वारा प्रदत्त बर्तमान सटीकता की तुलना में एक नाटकीय सुधार है. इस तकनीक को मॉल, संग्रहालयो, हवाई अड्डों, होटलों, अस्पतालों, संस्थाओ व विभिन्न सार्वजनिक स्थानों में अपनाने की संभावना है. गुजरात सरकार के निवेदन पर जीवंत गुजरात 2013 में ग्रीडएंट्स ने इस प्रौद्योगिकी के सम्पूर्ण संभावना का प्रदर्शन किया जहा 5000 से ज्यादा प्रतिनिधियों ने इस सुविधा का इस्तेमाल किया. इसने उन्हें व्यस्त दिनचर्या को संभालने में साथ ही और सही समय में सूचना प्राप्त करने में सहायता की जिसकी उन्हें तलाश थी. यह कंपनी शापिंग मॉल के साथ बीटाटेस्ट भी करवा रही है और इस वर्ष के अंत तक 10 लोकेशन और 2015 तक 200 सार्वजनिक लोकेशन की मैपिंग की भी उम्मीद है. कंपनी के अन्य प्रस्तावों में एक है बुद्धिमतापूर्ण स्वचालित निगरानी व्यवस्था जो निगरानी रखने में समर्थ है और जो अपराध रोकने और अधिकारियो को पहले सावधान करने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है. उन्होंने एक ऐसा तंत्र विकसित किया है जो पूरे वेब और सामाजिक मिडिया के ब्रांड प्रदर्शन की निगरानी रखने और ब्रांड ट्रैक रखने व वेब मार्केटिंग खर्च जानने में सहायता करती है.

रोड्डम नरसिम्हा सेमिनार श्रृंखला

रोड्डम नरसिम्हा सेमिनार श्रृंखला की स्थापना भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर में **प्रा. रोड्डम नरसिम्हा** जो एक मशहूर

रोड्डम नरसिम्हा सेमिनार श्रृंखला

वैज्ञानिक व अभियंता हैं को सम्मानित करने के लिए की गई है. प्रा. नरसिम्हा राष्ट्रीय वैज्ञानिकी प्रयोगशाला (1984–1993) और राष्ट्रीय उन्नत विज्ञान संस्थान (1997–2004) के पूर्व निदेशक हैं. उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मंडल व विज्ञान सलाहकार समिति, प्रधानमंत्री, मंत्रिमंडल, में अपनी सेवा प्रदान की है. प्रा. नरसिम्हा ने हवाई–अंतरिक्ष तरल–गति विज्ञान में शोध किया है जो वातावरण की

समस्याओ से सम्बंधित हैं. विज्ञान और प्रौद्योगिकी में उनके योगदान के लिए उन्हें पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया है. नरसिम्हा सेमिनार श्रृंखला भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर की स्थापना शास्त्री स्थाई निधि की सहायता से संभव हुई जिसकी स्थापना **प्रा. ए.वी. अनिलकुमार** ने अपने माता–पिता की याद में की थी.

पियर असिस्टेंट लर्निंग (पी.ए.एल.)

यह एक शैक्षिक सहायता योजना है जिसे **पियर असिस्टेंट लर्निंग** कहा जाता है और जो प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए अक्टूबर 2012 में आरम्भ की गई. यह कार्यक्रम खासतौर पर प्रथम वर्ष के छात्रों के लिए है जो अपने पाठ्यक्रम में अंग्रेजी माध्यम को अपनाने में कठिनाई महसूस करते हैं. प्रथम वर्ष के छात्रों का पथ प्रदर्शक व सलाहकार एक वरिष्ठ छात्र (द्वितीय या तृतीय वर्ष) को बनाया जाता है जो अपने ज्ञान व अनुभव को उनके साथ बांटता है व सिखने के नए वातावरण को अपनाने में सहायता करता है. यह कार्यक्रम एक अनौपचारिक व समान वातावरण में शैक्षिक विषयों पर बातचीत को बढ़ावा देता है. 6 द्वितीय व तृतीय वर्ष के छात्रों द्वारा 12 प्रथम वर्ष के छात्रों की सहायता प्रदान की जाती है. इस पथप्रदर्शक सलाहकार समूह के छात्रों के नाम हैं **हर्ष गुप्ता**, **मनसा रेड्डी**, **मोहित शर्मा**, **नवरकर अभिषेक चंद्रकांत**, **अंकिता शर्मा** और **शिवान्शु अरोरा**. नए छात्र व पथप्रदर्शक सलाहकार प्रत्येक सप्ताह 4 घंटे के लिए मिलेंगे साधारणतया शाम को. इस कार्यक्रम को **प्रा. कबीर जसूजा** ने भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर के परामर्शदायी सेल की सहायता से समन्वित किया.

भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर का अवर स्नातक छात्रों के लिए ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप

द्वितीय ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप कार्यक्रम मई–जून 2012 के दौरान संपन्न हुआ. 20 विभिन्न संस्थानों के कुल 30 छात्रों ने इसमे भाग लिया. भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर के करीब 60 अवर स्नातकों ने इस संस्थान में अपना ग्रीष्मकालीन शोध इंटर्नशिप किया इसमें भाग लेने वालो के लिए अपने इंटर्नशीप के दौरान अपने शोध–अनुभवों को आदान प्रदान करने के लिए प्रोग्राम के समापन के समय एक विशेष विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया था.

ग्रीष्मकालीन शोध अवसर–अन्य अभियांत्रिकी संस्थानों के संकाय के लिए

भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर देश के उदार शैक्षिक बंधुता से सक्रियता से जुड़ने में दृढ़ विश्वास रखता है. इस उद्देश्य के लिए संस्थान ने प्रमुख संस्थानों के संकाय सदस्यों को भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर में चलने वाले शोध परियोजनाओ में भाग लेने और भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर के संकाय सदस्यों के मार्गदर्शन व परामर्श का लाभ उठाने के लिए आमंत्रित किया. श्री माता बैष्णव देवी विश्वविद्यालय कटरा, वी.एन.आई.टी., नागपुर एंड डी.डी.यू., नडियाड से 3 अभ्यागत संकाय इस व्यवस्था के तहत ग्रीष्मकालीन शोध में भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर संकाय के साथ रहे.

पैन– भा.प्रौ.सं. सम्मेलन

पैन– भा.प्रौ.सं. 2012 का आयोजन कोलकाता में दिसंबर 7–9, 2012 तक किया गया. **प्रा. भास्कर दत्ता** के नेतृत्व में 3 छात्रों व एक स्टाफ–सदस्य की टीम ने इस संस्था का प्रतिनिधित्व किया. संस्था के बूथ पर आनेवाले दर्शक भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर की अवर स्नातक शिक्षा के प्रति विशिष्ट दृष्टिकोण की एक झांकी देखने में समर्थ थे. टीम ने आगंतुकों के सामने साबरमती नदी के किनारे स्थित भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर परिसर के डिजाइन से लेकर प्रथम बैच की उपलब्धियों के संक्षिप्त विवरण दिए.

स्टाफ शिक्षण–प्रशिक्षण कार्यक्रम (स्टेप)

भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर में प्रथम स्टाफ

स्टाफ शिक्षण–प्रशिक्षण कार्यक्रम (स्टेप)

शिक्षण–प्रशिक्षण कार्यक्रम की स्थापना 2 जून 2012 को हुई. **श्री जैकब मैथ्यू** द्वारा आयोजित **टीम निर्माण** कार्यशाला में 23 स्टाफ–सदस्यों ने भाग लिया. द्वितीय स्टेप कार्यक्रम, **सहकारी विषय व अधिनियम** के ऊपर था जिसका आयोजन 4 अगस्त 2012 को किया गया यह कार्यक्रम **श्री डी.एस. गुप्ता**, वरिष्ठ सहायक कुलसचिव, भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर, मुंबई सेल द्वारा किया गया और 36 सदस्यों ने इसमें भाग लिया. दूसरे प्रशिक्षण कार्यक्रम 'खरीद प्रक्रिया, आचरण नियमावली और अवकाश नियम' का आयोजन 6 अक्टूबर 2012 को **श्री पिजुष मजूमदार**, सहायक कुलसचिव (सामग्री प्रबंध) और **श्री राम बाबू भगत**, सहायक कुलसचिव (प्रशासन) भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर यथाक्रम किया गया. ईमेल और दूरभाष शिष्टाचार पर एक बैठक **सुश्री श्रुति शाह** द्वारा 15 दिसंबर 2012 को आयोजित किया गया. **एडवांस माइक्रोसॉफ्ट एक्सल** और एक्सेस पर एक प्रशिक्षण कार्यशाला 2–3 फरवरी 2013 और 23 फरवरी 2013 को यथाक्रम आयोजित किया गया.

भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर का 2013 सी.यू.डी.ए. प्रशिक्षण केंद्र के लिए चयन

भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर को 2013 के लिए सी.यू.डी.ए. के लिए चुना गया है. सी.यू.डी.ए. शिक्षण केंद्र उनके मुख्य धारा कंप्यूटर कार्यक्रम पाठ्यक्रम में जी.पी.यू. एकबद्ध आकलन तकनीक है. छात्र और संस्थान के अन्य सदस्य सी.यू.डी.ए. सीध्सी़ विकास डिबगिंग प्रायोगिकी का प्रत्यक्ष अनुभव के लिए सी.यू.डी.ए. समर्थ प्रणाली में इनका इस्तेमाल कर सकते हैं. आजकल सी.यू.डी.ए. शोध व शिक्षण केंद्र पूरे 42 देशों में उपलब्ध है.

नए भा.प्रौ. संस्थानों के पुस्तकालयाध्यक्षों का सम्मेलन

भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर ने संसाधन के आदान–प्रदान को मजबूत बनाने के उद्देश्य से नए भा.प्रौ.सं. के पुस्तकालयाध्यक्षों के प्रतिनिधियों की प्रथम बैठक के लिए 29–31 अक्टूबर 2012 तक अपनी मेजबानी प्रदान की. विभिन्न भा.प्रौ.संस्थानों, भा.प्रौ.सं.(बी.एच.यू.), भा.प्रौ.सं. भुबनेश्वर, भा.प्रौ.सं. दिल्ली, भा.प्रौ.सं. हैदराबाद, भा.प्रौ.सं. इंदौर, भा.प्रौ.सं. मंडी, भा.प्रौ.सं.

नए भा.प्रौ. संस्थानों के पुस्तकालयाध्यक्षों का सम्मेलन

राजस्थान व भा.प्रौ.सं. रोपड़ के प्रतिनिधियों ने भाग लिया. आई.एन.डी.ई.एस.टी.– ए.आई.सी.टी.ई. कंसोर्टियम नई दिल्ली व आई.एन.एफ.एल.आई.बी.एन.ई.टी. केंद्र अहमदाबाद के वरिष्ठ अधिकारी इस सम्मेलन में शामिल हुए. प्रा. सुधीर कु. जैन, निदेशक, भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर ने अपने उद्घाटन व्याख्यान दिए और प्रा. आर. शरण, अध्यक्ष, पुस्तकालय समिति भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर ने आरंभिक टिप्पणी पेश की. यह सम्मेलन डॉ. टी.एस. कुम्बार और सुश्री पन्ना चौधरी ने आयोजित किया.

वी.जी.ई.सी.– भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर

PLANET HOUSE
RED ROCK

छात्रों के लिए छात्रवृत्ति

योग्यता सह–साधन छात्रवृत्ति

2012–13 वर्ष के लिए योग्यता सह–साधन छात्रवृत्ति सामान्य व ओ.बी.सी. श्रेणी के छात्रों को प्रदान की गई है. छात्रवृत्तियॉ योग्य छात्रों (प्रथम वर्ष के उच्च जे.ई.ई. रैंक व सी.पी.आई., 6.5 से ज्यादा, वरिष्ठ छात्रों) को प्रदान की गई. जिनके माता–पिता की सीमित आय है. (अभी 4.5 लाख प्रति वर्ष) योग्यता सह–साधन छात्रवृत्ति में शिक्षण शुल्क की छूट (वर्तमान राशि 50000/– रुपये प्रति वर्ष) और 1000 रुपये राशि प्रति महीने 10 महीने के लिए है. इसके साथ ही शिक्षण शुल्क की माफी 25 छात्रों को दी गई जो योग्यता सह–साधन में योग्यता के आधार पर सफल नहीं हुए लेकिन जिन्हें आर्थिक सहायता की जरुरत थी 25 ऐसे छात्रों में 17 को सिर्फ एक सत्र के लिए सहायता दी गई. सभी अनुसूचित जन–जाति श्रेणी के सभी छात्रों को शिक्षण–शुल्क की छूट दी गई. इसके साथ अनुसूचित जनजाति श्रेणी के 50 छात्रों को छात्रों के मेस खाने के शुल्क से मुक्त किया गया व 250 रुपये प्रति महीने की राशि 10 महीने के लिए दी गई जिनके माता–पिता की आय योग्यता सह साधन के लिए निर्धारित सीमा के अंदर है.

उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति

भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर ने शिक्षण खेल–कूद कला व संस्कृति और सामाजिक कार्य व नेतृत्व में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए कई योग्यता छात्रवृत्ति आरंभ की है. इस छात्रवृत्ति में 10 महीने के लिए 2000 रुपये प्रति महीने का वृत्ति शामिल है. विभिन्न श्रेणियों में 2012–13 के शैक्षिक वर्ष के लिए इन छात्रवृत्तियों को पानेवाले के नाम हैं:

शैक्षिक उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति

तृतीय वर्ष के श्रुति जैन (सी.पी.आई. 9.50) विपुल गोयल (सी.पी.आई. 9.47), मोहक पटेल (सी.पी.आई. 8.76). द्वितीय वर्ष के पी. सुषमा श्री (सी.पी.आई. 8.62), ऐश्वर्या अग्रवाल (सी.पी.आई. 9.42) और धवनील शुक्ला (सी.पी. आई. 9.61)य प्रथम वर्ष के राज शाह (सी.पी.आई. 9.89), और प्रथमेश शाह (सी.पी.आई. 9.57).

खेलकूद में उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति

6 छात्रों को खेलकूद में उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति प्रदान की गई. ये खेलकूद उपलब्धियाँ अंतर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान प्रतियोगिता या इस तरह के राष्ट्रीय प्रतियोगिता के स्तर के होने की अपेक्षा की जाती है. श्रुति जैन, विश्वेन्द्र जोशी, सुरेश चौधरी, वृशिकेत पाटिल और पर्थ साने को इस श्रेणी के अंतर्गत 2012–13 के वर्ष के लिए छात्रवृत्तियां प्रदान की गई.

कला व संस्कृति में उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति

2 छात्रों को कला व संस्कृति में उत्कृष्टता के लिए छात्रवृत्ति दी गई. यह छात्रवृत्ति उन्हें अंतर भा.प्रौ.सं. के कला व सांस्कृतिक सम्मेलन या इस तरह के अपेक्षित राष्ट्रीय स्तर के प्रदर्शन के लिए दिया गया. श्रंखला नार्या को वर्ष 2012–13 के लिए कला और संस्कृति उत्कृष्टता का पुरस्कार मिला.

क्लब

नए निर्मित वी.जी.ई.सी.– भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर क्लब के लिए वी.जी.ई.सी. के 200 से ज्यादा प्रथम वर्ष के छात्रों ने हस्ताक्षर किये. इस पहल के द्वारा भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर इन प्रथम वर्ष वी. जी.ई.सी. छात्रों को शैक्षिक कार्यक्रम प्रदान करेगा. प्रा. शर्मिता लाहिड़ी ने समूह–चर्चा की कार्यशाला के साथ 17 मार्च 2013 को इनमे से प्रथम बैठक का नेतृत्व किया. इस श्रृंखला को प्रा. अचल मेहरा ने समन्वित किया.

प्रतिष्ठित मानद प्राध्यापक

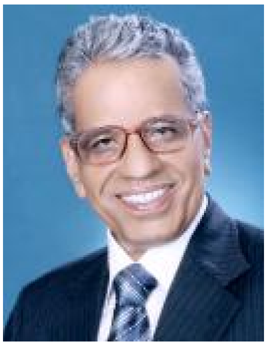

प्रा. जे.बी. जोशी

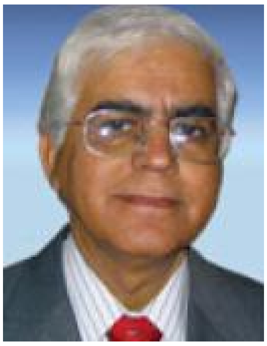

प्रा. सुरेन्द्र प्रसाद

प्रा. जे. बी. जोशी

प्रा. जे. बी. जोशी रासायनिक अभियांत्रिकी व जे.सी. बोस राष्ट्रीय फेलो, रासायनिक अभियांत्रिकी संस्थान (आई.सी.टी.) मुंबई के सुप्रसिद्ध प्राध्यापक हैं और डी.ए.ई.–होमी भाभा प्रतिष्ठित चेयर प्राध्यापक, होमी भाभा राष्ट्रीय संस्थान (एच.बी.एन.आई.) मुंबई है. शोध में उनकी अभिरुचि खास कर, कम्प्यूटेसन फ्लुइड डाइनामिक्स (सी. एफ.डी.) ट्रांसपोर्ट फेनोमेनल और नॉन–लिनिअर डाइनामिक्स इन मल्टीफेज सिस्टम, उर्जा, जैविक, अपशिष्ट जल उपचार, पेट्रोलियम अवशेष उन्नयन, किण्वन / एनजाईम अभियांत्रिकी, गैस उत्प्रेरण प्ररित / सतह वातका, एन.ओ.एक्स. उपशमन, उन्होंने 65 से ज्यादा डॉक्टोरल छात्रों का निरीक्षण किया है और 350 अंतर्राष्ट्रीय जर्नल व 26 राष्ट्रीय जर्नल साथ ही कई सम्मेलनों व पुस्तकों में अपना योगदान दिया है. उन्हें शिक्षण व शोध में करीब 40 वर्षों का अनुभव है. उन्होंने अपूर्व नवेल रिएक्टर प्रक्रिया व प्लांट्स डिजाइन किये हैं जिनका भारत व विदेशो में सफल व्यापारिक इस्तेमाल है. ये भारत व विदेशो में व्यावसायिक रूप में सफलता पूर्वक कार्य करते हैं. वे रासायनिक प्रक्रिया उद्योग के एक बड़े भाग के सक्रिय परामर्शदाता हैं. वे कई राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय पुरस्कार व प्रतिष्ठा के विजेता हैं जैसे महाराष्ट्रा शैक्षिक विज्ञान फेलो (1987) भारतीय शैक्षिक विज्ञान फेलो (1991), अभियांत्रिकी विज्ञान के लिए शांति स्वरुप भटनागर पुरस्कार (1991) भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान शैक्षिक फेलो, नई दिल्ली (1995), महाराष्ट्र सरकार का सर्वश्रेष्ठ शिक्षक पुरस्कार वर्ष 2004 के लिए, 2007 में अमेरिकन रासायनिक समाज (ए.सी.एस.) ने उच्च प्रभाव वाले प्रकाशन के आधार पर औद्योगिक व अभियांत्रिकी रसायन शास्त्र के शोध के 40 वर्षों के अस्तित्व में 100 शिखर के शोध वैज्ञानिक में उनका चयन किया है. वे कई महत्वपूर्ण राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय निकाय के सदस्य हैं.

प्रा. सुरेन्द्र प्रसाद

प्रा. सुरेन्द्र प्रसाद ने भा.प्रौ.सं. खड़गपुर व भा.प्रौ.सं. दिल्ली में अपनी शिक्षा प्राप्त की. 4 दशको से भी ज्यादा समय तक ये भा.प्रौ.सं. दिल्ली में सेवारत रहे. इस दौरान इन्होंने कई शैक्षिक व प्रशासनिक जिम्मेदारिया वहन की. निदेशक का पद भी संभाला. वे एक प्रमुख शिक्षाविद व शोधकर्ता हैं व शिक्षण व शोध में कई सम्मान प्राप्त किए हैं. जिसमें इलेक्ट्रोनिक व दूरसंचार (1947) में विक्रम साराभाई शोध पुरस्कार, शांतिस्वरुप भटनागर पुरस्कार, अभियांत्रिकी विज्ञान (1988), वास्विक पुरस्कार सूचना प्रौद्योगिकी (2006) वी.ए.एस.वी.आई.के. जीवन पर्यंत उपलब्धि पुरस्कार, भारत के

> भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर मुझे एक ऐसे संस्थान की याद दिलाता है जो उच्चतर अभियांत्रिकी शिक्षा के सभी पहलुओ जैसे– पाठ्यक्रम डिजाइन, शोध दर्शन और शिक्षण विधि में सर्वांगीण सृजनशीलता के साथ नई पद्धति के दृष्टिकोण के प्रति भयभीत नहीं है. मैं इसे निकट भविष्य में एक विश्वस्तरीय अग्रणी प्रौद्योगिकी संस्थान बनने की अपेक्षा रखता हूँ

प्रा. सुरेन्द्र प्रसाद
प्रतिष्ठित मानद प्राध्यापक

सिस्टम्स सोसाइटी (2011), प्रतिष्ठित भूतपूर्व छात्र पुरस्कार भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, साथ ही उन्हें 2007 में ल्यूफबोरो विश्वविद्यालय, यू.के. द्वारा प्रतिष्ठित डॉक्टरेट से भी सम्मानित किया गया. वे भारतीय राष्ट्रीय शैक्षिक अभियांत्रिकी, भारतीय राष्ट्रीय विज्ञान एकेडमी, भारतीय एकेडमी ऑफ साइंस और राष्ट्रीय एकेडमी ऑफ विज्ञान के फेलो हैं व सी.एस.आई.आर. के गवर्निंग बॉडी के और सी.एस.आई.आर. समाज, भारत सरकार व कई भा.प्रौ.सं., एन.आई.टी. व दूसरे अभियांत्रिकी संस्थाओ के सदस्य रहे हैं.

प्रा. सुहास पी. सुखात्मे

प्रा. सुहास पी. सुखात्मे, सम्मान के साथ सेवा–निवृत्त प्राध्यापक, भा.प्रौ.सं. मुंबई, ने 1964 में एम.आई.टी. से डॉक्टर ऑफ साइंस की उपाधि प्राप्त की और शिक्षण व शोध में अपने उत्कृष्ट योगदान के लिए सुप्रसिद्ध हैं वे ताप स्थानान्तरण व सौर उर्जा पर लिखी अपनी 2 सुप्रसिद्ध मूल पुस्तक के लेखक हैं. उन्हें कई पुरस्कार व प्रतिष्ठी मिली है जिसमें 1958 में मिला प्रिंस ऑफ वेल्स स्वर्ण पदक बनारस हिंदू विश्वविद्यालय, शांति स्वरुप भटनागर पुरस्कार 1983 और ओम प्रकाश भसीन फाउन्डेसन स्थापना पुरस्कार, अभियांत्रिकी 2001 शामिल है "2001 में जीवन पर्यंत उपलब्धि का प्रथम पुरस्कार" भा.प्रौ.सं. मुंबई पाने वाले वे प्रथम व्यक्ति हैं. 2001 में उन्हें बनारस हिंदू विश्वविद्यालय द्वारा विज्ञान के प्रतिष्ठित डॉक्टर की डिग्री प्रदान की गई. 2001 में भारत सरकार द्वारा उन्हें पद्मश्री से बिभूषित किया.

प्रा. नीतिश वी. ठाकोर

प्रा. नीतिश वी. ठाकोर जैवचिकित्सा अभियांत्रिकी विद्युत और कंप्यूटर अभियांत्रिकी और स्नायु / तंत्रिका विज्ञान, जॉन होपकिंस विश्वविद्यालय में एक प्राध्यापक हैं. और स्नायु अभियांत्रिकी के लिए प्रयोगशाला को निर्देशित करते हैं. वे सिंगापुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय में स्नायु प्रौद्योगिकी के लिए सिंगापुर संस्थान (एस.आई.एन.ए. पी.एस.ई.) में निदेशक भी हैं. उन्होंने भा.प्रौ.सं. मुंबई से 1974 में अवर स्नातक की उपाधि व 1981 में पी.एच. डी. विस्कांसिन विश्वविद्यालय, मडिसन से अर्जित की. प्रा. ठाकोर की यांत्रिकी विशिष्टता स्नायु निदान उपकरण, स्नायु सूक्ष्म प्रणाली, स्नायु संकेत प्रक्रिया, स्नायु तंत्र के ऑप्टिकल इमेजिंग, कृत्रिम अंग, तंत्रिका नियंत्रण और मस्तिष्क मशीन अंतरफलक में है. वे 240 से ज्यादा उल्लिखित पत्र–पत्रिकाओ / जर्नल के सह–लेखक हैं व आजकल वे जैविक अभियांत्रिकी व आकलन के प्रमुख चिकित्सा संपादक हैं. वे आई.ई.ई.ई. तंत्रिका तंत्र के आदान–प्रदान और पुनर्वास अभियांत्रिकी रिहैबिलिटेशन

प्रा. सुहास पी. सुखात्मे

प्रा. नीतिश वी. ठाकोररू

अभियांत्रिकी के 2005 से 2011 तक प्रमुख संपादक थे. प्रा. ठाकोर को राष्ट्रीय स्वास्थ्य संस्थान से रिसर्च करियर विकास पुरस्कार और राष्ट्रीय विज्ञान स्थापना से द प्रेसिडेंसियल यंग इन्वेस्टीगेटर पुरस्कार प्राप्त हैं. वे अमेरिकन चिकित्सा व जैविक अभियांत्रिकी संस्थान आई.ई.ई.ई. के फेलो हैं. जैव चिकित्सा अभियांत्रिकी समाज के संस्थापक फेलो हैं व अभियांत्रिकी समाज के संस्थापक फेलो हैं व अंतर्राष्ट्रीय फेडरेशन ऑफ चिकित्सा व जैविक अभियांत्रिकी के फेलो हैं. उन्हें स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग, विस्कांसिन विश्वविद्यालय से 2008 में सेंतेंनिअल मेडल तथा अल्फा एटा मू बीटा बायोमेडिकल इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स ऑनर सोसाइटी से सम्मानीय सदस्यता मिली है. उन्हें आई.ई.ई.ई. इंजीनियरिंग इन मेडिसिन व बायोलोजी सोसाइटी से स्नायु अभियांत्रिकी में टेक्नीकल एक्सलेंस का पुरस्कार मिला और प्रतिष्ठित पूर्व छात्र पुरस्कार 2012 में भा.प्रौ.सं. मुंबई व विस्कांसिन विश्वविद्यालय, मैडिसन स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग से 2012 में सन्तेनिअल मेडल मिला है.

अतिथि प्राध्यापक

अतिथि प्राध्यापक एक वर्ष में कम से कम 10 दिन भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर में बिताने के लिए बचनबद्ध हैं. इन्हें शैक्षिक सहयोग व उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए नियमित रूप से आमंत्रित किया जाता है. अतिथि प्राध्यापक के तौर पर संस्थान से जुड़ने वाले शिक्षाविद् है:

डॉ. निखिल बलराम

डॉ. निखिल बलराम, रिको इनोवेशन इंक 'एक सिलिकन वैली' कंपनी के अध्यक्ष व मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं जो रिको कंपनी लिमिटेड के लिए नवीन प्रौद्योगिकी व नए बिजनेस अवसर का विकास करती है. डॉ. बलराम 20 वर्ष के अपने उद्योग अनुभव के साथ विविध प्लेटफोर्म में विडियो डिस्प्ले प्रौद्योगिकी में एक विशेष प्रवर्तक के तौर पर पूरे उद्योग जगत में काफी सम्मानित माने जाते हैं. उन्हें 9वे वार्षिक अंतर्राष्ट्रीय व्यापार पुरस्कार में स्वर्ण स्टीव, पुरस्कार इलेक्ट्रोनिक श्रेणी में वर्ष के कार्यपालक पुरस्कार से, सोसाइटी फॉर सूचना डिस्प्ले (एस.आई.डी.) द्वारा 2012 फेलो पुरस्कार और 2011 पूर्व छात्र उपलब्धि पुरस्कार, कार्नेगी मेलोन विश्वविद्यालय द्वारा सम्मानित किया गया. वे कार्नेगी मेलोन विश्वविद्यालय में विद्युत अभियांत्रिकी में सहायक प्राध्यापक हैं. कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय वर्कले में 'एक विजन' विज्ञान में अभ्यागत प्राध्यापक हैं और इन्होंने सांता क्लारा विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग में इंडस्ट्री एडवाईजरी बोर्ड (आई.ए.बी.) में अपनी सेवा प्रदान की है. उनके पास 50 यू.एस. स्वीकृत व विचाराधीन पेटेंट हैं और 30 से भी ज्यादा प्रौद्योगिकी प्रकाशन हैं. उन्होंने अपना बी.एस., एम. एस. और पी.एच.डी. विद्युत अभियांत्रिकी में कार्नेजी मेलोन विश्वविद्यालय से की है.

श्री मिशेल डैनिनो

श्री मिशेल डैनिनो, 1977 में भारत आने के बाद भारतीय सभ्यता के एक स्वतंत्र छात्र रहे हैं. उन्होंने फ्रेंच व अंग्रेजी में पेपर व पुस्तके लिखी हैं उनकी अंतिम रचना है 'दी लास्ट रिवर ऑन दी ट्रेल ऑफ दी सरस्वती (पेंगुइन इंडिया 2010) और इंडियन कल्चर एंड इंडियाज फ्यूचर (डी.के. प्रिंटवर्ल्ड 2011) है. पूरे देश में उन्होंने उच्चतर शिक्षा वाले विभिन्न संस्थानों में पुरातत्वता, प्राचीन ऐतिहासिक और सांस्कृतिक बोधक धारा के आधार पर भारतीय सभ्यता के उद्‌गम पर विस्तृत रूप से अपने व्याख्यान दिए. वे भा.प्रौ. सं. कानपुर के अभ्यागत संकाय सदस्य रहे हैं और आजकल वे आई.आई.एम. रांची के अभ्यागत संकाय हैं. उनकी अन्य अभिरुचि में पर्यावरणीय संरक्षण शामिल है. तथा वे भारतीय परम्परा पर नवीन शैक्षिक सामग्री के सृजनकर्ता हैं.

प्रा. के. एस. गाँधी

प्रा. के. एस. गाँधी जो रासायनिक अभियांत्रिकी में स्नातक की उपाधि आन्ध्र विश्वविद्यालय से 1962 में तथा स्नातकोत्तर की डिग्री 1965 में ओहियो स्टेट विश्वविद्यालय से, डॉक्टोरल उपाधि 1971 में कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय वर्कले से प्राप्त की. वे भा.प्रौ.सं. कानपुर में 1971 से 1986 तक और उसके बाद आई.आई.एस.सी. बंगलोर में 1986 से 2005 तक प्राध्यापक रहे. उनके औधोगिक अनुभव

डॉ. निखिल बलरामरू

श्री मिशेल डैनिनो

प्रा. के. एस. गाँधी

*For part of the year

डॉ. प्रवीनरे डी. गाँधी

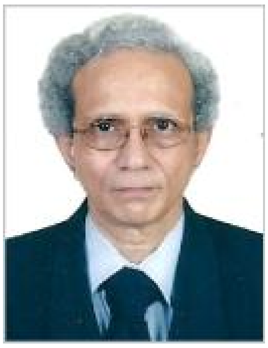

प्रा. दीपन के. घोष

प्रा. विजय गुप्ता

प्रा. सुचित्रा माथुर

में जे.के.पेपर मिल्स, रायगढा और पिल्किंगटोन ब्रदर्स शोध केंद्र, ब्रिटेन में कार्य करना शामिल है. वे भारतीय रासायनिक अभियंता संस्थान के सदस्य हैं और भारतीय शैक्षिक विज्ञान संस्थान और भारतीय राष्ट्रीय अभियांत्रिकी शिक्षण संस्थान के फेलो हैं.

डॉ. प्रवीनरे डी. गाँधी

डॉ. प्रवीनरे डी. गाँधी आजकल यू. एल. में कारपोरेट शोध के निदेशक हैं. उन्होंने अपना बी.टेक. भा.प्रौ.सं. दिल्ली व पी.एच.डी. नोट्रे डेम से किया है. उनका पूरा ध्यान आग से होनेवाले जोखिम व खतरों को मापने पर है और वे नई परीक्षण विधि व मानक के विकास से जुड़े रहे हैं वे नई अग्नि सुरक्षा संहिता के विकास के लिए अग्नि सुरक्षा समुदाय के साथ कार्य करते रहे हैं.

प्रा. दीपन के. घोष

प्रा. दीपन के. घोष आजकल भा.प्रौ. सं. मुंबई में भौतिकी विज्ञान के प्राध्यापक हैं. वे एक संघनित पदार्थ विचारक हैं जिन्होंने शुरू में निम्न चुम्बकीय आयाम पद्धति में कार्य किया है. वे अपने एकआयामी बहुलनिकाय समस्या के सही हल के लिए सुप्रसिद्ध हैं जो साहित्य में मजूमदार घोष मॉडल के तौर पर विस्तृत रूप से जाने जाते हैं. उन्होंने यांत्रिकी और उष्म गतिशीलता पर अपनी मूल पुस्तक लिखी है व कई वेब पुस्तकें भी लिखी हैं. प्रा. घोष ने कई पदों पर भा. प्रौ.सं. मुंबई को अपनी सेवा प्रदान की हैं जिसमें डीन व उप निदेशक का पद शामिल है. उन्हें 2000 में आई.आई.टी. वी.एस. के सर्वोच्च शिक्षक पुरस्कार से सम्मानित किया गया. 2011 में संस्थानों के निर्माण में उनके योगदान के लिए उन्हें जीवन पर्यन्त उपलब्धि पुरस्कार आई.आई.टी.बी. से सम्मानित किया गया. वे 2005 से 2007 तक भारतीय भौतिक विज्ञान एसोसिएसन के अध्यक्ष रहे हैं और आजकल वे फिजिक्स न्यूज के मुख्य संपादक हैं. वे होमी भाभा राष्ट्रीय संस्थान एकेडमी कौंसिल (डी.ए.ई.) सेंटर फॉर बेसिक साइंस ऑफ डी.ए.एफ., मुंबई विश्वविद्यालय और आई.आई.एस विश्वविद्यालय जयपुर के सदस्य हैं. प्रा. घोष 2012 में नवरचना विश्वविद्यालय बड़ोदरा के प्रोवोस्ट (उपकुलसचिव) थे और वहाँ अभियांत्रिकी कार्यक्रम की स्थापना की. वे एस.वी.एन.आई.टी., सूरत के शासी मंडल के सदस्य हैं.

प्रा. विजय गुप्ता

प्रा. विजय गुप्ता ग्रेटर नोयडा में शारदा विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित प्राध्यापक हैं और वे शिक्षण व मूल्यांकन के तरीके में नवीनीकरण पर अपनी पुस्तकों और शिक्षण उपकरणों के लिए प्रसिद्ध हैं. भा.प्रौ.सं. कानपुर के अपने दीर्घ कार्यकाल में उन्होंने पाठ्यक्रम में एक विस्तृत क्षेत्र की शिक्षा दी और कई महत्वपूर्ण पदों पर सुशोभित रहे जिसमें शैक्षिक मामलों के डीन का पद शामिल है वे भा.प्रौ.सं. दिल्ली के बी.टेक के स्वर्ण पदक विजेता हैं. 1972 में उन्होंने मिनेसोटा विश्वविद्यालय से पी.एच.डी. की उपाधि अर्जित की.

प्रा. सुचित्रा माथुर

प्रा. सुचित्रा माथुर भा.प्रौ.सं. कानपुर की अंग्रेजी की सह–प्राध्यापिका हैं और भारतीय अंग्रेजी साहित्य के क्षेत्र महिला अधिकारवादी, पोस्ट औपनिवेशिक सिद्धांत और लोकप्रिय संस्कृति अध्ययन, की शिक्षिका व विद्वान हैं. इसके साथ ही इन क्षेत्रो में विभिन्न राष्ट्रीय–अंतर्राष्ट्रीय पत्र–पत्रिकाओ में अपने प्रकाशन के साथ वे देश–भर में इस क्षेत्र से सम्बंधित कार्यशाला व संचार कला के आयोजन में सक्रिय रही हैं. उनके हाल के कार्यों ने एक अन्तः विषय के क्षेत्र में विज्ञान–अध्ययन पर ध्यान केंद्रित किया है जो उनकी अभिरुचि को उनके संस्थागत स्थान के एस. एंड टी. ध्यान के साथ सही वार्तालाप में लिंग व संचार में प्रदर्शित करता है. उन्हें 2011 में भा.प्रौ.सं. कानपुर द्वारा शिक्षण में गोपालदास भंडारी उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया.

प्रा. एस. एल. नारायणन मूर्ति

प्रा. एस. एल. नारायणन मूर्ति ने 1971 में एक 'कामनवेल्थ स्कॉलर' के रूप में ब्राडफोर्ड विश्वविद्यालय से रासायनिक अभियांत्रिकी में पी.एच.डी. की डिग्री प्राप्त की. वे भा.प्रौ.सं. मुंबई में करीब 4 वर्षों तक संकाय–सदस्य, विभागीय अध्यक्ष व डीन के पद पर सेवारत रहे. उनकी शोध अभिरुचि अलगाव प्रकिर्या व आहार प्रक्रिया अभियांत्रिकी में थी. प्रा. नारायणन मूर्ति को 2004 में भा.प्रौ.सं. मुंबई का जीवन पर्यन्त उपलब्धि पुरस्कार से सम्मानित किया गया जो उन्हें उनके विविध और मौलिक संस्था निर्माण के योगदान को मान्यता देने के लिए एक शिक्षक, एक टीम निर्माता, व आर. एंड डी. सुविधादाता, संसाधन की गतिशीलता और पूर्व छात्रों की नेटवर्किंग के लिए दिया गया. प्रक्रिया / प्रौद्योगिकी विकास के लिए उत्कृष्टता पुरस्कार उन्हें व उनके सहयोगियों को संयुक्त रूप से प्रदान किया गया. प्रा. नारायणन मूर्ति एक अभ्यागत प्राध्यापक की तरह भा. प्रौ.सं. गाँधीनगर में करीब 4 वर्षों तक सेवारत रहे और दो वर्षों तक इस उदीयमान संस्था के शैक्षिक कार्यक्रमों में मार्गदर्शन किया. उनकी वर्तमान व्यवसायिक अभिरुचि अभियांत्रिकी शिक्षा आहार प्रक्रिया अभियांत्रिकी व मार्गदर्शन व सलाह में है.

प्रा. एस. एल. नारायणन मूर्ति

डॉ. संदीप पाण्डेय

डॉ. संदीप पाण्डेय ने अपनी पी.एच. डी. डिग्री 1992 में यांत्रिकी अभियांत्रिकी में कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय वर्कले से अर्जित की व आजकल लखनऊ में सक्रिय समाज कार्यकर्ता हैं. उनके कार्यक्षेत्र में शिक्षा, कार्य, आहार, सूचना, मानवीय अधिकार, हाशिए पर जो समुदाय है उनका सशक्तिकरण जमीनी प्रजातंत्र भ्रष्टाचार विरोध आन्दोलन, भूमि सुधार, सांप्रदायिक समन्वय, परमाणु निरस्त्रीकरण और शांति, भारत पाकिस्तान के बीच शांति व भाईचारा निगमित जवाबदेही और लोक राजनीति है. आजकल वे सोशलिस्ट पार्टी के हिस्सा हैं. डॉ. पाण्डेय का प्रमुख कार्य ग्रामीण इलाके में है. वे लोगो की रोजमर्रा के जीवन को प्रभावित करने वाले विषयों पर

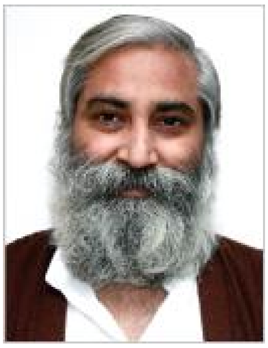

डॉ. संदीप पाण्डेय

*For part of the year

प्रा. ए. रामानाथन

प्रा. मैथिलि रामास्वामी

प्रा. धीरज सांघी

ध्यान एकाग्र करते हैं. उनका संगठन भ्रष्ट्राचार के खिलाफ मोर्चा लेकर विभिन्न सरकारी समाज कल्याण परियोजनाओं के द्वारा जनता को फायदा पहुँचाने में सहायता करता है. वे एक आन्दोलन का एक हिस्सा भी हैं जहाँ जनता प्राकृतिक सम्पदा पर अपना अधिकार स्थापित करने के लिए संघर्ष कर रही है, जो धमकी के अंतर्गत है क्योंकि सरकार कारपोरेट द्वारा कब्जा करने की इजाजत देती है. वे मुख्य धारा की राजनीति जो भ्रष्टाचार से लिप्त हैं, की जगह एक वैकल्पिक जमीनी राजनीति के निर्माण से गहराई से जुड़े हैं.

प्रा. ए. रामानाथन

प्रा. ए. रामानाथन ने मुंबई विश्वविद्यालय से अर्थशात्र में पी.एच.डी की उपाधि प्राप्त की है. वे एक वरिष्ठ प्राध्यापक और भा.प्रौ.सं. मुंबई के मानवीय व समाज विज्ञान विभाग के पूर्व प्रधान थे. वे शानदार विशेषज्ञता के साथ, खासकर समाज विज्ञान में शोध विधियों के शिक्षण में वे एक सुप्रसिद्ध मात्रात्मक अर्थशास्त्री हैं. भा. प्रौ.सं. मुंबई के शैक्षिक व शोध प्रकृति के साथ सही ताल–मेल में प्रा. रामनाथन ने देश में वर्तमान में प्रचलित कई अन्तः और बहुल विषयों में अच्छे ज्ञान अर्जित किये हैं. उन्होंने प्रबंधकीय अर्थशास्त्र में व्यावहारिक अर्थमिति और सामाजिक लागत लाभ विश्लेषण में विशेषज्ञता हासिल की है. प्रा. रामनाथन ने भारतीय व अंतर्राष्ट्रीय पत्र पत्रिकाओ में कई लेख प्रकाशित किये हैं. उन्होंने 24 पी.एच.डी. छात्रों को मार्गदर्शन किया है जिसमे उद्योग जगत सरकार और बैंक के कई वरिष्ठ अधिकारी शामिल हैं उन्होंने 20 एम.फील निबन्धों के लिए मार्गदर्शन किया है.

प्रा. मैथिलि रामास्वामी

प्रा. मैथिलि रामास्वामी एक प्राध्यापक हैं व आजकल बंगलोर में टाटा मौलिक अधिकार शोध संस्थान केंद्र अप्लिकेबल मैथमेटिक्स की डीन हैं. आंशिक अंतर समीकरण के क्षेत्र में खासकर समस्याओं को नियंत्रित करने के लिए, उनके विश्लेषण और उन्हें लागू करने में वे देश की एक अग्रणी व्यक्तित्व हैं. उन्होंने अपनी वी.एस.सी. व एम.एस.सी. की उपाधि मुंबई विश्वविद्यालय और पी.एच.डी की उपाधि पेरिस, 6 फ्रांस विश्वविद्यालय से हासिल की.

प्रा. धीरज सांघी

प्रा. धीरज सांघी शैक्षिक मामलों के डीन व भा.प्रौ.सं. कानपुर के कंप्यूटर विज्ञान व अभियांत्रिकी के प्राध्यापक हैं उनकी शोध अभिरुचि विभिन्न स्तरों के आई.पी.वी.6 गतिशीलता व सुरक्षा के प्रोटोकाल / प्रलेख पर खास ध्यान के साथ कंप्यूटर नेटवर्क के क्षेत्र में हैं. वे दो वर्षों तक जयपुर के एल.एन.एम. सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान के निदेशक के पद पर कार्यरत रहे. वे भारत में यांत्रिकी शिक्षा के बारे में बहुत जोशीले हैं. तथा पत्रिकाओं व ब्लाग में नियमित रूप से लिखते हैं. उन्होंने अपनी बी. टेक की उपाधि भा.प्रौ.सं. और एमएस. व पी.एच.डी. की उपाधि मैरीलैंड विश्वविद्यालय कॉलेज पार्क से प्राप्त की.

प्रतिष्ठित आगंतुक

भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर विभिन्न क्षेत्रो से प्रसिद्ध विद्वानों व प्रतिष्ठित व्यक्तियों के व्याख्यान व विजिट के लिए आतिथ्य प्रदान करता है. 2012–13 के दौरान संस्थान के आगंतुकों में प्रमुख है

उत्कृष्ट कर्मचारी पुरस्कार

श्री अजीम प्रेमजी, अध्यक्ष विप्रो प्रौद्योगिकी का 4 दिसंबर 2012 को भा. प्रौ.सं. गाँधीनगर का पदार्पण हुआ. श्री प्रेमजी उद्यमशीलता व सफलता पर छात्रों को संबोधित किया / अपने व्याख्यान दिए. **श्री पिजुस मजूमदार**, सहायक कुलसचिव, **श्री संजीव कुमार पाण्डेय**, कनिष्ठ लेखाधिकारी, **श्री अंकुर के. नावदिवाला**, कनिष्ठ प्रयोगशाला सहायक तथा **श्री भीखाभाई पटेल**, कनिष्ठ प्रयोगशाला परिचर को 2012 का उत्कृष्ट कर्मचारी पुरस्कार प्रदान किये.

अन्य आगंतुक

इस अवधि के दौरान संस्थान में आने वाले दूसरे अभ्यागत हैं **डॉ. कुमार अखिलेश** व **डॉ. शांति पप्पू**, शर्मा सेंटर फॉर हेरिटेज एजुकेसन, चेन्नई, कुलदीप के भान और **प्रा. के कृष्णन**, एम.एस. विश्वविद्यालय, बड़ौदा, **प्रा. ओंकार दिक्षी**, **डॉ. जावेद मालिक**, **प्रा. अजीत चतुर्वेदी**, **प्रा. वाई.एन. महापात्र**, **प्रा. हरीश कार्णिक**, **प्रा. अमिताभ मुखर्जी**, **प्रा. देबज्योति पॉल**, **प्रा. संजय धांडे**, भा.प्रौ.सं. कानपुर, **प्रा. जी.के. मेहता**, प्रतिष्ठित मानद प्राध्यापक और **श्री राजीव गर्ग**, कनिष्ठ अधीक्षक अभियंता, भा.प्रौ.सं. कानपुर, **डॉ. सुनील गुप्ता**, इलाहाबाद संग्रहालय, **प्रा. प्रमोद जोगलेकर** और **डॉ. आर. के. मोहंती**, डेक्कन कॉलेज, पुणे, **डॉ. चित्रा माधवन**, पुरालेखवेत्ता और इतिहासकार, चेन्नई, **डॉ. टी. एस. रविशंकर**, भारत पुरातत्व सर्वेक्षण, मैसूर, **डॉ. वाई. एस. रावत**, गुजरात राज्य पुरातत्व विभाग, गांधीनगर, **डॉ. के. एस. सारस्वत**, पूर्व अवकाश प्राप्त वैज्ञानिक, बीरबल साहनी पैलाइओबोटनी संस्थान, लखनऊ, **डॉ. राकेश तेवरी**, उत्तर प्रदेश पुरातत्व विभाग, लखनऊ, **प्रा. के. के. थपलयाल**, इतिहासकार और पुरालेखवेत्ता, लखनऊ विश्वविद्यालय, **डॉ. मयंक वाहिया**, **डॉ. एस. रजा** और **सुश्री निशा यादव**, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च, मुंबई, **डॉ. पार्थ चौहान**, पाषाण युग संस्थान, गोस्पोर्ट, यू.एस.ए., **प्रा. समरेश चटर्जी** और **प्रा. वी. पी. सिन्हा**, डी.ए.आई.आई.सी.टी., गांधीनगर, **प्रा. सदानंद अगाशे**, **प्रा.**

ए.के. सुरेश, **प्रा. अभय करंदीकर**, **डॉ. के. रामासुब्रमानियन**, **डॉ. मलय मुकुल** और **प्रा. एस.जी. दानी**, भा.प्रौ. सं. मुंबई, **प्रा. सुरेंद्र प्रसाद**, **प्रा. विजय बरुआ**, और **श्री बिभूति साहू**, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष, भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर दिल्ली, **प्रा. सी. एन. कृष्णन** और **प्रा. आर. वेलराज**, अन्ना विश्वविद्यालय, **प्रा. नवज्योत सिंह**, आई.आई.आई.टी. हैदराबादय, **प्रा. रमेश सी. प्रधान**, केंद्रीय विश्वविद्यालय हैदराबाद, **प्रा. ए. पी. सिंह**, एल.एन.एम.आई.आई.टी. जयपुर, **प्रा. सुनील सहश्रबुद्धे**, लोकविद्या आश्रम, वाराणसी, **श्री वी. थिरुप्पुगाज्ह**, आई.ए.एस., आयुक्त, सूचना एवं अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी, गुजरात राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (जी.एस.डी.एम.ए.), **श्री यतिन पंड्या**, वास्तुकार, अहमदाबाद, **प्रा. प्रोसेनजीत घोष**, आई.आई.एस. सी. बंगलौर, **प्रा. सुधीन्द्र एन. पांडा**, भा.प्रौ.सं. खड़गपुर, **श्री दिनेश चिनप्पा**, निदेशक, बी.सी.आई.एल., बंगलौर, **श्री नवीन उपाध्याय**, सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष, भा.प्रौ.सं. (बी. एच.यू.) वाराणसी, **डॉ. सुशांत कुमार पाठी**, वरिष्ठ पुस्तकालय सूचना सहायक, भा.प्रौ.सं. भुवनेश्वर, **श्री मल्लिकार्जुन सी.**, वरिष्ठ पुस्तकालय सूचना सहायक, भा.प्रौ.सं. हैदराबाद, **सुश्री अंजलि बंदिवादेकर**, उप–पुस्तकालयाध्यक्ष, भा.प्रौ.सं. इंदौर, **सुश्री सोनाली मल्होत्रा**, परियोजना सहायक, और **डॉ. संदीप के. पाठक**, उप–पुस्तकालयाध्यक्ष, भा.प्रौ.सं. मंडी, **डॉ. क्षेम प्रकाश**, उप–पुस्तकालयाध्यक्ष, भा.प्रौ.सं. राजस्थान, **डॉ. दिनेश के. एस.**, उप–पुस्तकालयाध्यक्ष, भा.प्रौ.सं. रोपड़, **श्री अशोक कुमार राय**, वैज्ञानिक–डी. (सी.एस.), आई.एन.एफ. एल.आई.बी.एन.ई.टी केंद्र, **डॉ. एच.बी. सिंह**, संज्ञानात्मक विज्ञान अनुसंधान पहल, डी.एस.टी., नई दिल्ली, **डॉ. वी. के. भसीन** और **डॉ. विक्रांत जैन**, दिल्ली विश्वविद्यालय, **प्रा. नारायणन श्रीनिवासन**, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, **डॉ. सुशील चंद्र**, डी.आर.डी.ओ., दिल्ली, **श्री राकेश श्रीवास्तव**, उप–महानिदेशक, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद, भारत, **श्री डी. सी. चौधरी**, निदेशक, गुजरात सरकार औद्योगिक सुरक्षा एवं स्वास्थ्य, **श्री सतीनाथ सारंगी**, संस्थापक, भोपाल सूचना एवं कार्रवाई संघ, **श्री अगस्त डब्ल्यू. शेफर**, वरिष्ठ उपाध्यक्ष और सार्वजनिक सुरक्षा अधिकारी, अंडरराईटर लेबोरेटरीज (यू.एल.), यू.एस.ए., **डॉ. एउर–इंग गॉर्डन बिजवेल्ड**, यूरोपीय अग्नि सुरक्षा समुदाय, नीदरलैंड, **डॉ. वेंकटेश कोडुर**, निदेशक, स्ट्रक्चरल फायर इंजीनियरिंग और निदान केंद्र, मिशिगन स्टेट यूनिवर्सिटी, यू.एस.ए., **डॉ. रंजीत बनर्जी**, सी.ई.ओ., गुजरात राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण, **प्रा. कैथी ए. नोत्ऱािरनी**, प्रमुख, फायर प्रोटेक्शन इंजीनियरिंग, वोरसेस्टर पॉलिटेक्निक संस्थान (डब्ल्यू.पी.आई.), मैसाचुसेट्स, **श्री जोआचिम नेल**, प्रमुख, भारत टेक केंद्र और निदेशक, अफोर्डेबल कार्स स्ट्रेटेजी कांटिनेंटल ऑटोमोटिव कॉम्पोनेंट्स (भारत) प्रा.लि., **डॉ. के.यू. मिस्त्री**, अध्यक्ष, गुजरात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, **डॉ. ह्यूगो विट्स**, महाप्रबंधक, कोलतार प्रौद्योगिकी, शैल प्रौद्योगिकी केंद्र बंगलौर, **श्री आर. वी. वेंकिताचलम**, प्रबन्ध निदेशक, अंडरराइटर प्रयोगशालाओं, **श्री रवि रामास्वामी**, प्रमुख, रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड, **श्री जितेन्द्र सी. पटेल**, संस्थापक, ए.एस. एस.ई. भारत अध्याय, **डॉ. सुनील त्रिवेदी**, मुख्य अनुसंधान अधिकारी, सिविल अस्पताल, अहमदाबाद, **श्री मिलिंद कुलकर्णी**, वैज्ञानिक–एफ., विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, **श्री हीरक दत्ता**, कार्यकारी निदेशक, तेल उद्योग सुरक्षा निदेशालय (ओ.आई.एस. डी.), **श्री एम.वी. देशमुख**, अग्नि सलाहकार और निदेशक, महाराष्ट्र फायर सर्विसेज, **श्री ए. के. शर्मा**, निदेशक, दिल्ली फायर सर्विस, **श्री देबाशीष कार**, महानिदेशक विज्ञान और प्रौद्योगिकी (बिल्डिंग), कोलकाता नगर निगम, **प्रा. अनंत पटेल**, एप्लाइड साइंसेज विश्वविद्यालय, बीलेफेल्ड, जर्मनी, **प्रा. लीना फ्रुजेती**, ब्राउन विश्वविद्यालय, **प्रा. अकोस ओस्टर**, वेस्लेयाँ विश्वविद्यालय, **डॉ.**

“भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर विकास के पथ पर जाने के लिए पूर्णतया तैयार है और शीघ्र ही यह भा.प्रौ.सं. के उच्चतर स्थान के लिए एक प्रतियोगी होगा”

प्रा. दीपन के. घोष
अतिथि प्राध्यापक

एम.डी. श्रीनिवास, नीति अध्ययन केंद्र, चेन्नई, **डॉ. आर.एन. आयंगर**, जैन विश्वविद्यालय, बैंगलोर, **प्रा. एम. एस. श्रीराम**, मद्रास विश्वविद्यालय, **डॉ. आर. श्रीधरन**, चेन्नई गणितीय संस्थान, **डॉ. एस. बालचंद्र राव**, विज्ञान और मानवीय मूल्य, गाँधी केंद्र, बंगलौर, **डॉ. अमर्त्य कुमार दत्ता**, भारतीय सांख्यिकी संस्थान, कोलकाता, **डॉ. शैलेश शिराली**, सह्याद्री स्कूल, पुणे और ऋषि वैली स्कूल, आंध्र प्रदेश, **डॉ. अशोक सिंघवी**, **प्रा. एस. कृष्णास्वामी**, **डॉ. एन. भंडारी** और **डॉ. एस. के. गुप्ता** (सेवानिवृत्त) पी. आर.एल., अहमदाबाद, **प्रा. आर. एन. सिंह**, आई.एन.एस.ए., वरिष्ठ वैज्ञानिक, अवकाश प्राप्त वैज्ञानिक, (सी.एस.आई. आर.) राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद, **प्रा. आर. एस. शर्मा**, आई.एन.एस.ए. मानद वैज्ञानिक, **डॉ. मृणाल सेन**, राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद, **डॉ. एम. डी. शास्त्री**, भारत जेमोलॉजिकल इंस्टीट्यूट, मुंबई.

सम्मेलन / सेमिनार / कार्यशाला / संगोष्ठी / परिसंबाद

ध्यान देने वाले निर्धारित विषय के ऊपर आधारित सम्मेलन, परिसंवाद, कार्यशाला और संगोष्ठी परमावश्यक शैक्षिक क्रिया–कलाप हैं जो इसकी महत्ता के विभिन्न क्षेत्रो पर चर्चा करने के लिए उत्प्रेरित करने में सहायता करती है. इस तरह के क्रियाकलाप अन्य संगठनो को भागीदारी के लिए आमंत्रित करते हैं जो बाहरी दुनिया के प्रति संस्थान की दृश्यता को बढ़ाने में सहायता करती है. 2012–13 के दौरान निम्नलिखित क्रियाकलापों का आयोजन किया गया था

- **रसायन अभियांत्रिकी और शिक्षाविदों** पर एक कार्यशाला 28

रसायन अभियांत्रिकी और शिक्षाविदों

मई से 1 जून 2012 के दौरान आयोजित की गई. भारत के विभिन्न महाविद्यालयों से 20 संकाय सदस्यों और 3 स्नातकोत्तर छात्रों ने भाग लिया और प्रा. के. एस. गांधी, **प्रा. एम. एच. दिवेकर** और **प्रा. नीतिन पधियार** द्वारा आयोजित किया गया था.
- **शिक्षा और जीवन की गुणवत्ता** पर एक सेमिनार **श्री एम. एस. राघवन**, प्रबंध निदेशक, एम्मेस्सार जैव प्रौद्योगिकी और न्यूट्रीशन लिमिटेड मुंबई द्वारा 11–12 जून 2012 के दौरान आयोजित किया गया. इस सेमिनार में 30 लोगो ने भाग लिया और इसका आयोजन **प्रा. रघु एचेम्पति** द्वारा किया गया.
- **अण्डाकार और पैराबोलिक आंशिक अंतर समीकरणों और संबंधित** विषयों, 'थ्योरी एवं नुमेरिकल पर एक कार्यशाला 16–19 अगस्त 2012 के दौरान आयोजित किया गया. कार्यशाला में 25 प्रतिभागियों ने भाग लिया. **प्रा. जगमोहन त्यागी** कार्यशाला के संयोजक थे और **प्रा. अनुलेखा धारा** और **प्रा. किशोर कुमार** सह संयोजक थे.
- **भारतीय पुरातत्व, शिलालेख और प्राचीन इतिहास** पर एक दो दिवसीय कार्यशाला 23–24 अगस्त 2012 के दौरान आयोजित किया गया. इस कार्यशाला को पूरे भारत से आये 18 शीर्ष के पुरातत्ववेक्ता व शिलालेखवेक्ता और वैज्ञानिको ने संबोधित किया. इस कार्यशाला में लगभग 50 विद्वान, संकाय सदस्य और छात्रों ने भाग लिया. कार्यशाला **श्री मिशेल डैनिनो** और **प्रा. जैसन ए. मंजली** द्वारा समन्वित किया गया था.
- 8 सितम्बर 2012 को **अंतर विषय वार्तालाप– गणित और अभियांत्रिकी** विषय पर एक

कार्यशाला का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में लगभग 35 संकाय सदस्यों ने भाग लिया. **प्रा. जगमोहन त्यागी**, **प्रा. मैथिली रामास्वामी** और **प्रा. रमेश गांवकर** ने कार्यक्रम का आयोजन किया.

- **बौद्धिक संपदा अधिकार (आई.पी.आर.)** पर एक दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन **सुश्री रचना सिंह पुरी** और **डॉ. अरविन्द विश्वनाथन**, एक्स्लेक्ट आई. पी. समाधान, बंगलौर और **श्री विवेक खाद्पेकर**, सलाहकार संपादक द्वारा 15 सितम्बर 2012 को आयोजित किया गया. इसमें एम. टेक. और पी.एच.डी. के 34 छात्रों ने भाग लिया. **प्रा. अर्नपूर्णा रथ** और **प्रा. श्रीराम कंवः** ने समारोह का आयोजन किया.
- भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर में 12–13 अक्टूबर 2012 को आयोजित **सुरक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन** में करीब 300 शोधकर्ताओं, शिक्षकों, सुरक्षा अधिकारियों, इंजीनियरों, सुरक्षा अधिवक्ताओं, नीति निर्माताओं और सलाहकारो ने भाग लिया. इस अंतरविषय सम्मेलन ने पूरे भारत के साथ ही अमेरिका, यूरोप, मध्य पूर्व और दक्षिण पूर्व एशिया के सहभागियों को आकर्षित किया. मुख्य वक्ताओं में **डॉ. अनिल काकोदर**, पूर्व अध्यक्ष, भारत के परमाणु ऊर्जा आयोग, **श्री एस. बी. माथुर**, महानिदेशालय, कारखाना सलाह सेवा और श्रम संस्थान (डी.जी.एफ.ए.एस.एल.आई.) और **डॉ. एम. सैम मन्नन**, निदेशक, प्रक्रिया सुरक्षा केंद्र, टेक्सास ए. एंड एम. विश्वविद्यालय, सं. रा. अमेरिका, **प्रा. चिन्मय घोरई**, **प्रा. अचल मेहरा**, **अक्षय जैन**, **संजय सरोज**, और **रजत इन्देरिया** सम्मेलन के मूल आयोजक सदस्य थे.
- **प्रक्रिया सुरक्षा प्रबंधन पर एक अंतर्राष्ट्रीय कार्यशाला** 14–15 अक्टूबर 2012 के दौरान आयोजित की गई. इस कार्यशाला का संवहन **डॉ. एम. सैम. मन्नन**, श्रीजेण्ट प्राध्यापक और निदेशक, प्रक्रिया सुरक्षा केंद्र, टेक्सास ए. एंड एम. विश्वविद्यालय, सं. रा. अमेरिका, **श्री जीतेन्द्र सी. पटेल**, सुरक्षा अभियंता, सं. रा. अमरीका और **डॉ. राजगोपालन श्रीनिवासन**, राष्ट्रीय विश्वविद्यालय सिंगापुर थे. इस कार्यशाला की विशेषता थी, भारतीय उद्योगों में प्रक्रिया, सुरक्षा प्रबन्ध व चुनौतियां पर एक पैनल विवेचना. कार्यशाला में विश्व भर के करीब 100 प्रतिभागी शामिल हुए. कार्यशाला **प्रा. चिन्मय घोरई** और **प्रा. अचल मेहरा** द्वारा समन्वित किया गया था.
- 27–28 अक्टूबर 2012 के दौरान आयोजित **भारत परिकल्पना** पर दो दिवसीय कार्यशाला में **सुश्री मिरई चटर्जी,** निदेशक, सामाजिक सुरक्षा, सेवा ऑन जेंडर्ड स्पेस, **डॉ. विमल पटेल**, अध्यक्ष व कार्यकारी निदेशक, सी.ई.पी.टी. का "एन इंडिया दैट लीव्स इन इट्स सिटीज", **प्रा. विजय शेरी चंद**, आई.आई.एम. का "इंडिया एंड एजुकेशन", **प्रा. त्रिदिप सुहृद**, निदेशक, साबरमती आश्रम ट्रस्ट की 'सीइंग इंडिया थ्रू गाँधीस आइस' **श्री आदित्य हांडा**, संस्थापक प्रमोटर, अबेलोंन की इंडिया एंड एनर्जी और **श्री आकाश श्रीवास्तव**, निदेशक, प्रभाव्य की इंडिया एंड दी सोशल मीडिया वार्ताएं शामिल हैं. इस कार्यक्रम का आयोजन **प्रा. रीता कोठारी** और दो छात्रों **मोनिका यादव** और **श्रंखला नार्य** द्वारा किया गया था.
- भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर पुस्तकालय ने भा.प्र.सं. अहमदाबाद पुस्तकालय के सहयोग से 17–19 जनवरी 2013 के दौरान **9वे वार्षिक सम्मेलन व कार्यशाला आई.एन.दी.ई.एस.टी.–ए.आई.सी.टी.ई.** व्यवस्था का आयोजन किया गया. देश के विभिन्न क्षेत्रो से 200 से ज्यादा

सुरक्षा पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन

पुस्तकालय व्यावसायिको ने इस कार्यशाला में भाग लिया.

- बोंजौर भारत 2013 समारोह के एक हिस्से में रूप में एलायंस फ्रंचौसे, अहमदाबाद के साहचर्य से भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर ने **भारतीय खगोल विद्या की परंपरा** पर 9–10 फरवरी 2013 के दौरान एक दो दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया था. भारत और फ्रांस के वैज्ञानिकों ने इस कार्यक्रम में विभिन्न व्याख्यान प्रस्तुत किए तथा ओडिसी, भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर के एस्ट्रोनॉमी क्लब द्वारा खगोलीय प्रेक्षण को भी शामिल किया गया पर विभिन्न व्याख्यान की पेशकश की.
- भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर सुरक्षा केंद्र (आई.आई.टी.जी.एन.–एस.सी.) के द्वारा 2–3 मार्च 2013 के दौरान **अग्नि सुरक्षा** पर एक कार्यशाला आयोजित की गई. कार्यशाला संकाय में **डॉ. वेंकटेश कोडुर**, मिसिगन स्टेट विश्वविद्यालय, सं. रा. अमेरिका, **डॉ. प्रवीणरे डी. गाँधी**, निदेशक कारपोरेट रिसर्च, अंडरराइटर्स प्रयोगशाला अमेरिका और **श्री जी.बी.मेनन**, अग्नि सलाहकार, सेवा निवृत्त, भारत सरकार व संस्थापक अध्यक्ष, राष्ट्रीय संस्था, अग्निशमन अधिकार (एन.ए.एफ.ओ.) शामिल हैं. दूसरे वक्ता **श्री डी. के. सामी**, अग्नि सलाहकार, भारत सरकार, **श्री हीरक दत्ता**, कार्यपालक निदेशक, तेल उद्योग सुरक्षा निदेशालय (ओ.आई.एस.डी.), **श्री एम.वी. देशमुख**, अग्नि सलाहकार व निदेशक, महाराष्ट्र अग्निशमन सेवा, **श्री ए. के. शर्मा**, निदेशक, दिल्ली अग्निशमन सेवा, **श्री देवाशीष कार**, महानिदेशक (भवन) कोलकाता नगर निगम. पूरे भारत से करीब 150 व्यक्ति ने इस कार्यशाला में शामिल हुए. इसका आयोजन **प्रा. चिन्मय घोरोई** ने किया था.
- **भारत में इतिहास के विज्ञान को बढ़ावा** देने के लिए 16–17 मार्च 2013 के दौरान एक दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया था. सुप्रसिद्ध वैज्ञानिक और पद्म बिभूषण पुरस्कार से सम्मानित **प्रा. रोड्डम नरसिंहा** ने बर्बरस अलजेब्रा, इन्फेरेड अक्सिओम्सरू इस्टर्न मोड्स इन दी राइज ऑफ वेस्टर्न साइंस पर मुख्य व्याख्यान दिए. भारत में विभिन्न हिस्से से 50 से भी ज्यादा प्रतिनिधियों ने इसमे भाग लिया. **प्रा. जैसन ए. मंजली** और **प्रा. माइकेल डैनीओ** ने इस कार्यक्रम का संयोजन किया.
- भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर में 15 मार्च 2013 को **पृथ्वी विज्ञान में शिक्षण कार्यक्रम** के लिए एक रोड–मैप को विकसित करने के लिए विचार मंथन संगोष्ठी का आयोजन किया गया था. पृथ्वी विज्ञान के विभिन्न विषयो के करीब एक दर्जन सुप्रसिद्ध विशेषज्ञों ने इस संगोष्ठी में भाग लिया. इस प्रतिनिधि मंडल ने संस्थान द्वारा आरंभ होने वाले विभिन्न प्रकार के शैक्षिक और शोध कार्यक्रमों पर ध्यान केंद्रित किया.

- **प्रा. बाबजी निवासन**, **प्रा. प्रत्यूष दयाल** और **प्रा. कबीर जसूजा** ने 16 मार्च 2013 को रासायनिक अभियांत्रिकी के बी.टेक. व एम.टेक. के विद्यार्थियों के लिए एक कार्यशाला **मैटलैब फॉर केमिकल इंजीनियर्स** आयोजित की. इसमे 43 व्यक्तियों ने भाग लिया.
- **सुश्री रश्मि दत्ता**, संस्थापक व निदेशक, डायलाग सर्विस ने 23 मार्च 2013 को संकाय के लिए **कोलेबोरेटिंग टू को–क्रिएट द फ्यूचर** विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया था.

अल्पकालीन पाठ्यक्रम

विभिन्न पृष्ठभूमि के आगंतुक संकाय और विशेषज्ञ जिनका परिसर में अल्पकालीन वास होता है, वर्ष पर्यन्त प्रदत्त, पाठ्यक्रम की अभिरुचि व लचीलेपन को बढ़ाने के लिए साथ ही लाभ पाने के लिए भी विभिन्न अल्पकालीन पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं. अपने–अपने क्षेत्र के मान्यता प्राप्त विशेषज्ञों ने 2012–13 के दौरान निम्नलिखित अल्पकालीन पाठ्यक्रम प्रदान किए:

अल्पकालीन पाठ्यक्रम

- **डॉ. रणधीर मित्रा**, कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय और पिट्सवर्ग विश्वविद्यालय ने 31 मार्च दृ 1 अप्रैल 2012 के दौरान **क्रिटिकल थिंकिंग** विषय पर एक अल्पकालीन पाठ्यक्रम प्रदान किया.
- 26–30 नवंबर 2012 के दौरान एक अल्पकालीन पाठ्यक्रम **प्रबलित कंक्रीट–निर्माण की भूकम्पीय डिजाईन** संपन्न किया गया. संसाधन व्यक्ति में **प्रा. सुधीर कु. जैन**, **प्रा. दुर्गेश सी. राय**, **प्रा. ग्रेग मैकरे**, **प्रा. धीमान बसु** और **प्रा. अमित प्रशान्त** शामिल थे. इस अल्पकालीन पाठ्यक्रम में देश के विभिन्न हिस्से से व्यावसायिक, छात्र व संकाय शामिल हुए और इसका आयोजन **सुश्री किरण रंगवानी** ने किया.
- 20–22 दिसंबर 2012 के दौरान अल्पकालीन पाठ्यक्रम **मैटलैब इस्तेमाल द्वारा अभियांत्रिकी में आकलन प्रणाली** संपन्न हुआ. **प्रा. नीतिन पधियार** और **प्रा. शिवकुमार जोलाद**, भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर ने व्याख्यान दिए. 100 से ज्यादा व्यक्तियों ने भाग लिया जिसमे अभियांत्रिकी महाविद्यालय के स्नाकोत्तर छात्र व संकाय सदस्य, विभिन्न विषयों के शोध वैज्ञानिक व औद्योगिक प्रैक्टिसनर शामिल हुए.
- **विकास त्रिवेदी**, कैलटेक, ने 30 दिसंबर 2012 को **सूक्ष्म दर्शन यन्त्र का निर्माण** विषय पर एक अल्पकालीन पाठ्यक्रम आयोजित किया.
- 28 जनवरी – 1 फरवरी 2013 के दौरान **फिनिट एलिमेंट मेथड्स, रचनात्मक मॉडलिंग और अनुप्रयोग** विषय पर एक अल्पकालीन पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया. इसके आयोजन में **प्रा. चंद्रकांत एस. देसाई**, एरिजोना विश्वविद्यालय, **प्रा. अभिजीत मुखर्जी**, **प्रा. धीमान बसु** और **प्रा. अमित प्रशांत**, भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर शामिल थे. देश के विभिन्न हिस्से से 44 व्यावसायिक, छात्रो और संकाय सदस्यों ने इस पाठ्यक्रम में भाग लिया. पाठ्यक्रम डॉ. अमित प्रशांत और श्री नीतिन शुक्ला द्वारा समन्वित किया गया था.
- **श्री परेश बोरा** ने 2, 3 व 9 फरवरी 2013 को **प्रबन्धक व उद्यमी के लिए प्रौद्योगिकी स्ट्रेटेजी** पर एक अल्पकालीन पाठ्यक्रम आयोजित किया.
- 4–8 मार्च 2013 के दौरान **भूकंप अभियांत्रिकी के भू–तकनीकी पहलू** पर एक अल्पकालीन पाठ्यक्रम का आयोजन किया गया था. संसाधन व्यक्ति थे. **प्रा. सुधीर कु. जैन**, **प्रा. अजंता सचान**, व **प्रा. अमित प्रशान्त**, भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर और **प्रा. देवाशीष राव**, भा.प्रौ.सं. खड़गपुर. 43 व्यक्तियों ने इस पाठ्यक्रम में भाग लिया.

सतत शिक्षा कार्यक्रम

- **परिमित तत्व विधि, विधान मॉडलिंग और अनुप्रयोगों** पर एक संक्षिप्त कोर्स 5–2 अप्रैल 2012 के दौरान **प्रा. सी.एस. देसाई** और **प्रा. अमित प्रशांत** द्वारा आयोजित किया गया. भा.प्रौ.सं. कानपुर के **प्रा सी. एस. उपाध्याय** और **प्रा. दुर्गेश राय** अन्य सहायक थे. देश भर के 77 अभियंताओं और वरिष्ठ पेशेवरों ने इस कोर्स में भाग लिया.
- **कम लागत वाली उच्च तकनीक स्वचालन** पर एक संक्षिप्त कोर्स भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर में 16–18 अप्रैल 2012 के दौरान आयोजित किया गया. विभिन्न उद्योगों से 9 प्रतिभागी थे. **प्रा. एन. रामकृष्णन** और **प्रा. जोयसी मेकी** इस संक्षिप्त कोर्स के समन्वयक थे. वही पाठ्यक्रम 20–22 जून के दौरान **प्रा. एन. रामकृष्णन** ने टाटा मोटर्स, साणंद, गुजरात में पेश की थी.
- **प्रा. एन. रामकृष्णन** ने 4–6 अप्रैल 2012 को महिंद्रा नवीस्टार, पुणे में **गियर प्रौद्योगिकी** पर इन–हाउस सी.ई.पी. पाठ्यक्रम पेश किया था. कंपनी से बीस अभियंताओं ने भाग लिया.

आमंत्रित व्याख्यान

विशेषज्ञों द्वारा निम्नलिखित व्याख्यान पेश किए गए जिन्हें इस संस्थान में अपने सम्बंधित क्षेत्रों में अपनी अंतर्दृष्टि साफ करने के लिए विषयो की विविध रेंज में विद्वतापूर्ण सुरुचि जाग्रत करने के लिए आमंत्रित किया गया था.

आमंत्रित व्याख्यान

- *ऊर्जा परिपेक्ष, हाइड्रोजन बिजली अर्थव्यवस्था, गरम पाइप ६ परमाणु रिएक्टर सुरक्षा, उर्जा और समाज* – **प्रा. मैनफ्रेड ग्रोल**, स्टुटगार्ट विश्वविद्यालय, जर्मनी – 30 मार्च से 6 अप्रैल 2012.
- *भारत के संदर्भ में अक्षय ऊर्जा आधारित विद्युत उत्पादन – चुनौतियां और अवसर* – **प्रा. एस. श्रीनिवास मूर्ति**, पहले आईआईटी दिल्ली में थे – 2 अप्रैल, 2012.
- *भारत की विदेश नीति और अर्थव्यस्था पर इसका प्रभाव* – **श्री एस.आर. तायल**, आईएफएस अधिकारी (सेवानिवृत्त) – 2 अप्रैल 2012.
- *भारतीय सागर इंटरैक्टिव स्फीयर के रूप में* – **डॉ. सुनील गुप्ता**, सहायक कीपर, इलाहाबाद संग्रहालय – 3 अप्रैल 2012.
- *आण्विक मोटसर्रू प्रकृति के सूक्ष्म मशीन* – **डॉ. रूप मल्लिक, टाटा** इंस्टिट्यूट ऑफ फंडामेंटल रिसर्च – 16 अप्रैल 2012.
- *अहमदाबाद: बीसवीं सदी के भारत की शॉक सिटी* – **डॉ. हावर्ड स्पोडेक**, भूगोल और शहरी अध्ययन विभाग, टेम्पल विश्वविद्यालय, फिलाडेल्फिया, सं. रा. अमेरिका – 7 अगस्त 2012.
- *मानव प्रकृति पर वर्तमान मनोवैज्ञानिक परिपेक्ष* – **डॉ. एन. श्रीराम**, वरिष्ठ वैज्ञानिक, वर्जीनिया विश्वविद्यालय – 8 अगस्त 2012.
- *सी.ई.एन. और एन.सी.पी.आर.ई. / आई.आई.टी. मुंबई* – **प्रा. अनिल कोट्टान्थारयिल**, आई.आई.टी. मुंबई – 9 अगस्त 2012.
- *प्रक्रिया सिस्टम में निर्णय का समर्थनरू बहुराष्ट्रीय समूहों के प्रबंधन के लिए आणविक रिस्टाल्स को नियंत्रित करना* – **प्रा. राजगोपालन श्रीनिवासन**, सिंगापुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय – 13 अगस्त 2012.
- *इनोवेशन और उद्यमिता* – **प्रा. शिलादित्य सेनगुप्ता**, हार्वर्ड मेडिकल स्कूल, 16–17 अगस्त 2012.
- *वी.एल.एस.आई. इंटरकनेक्ट्स* – **प्रा. राजेंद्र पत्रीकर**, वी.एन.आई.टी. नागपुर – 17 अगस्त 2012.
- *क्षेत्र और उसका लाभ: महा गुजरात से स्वर्णिम गुजरात के लिए सीमा का पुनरू विनियोजन* – **डॉ. फरहाना इब्राहिम**, आईआईटी

दिल्ली – 21 अगस्त 2012.

- *इंजीनियरिंग और उद्यमशीलता के बीच सहयोग* – **प्रा. केन पीकर**, संकाय सलाहकार, ई सेल, कैलटेक – 31 अगस्त 2012.
- *नैनो संरचित और थिन फिल्म सौर कोशिका* **– प्रा. बोध राज मेहता**, आईआईटी दिल्ली – 1 सितम्बर 2012.
- *भारतीय स्वास्थ्य देखभाल बाजार परिवर्तन काल* – **प्रा. बरुन कांजीलाल**, भारतीय हेल्थ मैनेजमेंट रिसर्च संस्थान (आई.आई.एच.एम. आर.), जयपुर – 6 सितम्बर 2012.
- *व्हाट होल्ड्स कांस्टेंटरू अनुवादकीय तोपोलोजिस* – **डॉ. वैलेरी हेनिटुक**, निदेशक, साहित्यिक अनुवाद ब्रिटिश काउंसिल केंद्र, ईस्ट एंग्लिया विश्वविद्यालय, नॉर्विच – 17 सितंबर 2012.
- *हमारे आसपास की दुनिया को समझना (एक छोटे से कांच के धागे)* – **प्रा. बालाजी श्रीनिवासन**, आईआईटी मद्रास – 8 अक्टूबर 2012.
- *भारत में दूरसंचार के लिए ड्राइविंग रिसर्च एजेंडा* – **प्रा. अभय करंदीकर**, आईआईटी मुंबई – 8 अक्टूबर 2012.
- *कैंटरबरी भूकंप में क्राइस्टचर्च इमारतों की विस्थापन आधारित जोखिम मूल्यांकन* – **डॉ. एस.आर. उमा**, जी.एन.सी. विज्ञान, न्यूजीलैंड – 9 अक्टूबर 2012.
- *विशेष ऑप्टिकल फाइबर: निर्माण,* प्रौद्योगिकी और अनुप्रयोग – **डॉ. रंजन सेन**, मुख्य वैज्ञानिक, सेंट्रल ग्लास और सिरामिक अनुसंधान संस्थान (सी.जी.सी.आर.आई.), कोलकाता – 9 अक्टूबर 2012.
- *नियंत्रण, नेविगेशन व एयरोस्पेस और रक्षा प्रणाली के मार्गदर्शन प्रणाली में फोटोनिक सेंसर प्रौद्योगिकियों का अनुप्रयोग* – **डॉ. जगन्नाथ नायक**, डी.आर.डी.ओ., हैदराबाद – 10 अक्टूबर 2012.
- *ऑप्टिकल संचार में ऑप्टिकल फाइबर का उपयोग* – **डॉ. बद्री गोमातम**, सी.ई.ओ., स्टरलाइट टेक्नोलॉजीज दृ 12 अक्टूबर 2012.
- *एयरोस्पेस सामग्री* – **प्रा. के. ए. पद्मनाभन**, पूर्व निदेशक, आई.आई. टी. कानपुर – 15 अक्टूबर 2012.
- *जैविक नेटवर्क में शोर प्रसारण* – **डॉ. गणेश विश्वनाथन**, आई.आई. टी. बॉम्बे, 18 अक्टूबर 2012.
- *उच्च दक्षता सौर कोशिकाएँ और मल्टी–जंक्शन सौर कोशिकाएँ* – **प्रा. बी. एम. अरोड़ा**, आई.आई.टी. बॉम्बे, 19 अक्टूबर 2012.
- *तंत्रिका गतिविधि के कार्यात्मक इमेजिंग के लिए 3 डी फोटोन माइक्रोस्कोप* – **डॉ. नगा श्रीनिवास**, यूनिवर्सिटी कॉलेज लंदन – 23 अक्टूबर 2012.
- *एक ज्ञान समाज का विकास* – **प्रा. दीपक कुमार**, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय दृ 29 अक्टूबर 2012.
- *शोध से बाजार उपयोगकर्ताओं तक – भारत में भारतीय दृश्य और तकनीकी शिक्षा दृश्य – उससे अधिक, पर्याप्त क्यों नहीं हैं* – **प्रा. सी. एन. कृष्णन**, निदेशक, ए.यू. –के.बी.सी. अनुसंधान केंद्र, अन्ना यूनिवर्सिटी, चेन्नई – 2 नवंबर 2012.
- *अंतरिक्ष गड़बड़ी से उत्पन्न होने वाली तकनीकी चुनौतियों* – **प्रा. जी. जी. शिवजी**, निदेशक, अंतरिक्ष भौतिकी अनुसंधान प्रयोगशाला, सं. रा. अमेरिका – 5 नवंबर 2012.
- *स्वच्छता जैव प्रौद्योगिकी के विकास (एस.बी.टी.) में अध्ययन* – **प्रा. एच. एस. शंकर**, आई.आई.टी. मुंबई – 6 नवम्बर 2012.
- *उच्च शिक्षा में नई पहल* – **डॉ. जयंती रवि**, उच्च शिक्षा आयुक्त, गुजरात – 9 नवम्बर 2012.
- *कार्बनिक सौर कोशिकायें* – **प्रा. एस. एस. के अय्यर**, आई.आई.टी. कानपुर – 10 नवम्बर 2012.
- *ग्रैनुलर मीडिया में स्थानिक, गतिशीलता और अस्थायी स्थानिक विषमतायें* – **प्रा. अनीता मेहता**, बोस इंस्टिट्यूट, 16 नवम्बर 2012.
- *हरित वायुयानरू वास्तविकता या कल्पना?* – **प्रा. रोड्डम नरसिम्हा**, आई.आई.सी., बैंगलोर – 19 नवम्बर 2012.
- *एक टेस्ट–बेस के रूप में राकेट के*

साथ एयरोस्पेस अभियांत्रिकी में अक्षय उर्जा योजनाएं – **प्रा. ए.वी. अनिल कुमार**, वंडरबिल्ट विश्वबिद्यालय दृ 20 नवम्बर 2012.

- *अघात के एक उपाय के रूप में घटना से संबंधित संभावित व्यवहार्यता का उपयोग* – **डॉ. श्रीनिवास कोटा**, नेब्रास्का लिंकन विश्वविद्यालय, संयुक्त राज्य अमेरिका – 3 जनवरी 2013.
- *डीकोडिंग मानव दृश्य और भावनात्मक धारणा* – **डॉ. रामनाथन सुब्रमण्यम**, उन्नत डिजिटल विज्ञान केंद्र, इलिनोइस अर्बाना चम्पैन विश्वविद्यालय (सिंगापुर परिसर) – 4 जनवरी 2013.
- *इस्पात संरचनाओं के निर्माण की अग्नि प्रतिरोधी डिजाइन: प्रयोगात्मक और संख्यात्मक जांच* – **डॉ. अमित एच. वर्मा**, पर्ड्यू विश्वविद्यालय, सं. रा. अमेरिका – 8 जनवरी 2013.
- *हरित ऊर्जा समाधान का एक औद्योगिक परिप्रेक्ष्य* – **डॉ. राजीव जिंदल**, मोजर बेयर इंडिया लिमिटेड – 18 जनवरी 2013.
- *जीवन पर्यंत में एजिंग ग्रेसफुल्लीरू भारत ब्रेन ग्रिड पहल* – **प्रा. प्रसून कुमार रॉय**, नेशनल ब्रेन रिसर्च सेंटर, मानेसर – 21 जनवरी 2013.
- *एक्स–रे और चिकित्सा के क्षेत्र पर इसके प्रभाव की खोज* – **प्रा. शिरीष के. जानी**, निदेशक, मेडिकल फिजिक्स, शार्प मेमोरियल अस्पताल, सैन डिएगो, सी.ए. – 21 जनवरी 2013.
- *स्ट्रक्चरल डिजाइन दर्शन – क्राइस्टचर्च भूकंप के बाद नई दृष्टिकोण* – **डॉ. हेलेन गोल्ड्सवर्दी**, मेलबर्न विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया – 24 जनवरी 2013.
- *सूचना अधिकार (आर.टी.आई.) अधिनियम* – **श्री शैलेश गांधी**, पूर्व केंद्रीय सूचना आयुक्त, 25 जनवरी 2013.
- *शारीरिक लक्षण वर्णन के माध्यम से बायोनैनोपार्टिकल व्यवहार समझना* – **डॉ. सुवाज्योती गुहा**, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, सं. रा. अमेरिका – 30 जनवरी 2013.
- *अभियांत्रिकी और जैव चिकित्सा प्रणालियों के संबंध में भूतल विज्ञान की दुनिया* – **प्रा. दिनेश ओ. शाह**, प्रा. एमेरिटस, फ्लोरिडा

> भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर, एक भा.प्रौ.सं. है जो आपको जटिल सामाजिक समस्याओ के बारे में जागरूक करते हुए जिसका आप एक हिस्सा हो, आपको एक सम्पूर्ण मानव बनने के लिए संवेदनशील भी बना देता है

डॉ. संदीप पाण्डेय
अतिथि प्राध्यापक

विश्वविद्यालय, गैनेस्विल्ले दृ 31 जनवरी 2013.

- *कनाडा के 2010 नेशनल बिल्डिंग कोड के भूकंपीय डिजाइन प्रावधानों के विकास* – **डॉ. जग मोहन हुमार**, कार्लटन विश्वविद्यालय, ओटावा, कनाडा – 4 फरवरी 2013.
- *समकालीन पश्चिमी लोकप्रिय संगीत में मुस्लिम* – **डॉ. नबील जुबेरी** – 12 फरवरी 2013.
- *बिजली की गुणवत्ता में सुधार के लिए सरल तरीके* – **प्रा. एम. राममूर्ति**, पूर्व प्रधान, सी.पी.आर.आई. – 15 फरवरी 2013.
- *आज मध्ययुगीन भारत और फारस की कविता कौन पढ़ता हैंरू अमीर खुसरो का मामला* – **प्रा. सुनील शर्मा**, बोस्टन विश्वविद्यालय, 18 फरवरी 2013.
- *ट्रैकिंग समाजरू मानव व्यवहार का अध्ययन करने के लिए ट्रैकिंग तकनीकों को लागू करना* – **डॉ. माइकल आइसाक्सन**, एम.आई.टी. ऐज लैब – 20 फरवरी 2013.
- *आधुनिक क्रॉस अंतर–विषयक खगोल विज्ञान* – **डॉ. आशीष महाबल**, वरिष्ठ अनुसंधान वैज्ञानिक, कैलटेक – 21 फरवरी 2013.
- *उच्च गतिशील रेंज सीन्स के लिए कम गतिशील रेंज समाधान* – **डॉ. षणमुगनाथन रमन**, आई.आई.टी. जोधपुर – 4 मार्च 2013.
- *टाटा समूह में नई खोज* – **श्री आर. गोपालकृष्णन**, कार्यकारी निदेशक, टाटा संस – 5 मार्च 2013.
- *क्या भारतीय प्रबंधन शिक्षा फिक्रमंद वाले नेता बना सकते हैं? वादे और व्यवहार* – **प्रा. नागेश राव**, निदेशक, मुद्रा संचार संस्थान, अहमदाबाद – 12 मार्च 2013.
- *योजनाबद्ध तरीके से जीवन–रक्षा* – **प्रा. भास्कर भट्ट**, एन.आई.डी. अहमदाबाद – 12 मार्च 2013.
- *स्थानीय मानवीय व्यवहार के प्रतिस्पण में सामाजिक संकेत और मानवीय गति में इसकी उपयोगिता* – **प्रा. शिशिर शाह**, ह्यूस्टन विश्वविद्यालय, 19 मार्च 2013.
- *कांच और प्लास्टिक सब्सट्रेट्स पर आईटीओ (ईण्डीयुम टिन ऑक्साइड) थिन फिल्म डिपाजिट के विद्युत ऑप्टिकल और सूक्ष्म संरचनात्मक गुण* – **प्रा. आनंद कुलकर्णी**, **प्रा. एमेरिटस**, मिशिगन प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय – 22 मार्च 2013.
- *लालच और भय से परे एक बाजार संस्कृति की मांग* – **सुश्री रजनी बक्शी**, मुंबई के एक स्वतंत्र पत्रकार और लेखक – 25 मार्च 2013.

पैनल चर्चा

- *मानविकी और सामाजिक विज्ञान* को केन्द्रित करते हुए अभियांत्रिकी शिक्षा पर एक पैनल चर्चा 3 नवम्बर 2012.
- *पैसिव कुलिंग, वर्षा जल संचयन और मलजल उपचार* पर एक विचार मंथन सत्र – 21 नवम्बर 2012 को आयोजित किया गया. कार्यक्रम का आयोजन **प्रा. सुधांशु शर्मा** द्वारा किया गया था और 20 संकाय सदस्यों ने चर्चा में भाग लिया.
- *आई.आई.टी. गांधीनगर में संज्ञानात्मक विज्ञान कार्यक्रम* पर एक पैनल चर्चा 1 दिसंबर 2012 को आयोजित किया गया.

आधारभूत ढांचा और सुविधाएं

नया व तेजी से बढ़ता संस्थान, भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर में शोध व शिक्षण से सम्बंधित सुविधाएं आधारभूत ढांचा तथा दूसरी सुविधाओं को वेहतर बनाने व इनका विस्तार करने की प्रक्रिया निरंतर कायम हैं. इस संस्थान के स्थायी परिसर का निर्माण कार्य जारी है फिर भी संकाय और छात्रों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने के लिए अस्थायी परिसर में लगातार वृद्धि हो रही है.

पुस्तकालय

शोध संचालित संस्थान में किसी भी विद्वता पूर्ण क्रिया—कलाप के लिए एक सबसे महत्वपूर्ण अंग पुस्तकालय मुद्रित व अंकित दोने रूपों में इसके संग्रह के निर्माण व प्रसार को जारी रखता हैं पूरक शिक्षण, ज्ञान हासिल करने / सीखने, शोध और अन्य विद्वतापूर्ण क्रिया—कलापों का अभिनन्दन करने के लिए पुस्तकालय नयी सेवाओं की योजना बनाता और वितरित करता है. 2012—13 वर्ष के दौरान पुस्तकालय ने कई महत्वपूर्ण क्रियाकलाप व सेवाएं आरंभ की हैं जो निम्नलिखित हैं—

पुस्तके और श्रव्य दृश्य संग्रह

पुस्तकालय के पास संस्थान के शैक्षिक व शोध की अभिरुचि को पूरा करने के लिए शोध के लिए मौलिक ग्रन्थ, मूल पुस्तकें उल्लिखित पुस्तकें, सम्मलेन की कार्यवाही का विवरण, सी.डी., वी.सी.डी. और डी.वी.डी. संग्रह में तेजी से वृद्धि हो रही है. नीचे दी गई तालिका वर्ष 2012—13 के दौरान की गई वृद्धि को पेश करती है.

संग्रह के प्रकार	2012—13 की वृद्धि	31 मार्च 2013 की स्थिति
पुस्तकें	2918	13968
सी.डी.	83	648
वी.सी.डी. / डी.वी.डी.	119	259
कुल	**3120**	**14870**

प्रकाशित पत्र–पत्रिकाएँ

पुस्तकालय ने ज्ञानवर्धक कई पत्र–पत्रिकाएँ और समाचार पत्र की क्रय सदस्यता ले रखी हैं. इस साल पुस्तकालय ने 11 नये पत्र की वृद्धि की है जिसमे कुल पत्रों की संख्या 161 हो गई है, ये 7500 ई.जर्नल जो पुस्तकालय के माध्यम से पहुँच के अन्दर है के अतिरिक्त है.

डिजिटल संसाधन

संसाधन में शैक्षिक और शोध कार्य को समर्थन देने के लिए पुस्तकालय ने ग्रन्थ–सूची व पूर्ण पाठ–प्रपत्र दोनों में कई बड़े ई.संसाधन के क्रय की सदस्यता ली हैं "आई.एन.डी.ई.एस.टी. और आई.एन.फ.एल.आई.बी.एन.ई.टी. ए–कांसोर्टिया" के जरिए पुस्तकालय ने इनमें से कुछ के क्रय की सदस्यता ली हैं और अन्य के लिए इसके पास क्रय की सीधी सदस्यता हैं. बर्तमान 24 संसाधनों के अलावा पिछले वर्ष के संसाधन में और जुड़ गए हैं जिससे अब कुल 40 संसाधन हो गए हैं.

फुल–टेक्स्ट ई.–संसाधन

- अमेरिकन इंस्टिट्यूट ऑफ फिजिक्स (ए.आई.पी.) जर्नल्स
- इलेक्ट्रोकेमिकल डिजिटल लाइब्रेरी
- इंडियास्टेट कम डाटाबेस
- इंस्टिट्यूट ऑफ फिजिक्स जर्नल्स
- एन.आर.सी. प्रेस जर्नल्स
- ऑप्टिक्स इन्फोबेस ओ.एस.ए.'एस डिजिटल लाइब्रेरी
- रॉयल सोसाइटी ऑफ केमिस्ट्री (आर.एस.सी.) गोल्ड कलेक्शन

इसके साथ ही पुस्तकालय ने निम्निलिखित प्रकाशकों द्वारा प्रकाशित कई चुने हुए पत्र / जर्नल के क्रय की भी सदस्यता ली है.

- अमेरिकन मैथमेटिकल सोसाइटी
- अमेरिकन मेट्रोलॉजिकल सोसाइटी
- अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन
- कैंब्रिज यूनिवर्सिटी प्रेस
- आई.ओ.एस. प्रेस
- ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस
- सिस्मोलॉजिकल सोसाइटी ऑफ अमेरिका
- सोसाइटी ऑफ फोटो–ऑप्टिकल इंस्ट्रूमेंटेशन इंजिनियर्स–एस.पी.आई.एस.

संचलन सेवा

पुस्तकालय द्वारा दिए प्रस्ताव में एक बहुत बड़ी सेवा है – पुस्तकों और अन्य

> मैं, भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर के नए प्रस्तावों को आरम्भ करने के दृष्टिकोण से बहुत प्रभावित हूँ. भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर सामान्य रूप से शिक्षा के क्षेत्र में विशेष रूप से औद्योगिक एकीकरण की ओर अग्रसर है

प्रा. विजय गुप्ता
अतिथि प्राध्यापक

पठन–सामग्री को इस्तेमाल करने वालों में पुस्तकों और अन्य पठन–सामग्री का संचलन है. प्रत्येक नामांकित प्रयोगकर्ता का अधिकार है कि वह स्वयं पुस्तकालय संग्रह में उपलब्ध पठनीय सामग्री ले जाय. प्रयोगकर्ताओं द्वारा ले जाने व लौटाने वाले आलेखों की संख्या वर्ष पर्यंत यथाक्रम 14995 और 12683 थी.

संस्थागत सदस्यता

विभिन्न सेवाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए आई.एन.डी.ई.एस.टी., ई.एन.फ.एल. आई.बी.एन.ई.टी. ई–कांसोर्टिया विकास पुस्तकालय नेटवर्क (डी.ई.एल.एन.ई.टी.) और साथ ही 5 अन्य पुस्तकालय व व्यावसायिक अंगो की सदस्यता का नवीनीकरण किया गया. पुस्तकालय ने 2013 वर्ष के लिए कलेक्टिव मेम्बर ऑफ इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर ब्रिज एंड स्ट्रक्चरल इंजिनियर (आई.ए.बी.एस.ई.) के तौर पर नामांकन किया है.

सन्दर्भ और सूचना सेवा

अपने उपयोगकर्ता समुदाय के लिए (व्यक्तिगत या परिसर नेटवर्क के तौर पर) पुस्तकालय सक्रिय रूप से सन्दर्भ और सूचना सेवाओं को बढ़ावा देता रहा है. 2013 में पुस्तकालय ने ई–मेल आधारित सन्दर्भ, प्रश्न और जबाब सेवा "एक पुस्तकालय से पूछो" आरंभ की.

सूचना प्रौद्योगिकी आधारभूत ढाँचा

पुस्तकालय ने इन्टरनेट पर आंकिक ६ डिजिटल संसाधन, ई–जर्नल्स, पुस्तकालय, ऑनलाइन कैटेलॉग और अन्य वेब–आधारित संसाधन में पहुँच की सुविधा पाने के लिए नये कंप्यूटर की वृद्धि कर दी है. फोटो की प्रतिलिपि व लेखों के मुद्रण में विद्यार्थियों की सहायता करने के लिए एक आंकिक ६ डिजिटल बहुआयामी प्रतिलिपि मशीन की भी वृद्धि की गई है.

पुस्तकालय, पुस्तकीय रिकॉर्ड का अद्यतीकरण

पुस्तकालय ने अंतर्राष्ट्रीय मानदंड के अनुसार सूचीपत्र / कैटेलॉग के परिग्रहण और अद्यतन के लिए एक पृथक परियोजना की शुरुआत की है. इस परियोजना के अंतर्गत पुस्तकालय ने अंतर्राष्ट्रीय मानदंड के अनुसार करीब 6000 पुस्तकों के परिग्रहण रिकॉर्ड के लिए और करीब 1000 पुस्तकों के सूचीपत्र / कैटेलॉग रिकॉर्ड अद्यतन के लिए अतिरिक्त व्यक्तियों की नियुक्ति की है. पुस्तकालय के रिकॉर्ड को वर्तमान स्थिति में लाने अपटूडेट रखने के अलावा यह कार्य अब पुस्तकालय संग्रह के परिग्रहण में वृद्धि करेगा.

कंप्यूटर केंद्र

संस्थान की कंप्यूटर सुविधाओं को हाई–एंड हार्डवेयर, सॉफ्टवेर के विस्तृत श्रृंखला और उत्कृष्ट संयोजन के साथ विकसित किया गया है ताकि विद्यार्थी, संकाय व स्टाफ विना किसी रुकावट के अपना कार्य कर सके. एल.ए.एन. की स्थापना पूरे भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर को एकमात्र यूनिट से जोड़ता है. संस्थान का परिसर और विद्यार्थियों के छात्रावास 'वाई–फाई' समर्थ है. आजकल संस्थान में 2 कंप्यूटर प्रयोगशाला हैं – एक सार्वजनिक प्रयोग के लिए और दूसरा निर्देशीय उद्देश्य के लिए. 30 से भी ज्यादा डेस्कटॉप – कंप्यूटर सार्वजनिक कंप्यूटर प्रयोगशाला विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध है जो 24 घंटे खुला रहता है.

इसके साथ ही कम्प्यूटेशनल शिक्षण प्रयोगशाला में 60 से भी ज्यादा डेस्कटॉप कंप्यूटर हैं. सभी संकाय सदस्य शोध विद्वान, शोध सहयोगी परियोजना स्टाफ और प्रशासनिक स्टाफ के पास व्यक्तिगत कंप्यूटर उपलब्ध है जबकि प्रिंटर सहभाजन आधार पर उपलब्ध है. सामान्य उपयोग के लिए सुविधाजनक स्थानों पर कई हाई–एंड मुद्रण व फोटोकॉपी मशीन

उपलब्ध हैं. भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर के विद्यार्थी, संकाय व स्टाफ को आम–समूह को ढेर सारे ई–मेल भेजने के लिए व्यक्तिगत ई–मेल खाता दिए गए हैं. यह सुविधा एक पाठ्यक्रम के विद्यार्थियों को, एक खास विद्यार्थी को या एक खास ब्रांच और वर्ष के विद्यार्थी को होम असाइनमेंट भेजने के लिए उपयोगी है. महत्वपूर्ण वैज्ञानिक सॉफ्टवेर जैसे ANSYS, Star CCM+, ऑटोडेस्क इन्वेन्टर, ऐस्पन टेक, मैथमेटिका, PSCAD4-2, STATA 11-1, AutoCAD, नेशनल इंस्ट्रूमेंट्स LabView, केडेन्स, TCad, Matlab, Xilinx ISE और SAP खरीदे गए हैं. भा. प्रौ.सं. गाँधीनगर भा.प्रौ.सं. प्रणाली का पोर्टल at http://www-iitsystem-ac-in/index-jsp का एक हिस्सा भी है.

चिकित्सा केंद्र

विद्यार्थियों, स्टाफ और संकाय सदस्यों को चिकित्सकीय देखभाल व सलाह देने के लिए कार्य दिवस में कई घंटों के लिए दो योग्य चिकित्सक संस्थान में उपलब्ध हैं. अस्पताल में भर्ती होने पर सारे विद्यार्थियों का खर्च एक चिकित्सा वीमा पालिसी के अंतर्गत वहन होता है. एक प्रशिक्षित पुरुष सेवक / नर्स हर समय उपलब्ध है जो आकस्मिक प्राथमिक सहायता और दैनिक चिकित्सा सेवा जैसे – बुखार, रक्त दबाव, रक्त मधुमेह, ऑक्सीजन स्तर नापने और चोट की मरहम–पट्टी की सेवा प्रदान करता है. वह डॉक्टर की पर्ची या फोन पर सलाह के अनुसार चिकित्सा कक्ष में उपलब्ध दवाइयां प्रदान करता है. चिकित्सा आपूर्ति और चिकित्सा रिकॉर्ड के रख–रखाव में सहायता भी करता है. दूसरी सुविधाओ में इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम (ई.सी.जी.) मशीन, अस्थमा के लिए नेबुलाइजर थेरेपी और क्रोनिक ऑब्सट्रक्टिव पल्मोनरी डिजीज (सी.ओ. पी.डी.) और आपातकालीन मामलों में रोगियों के लिए 24 घंटे वाहन की सुविधा है.

प्रयोगशाला सुविधाएँ

रासायनिक अभियांत्रिकी

रासायनिक अभियांत्रिकी के सभी अवर–स्नातकों को तीसरे से सातवें सत्र तक प्रत्येक सत्र में प्रयोगशाला पाठ्यक्रम लेखा अनिवार्य है. 165 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में विस्तृत रासायनिक अभियांत्रिकी प्रयोगशाला में एक संचालन और प्रतिक्रिया अभियांत्रिकी

तथा प्रक्रिया गतिकी से सम्बंधित प्रयोगात्मक व्यवस्था है. मौजूदा व्यवस्था में डबल पाइप / कुंडलित / तस्तरित / द्रवीकृत / फिन–ट्यूब ताप विनिमयक रासायनिक भट्टी अवकल आसवन व्यवस्था पैक्ड–बेड अवशोषण कॉलम छननी संस्तरित आसवन कॉलम पारस्परिक /अपारस्परिक टैंक व्यवस्था सभी प्री–फैब्रिकेट्स एंड इंजीनियर्स से खरीदे गए, कैलोरीमीटर रेफ्राक्टोमीटर (दोनों साइंटिफिक प्रोडक्ट्स इंडिया से खरीदे गए) तथा बैच शुष्कक (टेक्निकल एजुकेशन बंगलोर से) शामिल है. इस प्रयोगशाला में तरल–प्रवाह जैसेकि प्रवाह परिमापन युक्तियाँ सेंट्रीफ्यूगल पम्प तथा पाइप फिटिंग उपकरण शामिल है. प्रक्रिया नियंत्रण तथा प्रगट पृथक्करण तकनीकों पर आधारित प्रयोगों को भी शामिल करने के लिए सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है.

रासायनिक अभियांत्रिकी के मौजूदा संकाय सदस्यों की अनुसंधान अभिरुचियों में दवा–वितरण के लिए कण–संरचना जैवरसायनिक अभियांत्रिकी तथा तंत्र जीव विज्ञान तंत्र अभियांत्रिकी चूर्ण प्रौद्योगिकी पॉलीमर अभियांत्रिकी, स्मार्ट मटेरियल, श्लेष तंतु / अतिसूक्ष्म प्रौद्योगिकी शामिल है वर्तमान संकाय की शोध प्रयोगशाला 250 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में स्थापित है. कण संरुपन अनुसंधान प्रयोगशाला में हाई–एन्ड उपकरण शामिल है जैसे एक कण आकार विश्लेषण (कौल्टर प्राइवेट लिमिटेड) कैमरा (निकोंन) सुविधा सहित एक प्रकाशीय सूक्ष्मदर्शी यन्त्र, एक फ्रीजी ड्रायर (मार्टिन किस्ट), जेटा–साइजर (पी.एस.एस. निकोम्प) और क्रमिक वृत्तो में सिकुड़ने वाला पम्प / पेरिस्ताल्तिक (वाटसन मार्लो) इसके साथ ही गैसीय सूक्ष्म बुलबुलों व तरल बूंद निलंबन की विशेषताओं को बताने के लिए एक कण आकार विश्लेषक और उच्च दाब CO_2 का कण–निर्माण के लिए उच्च दाब पात्र भी उपलब्ध है. एक उच्च दाब द्रव वर्ण कममापी (जी.सी.) तंत्र पर्किन (एल्मर) किण्वक (सर्तोरियास) माइक्रोप्लेट रीडर (टी.ई.सी.ए.एन.) बहुलक श्रृंखला प्रतिक्रिया थर्मोसाइक्लर (एप्पेंडोर्फ), गहन प्रशीतन ($-86^{\circ}C$) (थर्मोफिसर साइंटिफिक) तथा जैवचिकित्सा व जैव–आणविक अभियांत्रिकी अनुसंसाधन हेतु अन्य बुनियादी जीवविज्ञान प्रयोगशाला–उपकरण भी उपलब्ध है.

चूर्ण अभियांत्रिकी के लिए एक वी–ब्लेंडर तथा कोन–मिल (प्रिज्म फार्मा) की स्थापना चूर्ण मिश्रण तथा नैनो संलेपन के लिए किया गया है. चूर्ण अभिलक्षण हेतु पावडर रिह्वोमिटर (फ्रीमैन टेक्नॉलोजी) तथा लेजर विचलन कण विश्लेषक (सी.आई.एल.ए.एस.) भी उपलब्ध है. डिजिटल स्वचालित टैप / बल्क घनत्व उपकरण (विगो) तथा पावडर के थोक गुणवत्ता के अभिलक्षण हेतु एंगल ऑफ रिपोज उपकरण भी स्थापित कर दिए गए हैं. विभिन्न आर्द्रता व तापमान स्थितियों में परीक्षण चूर्ण रखने के लिए एक पर्यावरणीय टेस्ट चौम्बर (एच.एम.जी. भारत) भी उपलब्ध है. औषधि सम्बन्धी शोध के लिए चूर्ण अभियांत्रिकी सुविधा एक विशिष्ट आधारभूत ढांचे की तरफ अग्रसर है.

रसायन शास्त्र

भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर संभावित इस्तेमाल के क्षेत्र के साथ शुद्ध विज्ञान पर जोर देता है. ये क्षेत्र हैं ग्रीन रसायन शास्त्र, बायोपोलिमर्स, संवेदना, इलेक्ट्रो–रसायन शास्त्र, और अन्य ऑप्टिकल अनुप्रयोग, शोध के लक्ष्य रसायन व जीव विज्ञान के विषयो के अन्य क्षेत्र से सम्बंधित हैं जिनमे प्राकृतिक उत्पाद के अनुरूप संश्लेषण जैव विश्लेषक परख और सेंसर प्रणाली के विकास के लिए न्यूक्लिक एसिड का संशोधन, प्राकृतिक स्रोत से क्रोमोफोरम का अलगावीकरण एवं लक्षण वर्णन, अति सूक्ष्म सामग्री का संश्लेषण व कार्यात्मक रूप प्रदान करना, माइक्रोसाइक्लिक प्रणाली का संश्लेषण, जैसे संवेदी कार्य के लिए पोर्फिर्नोइड्स आयोनिक द्रव माध्यम में संश्लेषित जैविक विलेय का प्रकाशकीय भौतिक एवं प्रकाशकीय भौतिकी अध्ययन, एलेक्ट्रोन–स्थानान्तरण, प्राकृतिक खाद्य रंगाई–कारकों का विकास, रेडाक्स प्रक्रियाओं का एंजाइम विज्ञान तथा एलेक्ट्रोन रसायन, सामग्री

वेटलैब ध्रुम आवरण रोटरी वाष्पीकरण (बुची, आई.के.ए.), एनालिटिकल संतुलन (शिमाद्जू, मेटलर) और स्लेंक लाइन, ऊष्मा आवरण, हॉट प्लेट और स्टीर की नियमित सुविधाओं से सुसज्जित है. कई पत्र–पत्रिकाओ की साईंफिन्डर और ऑन–लाइन सदस्यता हासिल करने में इस विभाग की पूर्ण पहुँच है.

एवं उत्प्रेरक से सम्बंधित शोध के लिए निधि की व्यवस्था बड़ी फंडिंग एजेंसियाँ (डी.एस.टी.–सी.एस.आई.आर.) करती है एवं संस्थान का समर्थन भी प्राप्त है. संकाय के सदस्य भी अवर–स्नातक एवं स्नातक के छात्रों के लिए कई मूल पाठ्यक्रम के शिक्षण में सक्रिय रूप से सम्मिलित है.

हाल की शोध–सुविधाओं में 500 एम. एच.जेड. एफ.टी. एन.एम.आर. (ब्रुकर) एक सिनैप्ट जी.2एस ई.एस.ई–क्यू.टी. ओ.एफ. मास स्पेक्ट्रोमीटर (वाटर्स) और साइक्लिक वोल्टमीटर (सी.एच. यन्त्र) एक चूर्ण माइक्रोस्कोप (जे.ई.ओ.एल.) शामिल है. अन्य शोध उपकरणों में डिजिटल पोलरीमीटर (एंटोन–पार), एक एफ.टी.–आई.आर. स्पेक्ट्रोफोटोमीटर (थर्मो वैज्ञानिक) एक डिजिटल मेल्टिंग प्लांट उपकरण (एम. आर.–वी.आई.एस.), एक फोटोकेमिकल उपकरण (लुजचेम), यू.वी.–विस् यन्त्र (शिमाद्जू अंड एनालिटिक जेना), एक स्पेक्ट्रोफ्लुओरोमीटर (होरिबा–होबिं य्वोन) उच्च दाब द्रव क्रोमटाग्राफी प्रणाली (एगिलेंट) पहले से उपलब्ध है.

सिविल अभियांत्रिकी

भू–तकनीकी अभियांत्रिकी प्रयोगशाला मूल विषय सामग्री पर ध्यान देते हुए स्नातकोत्तर शिक्षण व शोध पर ज्यादा ध्यान देती है. उसी तरह एम.टेक. एवं पी.एच.डी. के छात्र व्यापक शोध अभिरुचि के लक्ष्य में लगे रहते हैं. यह प्रयोगशाला प्राथमिक मृदा परीक्षण उपकरणों सहित उच्चकोटि के शोध हेतु अपेक्षित हाई–एन्ड उपकरणों से सुसज्जित है.

इन उपकरणों का उपयोग मृदा के यांत्रिकी गुण–धर्मो के परीक्षण गुण–धर्मो के संसूचन, पारगम्यता, सकोचननियत, कतरनी ताकत व गतिकी गुण–धर्मो के अध्ययन के लिए किया जाता है. इस प्रयोगशाला में निम्नलिखित सुविधाएँ व उपकरण उपलब्ध हैं:

- संसूचन गुणधर्म एवं मृदा–वर्गीकरण छलनी–प्रकंपक (सिव शेकर) ध्वनि न्यूनीकरण हाईड्रोमीटर परीक्षण अट्टवर्ग सीमा उपकरण, द्रव सीमा, प्लास्टिक सीमा सिकुड़न सीमा उभार दाब माप सुविधा, विशिष्ट गुरुत्वाकर्षण सापेक्षिक घनता, कोर–कटर, बालू उड़लन उपकरण, रासायनिक परीक्षण (पी.एच., सल्फाइड, क्लोराइड, लौह) मृदा में आर्गेनिक पदार्थों के मूल्यांकन के लिए ढकी हुई मिट्टी (900°C) बालू कणों के आकार के अध्ययन हेतु प्रकाशीय एल.सी.डी. सूक्ष्मदर्शी.

- प्राप्त महीन मृदा के शीर्षपतन एवं प्राप्त खुरदरी मृदा की स्थिर शीर्ष पारगम्यता परीक्षण की सुविधा.

- सम्पीडन–प्राक्टर परीक्षण व्यवस्था (संहनन जाँच): मानक एवं संशोधित

203 गैग आडियोमीटर व्यवस्था (समेकन परीक्षण).

- कतरनी मजबूती / शियर स्ट्रेंथरू बिना चिकनाई वाली संजन रहित मृदा के लिये डाइरेक्ट शियर यन्त्र, संजन रहित मृदा के शियर स्ट्रेंथ के लिए अनकन्फाइंड कम्प्रेसर (यू.सी.) परीक्षण यन्त्र व मृदु मृदा के लिए वायु दिशा दर्शक वेन् शियर परीक्षण आंकड़ा प्राप्ति के साथ त्रिअक्षीय ट्राय एक्सिअल व्यवस्था, पोर दबाव अनुक्रिया की सही माप की सुविधा व (यू.यू. सी.यू. सी.डी. परीक्षण) सम्पीडन भार की स्थिति में विस्तार परिवर्तन के साथ सभी तरह की मृदा की शियर स्ट्रेंथ के नाप के लिए एनालिसिस सॉफ्टवेयर 'एक्सटेंसन लोडिंग परीक्षण' के उन्नत स्वचालित त्रिअक्षीय व्यवस्था के लिए अतिरिक्त सुविधा के साथ Ko परीक्षण और स्ट्रेस पाथ परीक्षण.

- गतिशील गुण–धर्मः पूर्ण स्वचालित चक्रीय त्रिअक्षीय परीक्षण व्यवस्था (0.01–10Hz, दबाव व तनाव नियंत्रित द्रवीकरण क्षमता के लिए द्रव सह वायुविय संचालन और मृदा के गतिक गुण धर्म (उच्च स्ट्रेन आयाम परीक्षणय 0.0001% से 0. 01% तक), मृदा के शियर मोडल्स के लिए वक्रीय तत्व प्रणाली (निम्न स्ट्रेन आयाम परीक्षणय 10^{-6}% से 10^{-4}% तक).

- डिजाइन सॉफ्टवेयर: GEO5,GiD, STAD Pro, CSI&SAP-

- सर्वेक्षणः ऑटो लेवल, लेजर डिस्टेंस मीटर.

- इन–सीटू परीक्षणः भार वाहन क्षमता के लिए मोटर चालित प्रस्तोता प्रणाली के साथ प्लेट भार परीक्षण 300 के.एन. सामर्थ्य मानक पैठ परीक्षण (एस.पी.टी.) और गतिशील शंकु पैठ परीक्षण (डी.सी.पी.टी.) मुक्त गिरावट टंकड़ प्रणाली के साथ स्थिर शंकु परीक्षण (एस.सी.पी.टी.). एस.पी.टी. व एस.सी.पी.टी. शियर स्ट्रेंथ के तत्रस्थ माप के लिए इस्तेमाल होते हैं, जबकि डी.सी.पी. टी. शियर तरंग गति माप के लिए इस्तेमाल होता है.

- घोल समेकन की स्थापनाः भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर प्रयोगशाला में सूक्ष्म कण वाली मृदा के नमूने पुनः ढालने की तैयारी के लिए यह व्यवस्था विकसित की गई है. इसमे 4 दोहरे स्ट्रोक वाले न्युमेटीक दाब सिलिंडर और 4 कंसोलिडेशन सेल्स के साथ स्व प्रतिक्रियाशील 250 किलो के प्रतिक्रिया ढांचा है.

- उपसाधनः बारीक करने वाला यन्त्र उच्चगति वाले स्टीरर तरल नमूने निकालने वाला उपकरण, शेल्बाई ट्यूब यांत्रिकी बरमा, औद्योगिकी–ग्रेड डी.एम. प्लांट, डी. एयरिंग उपकरण, हेवी ड्यूटी मृदा मिक्सचर, स्क्रू एयर कम्प्रेसर (35–45सी.एफ.एम., 10एच.पी., 500एल रिसीवर).

विद्युत अभियांत्रिकी

विद्युत अभियांत्रिकी विभाग आजकल अपने अवर स्नातक विद्यार्थियों को 6 प्रयोगशाला पाठ्यक्रम और अन्य अभियांत्रिकी विभागों के लिए एक मूल प्रयोगशाला पाठ्यक्रम और प्रदान करता है. इसके साथ–साथ मानक विद्युतीय व इलेक्ट्रोनिक अभियांत्रिकी प्रयोग की सुविधाओं के लिए यह प्रयोगशाला उच्च प्रयोग एवं शोध के लिए सुसज्जित है.

इलेक्ट्रॉनिक अभियांत्रिकी प्रयोगशालारू संचार अभियांत्रिकी पाठ्यक्रम की आवश्यकता को पूरा करने के लिए विद्यार्थियों को आर.एफ. प्रयोग की प्रशिक्षण के लिए इस प्रयोगशाला में 'गुन डायोड आधारित माइक्रोवेब परीक्षण बेंच और एंटेना ट्रेनर किट्स उपलब्ध है. यहाँ एम्बेडेड प्रणाली प्रयोग पर आधारित माइक्रोप्रोसेसर और माइक्रोकंट्रोलर की सुविधाएँ भी हैं. नियंत्रण व्यवस्था प्रयोगशाला: इस प्रयोगशाला में प्रक्रिया नियंत्रण ट्रेनर मोड्यूल्स है जिसमे विभिन्न तरह के फीडबैक नियंत्रण व्यवस्था के सिमुलेटर शामिल हैं जो एक प्लांट के विशिष्ट समय और आवृत्ति व्यवस्था अनुक्रिया

के लक्षणों के अनुकरण / सिमुलेट करने में समर्थ है. पी.आई.डी. नियंत्रक और शीशा / लैग क्षतिपूरक भी अपने स्थान पर हैं. प्रक्रिया मापक किट्स भी उपलब्ध हैं जो पारामीटर को नापते हैं जैसे ताप, स्तर, स्थान, लचीले ढांचे में कंपन के अध्ययन, गति व त्वरण इस प्रयोगशाला में लचीले ढांचे के कम्पन के अध्ययन के लिए एक विस्तृत मार्ग वाला कंपन विश्लेषक भी है. औद्योगिक नियंत्रण प्रक्रिया के साथ छात्रों को परिचित करने के लिए एक प्रोग्राम बनाने वाले लॉजिक नियंत्रक (पी.एल.सी.) को भी स्थापित किया गया है.

विभाग के आकलन / संगणन करने की सुविधाओं में विस्तृत रूप से इस्तेमाल में लाने वाले सॉफ्टवेयर साधन / उपकरण जैसे मैटलैब, सिनोप्सिस टी.सी.ए.डी. साधन और कैडेन्स एनालॉग / अंकीय डिजिटल डिजाइन साधन / उपकरण इसके साथ ही वी.एल.एस.आई. प्रयोगशाला में Xilinx एफ.पी.जी.ए. किट्स और आई.एस.ई. सॉफ्टवेयर भी उपलब्ध है. यह प्रयोगशाला ए.आर.एम, पी.आई.सी. नियंत्रक, ए.वी.आर. व माइक्रो नियंत्रक बोर्ड, साथ ही एक प्रेसिजन चुम्बकीय विश्लेषक के साथ सुसज्जित है. इस पावर सिस्टम सिमुलेसन प्रयोगशाला में 25 नोड्स के लिए लाइसेंस्ड पी.एस.सी.ए.डी. सॉफ्टवेयर उपलब्ध है.

विद्युतीय अभियांत्रिकी प्रयोगशाला में शामिल नवीनतम उपकरण और सुविधाएँ हैं. प्रिंटेड सर्किट बोर्ड (पी.एस.बी.सीएस.) के निर्माण की सुविधा रियल टाइम सिग्नल प्रोसेसिंग प्रयोग के लिए डी.एस.पी. स्टार्टर किट्स मशीन को मजबूत करने और प्रयोगशाला के नियंत्रण के लिए एक आंकड़ा–प्राप्ति व्यवस्था (राष्ट्रीय उपकरण) और पी.वी. सेल/मोड्यूल/प्रणाली के लक्षण बताने के लिए पी.वी. प्रयोगशाला किट्स.

संकाय की शोध अभिरुचि विविध हैं और अवर स्नातक कार्यक्रम में आरंभ से ही शोध की संस्कृति को बढ़ावा देने पर जोर दी जाती है. वर्तमान शोध के बड़े क्षेत्र में संकाय की अभिरुचि है इमेज प्रोसेसिंग, पॉवर तंत्र, अक्षय ऊर्जा, वी.एल.एस.आई., वनस्पति विज्ञान पर आधारित प्रभावशाली आकलन, एडप्टिव सिग्नल प्रोसेसिंग सिस्टम अभियांत्रिकी और फोटोनिक सेन्सर्स. इस प्रयोगशाला में शोध के लिए निम्नलिखित सुविधाएँ उपलब्ध हैंः फोटोनिक सेन्सर्स प्रयोगशालाः यह प्रयोगशाला प्रकाशकीय भौतिकी और रासायनिक सेन्सर्स के क्षेत्र में शोध पर जोर देता है. जोर का वृहत क्षेत्र औद्योगिक व चिकित्सकीय उपयोग के लिए ट्युनेबल डियोड लेजर स्पेक्ट्रोस्कोपी ऑफ गैसेज हैं. यह प्रयोगशाला नैरो लें बिड्थ नियर इन्फ्रारेड लेजर डीयोड्स फोटो डिक्टेटर, प्रकाशीय तंतु संघटक और उच्च छोर वाले इलेक्ट्रोनिक उपकरण के साथ सुसज्जित है.

6 इंच प्रोब स्टेशन प्राचल विश्लेषक, गतिशील संकेत विश्लेषक और आई.सी.सी.ए.पी. सॉफ्टवेयर के साथ एक अति आधुनिक सेमीकंडक्टर लाक्षणिक प्रोयोगशाला विकास के अंतर्गत है. एक प्रभावशाली आंकलन प्रणाली प्रयोगशालाः शरीर क्रिया विज्ञान संकेत आंकड़ा प्राप्ति प्रणाली और अनुकूल मनोवैज्ञानिक शरीर विज्ञान पर आधारित शोध के लिए आभासी वास्तविकता कार्यक्रम मंच के साथ सुसज्जित है.

यांत्रिकी अभियांत्रिकी

प्रथम वर्ष के सभी अवर–स्नातक छात्रों को कार्यशाला अभ्यास पर एक प्रयोगशाला पाठ्यक्रम लेना अनिवार्य है.

280 वर्गमीटर क्षेत्र में विस्तृत विनिर्माण प्रयोगशाला में लेथ, मिलिंग मशीन, उर्ध्वाधर मशीनिंग केंद्र, विद्युत निर्वहन मशीन, वेल्डिंग फिटिंग और लोहारी सम्बन्धी उपकरण, की सुविधाए उपलब्ध है. द्वितीय और तृतीय वर्ष के अवर–स्नातक छात्रों को विनिर्माण अभ्यास एवं प्रक्रियाओं पर प्रयोगशाला पाठ्यक्रम प्रदान करने के लिए भी इस प्रयोगशाला का उपयोग किया जाता है.

कई सुविधाओं के साथ एक सामान्य कार्यशाला की स्थापना की गई है जिसमें बढ़ईगिरी, फिटिंग, वेल्डिंग, टिन–लुहारी उपकरण, पट्टी आरा, वेल्डिंग मशीन, लेथस, ड्रिलिंग मशीन, शेपिंग मशीन, स्लोटिंग मशीन, मिलिंग मशीन, हैंडप्रेस और माप–विद्या यन्त्र की सुविधाएँ उपलब्ध है. यांत्रिकी अभियांत्रिकी की कुछ खास विशेषताएं निम्नलिखित हैं:

उन्नत विनिर्माण प्रयोगशाला (ए.एम.एल.)रू यह प्रयोगशाला निर्माण से सम्बंधित क्षेत्र में शिक्षण और शोध के क्रिया–कलापों के समर्थन के लिए स्थापित किया गया है. प्रयोगशाला की सुविधाओं में कंप्यूटर अंकीय नियंत्रित (सी.एन.सी.) खराद मशीन सी.एन.सी. मिलिंग मशीन, समन्वित परिमापन मशीन (सी.एम.एम.) तथा प्रोफाइल प्रोजेक्टर और एक द्रुत मूल रूप टाइपिंग मशीन (आर.पी.एम.) शामिल है. ये सुविधाएँ भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर में एकवद्ध उत्पाद डिजाईन और निर्माण क्रियाकलापों को समर्थन देगा.

यांत्रिकी प्रणाली डिजाईन अभिकल्प प्रयोगशाला (एम.एस.डी.एल. ⁄ आई.आई. टी.जी.एन.)रू एम.एस.डी.एल. ⁄ आई. आई.टी.जी.एन. की स्थापना शुद्ध गति विज्ञान काइनेटिक और डाईनामिक्स ऑफ मेकैनिक्स एन्ड मशीन डिजाईन पाठ्यक्रम के शिक्षा को समर्थन ६ सहायता देने के लिए किया गया है.

आजकल इस प्रयोगशाला में काइनेटिक एवं डाईनामिक्स पर प्रयोग करने के लिए चार विभिन्न परीक्षण रिंग्स चार मशीनें, त्वरित वापसी यंत्रवाली, कैम यंत्रवाली, गियर एवं गियर ट्रेन्स, मूलभूत यांत्रिकीय कंपन परीक्षण और शाफ्ट रिंग्स का संतुलन और घूर्णन शामिल है. छात्र भी इस कार्यशाला की सुविधाओं का उपयोग गजट के डिजाईन व निर्माण के लिए करते हैं और पाठ्यक्रम के अंत में एक खुली जगह में उनका प्रदर्शन करते हैं.

ठोस यांत्रिकी और प्रयोगात्मक दबाव विश्लेषण प्रयोगशालारू द्वितीय वर्ष के यांत्रिकी अभियांत्रिकी के सभी छात्रों को ठोस गतिशास्त्र व पाठ्यक्रम पर एक प्रयोगशाला पाठ्यक्रम लेना अनिवार्य है. 70 वर्गमीटर में स्थापित इस प्रयोगशाला में 'सोलिड्स' की यांत्रिकी गुणों के परीक्षण के लिए विभिन्न तरह के उपकरण हैं. 10 टन और 20 टन क्षमता वाले 2 एम.टी.एस. यूनिवर्सल परीक्षण मशीन तन्य ६ तेनसिल और सम्पीडन परीक्षण के लिए प्रयोग किए जाते हैं. 450 जे. (एम.टी.एस.) क्षमता वाली प्रभाव परीक्षण मशीन पदार्थो के चार्पी परीक्षण के लिए प्रयोग किया जाता है. विकर्स और राकवेल कठोरता माप परीक्षण ज्विक ६ रोयेल की मशीनों को इस्तेमाल करके किया जा सकता है. एक ज्विक ⁄ रोयेल एठन ६ टार्सन परीक्षण के लिए उपलब्ध है एवं शिथिलता ⁄ फैटिंग परीक्षण मशीन भार सहित और भार रहित दोनों नमूनों की शिथिल जीवन के परीक्षण के लिए प्रयोग किया जाता है. कैन्टी लीवर बीम के तनाव को मापने के लिए दबाव माप पर आधारित यन्त्र भी उपलब्ध है. इस निर्माण प्रयोगशाला और ठोस यांत्रिकी और प्रयोगशाला दबाव विश्लेषण प्रयोगशाला में संकाय की शोध की

जरुरत के लिए कई निर्माण / फैब्रिकेशन और शोध की सुविधाएँ शामिल हैं. ये सुविधाएँ आजकल प्रयोगशाला और निर्माण की जरूरतों के अनुसार और विकसित और प्रसारित किया जा रहा है.

तरल यांत्रिकी प्रयोगशालाः तृतीय वर्ष यांत्रिकी अभियांत्रिकी छात्रों को तरल यांत्रिकी और तरल यन्त्र विषय पर एक प्रयोगशाला पाठ्यक्रम लेना अनिवार्य है. यह प्रयोगशाला 155 वर्गमीटर क्षेत्र में स्थापित है तथा इसमे तरल स्थितिकी एवं तरल गतिकी पर परीक्षण करने की व्यवस्था है. अनेक सामान्य टर्बो मशीन जैसे गियर पम्प, सेंट्रीफ्युगल पम्प, फ्रांसिस टर्बाइन, पेंटान चक्रसहित विभिन्न प्रवाह मापी तरल यन्त्र के शिक्षण को समर्थन देने व इसके मूल शोध की सुविधा के लिए युक्तियों एवं सामानों को स्थापित किया गया है. एक मुक्त पाश अल्पगति वायु सुरंग, अंतिम परीक्षण खंड 330x300 एमएम तथा वन्द्पाश जल सुरंग जिसका परीक्षण खंड 250x250 एमएम है, के परीक्षण खंड स्थापित की जा रही है.

कंट्रोल्स प्रयोगशालाः कुछ मूल प्रयोगों जैसे संवेदी / सेंसिंग प्रयोगों, हॉट बाथ प्रणाली के पी.आई.डी. कंट्रोल और कंट्रोल ट्रेनर किट्स पर आधारित प्रयोगों के साथ एक कंट्रोल्स प्रयोगशाला की स्थापना की गई है.

स्वचालित प्रणाली प्रयोगशालाः 'इंजिन टियर डाउन' और एसेम्बली प्रक्रिया / प्रोसेस के प्रयोगों के लिए 3 सिलिंडर गैसों लाइन इंजिन की खरीद के साथ 'ऑटोमेटिव' प्रणाली से सम्बंधित

गतिविधियाँ शुरू हो गई है. इंजिन से जुड़े सब सिस्टम डिजाईन, कार्य और विश्लेषण पर ध्यान देते हुए पाठ्यक्रम में भाग लेने वाले व्यक्तियों को कई समूहों में बाँट दिया जाता है. यह 'टियर डाउन' प्रणाली इंजिन से जुड़े 'ऑपरेशन' इंजिन के अंग, और विभिन्न अंगों के मध्य आतंरिक जुड़ाव को विस्तृत रूप से प्रकट करता है.

इंधन प्रणाली प्रयोगशालाः एक अति आधुनिक ईंधन सेल प्रणाली प्रयोगशाला की स्थापना हो रही है. यह प्रयोगशाला आवश्यक रूप से 2 स्तर पर सुरक्षा प्रणाली के साथ एक हाइड्रोजन, कार्बन मोनोएक्साइड और हाइड्रोकार्बन सुरक्षा प्रयोगशाला होगी. प्रथम (सक्रिय) स्तर में अनवरत जारी वातायन प्रणाली है जो पूर्व निर्धारित दर पर प्रयोगशाला में ताजा हवा का प्रतिस्थापन करती है और यह सुनिश्चित करता है कि गैस का कोई रिसाव कमरे में जमा न हो. सक्रिय सुरक्षा प्रणाली का द्वितीय (सक्रिय) स्तर प्रयोगशाला के अंदर विभिन्न अवसर पर किसी भी खतरनाक गैस के निर्माण का पता लगाने के लिए हवा की गुणवत्ता का लगातार निगरानी करने के लिए औद्योगिक ग्रेड गैस डिटेक्टर के प्रयोग को सुनिश्चित करता है. प्रयोगशाला में खतरनाक गैसों के जमाव को रोकने के लिए आजकल वायु प्रवाह प्रणाली स्थापित की जा रही है जो प्रयोगशाला और वातावरण के बीच वायु के नियमित परिभ्रमण को सुनिश्चित करता है. एक आंकड़ा अधिग्रहण प्रणाली स्थापित की जा रही है, जो कमरे में वर्तमान संकेन्द्रण पर आधारित गैस के इनपुट बहाव दर को नियंत्रित करेगा. इस प्रयोगशाला में विभिन्न इंधन सेल प्रणाली पर प्रयोग के साथ ही ईंधन प्रोसेसिंग के लिए प्रौद्योगिकी से सम्बंधित प्रयोग होंगे.

यांत्रिकी अभियांत्रिकी के वर्तमान संकाय सदस्यों की शोध अभिरुचि के क्षेत्र हैं–वायु गतिकी, उड़ान–यांत्रिकी, तरल संरचना परस्पर क्रिया, बहुलक–संयुक्त गतिकी एवं नियंत्रण, तंत्र सिद्धांत,

उष्मा तरल प्रणाली, जलगतिकी स्थायित्व अभियंत्रित तंत्रों का उच्च कार्य निष्पादन अभिकलनीय प्रतिरूपण.

भौतिक विज्ञान

भौतिक विज्ञान प्रयोगशाला, अवर स्नातक प्रयोग करने के लिए अति आधुनिक उपकरणों तथा सुविधाओं से सुसज्जित है. एम.एस.सी. स्तर के उन्नत प्रयोग करने के लिए इन प्रयोगशालाओं का विस्तार किया जायेगा. अन्य उच्च स्तरीय उपकरण जो कतार में हैं – एलिमेंटल एनालिसिस, क्रिस्टल ग्रोथ और क्रिस्टल डेंसिटी माप के लिए एक्सरे डाईफ्रैक्शन उपकरण. अवर स्नातक मूल भौतिक विज्ञान प्रयोगशाला में प्रकाश आप्टिक्स, विद्युत और चुम्बकीय शक्ति, आधुनिक भौतिक विज्ञान और प्राचीन / मूल यांत्रिकी उपलब्ध उपकरण में ग्रेटिंग स्पेक्ट्रोमीटर फ्रेशनेल्स का वाईप्रिज्म सहित आप्टिकल बेंच (इंडोसा) न्यूटन वलय (होलमार्क) फ्रैंक हर्ट्ज प्रयोग तथा फ्लैंक्स कान्सटैंट (साइंटिफिक इक्यूपमेंट इंडिया लिमिटेड) का समावेश है. हेल्महोल्त्ज कॉइल्स प्रयोग के तथा एक पार्ट की व्यवस्था को संस्थान में ही बनाया गया है. छात्रों के प्रयोग एवं अभ्यास के लिए सभी उपकरणों के चार सेट उपलब्ध हैं.

इन प्रयोगों के अलावा भौतिकी प्रयोगशाला में मूविंग क्वाइल गैल्वेनोमीटर (स्पॉट रिफ्लेक्शन एवं प्रलंबित दर्पण प्रकार के) तथा यौगिक दोलन प्रयोग उपलब्ध हैं. कैथाड रे दोलनदर्शी (साइन्टेक वैज्ञानिक एवं एपलैब) संकेत जनित (साइन्टेक, साइंटिफिक), डी.सी. पॉवर आपूर्ति एवं अनेक प्रकाशीय घटक उपलब्ध हैं जिन्हें विभिन्न प्रयोगों में उपयोग किया जाता है. अन्य प्रायोगिक उपकरणों में यूनिवर्सल वी.–एच. वक्र अन्वेषक, पारद्युतिक चरांक / कांस्टेन्ट (मित्तल इंटरप्राइजेज) तथा विद्युत एवं चुम्बकीय परिमापन, थामसन पद्धति (बेस्टो) का समावेश हैं. भारतीय विज्ञान अकादमी, बेंगलुरु किट भी प्रायोगिकी भौतिकी के लिए उपलब्ध है. यहाँ कुछ लघु विद्युतीय मोटर विद्युतीय जेनेरेटर भी हैं जिनका निर्माण प्रथम वर्ष के छात्रों द्वारा उनके प्रयोगशाला पाठ्यक्रम के एक भाग के रूप में किया गया था. जवाहरलाल नेहरु प्लेनेटेरियम, बंगलोर के निर्देशन में चार नए प्रयोगों, (बाईफिलर पेंडुलम, एल.सी. कपल्ड ओस्सिलेटर, विस्कोसिटी ऑफ लिक्विड एटवुड्स मशीन, एलेक्ट्रोमैग्नेटिकल ड्राइवेन रिसोनेन्स स्टडीज को भी स्थापित किया गया है).

इस क्षेत्र में छात्रों की रूचि विकसित करने के लिए भौतिकी प्रयोगशाला में एक अंतरिक्ष दूरबीन है इसमे 8 इंच दर्पण एवं 1200 एमएम की दूरी की नाभि सहित डोबसोनियन माउन्ट भी लगा है. अनेक छात्र इसका उपयोग ग्रहों, तारो के समूह और अन्य अंतरिक्ष–वस्तुओं को देखने के लिए करना शुरू कर दिया है. इसमे एक चंद्र एवं सौर फिल्टर भी लगा है. जून 2012 में मंगल द्वारा सूर्य के चक्र से पार होने का दृश्य इस दूरबीन द्वारा देखा गया था.

- संज्ञानात्मक विज्ञान प्रयोगशाला
- व्यवहार कक्ष (बिहैवियर क्यूबिकल)
- चक्षु मार्गन (आई ट्रैकिंग)
- बेतार फिजियोलाजी आधारित आंकड़ा प्राप्ति प्रणाली
- आभासी वास्तविकता पर आधारित प्रोग्रामिंग मंच

शोध सुविधाएँ

संज्ञानात्मक विज्ञान प्रयोगशाला

संज्ञानात्मक विज्ञान प्रयोगशाला एक ऐसी सुविधाएँ प्रदान करता है जो संज्ञानात्मक मनोविज्ञान, प्रभावशाली आकलन, संज्ञानात्मक नाड़ीविज्ञान व्यावहारिक अर्थशास्त्र, और प्रयोगात्मक दर्शनशास्त्र में मूल व उन्नत स्तर के शोध में समर्थ बनाता है. इन सुविधाओं में ऐसी प्रयोगशालाओं का संग्रह है जो व्यावहारिक आंकड़ा संग्रह व्यवहार कक्ष, एक चक्षु–मार्गन, एक वायरलेस फिजियोलोजी पर आधारित आंकड़ा–संग्रह प्रणाली, आभासी वास्तविकता प्रोग्रामिंग प्लेटफार्म से सुसज्जित हैं और 256–चैनल ई.ई.जी. प्रणाली के साथ भविष्य में परिपूरित की जायेगी.

व्यवहार कक्ष (बिहैवियर क्यूबिकल)

व्यक्तिगत कंप्यूटर के लिए वर्तमान में तीन व्यावहार कक्ष हैं जो व्यवहार–आंकड़ा को समर्थन दे सकता है. ये कक्ष आंशिक रूप से अनुकूलनीय प्रकाश के साथ ध्वनिरोधी और प्रकाशविहीन कमरे हैं. कंप्यूटर में साइकोफिजिकल टूलबॉक्स के साथ मैटलैब है. स्नाकोत्तर छात्र, संकाय–सदस्य, निर्णय लेने ध्यान, एजेंसी इत्यादि पर शोध के लिए इन सुविधाओं का प्रयोग करते हैं. वे ई. –प्राइम और अन्य साफ्टवेयर जैसे ब्लिट्ज3डी को भी समर्थन करते हैं. इन प्रयोगशालाओं का प्रयोग पेपर–पेन्सिल–परीक्षण और प्रश्नावली के लिए एकांत स्थान के रूप में भी होता है जिसे वाह्य हस्तक्षेप मुक्त वातावरण की जरुरत है.

चक्षु मार्गन (आई ट्रैकिंग)

चक्षु मार्गन सुविधा में एक टोबी टी. एक्स 300 शामिल है. और इसमे टोबी स्टूडियोटी.एम. आई ट्रैकिंग सॉफ्टवेर है. यह एक अतिआधुनिक चक्षु मार्गन सुविधा है जिसे उपभोक्ता व्यवहार शोध और आभास शोध के साथ विभिन्न उद्देश्यों के लिए कर सकता है. यह यन्त्र, saccades, saccades सुधार निर्धारण अवधि, पुतली आकार एवं मापक से सम्बंधित आंकड़ों का संग्रह कर सकता है. दूसरे विशिष्ट चक्षु मार्गन के विपरीत टोबी टी.एक्स.300 चक्षु मार्गन बड़े सिर / माथा गति को समर्थन देता है, इस प्रकार माथे को स्थिर रखने के लिए एक चिबुक /

ठुड्डी टेक की जरुरत नहीं पड़ती. यह अध्ययन की प्रमाणिकता को बढ़ाने में सहायता करती है और वैसे विषयों से आंकड़ा संग्रह को समर्थ बनाता है जिनके लिए माथे की गति को प्रतिबंधित करना कठिन है. यह सुविधा द्रुत व स्वचालित योग्यता प्रक्रियाओं द्वारा दी जाती है. यह टी.एक्स.300, 60, 120 या 300 हर्ट्ज के नमूनों वाली दर सैम्पलिंग रेट्स चल / दौड़ सकती है. और उच्च नमूने वाली दर, ई.ई.जी. प्रणाली के जैसे अन्य स्रोतों के साथ गेज–आंकड़ों के सही समकालीनकरण के लिए स्वीकृति देती है. चक्षु मार्गन और ई.ई.जी. आंकड़ा का यह वास्तविक समय असामान्य है पर बहुत वांछनीय विशेषता है. इस सुविधा में टोबी टूलबॉक्स शामिल है जो प्रयोगात्मक डिजाईन के लिए टोबी स्टूडियो के प्रयोगों को कम करने मैटलैब का प्रयोग कर आंकड़ा संग्रह का समर्थन करता है. टोबी के विस्तार के द्वारा ई–प्राइम के लिए भी समर्थन उपलब्ध है.

बेतार फिजियोलाजी आधारित आंकड़ा प्राप्ति प्रणाली

बायोपैक प्रणाली इनकारपोरेशन द्वारा निर्मित बेतार फिजियोलाजी आधारित आंकड़ा प्राप्ति प्रणाली फिजियोलाजिकल संकेतों के आंकड़ा प्राप्ति में वास्तविक समय की सुविधा प्रदान करती है यह प्रणाली फिजियोलाजी के संकेतों जैसे ई.सी.जी., ई.एम.जी., ई.डी.ए. के एक विस्तृत क्षेत्र को सम्मिलित करती है और 16 बिट्स के प्रस्ताव और 400 किलोहर्ट्ज जितनी ऊँची गति के साथ आंकिक प्रसारण के साथ उत्कृष्ट संकेत गुणवत्ता प्रदान करती है. यह बेतार के तार उपकरण, पहनने योग्य फिजियोलाजिकल निगरानी यन्त्र, विना किसी आक्रामक आभास के उच्च गुणवत्ता के आंकड़े रिकार्ड करता है और यह प्रयोग करने के लिए परिपूर्ण उपकरण हैं जहाँ ज्यादा मात्रा में विषय की आजादी और उन्नत प्रयोगात्मक डिजाईन की मांग होती है. यह प्रणाली WorldViz-com से आभासी वास्तविकता पर आधारित प्रोग्रामिंग के अनुकूल है.

आभासी वास्तविकता पर आधारित प्रोग्रामिंग मंच

विजार्ड, उच्च निष्पादन ग्राफिक्स प्रयोगों के विकास के लिए WorldViz Inc की एक उच्च स्तरीय ग्राफिक्स टूलकिट्स है, इसमें आभासी रियलिटी (वी.आर.) वैज्ञानिक कल्पना खेल और उड़ान की नकल है. यह वी.आर. मंच नियंत्रित व प्रतिरुपीय प्रयोगात्मक व्यवस्था प्रदान करती है और पर्यावरण (और अवतार्स) के मैनिपुलेशन कार्य पूरा करने को कौशल की स्वीकृति देती है जो वास्तविक दुनिया में असंभव या बहुत ही खर्चीला है. आभासी दुनिया के साथ फिजियोलाजिकल आंकड़ा की घटनाओ में तारतम्यता के लिए बायोपैक आंकड़ा प्राप्ति के साथ वी. आर. टूलकिट्स का प्रयोग सटीक और स्वचालित आंकड़ा विश्लेषण की स्वीकृति देता है और शोध में एक नए आयाम की वृद्धि करता है.

इंधन सेल प्रणाली शोध प्रयोगशाला

यह सुविधा हाइड्रोजन, कार्बनमोनोआक्साइड और अन्य हाइड्रोकार्बन्स जैसे खतरनाक गैसों के आकस्मिक रिसाव से रक्षा करने के लिए 2 स्तरीय सुरक्षा प्रणाली से सुसज्जित है. इस इंधन सेल प्रणाली शोध में इन गैसों का प्रयोग (या उत्पादन) शामिल है. अंतर्राष्ट्रीय स्तर की स्वीकृत सुरक्षा के अनुसार सही सुरक्षा प्रक्रिया का अनुसरण किया जाता है. प्रथम स्तर की सुरक्षा में ताजी हवा के जाने के नियंत्रित बहाव दर पर अनवरत वातायन और कमरे का वायु निकास व्यवस्था शामिल है. इसके साथ ही आकलन द्रव गतिकी (सी.एफ.डी.) के अध्ययन में वातायन और गैर–वातायन स्थिति में इन गैसों के रिसाव के व्यवहार का अध्ययन शामिल है. इन अध्ययनों के परिणाम के आधार पर हवा के निकास व प्रवेश के लिए छिद्रों का आकार व स्थान बनाये जाते हैं. प्रयोगों के अनुसार प्रवेश और निकास के बहाव दर का 2000–5000 सी.एफ.एम. (55–140एम 3/मिनट) के रूपान्तर के बीच डिजाईन किया जाता है. द्वितीय स्तर की सुरक्षा में खास गैस के आकस्मिक रिसाव का पता लगाने के लिए स्ट्रेटेजिक स्थान (ided by the CFD model) पर रखा गैस नियंत्रक ६ डिटेक्टर शामिल है. ये नियंत्रक डिटेक्टर एक एम्बेडेड नियंत्रक आधारित आंकड़ा प्राप्ति प्रणाली से जुड़े हैं जो बहुलनियंत्रकों के परिणाम पर अनवरत निगरानी रखता है. अगर किसी भी गैस का जमाव पूर्व निश्चित

द्वार को पार करता है तो नियंत्रक या तो एक श्रब्य दृश्य चेतावनी को सक्रिय कर देता है या वातायन प्रणाली में ताजी हवा या हवा के निकास के बहाव के दर में वृद्धि कर देता है या खास गैस की आपूर्ति को बंद कर देता है. ऐसी उम्मीद की जाती है कि स्थान पर इस सुरक्षा प्रणाली के साथ दूसरे विभागों के संकाय सदस्य विभिन्न क्रिया कलापों में इन सुविधाओं का उपयोग करने में समर्थ होंगे जैसे कैटालिस्ट परीक्षण, प्रतिक्रियात्मक विकास, कैटालिक ताप विनिमयक विकास, सेंसर विकास और उपमा प्रणाली अध्ययन.

उच्च निष्पादन आकलन प्रयोगशाला

आकलन विज्ञान और अभियांत्रिकी में उन्नत शोध और शिक्षण तथा एच.पी.सी. के लिए जी.पी.यू. और सी.यू.डी.ए. प्रोग्रामिंग के लिए प्रयोग को बढ़ावा देने के लिए एक 'हाइब्रिड मल्टीकोर और जी.पी.यू. आधारित उच्च निष्पादन अभिकलनीय (एच.पी.सी.) मंच की स्थापना की गई है. वर्तमान में आकलन डिजाईन सुविधा में भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर, फ्यूजित्सु एन्ड न्विडिया के आंशिक समर्थन के साथ कार्य के स्टेशन नेटवर्क के साथ हैं. इस प्रणाली का प्रमुख कंप्यूटर इंजिन है Celsius R&670 workstations consisting of twenty four CPU cores] 96 GB main system RAM (i-e- CPU cores) and 2 Terabytes of HDD Storage and four Nvidia Tesla C2070 GPU cards कुल 1800 CUDA cores और 6GB GPU/Graphics RAM यह प्रणाली उन्बन्तु लिनक्स ऑपरेटिंग प्रणाली पर चलती है. और कार्य तालिका की व्यवस्था तारक्यू एक ओपेन सोर्स सॉफ्टवेर द्वारा की जाती है. बाकि 5 हाईएन्ड वर्क स्टेशन (प्रत्येक में Nvidia Quadro 2000 कार्ड, 1 GB memory, 1 TB storage, four CPUs और 4GB RAM और 192 GPU cores), उच्च स्तरीय आकलन माडलिंग और अभियांत्रिकी प्रणाली की कल्पनात्मकता को सुविधा प्रदान करने के लिए 20 CPUs, 20GB RAM के समूह का एक अभिकलानीय माडलिंग बनाता है. ये सारी सुविधाएँ एक 8TB NAS एकबद्ध स्टोरेज प्रणाली के साथ नेटवर्क के द्वारा जुड़ीं है.

जी.पी.यू. कार्ड वाले इस प्रणाली का प्रमुख कंप्यूट इंजिन को भारतीय राष्ट्रीय ग्रिड, गरुड़ पर रखा जा रहा है. ताकि जो लोग अपने काम के लिए जी.पी.यू. को सिखाने और प्रयोग करने में रूचि रखते हैं वे इस सुविधा में प्रवेश पा सकते हैं. भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर को अहमदाबाद में सी.डी.ए.सी. ने भारतीय ग्रिड प्रमाणिकता प्राधिकार नियुक्त किया है.

इस प्रणाली में बहुत सारे सॉफ्टवेर पैकेज 'हब्ब' कम्प्लायर से लेकर OpenMPI, OpenMP, Pthreads जैसे सामानांतर आकलन सॉफ्टवेर और एक सामानांतर वैज्ञानिक पुस्तकालय PETSc शामिल है. एफ.ई.एम. और सी.एफ.डी. जैसे विभिन्न कंप्यूटर एडेड अभियांत्रिकी सॉफ्टवेर जैसे एफ.इ., सी.एफ.डी. व्यापारिक और ओपन सोर्स दोनो, स्थापित किए जा रहे हैं और शोध और शिक्षण के लिए प्रयोग किए जाते हैं.

रसायनशास्त्र के लिए यंत्रीकरण सुविधा

- यू.वी. विजिबल स्पेक्ट्रोफोटोमीटर (यू.वी. 1800, शिमद्जु, जापान)ः इस स्पेक्ट्रोफोटोमीटर का प्रयोग शोध प्रयोगशाला में तैयार होने वाले रंजनक और रंग के अवशोषण के गुण को मापने के लिए होता है. इसका प्रयोग अवशोषण के गुणांक और जैविक माइक्रोसाइकल्स के सोल्वाटोक्रोमिस्म की गणना के लिए भी होता है. यह यन्त्र यू.वी.–विस् टाईट्रेशन्स पर आधारित आणविक अभिज्ञान अध्ययन (होस्ट–गेस्ट केमिस्ट्री) करने के लिए भी किया जाता है.
- विश्लेषणात्मक तुला (मेटलर टोलेडो)रू इस भार मापक तुला का प्रयोग संश्लेषणीय प्रयोगशाला कार्य के लिए प्रयोग होने वाले रासायनिक यौगिक / मिश्रण के सूक्ष्म परिणाम (1.0 एमजी स्केल) को सही तरह से मापने के लिए किया जाता है.
- रोटरी बाष्पीकरण (बूची–जर्मनी और रोटेवा इक्वीत्रोंन, इंडिया)ः इन दो यंत्रो का प्रयोग (वैक्यूम पंप और चीलर से जुड़ा) प्रतिक्रिया मिश्रण से बड़े पैमाने पर घोलक को निष्कासन के लिए किया जाता है. इसके अतिरिक्त इसका प्रयोग घोलक मिश्रण (जो जैविक यौगिक कालम क्रोमोटोग्राफिक शुद्धिकरण में प्रयोग

होता है) रीसाइक्लिंग के लिए भी किया जाता है.

- चीलर (ठंडा पानी संचारित बाथ आर–12, लौडा, जर्मनी): यह यन्त्र दो घूर्णन–वाष्पीकरण से संलग्न है. इसका प्रयोग घोलक माप को ठंडा करने के लिए किया जाता है जो घूर्णन वाष्पीकरण के प्रयोग से घोलक को हटाने के दौरान पैदा हो जाते हैं.

सामग्री विद्युत रसायनशास्त्र प्रयोगशाला

एक पोटेंसीओस्टेट–गल्वानोस्टेट (CH-660E, CH यन्त्र, अमेरिका) खरीद ली गई है. यह सुविधा इलेक्ट्रोनिक संचालन सामग्री के गुणों का पता लगाने में उपयोगी है. चूंकि इस यन्त्र में एक शक्ति श्रोत और भार है यह बैटरी और कैपासिटर की डिस्चार्ज क्षमता को समझने के लिए भी उपयोगी है. यह सुविधा तैयार कॉंच सेल्स और धातु एलेक्ट्रोड्स के इस्तेमाल के साथ प्राप्त है. यह यन्त्र एक विस्तृत–श्रेणी के प्रयोग करने के लिए इस्तेमाल हो सकता है जैसे–
पोटेंसीस्टेट–गल्वानोस्टेट साइकिल्स वोल्टामैट्री, लीनियर स्वीप वोल्टामैट्री (एल.एस.वी.) स्टारिकेश वोल्टामैट्री (एस.सी.वी.), टफेल प्लाट (टी.ए.एफ.ई.एल.) क्रोनो एम्पेरोमैट्री (सी.ए.) क्रोनोकुलोमैट्री (सी.सी.), दिफरेंसिअल पल्स वोल्टामैट्री, डबल दिफरेंसियल्स पल्स एम्पेरोमैट्री (डी.डी.पी.ए.), ट्रिपल पल्स एम्पेरोमैट्री (टी.पी.ए.) वल्क इलेक्ट्रोलिसिस विथ कालोमैट्री(बी.ई.), हाइड्रोडायनामिक मोडुलेशन वोल्टामैट्री (एच.एम.वी), स्वीप स्टेप फंशन (एस.एस.एफ.), बहु संभावित कदम (एस.टी.ई.पी.), ए.सी. इम्पेडेंस (आई.एम.पी.) 10uHz-1MHz, इम्पेडेंसटाइम (आई.एम.पी.टी.), इम्पेडेंसपोटेंशियल (आई.एम.पी.ई.), क्रोनोपोटेन्सियलमेंट्रीसी (सी.पी.), मल्टी–करेंट स्टेप (आई.एस.टी.ई.पी.), क्रोनोपोटेंशिओमेट्री विथ करेंट रैंप (सी.पी.सी.आर.), पोटेन्सियलमेट्रिक स्ट्रिपिंग विश्लेषण (पी.एस.ए.), खुले सर्किट संभावित समय (ओ.सी.पी.टी.), आर.डी.ई. कंट्रोल (0-10V आउटपुट), सी.वी. सिम्युलेटर और प्रतिबाधा सिम्युलेटर के पूर्ण संस्करण.

मेटल ऑक्साईडस के संश्लेषण के लिए एक सुविधा, मैटेरियल सिंथेसिस प्रयोगशाला में स्थापित की गई है. इसमे स्थानीय निर्मित उच्च ताप भट्टी, बेंचटॉप पी.एच. मीटर (थर्मो साइंटिफिक) और बेंचटॉप अल्ट्रासोनिकेटर (मैगनेटिक स्टीरर्स) शामिल है.

> मुझे भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर में छात्र समुदाय में पृष्ठभूमि आकांक्षा व रूचि की एक स्फूर्तिदायक विविधता मिली उसी तरह, छात्र नेतृत्व के श्रेणी व परिपक्वता की उन्नत अनुभूति हुई. मुझे विश्वास है भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर द्वारा लिए गए कुछ नवीन पहल छात्रों के जोश व पहल को राष्ट्र व मानवता की सेवा में उत्कृष्ट योगदान में स्थान्तरित करने में सहायता करेगा

प्रा. एस. एल. नारायणन मूर्ति
अतिथि प्राध्यापक

आणविक जीवविज्ञान प्रयोगशाला

आणविक जीवविज्ञान प्रयोगशाला सुविधा, संकाय सदस्यों और स्नातक विद्यार्थियों के शोध क्रिया कलापों में सहायता करता है. यह सुविधा, लैमिनार हूड –800 सेल्सियस फ्रीजर, 200 सेल्सियस परिवर्तित तापक्रम फ्रीजर, 200 सेल्सियस तापक्रम फ्रीजर 40 सेल्सियस रेफ्रिजिरेटर विश्लेष्णात्मक संतुलन, डी.एन.ए. और प्रोटीन जेल रनिंग सेटअप, वेस्टर्न ब्लाटिंग उपकरण, पी.एच. मीटर, स्पेक्ट्रोफोटो मीटर, जेल विजुलाइजर, तापमान नियंत्रित इनक्यूवेटर शेकर्स (रेफ्रिजिरेटेड व नॉन रेफ्रिजिरेटेड), इनक्यूवेटर, हॉट ओवेन, उच्च गति वाले अपकेंद्रित ब्राईट फिल्ड माइक्रोस्कोप, पढ़ने की क्षमता वाले प्लेट के साथ फ्लुओरेसेंस स्पेक्ट्रोफोटोमीटर, इलेक्ट्रोपोरेटर, वाटर–बाथ, जलशोधन, के साथ सुसज्जित है.

कण अभियात्रिकी और चूर्ण प्रसंस्करण प्रयोगशाला

चूर्ण प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में शोध में सहायता करने के लिए कण अभियांत्रिकी और चूर्ण प्रसंस्करण (पी.ई. पी.पी.) पर एक शोध प्रयोगशाला स्थापित की गयी है. यह सुविधा औषधीय उद्योग में प्रयोग किए जाने वाले एक प्रतीकात्मक प्रयोगशाला (ठोस डोजेज) की तरह है. विभिन्न आर्दता वाली स्थितियों में पार्टिकुलेट ठोस (सोलिड्स), बल्क चूर्ण का विवरण देने के लिए कई परिष्कृत / उच्च यन्त्र खरीदे गए हैं. इस सुविधा में चूर्ण प्रौद्योगिकी के विभिन्न पहलुओं का अध्ययन करने के लिए उपकरण हैं. जैसे– चूर्ण पैकिंग मिश्रण तैयार करने के लिए तरलीकरण और हापर के जरिये प्रवाह, आजकल यह प्रयोगशाला चूर्ण का मिश्रण तैयार करने व मिलिंग करने के लिए भी ब्लेंडर (प्रिज्म फार्मा) और एक कोन मील (प्रिज्म फार्मा) से सुसज्जित है, बल्क पावडर (शियर परीक्षण, बल्क घनत्व / डेन्सिटी, संकोचानियता, वायु संचरण इत्यादि) और कण आकार निर्धारण का विवरण देने के लिए अन्य परिष्कृत उपकरण जैसे– चूर्ण हियोमीटर (फ्रीमैन प्रौद्योगिकी) और लेजर डीफ्रेक्शन, अकं–आकार विश्लेषक (सी.आई.एल.ए. एस.) भी उपलब्ध हैं. पुंज घनत्व और स्थिर कोण / एंगल ऑफ रिपोज को मापने के लिए एक अंकीय स्वचालित नल / पुंज घनत्व उपकरण (विगो) और एंगल एन्ड रिपोज उपकरण भी उपलब्ध हैं. यहाँ चूर्ण को विभिन्न आर्दता और तापमान की स्थिति में लाने के लिए एक गर्म वायु भट्टी के साथ एक पर्यावरणीय परीक्षण कक्ष (एच.एम.जी., इंडिया) भी है. तरलता, हापर्स के जरिये बहाव और सूक्ष्म कणों का मिश्रण बनाने के अध्ययन के लिए विभिन्न माप के तरल क्यारी / फ्लुइड बेड और मिश्रण बनाने के उपकरण का निर्माण किया गया है.

कण / पार्टिकल अभियांत्रिकी, औषधीय और जैव चिकित्सिय उपयोग के लिए

औषधीय और जैव चिकित्सिय उपयोग

के लिए अतिसूक्ष्म / सूक्ष्म कण की तैयारी और निरूपण के लिए एक अति आधुनिक प्रयोगशाला सुविधा विकसित की गई है. इस प्रयोगशाला सुविधा में, सूक्ष्म कण के उत्पादन, की व्यवस्था शामिल है. इन सूक्ष्म कणों के निर्माण के लिए एक प्रोब सेनिकेटर (सोनिकास वी.सी.505), 40nm-2mm के रेंज में कण के आकार के माप के लिए एक कण आकार के एनालाइजर (वेक्हम काल्टर LS 13320) अतिसूक्ष्म कणों के जेटा संभावना के अंदाज के लिए पार्टिकल साइजिंग सिस्टम (पी.एस.एस. एस.) जेता एनालाइजर (NICOMP 380 ZLS) का प्रयोग किया जाता है. 0.6nm-10m के रेंज कणों के आकार का अंदाजा लगाने के लिए PSS NICOMP 380 ZLS का भी प्रयोग किया जा सकता है. सूखे चूर्ण नमूने की तैयारी के लिए एक मार्टिन क्रिस्ट फ्रीज ड्रायर (Alpha 1-4 LD प्लस) उपलब्ध है. केंद्रीय विवरण / सेन्ट्रल कैरेक्टराइजेसन सुविधा के एक हिस्से के रूप में एक स्कैनिंग एलेक्ट्रोन माइक्रोस्कोप (JEOL, JSM 7600F) एक्सरे दिफ्रैक्टोमीटर (Bruker, Seifert XRD 3000 PTS) और एटॉमिक फोर्स माइक्रोस्कोप (Bruker, Multimode-8-AM) को स्थापित किया गया है और ये अतिसूक्ष्म कणों के मारफोल्जी और सतही विशिष्टता के विवरण के लिए उपलब्ध है. सब क्रिटिकल CO_2 (ज 30–70 इंत) का प्रयोग कर दवा के अतिसूक्ष्म कणों के जलीय निलंबन के

निर्माण के लिए एक सुविधा भी उपलब्ध है जिसमें एक उच्च दाब वाला पात्र (चलने की स्थिति 200 इंत, और 100° C) शामिल है.

माइक्रो बुलबुलों के जलीय निलंबन को तैयार करने और उसकी विशिष्टता बताने के लिए एक सुविधा भी उपलब्ध है. यह माइक्रो बुलबुलों निलंबन, अल्ट्रासोनिक कंट्रास्ट इमेजिंग और औषधि वितरण के काम में एक बड़े साधन के रूप में उभर रहा है. इस सुविधा में एक सूक्ष्म माइक्रो बुलबुलों के उत्पादन और कण के आकार के विश्लेषक (PSS NICOMP Accusizer 780AD) शामिल हैं. ये आकारों के वितरण का विश्लेषण और सूक्ष्म बुलबुलों के निलंबन के सकेंद्रीयकरण को मापने के लिए है. इसके अतिरिक्त स्विंग बकेट रोटर सेंट्रीफ्यूज (Eppendorf 5804) सूक्ष्म बुलबुलों के निलंबन का संकीर्ण आकार वितरण दिफरेंसिअल के अपकेंद्रीयकरण द्वारा प्राप्त करने के लिए और एक ऑप्टिकल माइक्रोस्कोप (NIKON TS 100F) सूक्ष्म बुलबुलों के मर्फोलोजी के विवरण के लिए है.

फोटोनिक सेन्सर्स प्रयोगशाला

प्रयोगशाला फोटोनिक प्रौद्योगिकी का प्रयोग करते हुए भौतिक और रासायनिक संवेदन के क्षेत्र में शोध का प्रबन्ध करता है. वर्तमान ध्यान के क्षेत्र हैं– खतरनाक गैसों की खोज के वास्तविक समय के लिए ट्युनेबल डाईओड्स लेजर स्पेक्ट्रोस्कोपी और गैस संकेंद्रीयकरण दबाव और तापमान को मापना. इस क्रिया का सीधा प्रयोग औद्योगिक प्रकिर्या नियंत्रण सुरक्षा और चिकित्सा के लिए किया जाता है जैसे बायोमेकर्स के नॉन–इन्वेसिव खोज के लिए श्वसन विश्लेषण. यह प्रयोगशाला संकीर्ण लाइनविड्थ नियर–इन्फ्रारेड लेजर डाईओड्स (1650nm from Toptica Photonics and 2004nm from Vertilas), तापीय विद्युत–कूल्ड विस्तारक फोटो अन्वेषक (Thorlabs), एक 50MHz द्विपहलू वाले अंकीय लाक–इन विस्तारक / एम्पलीफायर (Zurich Instruments), एक हाई–एन्ड आरबिटरी वेबफोर्म जेनेरेटर (Agilent) और एक 500MHz अंकीय स्टोरेज ओससिल्लोस्कोप से सुसज्जित है. इस प्रयोगशाला में एक दूर संचार ग्रेड लेजर डायोड का वर्गीकरण, फोटो अन्वेषक और ऑप्टिकल फाइबर घटक/कॉम्पोनेंट्स भी हैं.

सेमीकंडक्टर यन्त्र विवरण सुविधा

यह सेमीकंडक्टर यन्त्र विवरण सुविधा, विस्तृत वेफर स्तर विवरण (I&V, C&V, pulse, noise और विश्वास के माप के लिए) के लिए स्थापित की गई है. इस सुविधा में निम्नलिखित उपकरण हैं: एक 6 इंच वेफर प्रोब स्टेशन थर्मो चक (Semiprobe), के साथ, सेमी कंडक्टर पैरामेट्रिक विश्लेषण B1500 4 SMUs के साथ 1 LCR मीटर, 1 चनसेम नदपज (Agilent), डाइनामिक संकेत विश्लेषक 35670A (Agilent), low&noise current preamplifier (Stanford Research Systems), ICCAP मॉडलिंग सॉफ्टवेर (Agilent), मैनुअल डाइमंड स्क्रैबर (ATV). इस सुविधा का विस्तृत प्रयोग सेमीकंडक्टर यन्त्र / सर्किट शोध, सेमीकंडक्टर यन्त्र मॉडलिंग और अति सूक्ष्म ढांचे के विद्युतीय विवरण के लिए किया जायेगा.

सौर मंडल / सोलर पी. वी. प्लांट सुविधा

गुजरात उर्जा विकाश एजेंसी (जी.ई.डी.ए.) और एन.टी.टी. फैसिलिटीज, इंक, जापान द्वारा स्पोंसर छत पर रखने वाले 2 पी.वी.सिस्टम (प्रत्येक 10 kWp) एक भवन के ऊपर सुस्थापित किए गए हैं. ये पी.वी. सिस्टम कार्यरत है और सौर मंडल फोटोवोल्टैक्स के क्षेत्र में शोध करने और शिक्षण सहायक के लिए प्रयोग किए जा रहे हैं. पी.वी. सिस्टम के लिए भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर में एक सटीक आंकड़ा प्राप्ति और निगरानी प्रणाली का संस्थापन किया गया है. यह दो तरह के सौर मंडल पी. वी. माड्यूल के पूर्वानुमान और स्थानीय पॉवर वितरण नेटवर्क पर सौर मंडल पी.वी. सिस्टम के प्रभाव की छानबीन / जाँच पड़ताल के क्षेत्र में शोध करने में सहायता करती है. इस संस्थापन का एक महत्वपूर्ण योगदान है कि इस संस्थान में विजली के बिल में उल्लेखनीय कमी हुई है. यह प्रस्ताव है कि दीर्घकालीन एजिंग अध्ययन के लिए अन्डरराइटर लेबोरेटरीज (UL, USA) PV research node और सौरमंडल पी.वी. सिस्टम से जुड़े अन्य पहलुओं से भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर सौर मंडल पी.वी. सिस्टम से जोड़ा जाय. इस UL PV शोध ग्रिड का केस वेस्टर्न

> भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर नए विचारों के साथ एक रोमांचक स्थान है. इसमें उच्च शिखर तक पहुँचने का सामर्थ्य है

प्रा. के. एस. गाँधी
अतिथि प्राध्यापक

रिजर्व यूनिवर्सिटी (CWRU), USA और INER (ताइवान) सौर मंडल सुविधाओं के साथ सहयोग है. भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर पी.वी. प्रणाली से जुड़ने से दूसरा क्लाइमेट रीजन प्रदान करेगा जो सहयोगात्मक शोध को बढावा देगा.

एक्सरे डीफ्रैक्शन प्रणाली

पदार्थ के उन्नत शोध और पदार्थ विवरण के लिए एक बहुत ही परिष्कृत यन्त्र खरीदा गया है. इसमें फर्श पर रखने वाला व पूरी तरह स्वचालित एक्सरे डीफ्रैक्शन (XRD) प्रणाली शामिल है. यह डीफ्रैक्टोमीटर ठतनामत AXS, जर्मनी (D8 Discover) से है और यह चूर्ण एक्सरे डीफ्रैक्शन, सूक्ष्म फिल्म विश्लेषण (पैरेलल बीम ऑप्टिक्स) स्मॉल एंगल एक्सरे स्कैटरिंग (ट्रांसमिशन मोड) और नॉन–एम्बियेंट उच्च तापमान (up to 1600^{0}C) एक्सरे डीफ्रैक्शन के अध्ययन के लिए प्लग एन्ड प्ले मल्टीमोड प्रणाली है. स्वरुप की पहचान के लिए स्टैण्डर्ड क्राईस्टालोंग्राफिक ICDD डाटा बेस उपलब्ध है. शोधकर्ता XRD आंकड़ा की व्याख्या के लिए विश्लेषण सॉफ्टवेर Drffrac EVA का प्रयोग भी कर सकते है.

नए भवन

दो नए भवन का उद्घाटन

प्रा. सुधीर कु. जैन ने 25 जुलाई 2012 को वी.जी.ई.सी. के अस्थाई परिसर में निर्मित 2010 वर्ग मीटर के एक भवन का उद्घाटन किया. दूसरे 3000 वर्ग मीटर भवन का उद्घाटन 18 फरवरी 2013 को हुआ. इन भवनों का प्रयोग प्रयोगशाला की सुविधाओं के विस्तार को स्थापित करने के लिए किया जायगा. यह संकाय सदस्यों और शोध अध्येताओं को कार्यालय के लिए स्थान प्रदान करेगा और नई कक्षाओं की जरूरतों को पूरा करेगा.

संकाय कार्यकलाप

भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर के संकाय सदस्य एक विस्तृत क्षेत्र के शैक्षिक कार्यकलापो में संलग्न रहते हैं. जो शोध और विकास, कंसल्टेंसी, प्रकाशन और अन्य शैक्षिक संगठनो के लिए मानद कार्य से जोड़ता है.

प्रायोजित योजनाएं

2012–13 के दौरान स्वीकृत योजनाएं

- *इथनाल ऑटोथर्मल सुधाररू विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित प्रयोगात्मक और मॉडलिंग अध्ययन के द्वारा डिजाईन ओप्टीमाइजेशन (डी.एस.टी.),* मुख्य अन्वेषक, **प्रा. अतुल भार्गव**, यांत्रिकी अभियांत्रिकी.
- *कार्बपोर्फ़िरिंस विथ इन्विल्ट एरेने मोयटीरू उनका संश्लेषण, लक्षण और धातु समन्वय* अध्ययन विज्ञान और औद्योगिकी शोध परिषद मानव संसाधन विकास समूह द्वारा प्रायोजित, मुख्य अन्वेषक – **प्रा. इति गुप्ता**, रसायन शास्त्र.
- *इम्पैक्ट ऑफ डिवाइस जियोमेट्रिस एंड डिजाईन रूल्स ऑन द परफॉरमेंस एंड रिलायबिलिटी ऑफ एडवांस्ड एम.ओ.एस. डिवाइसेज विथ हाई–के. गेट डाईएलेक्ट्रिक्स एंड मेटल गेट्स विज्ञान* और प्रौद्योगिकी द्वारा प्रायोजित. मुख्य अन्वेषक: **प्रा निहार मोहपात्रा**, विद्युत अभियांत्रिकी.
- *डी.एन.ए. की विरूपता को समझने के लिए एक नवीन / नॉवेल प्रणाली पहचान पर आधारित दृष्टिकोण,* विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित डीएनए. प्रधान अन्वेषक: **प्रा. हरीश पी.एम.**
- *तरल क्रिस्टल में कोलाइडयन पार्टिकल्स सेल्फ–असेंबली* – विज्ञान और प्रौद्योगिकी द्वारा प्रायोजित. प्रधान अन्वेषक: **प्रा. प्राची थरेजा**, रसायन अभियांत्रिकी.
- *एइगेनवैल्यू समस्याओं और क्वांटिटेटिव थ्योरी ऑफ फुल्ली नॉनलीनियर एल्लिप्टिक इक्वेशन* – हायर मैथमेटिक्स का राष्ट्रीय बोर्ड द्वारा प्रायोजित. प्रधान अन्वेषकरू **प्रा. जगमोहन त्यागी**, गणित.

जारी प्रायोजित परियोजनाएं

2009–12 के दौरान प्रायोजन एजेंसियों से प्राप्त निम्नलिखित परियोजनाओं के लिए अनुदान:

- *क्वांटिटेटिव नियर–एंड मिड–इन्फ्रारेड वेवलेंथ मोडुलेशन*

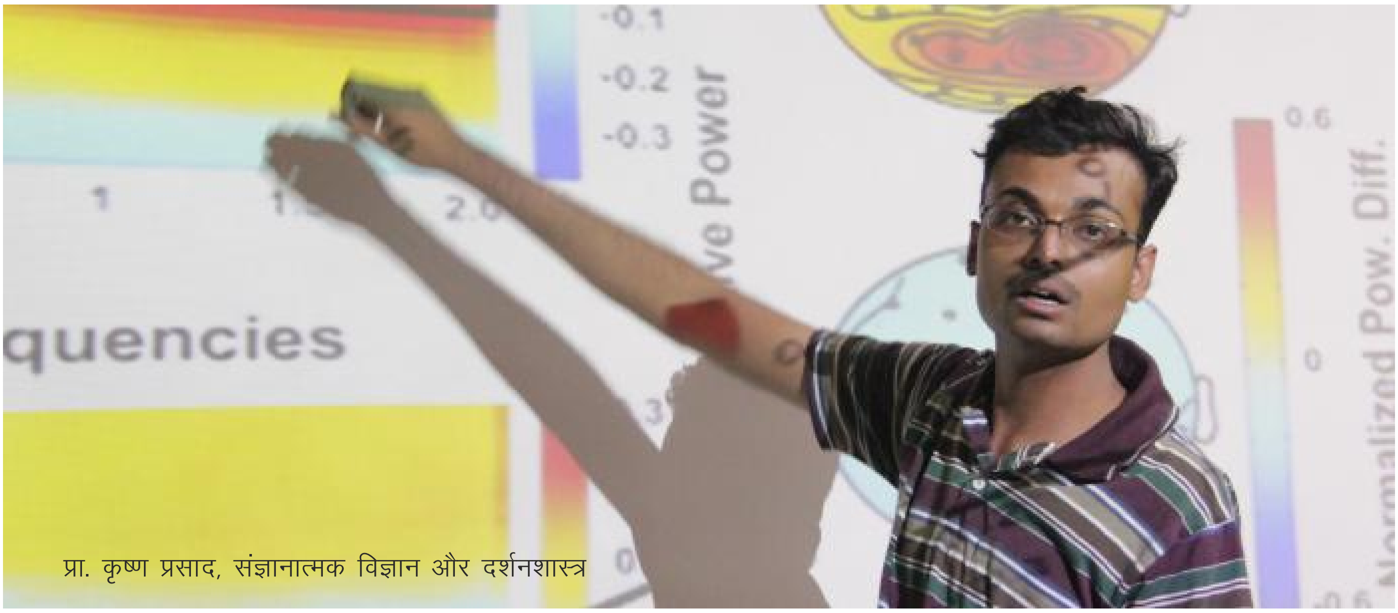

प्रा. कृष्ण प्रसाद, संज्ञानात्मक विज्ञान और दर्शनशास्त्र

स्पेक्ट्रोस्कोपी फॉर गैस सेंसिंग एप्लीकेशन – विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित. प्रधान अन्वेषकरू **प्रा. अरूप लाल चक्रवर्ती**, विद्युत अभियांत्रिकी.

- *ए नावेल प्रोसेस फॉर प्रेसिपिटेशन एंड स्टेबिलाइजेशन ऑफ ड्रग नैनोपार्टिकल्स इन एक्वस सस्पेंशन उसिंग Co_2* जैव प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित. प्रधान अन्वेषकरू **प्रा. समीर वी. दलवी**, रसायन अभियांत्रिकी.
- *सेंटर फॉर एक्सीलेंस इन बायोमेडिकल इंजीनियरिंग एंड हेल्थ केयर टेक्नोलॉजीज* उद्योग आयुक्तालय, गुजरात सरकार द्वारा प्रायोजित. प्रधान अन्वेषकरू **प्रा. समीर वी. दलवी**, रसायन अभियांत्रिकी.
- *रैपिड प्रेसिपिटेशन ऑफ ड्रग नैनोपार्टिकल्स यूजिंग अल्ट्रासोनीकली* &ड्रिवेन मिक्सिंग *डिवाइस*, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित. प्रधान अन्वेषकरू **प्रा. समीर वी. दलवी**, रसायन अभियांत्रिकी.
- *इंजीनियरिंग स्टेबल एंड बायो–कम्पेटिबल माइक्रोबबल फार्मूलेशन फॉर बायोमेडिकल एप्लीकेशन्स* जैवप्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित. प्रधान अन्वेषकरू **प्रा. समीर वी. दलवी**, रसायन अभियांत्रिकी.
- *हाई फिडेलिटी कम्प्यूटेशनल इंजीनियर्ड सिस्टम्स ऑन एच.पी.सी. प्लेटफॉर्म्स* सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित. प्रधान अन्वेषकरू **प्रा. मुरली दामोदरन**, यांत्रिकी अभियांत्रिकी.
- *टेक्नोलॉजिकल वैल्यू एडीशन टू दी इनिशियल डिजाईन ऑफ अ लो–कास्ट विंडमिल* फॉर पम्पिंग ब्राइन एंड इलेक्ट्रिसिटी प्रोडक्शन इन रूरल एरियाज – GRiDS@IITGN&NIF इनिशिएटिव नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन, विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित. प्रधान अन्वेषकरू **प्रा. मुरली दामोदरन**, यांत्रिकी

अभियांत्रिकी. सह अन्वेषक **प्रा. अतुल भार्गव** और **प्रा. नारण पिंडोरिया**.

- *फायर इंजीनियरिंग लैब,* अंडरराइटर्स लेबोरेटरी, यू.एस.ए. प्रधान अन्वेषक: **प्रा. मुरली दामोदरन**, यांत्रिकी अभियांत्रिकी.
- *फोटो–प्रोसेसेज ऑफ डोनर–एक्सेप्टर सब्स्टीट्यूट पोल्येनेस इन आयनिक लिक्विड मीडिया* द्वारा प्रायोजित. प्रधान अन्वेषकरू **प्रा. मुरली दामोदरन**, यांत्रिकी अभियांत्रिकी विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित. प्रधान अन्वेषक: **प्रा. श्रीराम कंवः गुंडीमेडा**, रसायन शास्त्र.
- *फोटोकेमिकल एंड फोटोफिजिकल स्टडीज ऑफ डोनर–एक्सेप्टर सब्स्टीट्यूट आरयल एंड हेटेरोआरयल पोल्येनेस,* वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद् द्वारा प्रायोजित. प्रधान अन्वेषकरू **प्रा. श्रीराम कंवः गुंडीमेडा**, रसायन शास्त्र.
- *हाइब्रिड कली (एन) ह्यरिन (एस) विथ पीरीडिन मोइटीरू न्यू ब्लाक ऑफ मैक्रोसिल्स अस पोटेंशियल कैंडिडेट्स फॉर अनिओन सेंसिंग एंड मेटल कोआर्डिनेशन,* विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित. प्रधान अन्वेषकरू **प्रा. इति गुप्ता**, रसायन शास्त्र.
- *डेवलपमेंट ऑफ ए रैपिड विसुअल स्क्रीनिंग मेथड फॉर सिस्मिक असेसमेंट ऑफ आर.सी. फ्रेम बिल्डिंग्स इन इंडिया,* भूकम्प विज्ञान प्रभाग, पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित. प्रधान अन्वेषक: **प्रा. सुधीर कु. जैन** अन्य सहयोगी **प्रा. दुर्गेश सी. राय**, आई.आई.टी. कानपुर, **प्रा. केया मित्र**, बी.ई.एस.यू., शिबपुर एंड **प्रा. मेहुल शाह**, सेप्ट अहमदाबाद.
- *एन एक्सपेरिमेंटल इन्वेस्टीगेशन टू लोकेट एंड अस्सेस दी सेवेरिटी ऑफ विन्डिंग देफोर्मेशन इन पॉवर ट्रांसफार्मर्स,* विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित. प्रधान अन्वेषक: **प्रा. रागवन के.**, विद्युत अभियांत्रिकी.
- *ए कोग्निटिविस्ट एक्सप्लोरेशन ऑफ दी कांसेप्ट ऑफ प्राइवेसी बिहेवियर एंड एक्सपीरियंस,* विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित. प्रधान अन्वेषक: प्रा. जैसन ए. मंजली, दर्शन शास्त्र.
- *टेक्नोलॉजी इन्क्यूबेशन एंड डेवलपमेंट ऑफ एंटरप्रेनयूर्स सेंटर,* सूचना प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित. प्रधान अन्वेषक: **प्रा. जोयसी मेकी**, विद्युत अभियांत्रिकी.
- *एक्सपेरिमेंटल स्टडीज ऑफ मेटास्टेबिलिटी इन डिफरेंट सिंक्रोनाइजर्स,* विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित. प्रधान अन्वेषक: **प्रा. जोयसी मेकी**, विद्युत अभियांत्रिकी.
- *शार्ट–टर्म जनरेशन सिड्युलिंग इन पॉवर सिस्टम्स अंडर अनसर्टेनिटी I इंटरमिटेंट कैरेक्टरिस्टिक्स ऑफ रिन्यूएबल एनर्जी सोर्सेज (आर.ई. एस.) एंड डिमांड,* विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग द्वारा प्रायोजित. प्रधान अन्वेषक: **प्रा. नारण पिंडोरिया**, विद्युत अभियांत्रिकी.
- *वर्चुअल जीओटेक्निकल लेबोरेटरी,* मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित. प्रधान अन्वेषक: **प्रा. अमित प्रशांत**, सिविल अभियांत्रिकी.

परामर्शदायी परियोजनाएँ

2012–13 के दौरान स्वीकृत परियोजनाएँ

- *कम्प्यूटेशनल फ्लूइड डायनामिक्स फॉर हाई–टेक आउटसौर्सिंग सर्विसेज.* प्रधान अन्वेषकरू **प्रा. मुरली दामोदरन**, यांत्रिकी अभियांत्रिकी.
- *इंडस्ट्रियल कम्प्यूटेशनल फ्लूइड डायनामिक्स एक्टिविटीज फॉर हाई–टेक ओ.एस.* **प्रा. मुरली दामोदरन**, यांत्रिकी अभियांत्रिकी.
- *सिस्मिक डिजाईन क्राइटेरिया फॉर मेट्रो स्ट्रक्चर्स फॉर मेगा.* प्रधान अन्वेषकरू प्रा. सुधीर कु. जैन, **प्रा. अमित प्रशांत** एंड **प्रा. धीमान**

भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर अंतर्राष्ट्रीय स्तर की उच्चतर शिक्षा के लिए प्रगतिशील संकल्पों के साथ एक प्रेरणा दायक संस्थान है

प्रा. ए. रामानाथन
अतिथि प्राध्यापक

बसु, सिविल अभियांत्रिकी.

- *डिजाईन ऑफ रिहैबिलिटेशन ऑफ अर्टिकुलेशन ऑफ नैनी ब्रिज फॉर डायनासौर कंक्रीट ट्रीटमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड.* प्रधान अन्वेषकरू **प्रा. अभिजित मुखर्जी**, सिविल अभियांत्रिकी.
- *स्मार्ट ग्रिड पायलट प्रोजेक्ट टू यू. जी.वी.सी.एल. फॉर उत्तर गुजरात विज कंपनी लिमिटेड*, गुजरात. प्रधान अन्वेषक: **प्रा. नारण एम. पिंडोरिया**, विद्युत अभियांत्रिकी.
- *इस्टैब्लिशमेंट ऑफ मैकेनिकल वर्कशॉप फॉर निरमा यूनिवर्सिटी.* प्रधान अन्वेषक: **प्रा. एन. रामकृष्णन**, यांत्रिकी अभियांत्रिकी.
- *एनालिसिस ऑफ स्लोप्स एट घाटकोपर* फॉर सत्र प्रॉपर्टी देवेलोपेर्स प्राइवेट लिमिटेड, मुंबई. प्रधान अन्वेषक: **प्रा. अजंता सचान**, सिविल अभियांत्रिकी.

जारी परामर्शदायी परियोजनाएँ

- *नेशनल लेवल एक्सपर्ट इंस्टिट्यूट टू ऐडवाइस एंड ओवरसी दी स्कीम ऑन स्टेट लेवल एंकर इंस्टिट्यूट इन दी फोकस सेक्टर्स*, गुजरात सरकार द्वारा प्रायोजित. प्रधान अन्वेषक: **प्रा. सुधीर कु. जैन**, सिविल अभियांत्रिकी.
- *आई.आई.टी.के.–बी.एम.टी.पी.सी. अर्थक्वेक टिप्स*, फेज–II फॉर बी. एम.टी.पी.सी. प्रधान अन्वेषकरू **प्रा. सुधीर कु. जैन**, सिविल अभियांत्रिकी.
- *डिजाईन ऑफ हीलियम गैस सर्कुलेटर्स फॉर हीलियम कुलिंग लूप एट आई.पी.आर.*, इंस्टिट्यूट ऑफ प्लाज्मा रिसर्च, गाँधीनगर द्वारा प्रायोजित. प्रधान अन्वेषक: **प्रा. वेदांत कदाम्बी**, यांत्रिकी अभियांत्रिकी.
- *कंसल्टिंग विथ इलेक्ट्रोथर्म इंडिया लिमिटेड*, अहमदाबाद. प्रधान अन्वेषक: **प्रा. रागवन के.**, विद्युत अभियांत्रिकी.
- *जीओटेक्निकल डिजाईन फॉर सेल–1 ऑफ कन्जुर्मर्ग सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम*, प्रधान अन्वेषकरू **प्रा. अमित प्रशांत**, सिविल अभियांत्रिकी.

वित्तपोषित आंतरिक परियोजनाएँ

यह संस्थान संकाय सदस्यों के संस्थान से जुड़ते ही उनको शोध गतिविधियों की शुरुआत करने के लिए एक योग्य वातावरण प्रदान करने में दृढ़ विश्वास करता है. इसलिए संस्थान संकाय को उन्हें आंतरिक वित्तपोषण के लिए प्रस्तावों को प्रस्तुत करने के लिए प्रोत्साहित करती है ताकि वे आंतरिक धनराशि का या बाहर से प्रायोजित एजेंसीज का इंतजार करने के लिए प्रस्ताव तैयार करे. निम्नलिखित परियोजनाएँ आई.आई.टी. गाँधीनगर में आतंरिक रूप से वित्तपोषित किए गए.

- *हीट ट्रान्सफर एंड मटेरियल फ्लो मॉडल फॉर फ्रिक्शन स्टिर वेल्डिंग ऑफ कॉपर अलॉयज*, प्रधान अन्वेषक: **प्रा. अमित अरोरा**.
- *रोटेशनल सिस्मिक एक्साइटेशन एंड इट्स इवेंट–टू–इवेंट वरिअबिलिटी*, प्रधान अन्वेषक: **प्रा. धीमान बसु**.
- *फ्यूल सेल सिस्टम्स रिसर्च लेबोरेटरी एट आई.आई.टी. गाँधीनगर*, प्रधान अन्वेषक: **प्रा. अतुल भार्गव**.
- *इन्फ्रारेड वेवलेंथ मोडुलेशन स्पेक्ट्रोस्कोपी टेक्निक्स फॉर क्वांटिटेटिव गैस सेंसिंग एप्लीकेशन्स यूजिंग नावेल नॉन–टेलिकॉम डायोड लेजर्स*, प्रधान अन्वेषक: **प्रा. अरूप लाल चक्रबर्ती**.
- *कंट्रोल्ड प्रेसिपिटेशन ऑफ नैनोपार्टिकल्स यूजिंग अल्ट्रासोनिकली–ड्रिवेन रैपिड मिक्सिंग डिवाइस एंड दियर इनकारपोरेशन इनटू स्ट्रिप फिल्म्स फॉर थिरेप्युटिक एप्लीकेशन्स*, प्रधान अन्वेषक: **प्रा. समीर वी. दलवी**.
- *कंट्रोल्ड सिंथेसिस ऑफ सिल्वर एंड गोल्ड नैनोमैटेरियल्स बाई डी.एन.ए. काम्प्लेक्सशन*, प्रधान अन्वेषक: **प्रा. भास्कर दत्ता**.
- *मॉडलिंग एंड सिमुलेशन ऑफ सॉफ्ट*

एक्टिव मैटेरियल्स, प्रधान अन्वेषक: **प्रा. प्रत्युष दयाल.**

- *प्रॉपर्टी इम्प्रूवमेंट ऑफ कोहेसिव फार्मास्यूटिकल पाउडर्स थ्रू कंटीन्यूअस नैनो–कोटिंग*, प्रधान अन्वेषक: **प्रा. चिन्मय घोरोई.**
- *डिजाईन, सिंथेसिस एंड एप्लीकेशन्स ऑफ एक्स्पंडेड मेटा–एंड पैरा–बेंजीपोर्फीरिनोइड्स*, प्रधान अन्वेषक: **प्रा. इति गुप्ता.**
- *इम्प्लीकेशन ऑफ टाउ मिस्फोल्डिंग इन अल्झाइमर डिजीज एंड बियॉन्ड*, प्रधान अन्वेषक: **प्रा. शरद गुप्ता.**
- *मॉडलिंग स्प्रेड ऑफ डेंगू एपिडेमिक इन अर्बन एरियाज फ्रॉम ए स्पेसियल इन्टरेक्टिंग नेटवर्क्स पर्सपेक्टिव*, प्रधान अन्वेषक: **प्रा. शिवाकुमार जोलाद.**
- *मोडुलेशन ऑफ स्माल मॉलिक्यूल्स टू डेवलप इफेक्टिव ड्रग्स फॉर हेलिकोबक्टेर पाइलोरी इन्फेक्शन*, प्रधान अन्वेषक: प्रा. **सिवाप्रिया किरुबकरण.**
- *अंडरस्टैंडिंग इंडिया'स मल्टीलिंगुअलिस्म*, प्रधान अन्वेषक: **प्रा. रीता कोठारी.**
- *इंटेलीजेंट एडाप्टीव फिजियोलॉजी–बेस्ड एफेक्ट सेंसिटिव वर्चुअल सोशल कम्युनिकेशन सिस्टम फॉर चिल्ड्रेन विथ आटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर*, प्रधान अन्वेषक: **प्रा. उत्तमा लाहिरी.**
- *डिलेड रिकंस्ट्रक्शन ऑफ अननोन इनपुट्स ऑफ डायनामिकल सिस्टम्स*, प्रधान अन्वेषक: **प्रा. हरीश पी.एम.**
- *मेटास्टेबिलिटी स्टडीज ऑफ फ्लिप–फ्लॉप सिंक्रोनाइजर्स बेस्ड ऑन सिमुलेशन्स एंड ऑन–चिप एक्सपेरिमेंट्स*, प्रधान अन्वेषक: **प्रा. जोयसी मेकी.**
- *रैशनल डिजाईन ऑफ न्यू एंटीबायोटिक्स*, प्रधान अन्वेषक: **प्रा. अभिजीत मिश्रा.**
- *सेगमेंटेशन ऑफ एक्शन सीक्वेंसेस ड्यूरिंग इंडिविजुअल लर्निंग एंड इंटरपर्सनल इंटरेक्शन्स*, प्रधान

अन्वेषक: **प्रा. कृष्ण प्रसाद मियापुरम**.

- *रिलायबिलिटी स्टडी ऑफ एडवांस्ड सी.एम.ओ.एस. डिवाइसेस विथ हाई–के. डाइइलेक्ट्रिक्स एंड मेटल गेट्स डेवलप्ड इन ए 28nm सी.एम. ओ.एस. टेक्नोलॉजी*, प्रधान अन्वेषक: **प्रा. निहार रंजन मोहापात्रा**.
- *स्टेबिलिटी एनालिसिस ऑफ नॉन–पैरेलल एक्सीसिमेट्रिक बाउंड्री लेयर्स*, प्रधान अन्वेषक: **प्रा. विनोद नारायणन**.
- *ऑप्टीमल बैच ऑपरेशनरू ऑप्टीमल ऑपरेशन ऑफ ए बूटीलेटेड यूरिया फॉर्मलडीहायद बैच रिएक्टर युसिंग मॉडिफाइड जेनेटिक अल्गोरिथम*, प्रधान अन्वेषक: **प्रा. नीतिन पधियार**.
- *फेब्रिकेशन एंड माइक्रोस्ट्रक्चरल इन्वेस्टीगेशन ऑफ* Cu (In_{1-x},Ga_x) Se_2 (CIGS) *सेल्फ–असेंबल्ड नैनोडॉट्स फॉर दी फोटोवोल्टेइक एप्लीकेशन्स*, प्रधान अन्वेषक: **प्रा. एमिला पांडा**.
- *रिसर्च ऑन दी कंस्ट्रक्शन एंड एनालिसिस ऑफ रामामात्य'स वीणा*, प्रधान अन्वेषक: **प्रा. श्रीनिवास रेड्डी**.
- *रिसर्च ऑन तेलुगु मनुस्क्रिप्ट्स*, प्रधान अन्वेषक: **प्रा. श्रीनिवास रेड्डी**.
- *मैपिंग आउट हेल्थ एक्सेसिबिलिटी ऑफ दी एल्डरली इन इंडियारू जियोग्राफिक इनफार्मेशन सिस्टम (जी.आई.एस.) एंड इट्स एप्लीकेशन्स टू डेमोग्राफी ऑफ एजिंग*, प्रधान अन्वेषक: **प्रा. तानिष्ठा सामंता**.
- *ब्लैक होल थर्मोडायनामिक्सरू बियॉन्ड जनरल रिलेटिविटी*, प्रधान अन्वेषक: **प्रा. सुदीप्ता सरकार**.
- *मीजरिंग एन्विरोंमेंटल फैक्टर्स रिलेटेड टू नुट्रीशन इन गुजरात,* भारत, प्रधान अन्वेषक: **प्रा. मालविका सुब्रमण्यम**.
- *नैनोपोरस कंडक्टिंग मेटल ऑक्साइड्स फॉर दी इलेक्ट्रोरिडक्शन ऑफ CO_2 टू मेक यूजफुल प्रोडक्ट्स*, प्रधान अन्वेषक: **प्रा. सुधांशु शर्मा**.
- *रोल ऑफ एक्स्पेक्टैंसी इन अटेंशन कैप्चर*, प्रधान अन्वेषक: **प्रा. मीरा मैरी सनी**.
- *लेबोरेटरी फॉर सॉफ्ट मैटर साइंस एंड इंजीनियरिंग हेओलोजी एंड इंटरफेसियल इंजीनियरिंग ऑफ कोलाइडल पार्टिकल्स इन सेल्फ–असेम्बलिंग मीडिया*, प्रधान अन्वेषक: **प्रा. प्राची थरेजा**.

पुरस्कार और प्रशस्ति

2011–12 के दौरान वाह्य निकायों से निम्नलिखित संकाय सदस्यों ने विशिष्ट पुरस्कार और प्रशस्तियाँ प्राप्त की.

प्रा. अभिजित मिश्र

प्रा. सुधीर कु. जैन

डॉ. निखिल बलराम

प्रा. सुधांशु शर्मा

प्रा. उत्तमा लाहिड़ी

- **प्रा. अभिजित मिश्र** ने 9–10 दिसम्बर 2012 में बैंगलोर में संपन्न **अन्तर्राष्ट्रीय सम्मलेन में जैव सामग्री के डिजाईन पर वैज्ञानिक** या संकाय सदस्य के द्वारा प्रस्तुत पेपर में सर्वोत्तम पेपर के लिए **'माहे पुरस्कार'** प्राप्त किया.
- **प्रा. अर्नपूर्णा रथ** ने 18 अगस्त 2012 के भा.प्रौ.सं. मुंबई में संपन्न **स्वर्ण जुबली दीक्षांत समारोह** में अपने डाक्टरल रिसर्च के लिए थीसिस उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त किया.
- **डॉ. निखिल बलराम** भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर के अतिथि प्राध्यापक और रिको इनोवेशन इंक के अध्यक्ष और मुख्य कार्यपालक अधिकारी को सोसाइटी फॉर इनफार्मेशन डिस्प्ले (एस.आई.डी.) द्वारा **2012 फेलो अवार्ड** प्रदान किया गया. प्रा. बलराम को 9वें वार्षिक अन्तर्राष्ट्रीय बिजनस अवार्ड में **"वर्ष के कार्यपालक"** के लिए **गोल्ड स्टीव पुरस्कार** प्रदान किया गया.
- **प्रा. सुधांशु शर्मा 'रामानुजम फेलोशिप'** प्राप्त करने वाले भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर के प्रथम संकाय सदस्य बने. रामानुजम फेलोशिप 'विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग' (डी.एस.टी.) के द्वारा प्रायोजित किया जाता है और इसका उद्देश्य विलक्षण भारत में वैज्ञानिक शोध स्थान की जिम्मेवारी लेने के लिए पूरे विश्व से विलक्षण वैज्ञानिको और अभियंताओं को आकर्षित करना है.
- **प्रा. सुधीर कु. जैन** को **भूकंप अभियांत्रिकी (आई.ए.ई.ई.) के अन्तर्राष्ट्रीय संस्था** का **अध्यक्ष** चुना गया है. आई.ए.ई.ई. 56 देशो की समितियों की सदस्यता के साथ एक अन्तर्राष्ट्रीय संस्थान है. भूकंप अभियांत्रिकी के क्षेत्र में प्रा. जैन के योगदान का उल्लेख, राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर हाल ही में प्रकाशित पुस्तक "भूकंप और अभियंता: एक अन्तर्राष्ट्रीय इतिहास लेखक रोबर्ट के. रेइथेर्मन" में, जो कि अमेरिकन सोसायटी ऑफ सिविल इंजीनियरिंग (ए.एस.सी.ई.) प्रेस द्वारा प्रकाशित किया गया है.
- **प्रा. उत्तमा लाहिड़ी** को 2012 के लिए अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में **डॉ. सी.वी. रमण युवा शिक्षक उत्कृष्टता पुरस्कार** प्रदान किया गया. प्रा. लाहिड़ी को बायोफेस्ट 2012 अन्तर्राष्ट्रीय जैव सम्मलेन और कार्यक्रम, हैदराबाद द्वारा 12–13 दिसम्बर 2012 को सर्वोत्तम वक्ता का पुरस्कार प्रदान किया गया.

प्रा. अमित अरोरा

प्रा. अतुल भार्गव

प्रा. अरूप लाल चक्रबर्ती

प्रा. समीर वी. दलवी

प्रा. मुरली दामोदरन

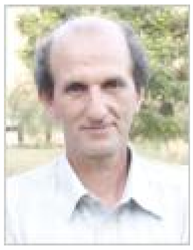
प्रा. मिशेल डनीनो

प्रा. प्रत्युष दयाल

मानद कार्य

प्रा. अमित अरोरा, सामग्री विज्ञान और अभियांत्रिकी

- रीव्यूअर, ट्रांसएक्शन्स ऑफ दी इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मेटल्स, अप्रैल 2012 और सितम्बर 2012.
- रीव्यूअर, जर्नल ऑफ मैकेनिकल इंजीनियरिंग साइंस, मई 2012.
- एक्सटर्नल एग्जामिनर, एम.टेक थीसिस इवैल्यूएशन्स, यू. वी. पटेल कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, गनपत यूनिवर्सिटी, अगस्त 2012.
- टेक्निकल एक्स्हीबीशन जज, पंडित दीनदयाल पेट्रोलियम यूनिवर्सिटी, सितम्बर 2012.
- मेम्बर, सेंट्रल एडवाइजरी बोर्ड, केमपेट्रो वर्ल्ड एक्सपो, 15–18 जनवरी 2013.

प्रा. अतुल भार्गव, यांत्रिकी अभियांत्रिकी

- रीव्यूअर, जर्नल ऑफ एनर्जी रिसोर्सेज टेक्नोलॉजी.

प्रा. अरूप लाल चक्रबर्ती, विद्युत अभियांत्रिकी

- मेम्बर, टेक्निकल प्रोग्राम समिति, 12वाँ इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन फाइबर ऑप्टिक्स एंड फोटोनिक्स (फोटोनिक्स 2012), आई.आई.टी. मद्रास, 9–12 दिसम्बर 2012.
- चेयर, सेशन ऑन बायोफोटोनिक्स एंड एडजुडीकेटर फॉर ए पोस्टर सेशन एट फोटोनिक्स, आई.आई.टी. मद्रास, 9–12 दिसम्बर 2012.
- रीव्यूअर, ऑप्टिक्स लेटर्स, ऑप्टिकल सोसाइटी ऑफ अमेरिका.
- रीव्यूअर ऑप्टिक्स एक्सप्रेस, ऑप्टिकल सोसाइटी ऑफ अमेरिका.

प्रा. समीर वी. दलवी, रसायन इंजीनियरिंग

- रीव्यूअर, जर्नल ऑफ क्रिस्टल ग्रोथ.
- रीव्यूअर, केमिकल इंजीनियरिंग जर्नल.

प्रा. मुरली दामोदरन, यांत्रिकी अभियांत्रिकी

- मेम्बर, एडिटोरियल बोर्ड ऑफ इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कम्प्यूटेशनल फ्लूइड डायनामिक्स.
- मैनेजिंग एडिटर, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी.
- मेम्बर, ओच्न्फेरेंस दितोरिअल बोर्ड ऑफ थे 3तक इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन पैरेलल, डिस्ट्रिब्यूटेड, ग्रिड एंड क्लाउड कंप्यूटिंग फॉर इंजीनियरिंग (PARENG 2013). 25–27 मार्च 2013.
- रीव्यूअर, ए.आई.ए.ए. जर्नल, कोम्पुतेर्स एंड फ्लुइड्स, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कम्प्यूटेशनल फ्लूइड डायनामिक्स, इन्तेर्नैओनल नुमेरिकल मेथड्स इन फ्लुइड्स, APS &फिजिकल रीव्यू
- रीव्यूअर, न्यू बुक प्रोपोजल्स फॉर जॉन विले पब्लिशर्स एंड वर्ल्ड साइंटिफिक पब्लिशर्स.
- एक्स्टर्नल एग्जामिनर, एन डै थीसिस, आई.आई.टी. मद्रासय 3 एम.टेक थीसिस, एस.वी.एन.आई.टी. सूरत एंड ए पी.एच.डी. थीसिस, वीर नर्मदा साउथ गुजरात यूनिवर्सिटी, सूरतएक्सटर्नल रीव्यूअर, फैकल्टी टेन्योर एक्सटेंशन अत एन.सी.बी. एस.–टी.आई.एफ.आर. बैंगलोर.
- मेम्बर, एक्सपर्ट समिति फॉर रिव्यु ऑफ प्रोपोसल्स फॉर साइंटिफिक वेलिडेशन एंड वैल्यू ऐडीशन्स इन ग्रासरूट्स इनोवेशन्स एट नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन.
- नॉमिनेटेड मेम्बर, अकादमिक बॉडी ऑफ दी फैकल्टी ऑफ टेक्नोलॉजी एंड इंजीनियरिंग, निरमा यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद.
- अपॉइंटेड रजिस्ट्रेशन अथॉरिटी अत आई.आई.टी. गाँधीनगर फॉर दी इंडियन ग्रिड (गरुड़ा) सर्टिफिकेशन अथॉरिटी (आई.जी.सी.ए.) बाई सी.–डी.ए.सी. बैंगलोर.
- मेम्बर, इवैल्यूएशन एंड मेंटरिंग पैनल ऑफ दी पॉवर ऑफ आइडियाज 2012 इनिशिएटिव बाई दी इकनोमिक टाइम्स इन एसोसिएशन विथ डी.एस.टी., भारत सरकार एंड आई.आई.एम. अहमदाबाद'स सी.आई.आई.ई. टू डेवलप ए स्ट्रांगर एंटरप्रेनयूरियल इकोसिस्टम इन इंडिया.

प्रा. नीतिन वी. जॉर्ज

प्रा. चिन्मय घोरोई

प्रा. श्रीराम कंवः गुंडीमेडा

प्रा. शरद गुप्ता

प्रा. सुधीर कु. जैन

प्रा. कबीर जसूजा

प्रा. रीता कोठारी

प्रा. मिशेल डनीनो, सामाजिक विज्ञान
- मेम्बर, कोर्स कमिटी फॉर दी सी.बी.एस.ई. इलेक्टिव कोर्स फॉर क्लासेज 11–12 ऑन "नॉलेज ट्रेडिशन्स एंड प्रैक्टिसेज ऑफ इंडिया".

प्रा. प्रत्युष दयाल, रसायन अभियांत्रिकी
- रीव्यूअर फॉर साइंटिफिक जर्नल्सरू चेकोस्लोवाक केमिकल कम्युनिकेशन्स, इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग एंड केमिस्ट्री रिसर्च, जर्नल ऑफ दी रॉयल सोसाइटी इंटरफेस.

प्रा. नीतिन वी. जॉर्ज, विद्युत अभियांत्रिकी
- रीव्यूअर, एप्लाइड एकॉस्टिक्स (एल्सेविएर).
- रीव्यूअर, जर्नल ऑफ सिग्नल प्रोसेसिंग सिस्टम (स्प्रिंगर).

प्रा. चिन्मय घोरोई, रसायन अभियांत्रिकी
- रीव्यूअर, पाउडर टेक्नोलॉजी, एल्सेविएर.
- मेम्बर, बोर्ड ऑफ स्टडीज, केमिकल इंजीनियरिंग, निरमा यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद.
- मेम्बर, फैकल्टी ऑफ टेक्नोलॉजी एंड इंजीनियरिंग, निरमा यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद.

प्रा. श्रीराम कंवः गुंडीमेडा, केमिस्ट्री
- रीव्यूअर, मॉलिक्यूलर बायोलॉजी रिपोर्ट्स.
- रीव्यूअर, नुक्लेओटाइड्स एंड नुक्लेइक एसिड्स.

प्रा. शरद गुप्ता, जैव अभियांत्रिकी
- रीव्यूअर, गांधियन यंग टेक्नोलॉजिकल इनोवेशन अवार्ड्स 2013.

प्रा. सुधीर कु. जैन, सिविल अभियांत्रिकी
- एग्जीक्यूटिव वाईस प्रेसिडेंट, और बाद में प्रेसिडेंट–एलेक्ट, इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर अर्थक्वेक इंजीनियरिंग.
- चेयरमैन, इंटरनेशनल एक्टिविटीज कमिटी, अर्थक्वेक इंजीनियरिंग रिसर्च इंस्टिट्यूट, यू.एस.ए.
- मेम्बर, बोर्ड ऑफ मैनेजमेंट, एन.आई.आई.टी. यूनिवर्सिटी, नीमराना, राजस्थान.
- मेम्बर, एडवाइजरी एडिटोरियल बोर्ड, अर्थक्वेक इंजीनियरिंग एंड स्ट्रक्चरल डायनामिक्स, जॉन विले एंड संस.
- मेम्बर, एडिटोरियल बोर्ड, अर्थक्वेक इंजीनियरिंग एंड इंजीनियरिंग वाइब्रेशन्स, स्प्रिंगर–वेर्लग.
- मेम्बर, बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स, गुजरात फाउंडेशन फॉर एंटरप्रेनेउरिअल एक्सीलेंस (जी.फ.ई.ई.), अहमदाबाद.
- मेम्बर, बोर्ड ऑफ गवर्नर, गुजरात टेक्नोलॉजिकल यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद.
- मेम्बर, बोर्ड ऑफ डायरेक्टर्स, गुजरात इंटरनेशनल फाइनेंस टेक–सिटी (गिफ्ट) कंपनी लिमिटेड.
- मेम्बर, टेक्निकल एडवाइजरी कमिटी फॉर अहमदाबाद–गाँधीनगर मेट्रो रेल प्रोजेक्ट.

प्रा. कबीर जसूजा, रसायन अभियांत्रिकी
- रीव्यूअर, नेचर साइंटिफिक रिपोर्ट.

प्रा. रीता कोठारी, मानविकी
- रीव्यूअर, मैनुस्क्रिप्ट बाई सेग, ओरिएंट ब्लैकस्वान एंड रॉउटलेग.

प्रा. उत्तमा लाहिरी, विद्युत अभियांत्रिकी
- रीव्यूअर, जर्नल ऑफ आटिज्म एंड डेवलपमेंटल डिसऑर्डर्स (जे.ए.डी.डी.).
- रीव्यूअर, अमेरिकन जर्नल ऑफ आटिज्म, कोलंबिया इंटरनेशनल पब्लिशिंग.

प्रा. हरीश पी.एम., यांत्रिकी अभियांत्रिकी
- एसोसिएट एडिटर, आई.ई.ई.ई. कण्ट्रोल सिस्टम्स सोसाइटी कांफ्रेंस एडिटोरियल बोर्ड.
- रीव्यूअर, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ कंट्रोल.
- रीव्यूअर, आई.ई.ई.ई. ट्रांसक्शन ऑन सर्किट्स एंड सिस्टम्स.
- रीव्यूअर, ए.एस.एम.ई. इंटरनेशनल डिजाईन इंजीनियरिंग टेक्निकल

प्रा. उत्तमा लाहिरी

प्रा. हरीश पी.एम.

प्रा. ज्योति मुखोपाध्याय

प्रा. के. वी. वी. मूर्ति

प्रा. डी. वी. पाई

प्रा. रोसा मारिया पारेज

प्रा. नारण एम. पिंडोरिया

कांफ्रेंसेस.
- रीव्यूअर, आई.ई.ई.ई. कांफ्रेंस ऑन डिसिशन एंड कंट्रोल.
- रीव्यूअर, आई.ई.ई.ई. अमेरिकन कंट्रोल कांफ्रेंस.

प्रा. ज्योति मुखोपाध्याय, सामग्री विज्ञानं और अभियांत्रिकी
- काउंसिल मेम्बर, इदि्नयन इंस्टिट्यूट ऑफ मेटल (आई.आई. एम.).
- मेम्बर, नॉन–फेरस डिवीजन ऑफ आई.आई.एम.

प्रा. के. वी. वी. मूर्ति, बिद्युत अभियांत्रिकी
- मेम्बर, गवर्निंग काउंसिल, एंड अकादमिक काउंसिल, एन.एम.ए.एम. इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, नित्ते, कर्नाटक.
- एक्सटर्नल एग्जामिनर फॉर पी.एच. डी. थीसिस एट एन.एम.ए.एम. इंस्टिट्यूट टेक्नोलॉजी, नित्ते, उडिपी एंड एन.एम.आई.एम.एस., मुंबई.

प्रा. डी. वी. पाई, गणित
- चेयरमैन, प्रोग्राम एडवाइजरी कमिटी दृ मैथमेटिकल साइंसेज (पी.ए.सी. –एम.एस.), डी.एस.टी. सितम्बर 2012 से.
- प्रोजेक्ट मैनेजमेंट एंड मोनिटरिंग कमिटी (पी.एम.एम.सी.), डी.एस.टी. फॉर सेंटर फॉर इंटरडिसिप्लिनरी मैथमेटिकल साइंसेज (सी.आई.एम. सी.) एट बी.एच.यू., वाराणसी की तीसरी बैठक में भाग लिया.
- मेम्बर, कमिटी फॉर अकादमिक रिव्यु ऑफ डिपार्टमेंट ऑफ मैथमेटिक्स, आई.आई.टी. खड़गपुर, नवम्बर 2012 – फरवरी 2013.
- एसोसिएट एडिटर, एशियाई यूरोपियन जर्नल ऑफ मैथमेटिक्स, वर्ल्ड साइंटिफिक पब्लिशर्स, लन्दन और सिंगापुर.
- रीव्यूअर, एम. आर., मैथमेटिक्स रिव्युज, अमेरिकन मैथमेटिकल सोसाइटी.

प्रा. रोसा मारिया पारेज, सामाजिक विज्ञान
- काउंसलर टू दी मिनिस्टर फॉर एजुकेशन एंड साइंस, साइंटिफिक काउंसिल फॉर दी सोशल साइंसेज एंड दी ह्यूमनीटीज (एंथ्रोपोलॉजी), पुर्तगाल.
- मेम्बर, एग्जीक्यूटिव बोर्ड ऑफ यूरोपियन एसोसिएशन ऑफ साउथ एशियाई स्टडीज.
- एक्सपर्ट पैनल, यूरोपियन नेटवर्क फॉर अकादमिक रिसर्च ऑन इंडिया, यूरोपियन कमीशन.
- रीव्यूअर, यूरोपियन साइंस फाउंडेशन.
- मेम्बर, स्टीयरिंग कमिटी, इंस्टिट्यूटो यूनिवर्सिटारियो यूरोपियो, फिरेंज.
- एडिटोरियल बोर्ड ऑफ डायस्पोरा, जे.एन.यू., इंडियाय एंड ओरिएंट, पुर्तगाल.
- रीव्यूअर, डायस्पोरा, सिंगापुरय इन्तेर्सेक्कोएस, ब्राजीलय एंड पोर्तुगुएस स्टडीज, यू.के.

प्रा. नारण एम. पिंडोरिया, विद्युत अभियांत्रिकी
- रीव्यूअर, आई.ई.ई.ई. ट्रांसक्शंस ऑन पॉवर सिस्टम.
- रीव्यूअर, आई.ई.ई.ई. ट्रांसक्शंस ऑन इंडस्ट्रियल इलेक्ट्रॉनिक्स.

प्रा. कृष्ण प्रसाद, कंप्यूटर विज्ञान और अभियांत्रिकी
- रीव्यू एडिटर, फ्रंटियर्स इन मूवमेंट साइंस – स्पोर्ट साइकोलॉजी, फ्रंटियर्स इन डिसिशन न्यूरोसाइंस.
- रीव्यूअर, प्रोग्रेस इन ब्रेन रिसर्च, जर्नल ऑफ इकनोमिक साइकोलॉजी, साइकोलॉजिकल स्टडीज.
- नॉमिनेटेड बोर्ड ऑफ स्टडीज मेम्बर, कंप्यूटर साइंस – इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी, निरमा यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद.
- मेम्बर, प्रोग्राम कमिटी ऑन इंटेलीजेंट इंटरैक्टिव टेक्नोलॉजीज एंड मल्टीमीडिया (आई.आई.टी.एम. –2013), आई.आई.आई.टी.

प्रा. कृष्ण प्रसाद

प्रा. अर्नपूर्णा रथ

प्रा. तनिस्ठा सामंता

प्रा. जी. के. शर्मा

प्रा. सुधांशु शर्मा

प्रा. बाबजी श्रीनिवासन

प्रा. मालविका सुब्रमण्यम

प्रा. प्राची थरेजा

प्रा. विजय थिरुवेंकटम

प्रा. जगमोहन त्यागी

इलाहाबाद, 9–11 मार्च 2013.

- रीव्यूअर, प्रोग्राम कमिटी मेम्बर,

संकाय द्वारा शैक्षिक व्याख्यान

एक जीवंत शैक्षिक संस्कृति को बढ़ावा देने के अपने लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए यह संस्थान अपने संकाय को भारत और विदेशो में अत्याधुनिक शोध पर शैक्षिक व्याख्यान देने के लिए प्रोत्साहित करता है. विभिन्न संकाय सदस्यों द्वारा दिए व्याख्यान निम्नलिखित हैं:

- **प्रा. अमित अरोरा** ने 5 जनवरी 2013 को अहमदाबाद में संपन्न अभियंताओ के लिए *धातु विज्ञानं और वेल्डिंग* पर हुए कार्यशाला में वेल्डिंग की त्रुटियों के बारे में अपने व्याख्यान दिए.
- **प्रा. अतुल भार्गव** ने 18–19 अक्टूबर 2012 के दौरान नावल मटेरियल शोध प्रयोगशाला, अम्बरनाथ, महाराष्ट्र में *इंडो–यू.एस. इंटरैक्टिव पॉवर और एनर्जी* बैठक में 'हाइब्रिड इलेक्ट्रिकल पॉवर सिस्टम (हेल्प्स)' पर एक प्रस्तुतीकरण दी.
- **प्रा. मुरली दामोदरन** ने 3 अप्रैल 2012 को कम्प्यूटेशन शोध प्रयोगशाला कॉल्लोकियम सीरीज ऑन हाई परफोर्मेन्स कंप्यूटिंग, टाटा–कम्प्यूटेशनल शोध प्रयोगशाला (सी.आर.एल.) पुणे में *कम्प्यूटेशन ऑफ लो रेनोल्ड्स नंबर फ्लेक्सिबल फ्लापिंग विंग एरोडायनामिक्स* पर एक व्याख्यान दिए, उन्होंने 31 अक्टूबर 2012 को बैंगलोर में संपन्न 'टी.आई.एफ.आर. सेंटर फॉर एप्लीकेशन मैथमेटिक्स' में 'हाई–फिडेलिटी कम्प्यूटेशनल इंजीनियरिंग पर अन्य व्याख्यान दिए तथा मार्च 2013 को थर्मल ट्रांसपोर्ट, निरमा विश्वविद्यालय के लिए एक आमंत्रित अतिथि व्याख्यान सी.फ.डी. प्रस्तुत किया.
- **श्री मिशेल डैनिनो**, भारतीय सभ्यता के स्वतंत्र विद्वान ने 4 दिसम्बर 2012 को कोयम्बटूर के पी.एस.जी. प्रबंधन संस्थान में *एथोस एंड वैल्यूज इन एंसियंट इंडियन आर्किटेक्चर एंड डिजाईन*, तथा 8 दिसम्बर 2012 को प्रस्थुथा, आई.आई.एस.सी. बैंगलोर में *इंडिया'स इकोलॉजिकल ट्रेडिशन्स एंड थे करेंट एन्विरोमेंटल क्राइसिस*, तथा 9 दिसम्बर 2012 बैंगलोर में भारतीय बायोडाइवर्सिटी कांग्रेस 2012 एन एक्सपेरिमेंट इन जॉइंट फोरेस्ट मैनेजमेंट इन दी नीलगिरिस, 4 जनवरी 2013 को नॉएडा में *दी इंडस सिविलाइजेशन एंड दी सरस्वती रिवर* और 1 फरवरी 2013 को चेन्नई के सी.पी. रामास्वामी अय्यर फाउंडेशन में 'हाइलाइट्स फॉर ए टाइमलाइन ऑफ अयोध्या पर अपने व्याख्यान दिए.
- **प्रा. प्रत्युष दयाल** ने 2 जनवरी 2013 को नवयुग साइंस कॉलेज, सूरत में *सेल्फ–ओस्सीलेटिंग पॉलीमर जेल दैट मूवरू नेगेटिव–फोटोटैक्सिस एंड ऑटो–केमोटैक्सिस* और 22 मार्च 2013 को कच्छ विश्वविद्यालय में *नेगेटिव–फोटोटैक्सिस एंड ऑटो–केमोटैक्सिस इन सेल्फ ऑसीलेटिंग पॉलीमर जेल्स* पर आमंत्रित व्याख्यान दिए.
- **प्रा. रघु एचेम्पति** ने *एप्लीकेशन ऑफ लीनियर एंड नॉन–लीनियर फाइनाइट एलेमेंट्स एनालिसिस एंड टीचिंग मेथड्स* पर 25 फरवरी 2913 को गायत्री विद्यापीठ परिषद कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग विशाखापत्तनम, 1 मार्च 2013 को जे.एन.टी.यू., काकीनाड़ा तथा 11–12 मार्च 2013 के दौरान भा.प्रौ.सं. गुवाहाटी में अपने व्याख्यान दिए.
- **प्रा. श्रीराम कंवः गुंडीमेडा** ने 27 नवम्बर 2012 को जैवरसायन विभाग सौराष्ट्र विश्वविद्यालय, राजकोट में *एस्पेक्ट्स ऑफ नैनोटेक्नोलॉजी एंड जेनेटिक इंजीनियरिंग* पर एक वार्ता पेश की.
- **प्रा. इति गुप्ता** ने 3 जुलाई 2012 को *सिंथेटिक केमिस्ट्री और फंक्शनलाइजेशन रिएक्शन्स ऑफ पोरफिरिन* पर हुए एक छोटी गोष्ठी में *मोनो–फंक्शनलाइजेशन एन. –कन्फ्यूज्ड पोरफिरिन* पर एक वार्ता पेश की उन्होंने 5 जुलाई 2012 को दक्षिण कोरिया (जेजू आइलैंड) में सिंथेटिक केमिस्ट्री एंड फंक्शनलाइजेशन रिएक्शन्स ऑफ पोरफिरिन के थीम के अंतर्गत एक मौखिक बैठक की अध्यक्षता की.
- **प्रा. शरद गुप्ता** ने 5 नवम्बर 2012 को भा.प्रौ.सं. मद्रास में *'प्रोटीन मिसफोल्डिंग इन न्यूरोडीजेनेरेटिव डिसऑर्डर्स* पर वक्तव्य दिए.
- **प्रा. सुधीर कु. जैन** लिस्बन के 15वें विश्व भूकंप अभियांत्रिकी सम्मलेन के मुख्य वक्ता थे जहाँ उन्होंने 24–28 सितम्बर 2013 को *दी रोड टू सिस्मिक सेफ्टी विथ पार्टिकल रिफरेन्स टू दी डेवलपिंग कन्ट्रीज* पर एक वार्ता पेश की. उन्होंने 8 नवम्बर 2012 नई दिल्ली में आयोजित ई.ए.एस. इंडिया कार्यशाला 2012 में *अर्थक्वेक रिस्क प्रोफाइल रिस्क रिडक्शन एंड टेक्निकल कैपेसिटी इन दी ई.ए.एस. मेम्बर कन्ट्रीज* में एक वार्ता पेश की,

9 मार्च 2013 नई दिल्ली के भारतीय भूकंप प्रौद्योगिकी समाज (आई.एस.ई.टी.) के आमंत्रण पर *जर्नी टू सिस्मिक सेफ्टी इन इंडिया* पर 33वें आई.एस.ई.टी. वार्षिक व्याख्यान पेश किया.

- **प्रा. कबीर जसूजा** ने 22 मार्च 2013 को कच्छ विश्वविद्यालय में *वर्ल्ड ऑफ सिग्नल एटम थिक नैनोमैटेरियल्स* नेशनल सेमिनार ऑन नैनोटेक्नोलॉजीरू टुडे एंड टुमारो' में वक्तव्य दिया.
- **प्रा. सिवप्रिया किरुबकरण** ने 23 मार्च 2013 को निरमा विश्वविद्यालय के औषधि विभाग द्वारा आयोजित 'रीसेंट सेमिनार एडवांसेज इन ड्रग डिस्कवरी 2013 (आर.ए.डी.डी.–2013) में *ए. पॉसिबल क्योर फॉर एन इन्फेक्शस (वाटरबोर्न) पैथोजन* पर एक आमंत्रित व्याख्यान पेश किए.
- **प्रा. रीता कोठारी** ने 1 दिसम्बर 2012 को जयहिंद कॉलेज मुंबई में *सिन्धी आइडेंटिटी" पास्ट एंड प्रेजेंट* 27–28 नवम्बर 2012 को एशियन ट्रांसलेशन ट्रेडिशन कांफ्रेंस, अजमन विश्वविद्यालय, यू.ए.एफ. में *नेम्स ऑर फॉर अदर पीपल्स लैंग्वेज* पर वार्ता पेश की और अक्टूबर 2012 को चटनीफाईंग इंग्लिश, लितटेरती, भा.प्रौ.सं. दिल्ली में एक वक्ता थी.
- **प्रा. नारापराजू किशोर कुमार** 28 जून 2012 को 'मैक्स–प्लांक इंस्टिट्यूट फॉर मैथमेटिक्स इन दी साइंसेज, लिपजिंग, जर्मनी में *टेन्सर चौन अप्प्रोक्सीमेशन* पर एक वार्ता पेश की. वे 15 मार्च 2–13 चेन्नई में संपन्न *गणित और सूचना प्रौद्योगिकी* अन्तर्राष्ट्रीय सम्मलेन के प्रमुख वक्ता थे.
- **प्रा. एन आर. लाधवाला** ने 6 दिसंबर 2012 को सरदार पटेल विश्वविद्यालय, वल्लभ विद्यानगर, में **कॉन्वेक्स फंक्शन्स** पर एक व्याख्यान दिए.
- **प्रा. अभिजीत मिश्रा** ने 9–11 दिसंबर 2012 को भा.वि.सं. बैंगलोर में संपन्न *डिजाईन ऑफ जैव सामग्री अन्तर्राष्ट्रीय सम्मलेन में युवा वैज्ञानिक* बैठक में एक वार्ता पेश की.
- **प्रा. निहार महापात्र** ने 19–21 दिसम्बर 2012 को एन.आई.टी. सूरत, में *एडवांस सी.एम.ओ.एस. टेक्नोलॉजी फॉर हाई परफोर्मेंस स्विचिंग सर्किट्स एंड माइक्रोप्रोसेसर्स* पर एक व्याख्यान पेश किया. उन्होंने 1 मार्च 2013 को एस.ए.सी., आई.एस.आर.ओ. में *एडवांस सी.एम.ओ.एस. टेक्नोलॉजीज फॉर हाई परफॉरमेंस / लो पॉवर स्विचिंग सर्किट्स* पर अन्य वार्ता पेश की.
- **प्रा. ज्योति मुखोपाध्याय** ने भारतीय धातु संस्थान, एन.एम.डी–ए.टी.एम.. 2012, जमशेदपुर में संपन्न *चौलेंज एंड अपार्चुनिटीज विथ रेगार्ड टू एन्विरोंमेंटल इश्यूज इन नॉन–फेरस सेक्टर विथ स्पेशल रिफरेन्स टू एल्युमीनियम* पर मुख्य व्याख्यान पेश किया.
- **प्रा. के. वी. वी. मूर्ति** ने 1–2 फरवरी 2013 के दौरान एम. जी. आई. अभियांत्रिकी संस्था, नागपुर में संकाय विकास कार्यक्रम के एक हिस्से के रूप में *इनसाइट्स टू ट्रांस्फोर्म्स* पर 4 व्याख्यान दिए.
- **प्रा. डी. वी. पाई** ने 23–25 अप्रैल 2012 के दौरान संपन्न गणित विज्ञान केंद्र (सी.एम.एस.), पला, केरल में संपन्न एस.ई.आर.सी. स्कूल 2012 में *मल्टी वेरिएबल कैलकुलस एंड ऑप्टिमाइजेशन* पर एक ठोसध्संक्षिप्त व्याख्यान पाठ्यक्रम पेश किया. मुख्य अतिथि के रूप में उन्होंने 4–5 मार्च 2013 के दौरान 'दी एडवांस ट्रेनिंग प्रोग्राम ऑन नॉन–लीनियर फंक्शनल एनालिसिस एंड इट्स एप्लीकेशन, डी.एस.टी., सेंटर सी.आई.एम.एस., बी.एच.यू., वाराणसी में *ऑन वेल–पोज्डनेस एंड रेगुलराइजेशन ऑफ मिनीमाइजेशन प्रोब्लम्स एंड विस्कोसिटी सलूशन्स इन वेरिएशनल एनालिसिस* शीर्षक पर व्याख्यान दिए.
- **प्रा. रोजा मरिया पेरेज** गोवारू पैसाडो ई. प्रेसेंटे, लिस्बोया, यूनिवर्सिडेड कैटोलिका के लिए मुख्य वक्ता थे, जहा उन्होंने *Chora o Sarangui- Dança,Representações e Poder nos Templos Hindù de Goa*, अप्रैल 2012 पर एक वार्ता पेश की. पोर्तुगीस एंड पोस्ट कोलोनियन गोवारू साहित्य, संस्कृति और समाज, लिस्बोया, *Faculdade de Letr*, जहाँ उन्होंने '*The orientalims of the 'Orientals'*, मई 2012 पर एक वार्ता पेश की और नैरेटिंग दी

इंडियन ओसियनरू मैपिंग एंड इटिनेररीज, अन्तर्राष्ट्रीय ग्रीष्म पाठ्यक्रम, ब्रागा जहाँ उन्होंने अतुलनीय भारतरू दी यूरोपियन कंसम्पशन ऑफ इंडियन कल्चर जून 2012 पर एक वार्ता पेश की.

- **प्रा. नारण एम. पिंडोरिया** 21 मई – 1 जून 2012 के दौरान डिप्लोमा अध्ययन संस्थान, निरमा विश्वविद्यालय, अहमदाबाद में *रीसेंट ट्रेंड्स इन इलेक्ट्रिकल पॉवर सिस्टम* पर एक व्याख्यान पेश किया. उन्होंने 11–15 मार्च 2013 को आयोजित पांच दिवसीय अल्पकालीन प्रशिक्षण ऑपरेशन एंड कंट्रोल ऑफ इमर्जिंग पॉवर, चारुसत, गुजरात के एक पार्ट के रूप में *पॉवर जनरेशन एंड ट्रेडिंग इन इंडिया* पर व्याख्यान भी दिए.
- **प्रा. कृष्णा प्रसाद** ने 6 दिसम्बर 2012 को निरमा विश्वविद्यालय, अहमदाबाद द्वारा आयोजित सी.एस.ई. ट्रैक, NUiCONE 2012 में *कम्प्यूटेशनल मेथड्स* इन न्यूरोइमेजिंग एट सी.एस.ए. ट्रैक, शीर्षक पर एक वार्ता पेश की. प्रा. प्रसाद मार्च 2013 जी.एच. पटेल अभियांत्रिकी और प्रौद्योगिकी महाविद्यालय, वल्लभ विद्यानगर में *एप्लीकेशन ऑफ कम्प्यूटेशनल तकनीक इन न्यूरो–इमेजिन*, आई.ई.ई.ई., अन्तर्राष्ट्रीय सम्मलेन, इंटेलीजेंट सिस्टम एंड सिग्नल प्रोसेसिंग' में पूर्ण वक्ता थे.
- **प्रा. अर्नपूर्णा रथ** ने 27 सितम्बर 2012 को फिजिकल रिसर्च प्रयोगशाला (पी.आर.एल.), अमदाबाद में इन क्वेस्ट ऑफ दी नॉट्स ऑफ दी नोट्सरू *रीविसिटिंग क्रोनोटॉपिक क्रॉसरोड्स* विषय पर व्याख्यान दिया. उन्होंने 13 मार्च 2013 के दौरान नई दिल्ली में आयोजित मुन्सिपालिका–2013 सुरक्षित स्वस्थ, हरित, इन्क्लूसिव और स्मार्ट सीरीज' के लिए अच्छी शहरी गवर्नेंस पर 11वें अन्तर्राष्ट्रीय सम्मलेन में '*हु डिफाइन्स माय स्पेस? जेंडर क्वेश्चन्स इन दी नियो–अर्बनस्केप*' पर भी वक्तव्य दिए.
- **प्रा. श्रीनिवास रेड्डी** ने 18–20 जनवरी 2013 के दौरान *ट्रांसलेशन ऐज रिकवरी*, शीर्षक पैनल पर, हैदराबाद लिटरेरी फेस्टिवल में *गिवर ऑफ दी वोर्न गारलैंडरू कृष्णदेवराया के अमुक्तमलयाड़ा* पर एक व्याख्यान दिए.

- **प्रा. अजन्ता सचान** ने 26–29 जून 2012 के दौरान एल.डी. अभियांत्रिकी महाविद्यालय, अहमदाबाद में 'टीचर्स ट्रेनिंग प्रोग्राम ऑन फाईनाइट एलिमेंट मेथडरू कांस्टीच्यूटीव मॉडलिंग एंड एप्लीकेशन्स इन सिविल अभियांत्रिकी में *मटेरियल टेस्टिंग* पर एक वार्ता पेश की.
- **प्रा. तनिष्ठा सामन्ता** ने 20–21 अक्टूबर 2012 के दौरान विकास अध्ययन केंद्रा, त्रिवेंद्रम द्वारा समर्थित *लिविंग रियलिटीज ऑफ इंडियाज एल्डर्ली* पर एक वार्ता पेश की.
- **प्रा. सुदीप्ता सरकार** ने 24 जनवरी 2013 को फिजिकल शोध प्रयोगशाला, अहमदाबाद में *ब्लैक होल मेम्ब्रेन पाराडीग्म* पर वक्तव्य दिए. उन्होंने मार्च 2013 को 27वें आई.ए.जी.आर.जी. बैठक श्रीनगर, उत्तराखंड में *ब्लैक होल थर्मोडायनामिकरू बियांड जनरल रिलेटिविटी* पर पूर्ण वार्ता पेश की.
- **प्रा. आनन्द सेनगुप्ता** ने दिसम्बर 2012 में बी.आई.टी.एस.–आई.यू.सी.ए.ए. *कार्यशाला, ग्रेविटेशन* बी.आई.टी.एस. पिलानी गोवा कैंपस में व्याख्यान दिए. उन्होंने 28–31 जनवरी 2013 के दौरान सेंटजेवियर'स कॉलेज, अहमदाबाद तथा प्लाज्मा शोध संस्थान (आई.पी.आर.) में भी *लिसनिंग टू दी यूनिवसर्रू दी सर्च फॉर एस्ट्रोफिजिकल ग्रेविटेशनल वेव्स* पर वार्ता पेश की.
- **प्रा. मालविका सुब्रमण्यम** ने 7 नवम्बर 2012 को मणिपाल विश्वविद्यालय, मणिपाल में आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी *एविडेंस आधारित पब्लिक हेल्थ इंटरवेंशन्स इन लो एंड मिडिल इनकम कन्ट्रीज में पब्लिक हेल्थ इंटरवेंशन्सरू अप्लाइंग ए. सोशल एपिडेमीलोगिकल पर्सपेक्टिव* पर एक वार्ता प्रस्तुत की.
- **प्रा. प्राची थरेजा** ने 16 अगस्त 2012 को एन.सी.एल. पुणे में *हिओलॉजी, माइक्रोस्ट्रक्चर एंड स्टेबिलिटी ऑफ क्रिस्टलाइजिंग फैटी एसिड पेस्ट्स* पर वक्तव्य दिए. उन्होंने 8 अक्टूबर, 2012 को व्योम जैव विज्ञान में *कोरिलेटिंग हिओलॉजी एंड माइक्रोस्ट्रक्चर टू स्टेबिलिटी ऑफ क्रिस्टलाइजिंग फैटी एसिड पेस्ट्स* शीर्षक पर भी दूसरा व्याख्यान दिया.

संकाय के अन्य कार्यकलाप

- **प्रा. धीमान बसु** 29 अक्टूबर दृ 2 नवम्बर 2012 के दौरान राष्ट्रीय विज्ञान परिषद, ताइवान द्वारा प्रायोजित और भूकंप अभियांत्रिकी राष्ट्रीय शोध केंद्र द्वारा होस्ट किए *सिस्मिक डिजाईन ऑफ स्ट्रक्चर के लिए अन्तर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण प्रोग्राम* में शामिल होने के लिए पृथ्वी विज्ञानं मंत्रालय (एम.ओ.ई.एस.) द्वारा प्रा. धीमान बसु को मनोनीत किया गया था.
- **प्रा. अरूप लाल चक्रबर्ती** ने जर्मनी के ड्रेस्डेन विश्वविद्यालय के साइमन फिस्चेर की मेजबानी की जिन्होंने डी.ए.ए.डी. *रिसर्च इंटर्नशिप प्रोग्राम* (आर.आई.एस.ई.) के एक हिस्से के रूप में एक रिसर्च इंटर्न की तरह 3 महीने व्यतीत किए. अपने वास के दौरान साइमन ने बर्बाद हुए खाने (वेस्ट फूड) के बायोडीग्रेडेशन के दौरान मीथेन और कार्बन डाइऑक्साइड की निगरानी (मॉनिटर) के लिए ट्यूनेबल डायोड लेजर स्पेक्ट्रोस्कोपी के प्रयोग पर कार्य किया.
- **प्रा मुरली दामोदरन** को डी.ए.आई.आई.सी.टी., गाँधीनगर द्वारा चालू किए जाने वाले कम्प्यूटेशनल विज्ञान में एक बी.टेक डिग्री के लिए पाठ्यक्रम और एक नये अवर स्नातक स्तर कार्यक्रम पर 24 नवम्बर 2012 को एक विचार मंथन बैठक ६ सेशन के लिए आमंत्रित किया गया था. 1–2 नवम्बर 2012 के दौरान सी.डी. एडाप्को (इंडिया) बैंगलोर द्वारा आयोजित *एकेडेमिक ट्रैक इवेंट,* स्टार–इंडिया 2012 सम्मलेन के एक पैनल विवेचन में भी भाग लिया.
- **प्रा. प्रत्युष दयाल** ने अपने सहयोगियों (पिट्सबर्ग विश्वविद्यालय के प्रा. ए. सी. बलाज्स और डॉ. ओ. कुक्सेनोक) के साथ यह प्रदर्शित किया कि कम्प्यूटेशन मॉडलिंग द्वारा सिंथेटिक सिस्टम को पुनः एकत्रित करना संभव है. राष्ट्रीय विज्ञान अकादमी के विधिक में उनके हॉल के प्रकाशन में लेखकों ने यह प्रदर्शित किया है कि वेलौसोव–हैबोटीन्सकी (बी.जेड.) जेल्स रासायनिक संचार और

प्रकाश इर्रेडिएशन के मध्य में इंटरप्ले द्वारा एकत्रित और पुनः एकत्रित किया जा सकता है. यह पेपर न सिर्फ एक सिंथेटिक सिस्टम के लिए एक नवीन 'लाइफ–लाइक' व्यवहार को व्यक्त करता है वल्कि इसको नियंत्रित करने के लिए मैकेनिज्म भी प्रदान करता है.

- **प्रा. शरद गुप्ता** 25–26 फरवरी 2013 के दौरान भा.प्रौ.सं. मुंबई में संपन्न *एडवांस्ड मटेरियल एंड डिलीवरी डिवाइसेस* पर डी.एस.टी. प्रायोजित कार्यशाला (आई.आर.एच.पी.ए. कार्यक्रम) के एक हिस्से के रूप में शामिल हुए.
- **प्रा. रीता कोठारी** ने 17 अक्टूबर 2012 को एन.सी.पी.ए. मुंबई में इंग्लिश ट्रांसलेशन में भारतीय फिक्शन के लिए *इकोनॉमिक्स–क्रॉसवर्ड एवार्ड जूरी* में थी. वे *गोवा आर्ट्स एंड लिटरेचर फेस्टिवल* में एक आमंत्रित वक्ता थी जहाँ उन्होंने *फाइंडिंग ए वाइसरू लैंग्वेज बैटल्स इन इंडिया* के पैनल की सूत्रधार रही तथा 13–17 दिसम्बर 2012 के दौरान *डाइलेमास ऑफ ट्रांसलेशन* पर एक पैनलिस्ट की तरह सेवा की. प्रा. कोठारी कनिष्ठ और वरिष्ठ आर्ट्स फेलोशिप संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार की चुनाव समिति की मनोनीत पैनलिस्ट हैं. वे इंटरवेंशन, रॉउटलेज जर्नल के सम्पादकीय बोर्ड की सदस्य हैं तथा दलित साहित्य श्रृंखला, इन, आउट और बियॉन्ड मक श्रनकपजी डपेतीप–ठंतां ंदक श्रवींपस ।इतींउ, च्तमेमे न्दपअमतेपजंपतमे कम सं डमकपजमततंदमम' के लिए सलाहकार बोर्ड की सदस्य हैं.
- **डॉ. टी. एस. कुम्बार** प्रधान पुस्तकालयाध्यक्ष, भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर एन.टी.यू. सिंगापुर में संपन्न *प्रौद्योगिकी पुस्तकालयों के विश्वविद्यालय के 33वें वार्षिक अन्तर्राष्ट्रीय* समिति (आई.ए.टी.यू.एल.) में शामिल हुए.
- **प्रा. शर्मिता लाहिड़ी** ने 1–2 मार्च 2013 के दौरान भा.प्रौ.सं. मुंबई में संपन्न *डिसनरेशनरू दी रोड नॉट टेकेन* पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मलेन की बैठक की अध्यक्षता की.
- **प्रा. उत्तमा लाहिड़ी** के शोध कार्य को *सिमोन्स फाउंडेशन ऑटिज्म रिसर्च इनिशिएटिव (एस.ए.ए.आर.ई.)* द्वारा स्वीकृत प्रदान की गई है जिसने उनके 2 हाल के प्रकाशनों को आई.ई.ई.ई. ट्रांजक्शंस ऑफ न्यूरल सिस्टम्स रिहैबिलिटेशन इंजीनियरिंग (टी.एन.एस.आर.ई.) में उद्धरण दिया. इस रिपोर्ट ने आटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर (ए.एस.डी.) के साथ बच्चो के लिए एक एडाप्टिव गेज–सेंसिटिव इंटेलीजेंट आभासी वास्तविकता पर आधारित मंच का प्रयोग करते हुए सामाजिक वार्तालाप कौशल पर शोध फोकस को मान्यता दिया.
- **प्रा. एस. पी. मेहरोत्रा** ने 21–23 अक्टूबर 2012 के दौरान बीजिंग, चीन में संपन्न *वर्ल्ड रिसोर्सेज फोरम–2012* में भारतीय राष्ट्रीय अभियंता अकादमी द्वारा, भारतीय डेलीगेशन के मनोनीत सदस्य के रूप में भाग लिया. वे अन्तर्राष्ट्रीय खनिज प्रोसेसिंग कांग्रेस (आई.एम.पी.सी.–2012) में प्रबंधकारी समिति के एक मुख्य सदस्य तथा आई.एम.पी.सी.–2012 के तकनीकी समिति के सह–अध्यक्ष की हैसियत से शामिल हुए. उन्होंने 24–28 सितम्बर 2012 के दौरान संपन्न 'मानव संसाधन विकास' पर आई.एस.पी.सी. विशेष बैठक की अध्यक्षता भी की.
- **प्रा. ज्योति मुखोपाध्याय** ने एक टास्क फोर्स मेम्बर की तरह भारत में *नॉन–फेरस मेटल रिसोर्सेज* पर एक जेनेरिक रिपोर्ट को पूरा किया. यह रिपोर्ट भारतीय धातु संस्थान के लिए तैयार किया गया और वैसा ही खान मंत्रालय, भारत सरकार को सौपा गया.
- **प्रा. रोसा मारिया पेरेज** जुलाई 2012 के *22वें दक्षिण एशिया अध्ययन सम्मलेन* आई.एस.सी.टी.ई. लिस्बन विश्वविद्यालय संस्थान की संयोजक थी.
- **प्रा. तनिष्ठा सामंता** ने 12 अक्टूबर 2012 के दौरान एम.आई.सी.ए. (मिका) अहमदाबाद के *तृतीय एफ.पी.एम. रिसर्च कोलोक्वीयम* की अध्यक्षता की. उन्होंने 19–20 नवम्बर 2012 के दौरान नई दिल्ली में आयोजित

इंक्लूसिव ग्रोअथरू आपार्चुनिटीज फॉर दी एल्डर्ली पर संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या फण्ड (यू.एन.एफपी.ए.) तथा भारत योजना कमीशन सह प्रायोजित नीति मीटिंग की अध्यक्षता भी की. इसके साथ वे 23 नवम्बर 2012 के दौरान गुजरात शोध विकास संस्थान (जी.आई.डी.आर.) के *माइग्रेशन एंड डेवलपमेंट* पर एक कार्यशाला में भी शामिल हुई.

- **प्रा. आनन्द सेनगुप्ता** को मार्च 2013 भारतीय समिति, जनरल रिलेटिविटी एंड ग्रेविटी (आई.ए.जी.आर.जी.) 27वें मीटिंग की *साइंटिफिक आर्गेनाइजिंग समिति* (एस.ओ.सी.) का सदस्य होने के लिए आमंत्रित किया गया. प्रा. सेनगुप्ता इंडिगो ग्रुप के एक प्रधान अन्वेषक की हैसियत से *इंडिगो और एल.एस.सी.* के मध्य 2012–13 मेमोरेन्दडम ऑफ अंडरस्टैंडिंग पर हस्ताक्षर किए. उन्हें 19–22 फरवरी 2013, भारत–यू.के. कार्यशाला ग्रेविटेशनल वेव्स इन कार्डिफ के लिए कार्डिफ विश्वविद्यालय द्वारा तथा एल.एस.सी. कोंफेरेंसिंग टेक्नोलॉजीज की समिति का एक पार्ट बनाने के लिए एल.एस.सी.द्वारा आमंत्रित किया गया. वे *इंडिगो डाटा एनालिसिस कैंप*, आई.यू.सी.ए.ए., पुणे, 1–14 जुलाई 2012 में तथा सपिएन्ज, रोम विश्वविद्यालय सितम्बर 2012 द्वारा एल.एस.सी.–विर्गो सम्मलेन में शामिल हुए.
- **प्रा. सुधांशु शर्मा** 11–15 दिसम्बर 2012 के दौरान भाभा एटॉमिक शोध संस्थान में संपन्न *मैटेरियल्स केमिस्ट्री पर अन्तर्राष्ट्रीय सम्मलेन* (आई.एस.फ.सी.–2012) में शामिल हुए.
- **प्रा. बाबजी श्रीनिवासन** को हिलवुड्स स्कूल, गाँधीनगर में सी.बी..एस.ई. स्कूल शिक्षको के चुनाव के लिए आमंत्रित किया गया.
- **प्रा. प्राची थरेजा** 25–26 फरवरी 2013 के दौरान भा.प्रौ.सं. मुंबई में आयोजित *एडवांस्ड मैटेरियल्स एंड डिलीवरी डिवाइसेस* पर डी.एस.टी. प्रायोजित कार्यशाला तथा नडियाड़ में 12 मार्च 2013 में गुजरात सरकार द्वारा प्रायोजित *माइसेल डायनामिक्स, क्रिस्टलाइजेशन एंड सोलुबलाइजेशन*, शाह सियुलमैन सेंटर ऑफ सरफेस साइंस और नैनोटेक्नोलॉजी में शामिल हुई.
- **प्रा. जगमोहन त्यागी** 7–8 दिसम्बर 2012 के दौरान भा.प्रौ.सं. कानपूर में आयोजित *एवोल्यूशन एक्वेशन्सरू थ्योरी*, मेथड्स एंड एप्लीकेशन्स (एन.सी.ई.ई.टी.एम.ए.–2012) पर एक राष्ट्रीय सम्मलेन में शामिल हुए.

प्रकाशन

भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर के संकाय पुस्तकों के प्रकाशन, पुस्तक अध्याय और मोनोग्राफ के साथ प्रख्यात जर्नल और सम्मलेन कार्यवाही में 'पीयर–रिव्यु' के लिए उनके शोध को पेश करने में उत्साहित हैं. ये कार्यकलाप शैक्षिक तपस्या और शोध के केंद्र ६ फोकस की संस्कृति को बढ़ावा देती है और संकाय को उनके कार्य पर महत्वपूर्ण फीडबैक और राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय शैक्षिक क्षेत्र में संकाय की दृश्यता में वृद्धि करता है. 2012–13 के दौरान संकाय द्वारा प्रकाशन की सूची निम्नलिखित हैं–

पुस्तकें

1. **कोठारी आर.**, *मेमोरीज एंड मूवमेंट्सरू बॉर्डर्स एंड कम्युनिटीज इन बननी*, कुत्च (गुजरात, न्यू डेल्ही, ओरिएंट ब्लैकस्वान, 2013, आई.एस.बी.एन.: 9733125050490.

2. मकवाना वाई. एंड **कोठारी आर.** *अन्गालियत: दी स्टेपचाइल्ड*, रेव, न्यू दिल्ली, भारत: ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी प्रेस, 2013 (ट्रांसलेटेड फ्रॉम गुजराती), आई.एस.बी.एन.: 9780198090304.

सम्पादित पुस्तकें

1. अरोरा जे., गुप्ता पी., **कुम्बार टी.** एस., पटेल वाई., विजयकुमार जे. के. एंड महेश जी., (Ed) *लाइब्रेरी विजन 2020: मूविंग टुवर्ड्स दी फ्यूचर*, प्रोसेदिंग्स ऑफ तह इंटरनेशनल कैलिबर 2013 गाँधीनगर, भारत: इन्फ्लिबनेट, मार्च 2013.

2. एच अनिल के. एंड **कुम्बार टी. एस.** (Ed) *स्ट्रेटेजीज फॉर मैनेजिंग लाइब्रेरीज इन दी फ्यूचर.* अहमदाबाद, भारत: पदकपंद इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट अहमदाबाद, अगस्त 2012, आई. एस.बी.एन.: 9788192080000.

पुस्तकों के अध्याय

1. **कुमार एम.*** एंड गायेन के., *बायोबूटानॉलरू दी फ्यूचर ऑफ बायोफ्यूल*, इन बायोमास कन्वर्शनरू दी इंटरफेस ऑफ बायोटेक्नोलॉजी, केमिस्ट्री एंड मैटेरियल्स साइंस, बसकर सी., बसकर एस. एंड ढिल्लों आर. एस. (मके), न्यू यॉर्क, यू.एस.: स्प्रिंगर, डोईः 10.1007/978–3–642–28418–2, 2012, ch 7, pp 221–236, आई.एस.बी. एन.: 9783642284175.

2. **मिश्र वी.**, *फूड सिक्यूरिटी इम्लिकतिओन्स ऑफ क्लाइमेट वरिअबिलिटी एंड क्लाइमेट चंगे* इन क्लाइमेट वल्नेरेबिलिटी: अंडरस्टैंडिंग एंड अड्रेस्सिंग थ्रेअट्स टो एसेंशियल, एम्स्टर्डम, एन.एल.: एल्सेविएर–अकादमिक प्रेस, doi: http://dx-doi-org/10-1016/978&0&12&384703&4-00223&9, 2013, ch 12, pp 117&128, आई.एस.बी.एन.: 9780123847041.

3. **मियापुरम के. पी.** एंड पम्मी वी. एस. सी. अंडरस्टैंडिंग डिसिशन न्यूरोसाइंस: ए मुलतीदिस्सिप्लिनारी पर्सपेक्टिव एंड न्यूरल सुब्स्त्रतेस इन डिसिशन मेकिंग: न्यूरल एंड बेहविओरल एप्रोचेस, अवस 202, एम्स्टर्डम, एन.एलरू एल्सेविएर doi: http://dx-doi-org/10-1016/B978&0&444&62604&2-00014&9, Feb 2013, ch 14, pp 239&266, आई.एस.बी.एन.: 9780444626042.

4. **मुखर्जी एस.*** एंड श्रीनिवासन एन. *अटेंशन इन प्रेफेरेंसिअल चॉइस इन प्रोग्रेस इन ब्रेन रिसर्च*, vol220, एम्स्टर्डम, एन.एल.: एल्सेविएर, doi: http://dx-doi-org/10-1016/B978&0&444&62604&2-00007&1, Feb 2013, ch 7, pp 117&134, आई.एस.बी.एन.: 9780444626042.

5. **पाई डी.**, *मुल्तिवरिअब्ले कैलकुलस एंड ऑप्टिमाइजेशन* इन पब्लिकेशन नं. 43 एस.ई.आर.सी. स्कूल नोट्स 2012 ऑन मल्टीवेरिएबल एंड मैट्रिक्स वेरिएबल कैलकुलस एंड अप्लिकतिओन्स: ऑप्टिमाइजेशन, केरल, भारत: सेंटर फॉर मैथमेटिकल साइंसेज, 2012, ch 5] pp 123-174.

तकनीकी रिपोर्ट

1. **बसु डी.**, व्हित्ताकर ए.एस. एंड कांस्टेंटीनू एम.सी., *करैक्टराइजिंग थे रोटेशनल कंपोनेंट्स ऑफ अर्थक्वेक ग्राउंड मोशन*, मल्टीडिसिप्लिनरी सेंटर फॉर अर्थक्वेक इंजीनियरिंग रिसर्च, न्यू यॉर्क, टेक रेप MCEER120005, pp 378, 15 जून 2012.

जर्नल पेपर

उल्लेखनीय जर्नल में प्रकाशित पेपस

1. अंकर एन. एंड **पलान्थान्दलम मदपुसी एच.**, लेटर टो एडिटर्स – *सोल्विंग फॉर कॅंटिलीवर एकुइलिब्रिया अस इनिशियल वैल्यू प्रोब्लेम्स*, जर्नल ऑफ मैकेनिक्स इन मेडिसिन एंड बायोलॉजी, कवप:10-1142/S0219519413200017, vol 13, no 1, pp 1-4 फरवरी 2013

2. बाबक एस. एंड **सेनगुप्ता ए.** et al *सर्चिंग फॉर ग्रेविटेशनल वेव्स*

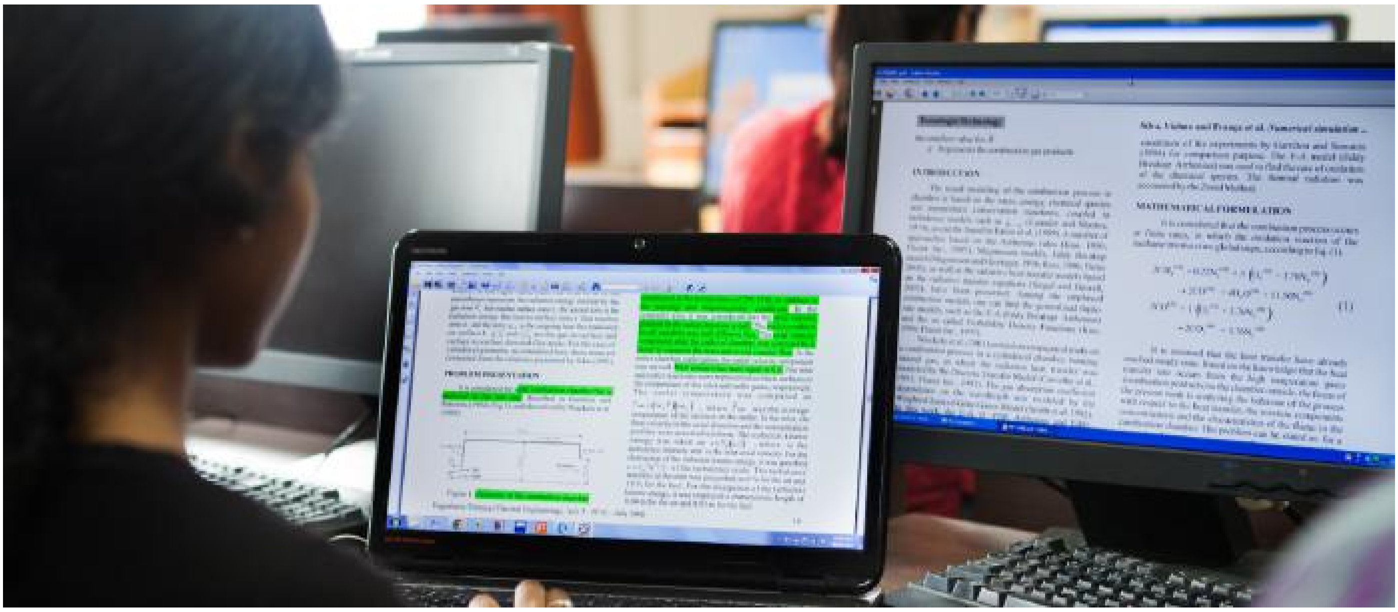

फ्रॉम बाइनरी कोअलेस्सनेस, फिजिकल रिव्यु D, doi: 10-1103/PhysRevD-8 7-024033, vol 87, no 2, pp 024033(18), जनवरी 2013.

3. बडें पी.डी. **कोटू एस. पी.*** एंड राठौर ए.एस., *ऑप्टिमाइजेशन ऑफ ए रीफोल्डिंग स्टेप फॉर ए थेरपेटिक फ्यूजन प्रोटीन इन दी क्वालिटी बी डिजाईन (QbD) पैराडीम,* जर्नल ऑफ सेपरेशन साइंस, doi:10-1002/jssc-201200476, vol 35, no 22, pp 3160-3169, नवम्बर 2012.

4. **बसु डी.**, व्हित्ताकर ए.एस. एंड कोन्स्तन्तिनौ एम.सी., *एस्तिमतिंग रोटेशनल कंपोनेंट्स ऑफ ग्राउंड मोशन यूसिंग डाटा रिकार्डेड एट ए सिंगल स्टेशन,* जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग मैकेनिक्स, doi:10-1061/(ASCE)EM-19437889-0000408, vol 138, no 9, pp 1141–1156, सितम्बर 2012.

5. **बसु डी.**, व्हित्ताकर ए.एस. एंड कोन्स्तन्तिनौ एम.सी., *एक्सट्रेक्टिंग रोटेशनल कंपोनेंट्स ऑफ अर्थक्वेक ग्राउंड मोशन यूसिंग डाटा रिकार्डेड एट मल्टीपल स्टेशन,* अर्थक्वेक इंजीनियरिंग स्ट्रक्चरल डायनामिक्स, *doi: 10-1002/eqe-2233, vol 42, no 3, pp* 451–468, मार्च 2013.

6. बेकेले ई.टी., **लाहिरी यू.**, स्वंसन ए. आर., क्रिटन्दन जे.ए., वारेन जेड. ई. एंड सरकार एन., *ए स्टेप टुवर्ड्स डेवलपिंग एडाप्टिव रोबोट–मेडीएट इंटरवेंशन आर्किटेक्चर (ए.आर.आई.ए.) फॉर चिल्ड्रेन विथ आटिज्म,* आई.ई.ई.ई. ट्रांसक्शन ऑन न्यूरल सिस्टम्स एंड रिहैबिलिटेशन इंजीनियरिंग, doi:10-1109/TNSRE-2012-2230188, vol 21, no 2, pp 289–299, मार्च 2013.

7. **दयाल पी.**, कुक्सेनोक ओ. एंड बलाज्स ए.सी., *रीकॉन्फिगरेबल अस्सेम्ब्लिस ऑफ एक्टिव ऑटोकेमोटैक्टिक जेल्स,* प्रोसेडिंग्स ऑफ तह नेशनल अकादमी ऑफ साइंस (पी.एन.ए.एस.), doi: http://dÛ-doi-org/10-1073/pnas-1213432110, vol 110,no 2, pp

431–436, Jan 2013.

8. डर्क ए. आर., ली बी., **शर्मा एस.**, मूरे जी.एम., मैकफर्लैंड ई.डब्ल्यू. एंड मेटिऊ एच., *मीथेन ऑक्सीडेशन बाई लेण्टेनियुम ऑक्साइड डोप्ड विथ Cu, Zn, Mg, Fe, Nb,Ti, Zr, or Ta: दी कनेक्शन बिटवीन दी एक्टिवेशन एनर्जी एंड थे एनर्जी ऑफ ऑक्सीजनवकैंसी फार्मेशन* कटैलिसीस लेटर्स, doi: 10-1007/s10562013-0985-7, vol 143, no 5, pp 406–410, मई 2013.

9. फ्रैंस सी., इस्तन्बुलुग्लु ई., **मिश्रा वी.**, अर्रिओला फ.एम. एंड लेटेंमैएर डी.पी., एर *क्लिमटिक ऑर लैंड कवर चेंजेस दी डोमिनेंट कॉज ऑफ रनऑफ ट्रेंड्स इन थे अपर मिसिसिप्पी रिवर बेसिन?*, जियोफिजिकल रिसर्च लेटर्स, doi: 10-1002/grl-50262, vol 40, no 6, pp 1104–1110, मार्च 2013.

10. **घाटगे एस.वी.***, साथेक एम.जे., दोरूदि्चक ई., जोशिया जे. बी. एंड एवंस्क जी.एम., *इफेक्ट ऑफ टर्बुलेंस ऑन पार्टिकल एंड बबल स्लिप वेलोसिटी, केमिकल इंजीनियरिंग स्सिनेस, doi:http://dx-doi-org/10-1016/j-ces-2013-03-031*, मार्च 2013.

11. **घोरोई सी.**, गुरुमूर्ति एल., मैकडेनियल डी.जे., जैलो एल.जे. एंड देव आर. एन., *मल्टी–फेसटेड करैक्टराइजेशन ऑफ फार्मास्यूटिकल पाउडर्स टो डिससर्न दी इन्फ्लुएंस ऑफ सरफेस मॉडिफिकेशन*, पाउडर टेक्नोलॉजी, doi:http://dx-doi-org/10-1016/j-powtec-2012-05-039, vol 236, pp 63-74, फरवरी 2013.

12. **गोयल वाई.***, **कुमार एम.*** एंड गायेन के., *मेटाबोलिक इंजीनियरिंग फॉर एनहांस्ड हाइड्रोजन प्रोडक्शन: ए रिव्यु*, कैनेडियन जर्नल ऑफ माइक्रोबायोलॉजी, doi: 10-1139/cjm-2012-0494, नवम्बर 2012.

13. गुदुरु ए., नोर्थरोप पी.डब्ल्यू.सी., **जैन एस.***, क्रोथेर्स ए.सी., मर्चंट टी.आर. एंड सुब्रमनियन वी.आर., *एनालिटिकल सलूशन फॉर इलेक्ट्रोलाइट कंसंट्रेशन डिस्ट्रीब्यूशन इन लिथियम–आयन बैटरीज*, जर्नल ऑफ एप्लाइड इलेक्ट्रोकेमिस्ट्री, doi: 10-10 07/s10800-0120394-4, vol 42, no 4, pp 189-199, अप्रैल 2012.

14. हाँन क्सी, **घोरोई सी.** एंड देव आर., *फार्मास्यूटिकल नैनोटेक्नोलॉजी: ड्राई कोटिंग ऑफ माइक्रोनाइज्ड ए.पी.आई. पाउडर्स फॉर इम्प्रोव्ड डिस्सलूशन ऑफ डायरेक्टली कॉम्पैक्टेड टेबलेट्स विथ हाई ड्रग लोडिंग*, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ फार्मास्यूटिक्स, doi: http://dx-doi-org/10- 1016/j-ij pharm-2012-08-004, vol 442, no 1-2, pp 74-85, फरवरी 2013.

15. हिन्क्ले ए. आर., गोयल एस. एंड **पलान्थान्दलम–मादापुसी एच.**, *कांस्टीट्युटिव–लॉ मॉडलिंग ऑफ माइक्रोफिलामेंट्स फ्रॉम दियर डिस्क्रीट–स्ट्रक्चर सिमुलेशन्स:* ए मेथड बेस्ड ऑन एन इनवर्स एप्रोच एप्लाइड टू ए स्टैटिक रॉड मॉडल, जर्नल ऑफ एप्लाइड मैकेनिक्स, doi: 10-1115/1-4006449, vol 79, no 5, pp 051005 (7), सितम्बर 2012.

16. कुक्सेंनोक ओ., **दयाल पी.**, भट्टाचार्य ए. मज ंस, *केमो–रेस्पोंसिव सेल्फ–ओस्सिलेटिंग जेल्स दैट अंडरगो बायोमिमेटिक कम्युनिकेशन*, केमिकल सोसाइटी रिव्यु, doi:10-1039/C3CS35497K, फरवरी 2013.

17. कुमार के.ए., चट्टराज आर., धूमल यू., मुखोपाध्याय एम., विन्जामुर एम. एंड **दलवी एस. वी.**, *मॉडलिंग ऑफ प्रेसिपितातिओं ऑफ अल्ट्रा–फिने पार्टिकल्स बी प्रेशर रिडक्शन ओवर CO_2 एक्स्पंदेद लिक्विडस*, जर्नल ऑफ सुपरक्रिटिकल फ्लुइड्स, doi: http://dx-doi-org/10-1016/j-supflu-2013-03-009, मार्च 2013.

18. **कुमार एम.***, **गोयल वाई.***, सरकार ए. एंड गायेंन के., *कम्पेरेटिव इकनोमिक असेसमेंट ऑफ ए.बी.ई. फर्मेंटेशन फॉर सेल्लुलोसिक एंड नॉन–सेल्लुलोसिक फीड स्टॉक्स*, एप्लाइड एनर्जी, doi:http://dx-doi-org/10-1016/j-

apenergy-2011-12-079, vol 93, pp 193-204, May 2012.

19. **कुमार एम.***, गायेंन के. एंड सैनी एस., *रोल ऑफ एक्स्ट्रासेलुलर क्युस टो ट्रिगर दी मेटाबोलिक फेज शिफ्टिंग फ्रॉम असिडोजेनेसिस टू सोल्वेन्टोजेनेसिस इन क्लॉस्ट्रीडियम एसेटोब्यूटीलिकम, बायोरिसोर्स टेक्नोलॉजी,* doi: http://dx-doi-org/10-1016/j-biortech-2013-03-159, vol 138, pp 55-62, मार्च 2013.

20. **लाहिरी यू.**, बेकेले ई., डोहर्मन ई. , वारेन जेड. एंड सरकार एन., *डिजाईन ऑफ ए वर्चुअल रियलिटी बेस्ड अदाप्तिवे रिस्पांस टेक्नोलॉजी फॉर चिल्ड्रेन विथ आटिज्म, आई.ई.ई.ई. ट्रांसक्शन ऑन न्यूरल सिस्टम्स एंड रिहैबिलिटेशन इंजीनियरिंग,* doi: http://dx-doi-org/10-1109/ TNSRE-2012-2218618, vol 21, no 1, pp 55-64, जनवरी 2013.

21. मंडल जी., **प्रशांत ए.** एंड **जैन एस.के.**, *सिग्निफिकेंस ऑफ इंटरफेस नॉन–लीनियरिटी ऑन थे सिस्मिक रिस्पांस ऑफ अ वेल–पियर सिस्टम इन कोहेसियनलेस साइल,* अर्थक्वेक स्पेक्ट्रा, *doi: http://dx-doi-org/10-1193/1-4000074, vol 28, no 3, pp 1117-1145,* अगस्त 2012.

22. मुखर्जी एम. एंड **प्रशांत ए.**, *एस. ए.एस.डब्ल्यू एनालिसिस थ्रू इन्वेर्सन ऑफ कंबाइंड डिसपर्सन कर्व्स युसिंग रिलायबिलिटी ऑफ डाटा फ्रॉम मल्टीपल सेंसर कॉन्फिगरेशन्स, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ गोटेक्निकल इंजीनियरिंग, doi: http://dx-doi-org/10-1179/1938636212Z-0000000003, vol 7, no 1, pp 10-20,* जनवरी 2013.

23. **एन. किशोर कुमार** एंड जी. नागा राजू, *नॉनकांफोर्मिंग लीस्ट–स्क्वायर्स मेथड फॉर एल्लिप्टिक पार्शियल डिफरेंशियल एकुअतिओन्स विथ स्मूथ इंटरफेस, जर्नल ऑफ साइंटिफिक कंप्यूटिंग,* doi:10-1007/s10915-011-9572-5, vol 53, no 2, pp 295-319, नवम्बर 2012.

24. **नारायण वी.** एंड गोविंदराजन आर., *सेकेंडरी इन्स्ताबिलिटीज इन इनकॉम्प्रेसिबल ओक्सीसिमेट्रिक बाउंड्री लेयसर्रू इफेक्ट ऑफ ट्रांस्वर्स कर्वेचर, जर्नल ऑफ फ्लुइड्स इंजीनियरिंग,* doi: http://dx-doi-org/doi:10-1115/1-4005767, vol 134, no 2, pp 024503(4), फरवरी 2012.

25. न्गुयेन टी.डी. एंड **रंगनाथ एस.**, *फेसिअल एक्सप्रेशंस इन अमेरिकन साइन लैंग्वेजरू रैकिंग एंड रिकग्निशन, पैटर्न रिकग्निशन,* doi: http://dx-doi-org/10.1016/j-patcog-2011.10-026, vol 45, no 2] pp 1877-1891, मई 2012.

26. **पेरेज आर.एम.**, *एलिमेंटाका ई कैडीफीका सोशल. मल्हर्स, कोजिहा ई एस्टाट्युटो, कैडर्नोस पागु,* doi: http://dx-doi-org/10-1590/S0104&83332012000200008, no 39, pp 227-249, जुलाई–दिसम्बर 2012.

27. राय एस., वासेवर के.एल., चड्ढा एम.जे. एंड **मुखोपाध्याय जे.**, *यूटिलाइजेशन ऑफ रेड मड फॉर मेकिंग ब्रिक्स,* रिसर्च जर्नल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, vol 4, no 1, pp 12-14, मई 2013.

28. **सचान ए.**, *स्ट्रेन लोकलाइजेशन पैटर्न्स ऑफ कोहेसिवे साइल विथ कंट्रोल्ड माइक्रोफैब्रिक अंडर साइक्लिक लोडिंग उसिंग डी.आई. ए. टेक्निक्स, इंटरनेशनल जर्नल ऑफ गोटेक्निकल इंजीनियरिंग,* doi: 10-3328/IJGE-2012-06-04-467-484, vol 6, no 4, pp 467-484, अक्टूबर 2012.

29. **सचान ए.**, विकाश जी. एंड **प्रशांत ए.**, *डेवलपमेंट ऑफ इंटरमीडिएट माइक्रोफैब्रिक इन केओलिन क्ले एंड इट्स कंसोलिडेशन बिहेवियर,* जिओटेक्निकल एंड जिओलॉजिकल इंजीनियरिंगरू एन इंटरनेशनल जर्नल, doi: 10-1007/s10706-012-9557-7] vol 31, no 1, pp 23-34, फरवरी 2013.

30. **सचान ए.**, *इफेक्ट ऑफ इंटरमीडिएट माइक्रोफैब्रिक ऑन*

शियर स्ट्रेंग्थ एंड स्ट्रेन लोकलाइजेशन रिस्पांस ऑफ केओलिन क्ले अंडर कम्प्रेशन एंड एक्सटेंशन लोडिंग, जिओटेक्निकल एंड जिओलॉजिकल इंजीनियरिंगरू एन इंटरनेशनल जर्नल, doi: 10-1007/s10706-012-9581-7, vol 31, no 1, pp 213-228, फरवरी 2013.

31. सर्पोंग के. एंड **दत्ता बी.**, *नुक्लेइक एसिड बंधन क्रोमोफोरेस ऐज एफिसिएन्ट इंडीकेटर्स ऑफ एप्टामर टारगेट इंटरेक्शन्स, जर्नल ऑफ नुक्लेइक एसिड्स,* doi: 10-1155/2012/247280, vol 2012, no 247-280, pp 1-7, सितम्बर 2012.

32. स्मिड्ट एन.डब्ल्यू., टाई के.पी. एंड **मिश्रा ए.**, *अर्जिनिन इन–डेफेंसीन्सरू डिफरेंशियल इफेक्ट्स ऑन बैक्टीरिसिडल एक्टिविटी कोरेस्पोंड टू ज्योमेट्री ऑफ मेम्ब्रेन कर्वेचर जनरेशन एंड पेप्टाइड–लिपिड फेज बिहेवियर,* जर्नल ऑफ बायोलॉजिकल केमिस्ट्री, *doi: 10-1074/jbc-M112-358721, vol 287, no 26,* जून 2012.

33. **शर्मा एस.**, वोलोसिन ए. एंड स्मिड्ट एम. *प्रिपरेशन एंड इलेक्ट्रोकेमिकल प्रॉपर्टीज ऑफ नैनोपोरस ट्रांसपेरेंट एंटीमनी–डोप्ड टिन ऑक्साइड (ए.टी.ओ.) कोटिंग्स,* जर्नल ऑफ मैटेरियल्स केमिस्ट्री ए., doi: 10-1039/C2TA00002D, vol 1, no 3, pp 699-706, मार्च 2013.

34. सिम सी.एच., राजमदन ई. एंड **रंगनाथ एस.**, *डेटेक्टिंग पीपल इन डेंस क्राउड, मशीन विजन एंड एप्लीकेशन्स, doi: http://dÛ-doi-org/10-1007/s00138-010-0280-1, vol 23, no 2, pp 243-253,* मार्च 2012.

35. **सुब्रमण्यम एम.**, दिएज–रॉक्स ए. वी. एंड पिल्सनर आर. जे., *सोशल फैक्टर्स एंड लयूकोसिट डी.एन.ए. मिथाइलेशन ऑफ रेपेटीटिव सेकुएन्केस:* दी मल्टी–एथनिक स्टडी ऑफ अथेरोस्लेरोसिस, पी. एल.ओ.एस. वन *doi: http://dx-doi-org/10-1371/journal-pone-0054018, vol 8, no 1, pp e54018,* जनवरी 2013.

36. **थरेजा पी.**, गोलमेटीस ए. एंड स्ट्रीट सी., *इन्फ्लुएंस ऑफ सरफेक्टेंट ऑन दी हेओलॉजी एंड स्टेबिलिटी ऑफ क्रिस्टलाइजिंग फैटी एसिड पेस्ट,* जर्नल ऑफ दी अमेरिकन आयल केमिस्ट्स सोसाइटी, doi: 10-1007/s11746012-2161-4, vol 90, no 2, pp 273-283, फरवरी 2013.

37. **त्यागी जे.**, *ए ग्लोबल पॉजिटिव सलूशन ऑफ अ डिले डिफरेंशियल इक्वेशन विथ इनडेफिनिट कोएफिसियंट,* एप्लाइड मैथमेटिक्स लेटर्स, doi: http://dx-doi-org/10.1016/j-aml-2012.03.019, vol 25, no 7, pp 1068-1070, जुलाई 2012.

38. **त्यागी जे.**, *जनरलाइजेशन ऑफ स्टर्म–पिकॉन थ्योरम फॉर सेकंड–आर्डर नॉन–लीनियर डिफरेंशियल इक्वेशन्स,* ताइवानीस जर्नल ऑफ मैथमेटिक्स, doi: 10-11650/tjm.17.2013.2074, vol 17, no 1, pp 361-378, फरवरी 2013.

39. **त्यागी जे.**, *पॉजिटिव सलूशन्स एंड ग्लोबल बाईफर्केशन ऑफ स्ट्रोंगली कपल्ड एलिप्तिक सिस्टम,* इलेक्ट्रॉनिक जर्नल ऑफ डिफरेंशियल इक्वेशन्स, doi: ejde-math.txstate.edu, vol 2013, no 82, pp 1-11, मार्च 2013.

40. **त्यागी जे.**, *ऑन एन एइगेनवैल्यू प्रॉब्लम इन्वोल्विंग सिंगुलर पोटेंशियल, काम्प्लेक्स वेरिएबल्स एंड एलिप्तिक इक्वेशन्स,* doi: http://dx-doi.org/10.1080/17 476933.2011.625093, vol 58, no 6, pp 865-871, 2013.

41. वालके ए. एंड **मोहपात्रा एन. आर.**, *इफेक्ट्स ऑफ स्माल जिओमीट्रिज ऑन दी परफॉरमेंस ऑफ गेट फर्स्ट हाई–मेटल गेट एन.एम.ओ.एस. ट्रान्सिस्टर,* आई.ई.ई.ई. ट्रांजक्शन ऑन इलेक्ट्रान डिवाइसेस, doi: http://dx.doi.org/10.1109/TED.20 12.2208647, vol 59, no 10, pp 2582-2588, Oct 2012.

सम्मलेन पेपर्स

सम्मलेन कार्यविधि में पेपर्स

1. **चंद्रशेकरण एस.*** एंड रागवन के. , *स्लाइडिंग डी.फ.टी. असिस्टेड इंस्टेंटैनियस सिमेट्रिकल कंपोनेंट्स मेथड फॉर एस्टीमेटिंग रिफरेन्स करेंट टू एक्टिव पॉवर फिल्टर,* 55वाँ आई.ई.ई.ई. 55 IEEE MWSCAS, Boise, USA, doi: 10-1109/MWS CAS.2012.6292233, pp 1168-1171, 5–8 अगस्त, 2012.

2. **चंद्रशेकरण एस.*** एंड **रागवन के.**, *फेज लॉक्ड लूप तकनीक बेस्ड ऑन स्लाइडिंग डी.फ.टी. फॉर सिंगल फेज ग्रिड कनवर्टर एप्लीकेशन्स,* आई.ई.ई.ई. इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन पॉवर इलेक्ट्रॉनिक्स, ड्राइव्स एंड एनर्जी सिस्टम्स 2012 (पी.ई.डी.ई.एस. 2012), सी.पी.आर.आई., बैंगलोर, भारत, doi: 10.1109/PEDES-2012.6484311, pp 1-4, 16-19 दिसम्बर 2012.

3. **जैन एस.***, **सिंघल जी.** एंड रयान एस., *इम्प्रोविंग लॉन्ग टर्म मायोइलेक्ट्रिक डिकोडिंग, यूसिंग एन एडाप्टिव क्लासिफायर विथ लेबल करेक्शन,* प्रोसीडिंग्स ऑफ थे 4था आई.ई.ई.ई. आर.ए.एस.ध्ई. एम.बी.एस. इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन बायोमेडिकल रोबोटिक्स एंड बायोमैकेट्रोनिक्स (बायोरॉब 2012), रोम, आई.टी., 24–27 जून 2012.

4. **जैन एस. के.** एंड पाठक एस., *इंटेंसिटी बेस्ड कैजुअल्टी मॉडल्सरू केस स्टडी ऑफ भुज एंड लातूर अर्थक्वेक्स इन इंडिया,* प्रोसीडिंग्स ऑफ दी 15 वर्ल्ड कांफ्रेंस ऑन अर्थक्वेक इंजीनियरिंग, लिस्बन, पी.आर.टी., सी.डी. पेपर आई.डी. 4830, 24–28 सितम्बर 2012.

5. **जोशी सी.डी.***, **लाहिरी यू.** एंड ठाकोर एन.वी., *क्लासिफिकेशन ऑफ गाइट फेसेस फ्रॉम लोअर लिंब ई.एम.जी.रू एप्लीकेशन टो एक्सोसकेलेटोन ओर्थोसिस,* आई.ई.ई.ई. ई.एम.बी.एस. स्पेशल टॉपिक कांफ्रेंस ऑन पॉइंट–ऑफ–केयर हेल्थकेयर टेक्नोलॉजीज, बैंगलोर, भारत, doi: 10.1109/PHT.2013.6461326, pp 228231, 16-18 जनवरी 2013.

6. **जोशी के.ए.*** एंड **पिंडोरिया एन.एम.**, *इम्पैक्ट इन्वेस्टीगेशन ऑफ रूफटॉप सोलर पी.वी. सिस्टमरू ए. केस स्टडी इन इंडिया,* 3 आई.ई.ई.ई. पी.ई.एस. इनोवेटिव स्मार्ट ग्रिड टेक्नोलॉजीज यूरोप (आई.एस.जी.टी. यूरोप), बर्लिन, जर्मनी, doi: 10-1109/ISGTEurope.2012.6465813, pp 1-8, 14-17 अक्टूबर 2012.

7. **किसलय पी.*** एंड **रागवन के.**, *एनालिसिस ऑफ बेक–ई.एम.एफ. वेव शापिंग ऑन परफॉरमेंस ऑफ पी.एम. ब्रशलेस मोटर,* पॉवर एंड एनर्जी कांफ्रेंस अत इलेनॉइस (पी.ई.सी.आई.), 2013 आई.ई.ई.ई., उर्बाना, आई.एल., यू.एस.ए., doi: 10-1109/PECI.2013.6506046, pp 125-129, 22-23 फरवरी 2013.

8. **कुमार एन.***, **मंजली जे.** एंड **मियापुरम के.पी.**, *रोल ऑफ एरर मोनिटरिंग मैकेनिज्म्स इन एट्रिब्यूशन ऑफ सेंस ऑफ सेल्फ–एजेंसी,* 34वाँ कॉग्निटिव साइंस सोसाइटी कांफ्रेंस, जापान, pp 641-646, 1-4 अगस्त 2012.

9. **प्रसाद आर.*** और **दामोदरन एम.**, *कम्प्यूटेशनल मॉडलिंग ऑफ स्टेडी एंड अनस्टेडी लो स्पीड विंड–इन–ग्राउंड इफेक्ट एरोडायनामिक्स,* ए.आई.ए.ए.51 एयरोस्पेस साइंसेज मीटिंग एंड एक्स्हिबिशन, ग्रेपेविन (डलास–फोर्ट वर्थ एरिया), टेक्सास, यू.एस.ए., *doi: 10.2514/6.2013-497, 7-10* जनवरी 2013.

10. राय डी.सी., **जैन एस. के.** एंड चक्रबर्ती आई., *इवैल्यूएशन ऑफ प्रॉपर्टीज ऑफ रेनफोर्सिंग बार्स फॉर सिस्मिक डिजाईन, प्रोसीडिंग्स ऑफ दी 15वाँ वर्ल्ड कांफ्रेंस ऑन अर्थक्वेक इंजीनियरिंग,* लिस्बन, पी.आर.टी., सी.डी. पेपर आई.डी. 3720. 24–28 सितम्बर 2012.

11. राय डी.सी., प्रधान टी., **जैन एस. के.**, शाव्की ए., एंड हिकिल्माज के.

भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर को दूरदृष्टि व अलग सोंच बहुत प्रभावशाली है और इस विलक्षण संस्थान के विकास में सहायता करने में समर्थ होकर मैं बहुत खुश हूँ

डॉ. निखिल बलराम
अतिथि प्राध्यापक

, *रोल ऑफ मसोन्री इन सिस्मिक स्ट्रेंथनिंग ऑफ न्यूली–बिल्ट फार्मास्यूटिकल प्लांट बिल्डिंग्स, प्रोसीडिंग्स ऑफ थे 15वाँ वर्ल्ड कांफ्रेंस ऑन अर्थक्वेक इंजीनियरिंग*, लिस्बन, पी.आर.टी., सी.डी. पेपर आई.डी.3704, 24–28 सितम्बर 2012.

12. **रथ ए.** एंड माशे एम., *क्रोनोटोप्स इन दी क्रोमोजोमरू ए क्रोनोटोपिक एनालिसिस ऑफ दी कलकत्ता क्रोमोजोम, इन डायलॉग्स विथ बख्तिनियन थ्योरी*, प्रोसीडिंग्स ऑफ दी 13वाँ इंटरनेशनल मिखाइल बख्तिन कांफ्रेंस, अक्टूबर 2012

13. **उपाध्याय ए.***, **कटरे वी.वी.*** एंड **चक्रबर्ती ए.एल.**, *ट्युनेबल डायोड लेजर स्पेक्ट्रोस्कोपी विथ इलेक्ट्रानिकली कंट्रोल्ड बेकग्राउंड आर.ए.एम. नुलिंग प्रोसीडिंग्स एस.पी.आई.ई. 8421*, OFS2012 22nd इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑप्टिकल फाइबर सेंसोर्स, 84216H, http://dx-doi-org/10-1117/12-975190, 4 अक्टूबर 2012.

14. **उपाध्याय ए.*** एंड **चक्रबर्ती ए. एल.**, *डिटेक्शन ऑफ मीथेन एट 1650 दउ एंड कार्बन डाइऑक्साइड एट 2004 nm यूसिंग ट्यूनेबल डायोड लेजर स्पेक्ट्रोस्कोपी*, प्रोसीडिंग्स ऑफ दी इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन फाइबर ऑप्टिक्स एंड फोटोनिक, ओ.एस.ए. टेक्निकल डाइजेस्ट (ऑनलाइन) (ऑप्टिकल सोसाइटी ऑफ अमेरिका, 2012), पेपर T2B-2, http://dx.doi.org/10.1364/PHOTONICS.2012.T2B.2, Dec 9-12, 2012, आई.आई.टी. मद्रास.

सम्मलेन में प्रस्तुत पेपर्स

1. चवन डी. एस., मंडल जी. एंड **प्रशांत ए.**, *परमानेंट डिस्प्लेसमेंट ऑफ नैलेद साइल स्लोपेस सब्जेक्टेड टू अर्थक्वेक लोडिंग*, 15 वर्ल्ड कांफ्रेंस ऑन अर्थक्वेक इंजीनियरिंग, लिस्बन, पी.आर.टी., 24–28 सितम्बर 2012.

2. **दामोदरन एम.**, *सी.एफ.डी. एक्टिविटीज एट आई.आई.टी. गाँधीनगर*, अकादमिक ट्रैक इवेंट ऑफ स्टार–पदकपंद 2012 कांफ्रेंस सी.डी.–ऐडाप्को, बैंगलोर, भारत, 1–2 नवम्बर 2012.

3. गोयल एस. एंड **पलान्थान्दलम–मादापुसी एच.**, *मॉडलिंग थर्मल फ्लक्चुएशन ऑफ बायो–फिलामेंट्स विथ किर्चोफ्फ रॉड्स*, एशियाई कांफ्रेंस ऑन मैकेनिकल ऑफ फंक्शनल मैटेरियल्स, आई.आई.टी. दिल्ली, भारत, दिसम्बर 2012.

4. हॉन एक्स, जैलो एल. एंड **घोरोई सी.**, *यूसिंग इनवर्स गैस क्रोमैटोग्राफी टू अस्सेस पैसिवेशन ऑफ हाई सरफेस एनर्जी साइट्स ऑफ मील्ड फार्मास्यूटिकल क्रिस्टल्स वाया ड्राई कोटिंग ऑफ नैनो–सिलिका*, पिट्सबर्ग, पी.ए., यू.एस., 28 अक्टूबर – 2 नवम्बर 2012.

5. हॉन एक्स, **घोरोई सी** एंड देव आर. एन., *पार्टिकल इंजीनियरिंग वाया ड्राई कोटिंग ऑफ माइक्रोनाइज्ड ए.पी.आई. पाउडर्स फॉर इम्प्रोव्ड डिससलूशन ऑफ डायरेक्टली कॉम्पैक्टेड टेबलेट्स विथ हाई ड्रग ल्लोअडिंग*, AIChE एनुअल मीटिंग, पिट्सबर्ग, पी.ए., यू.एस.ए., 28 अक्टूबर – 2 नवम्बर 2012.

6. हॉन एक्स, जैलो एल. एंड **घोरोई सी.**, *पैसिवेशन ऑफ हाई सरफेस एनर्जी साइट्स ऑफ मील्ड आइबूप्रोफेन क्रिस्टल्स वाया ड्राई कोटिंग*, ए.ए.पी.एस. एनुअल मीटिंग एंड एक्स्पोसितिओन, मैककोर्मिक प्लेस, शिकागो, यू.एस.ए., 14–18 अक्टूबर 2012.

7. **जैन ए.***, **न्याती पी.***, **नुवाल एन.***, **घोरोई सी.**, **अंसारी ए.*** एंड गाँधी पी.डी., *यू.एल.–आई.आई.टी. गाँधीनगर किचन फायर सेफ्टी सिस्टम, इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन सुप्रेसन डिटेक्शन एंड सिग्नलिंग रिसर्च एंड एप्लीकेशन्स (एस.यू.पी.डी.ई.टी. 2013)*, फायर प्रोटेक्शन रिसर्च फाउंडेशन, एन.फ.पी.ए., यू.एस.ए., 26 फरवरी – 1 मार्च 2013.

8. **कोठारी आर.**, *कास्ट इन अ कास्टलेस लैंग्वेज?: ए. ट्रांसलेशन व्यू ऑफ दलित लिटरेचर*, फिन्दासरू इंटरनेशनल वर्कशॉप, टोक्यो यूनिवर्सिटी ऑफ फॉरेन स्टडी, टोक्यो, जे.ए., 12 मई 2012.

9. **कोठारी आर**, *वे क्नोव व्हाट लैंग्वेजेज इस?*, 4था कांफ्रेंस ऑफ दी इंटरनेशनल एसोसिएशन फॉर ट्रांसलेशन एंड इंटरकल्चरल स्टडीज, क्वीन'स यूनिवर्सिटी बेलफास्ट, नोर्थर्न आयरलैंड, यू.के. 24–27 जुलाई 2012.

10. **कोठारी आर.**, *नेम्स आर फॉर इतर पीपल'स* यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस - टेक्नोलॉजी, यूनाइटेड अरब अमीरात, 27–29 नवम्बर 2012.

11. कुमार के.ए., मुखोपाध्याय एम. एंड **दलवी एस.वी.**, *प्रेसिपिटेशन ऑफ अल्ट्रा–फाइन पार्टिकल्स बाई प्रेशर रिडक्शन ऑफ गैस एक्स्पंडेड लिक्विड्स: एक्सपेरिमेंट्स एंड मैथमेटिकल मॉडलिंग*, 10वें इंटरनेशनल सिम्पोजियम ऑन सुपरक्रिटिकल फलुइड्स, सन फ्रांसिस्को, सी.ए., 4 अप्रैल 2012.

12. **कुमार एम.***, गायेंन के. एंड **सैनी एस.**, *रोल ऑफ इंटर–सेलुलर एंड एक्स्ट्रा–सेलुलर क्युस इन ट्रिगरिंग थे स्विच फ्रॉम असिडोजेनेसिस टू सोल्वेंटोजेनेसिस इन क्लॉस्ट्रीडियम एसिटोबूटीलिकुम*, दी एनर्जी एंड मैटेरियल्स रिसर्च कांफ्रेंस, मालगा, ई.एस., 20–22 जून 2012.

13. **कुमार एम.***, **गोयल वाई.***, गायेंन के. एंड **सैनी एस.**, *डायनामिक्स एंड कंट्रोल ऑफ दी क्लॉस्ट्रीडियम एसिटोबूटीलिकुम मेटाबोलिक नेटवर्क*, क्लॉस्ट्रीडियम 12वें इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन दी जेनेटिक्स, फिजियोलॉजी एंड बायोटेक्नोलॉजी ऑफ साल्वेंट एंड एसिड–फोर्मिंग क्लोस्त्रिडिया, नाटिंघम, यू.के., 10–12 सितम्बर 2012.

14. **कुरिओकोसे एस.***, सरकार एन. एंड **लाहिरी यू.**, *ए स्टेप टुवर्ड्स अन इंटेलीजेंट ह्यूमन कंप्यूटर इंटरेक्शनरू फिजियोलॉजी–बेस्ड एफेक्ट–रेकोग्निजर*, 4थे इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन इंटेलीजेंट ह्यूमन कंप्यूटर इंटरेक्शन (आई.एच.सी.आई.), खरगपुर, भारत, 27–29 दिसम्बर 2012.

15. **लाहिरी एस.**, *कैन ए. स्पिरिट ऑफ ऑउर ओन बी एक्सप्रेस्ड इन दी लैंग्वेज ऑफ दी कोलोनाइजर* एशियाई कांफ्रेंस ऑन लिटरेचर एंड लाइब्रेरियनशीप, ओसका, जे. पी., 5–9 अप्रैल 2012.

16. **लाहिरी यू.**, *कैरेक्टराइजेशन ऑफ सर्जिकल एक्शन्स इन मास्टोइडेक्टोमी*, बायोफेस्टरू इंटरनेशनल बायो कांफ्रेंस एंड इवेंट, हैदराबाद, भारत, 12–13 दिसंबर 2012.

17. मल्लिक एम. एंड **सैनी एस.**, *टार्गेटिंग मेटलोबेटल ओक्टामेसरू एन इनसाइट फ्रॉम होमोलॉजी ड्रग मॉडलिंग एंड वर्चुअल ड्रग डिजाईन* फॉर एन.डी.एम.1, मॉलिक्यूलर मॉडलिंग फॉर ड्रग डिजाईन, सूरत, भारत, 2012.

18. **मंजली जे.** एंड **मुखर्जी एस.***, *क्रिटिकल एनालिसिस ऑफ ड्रेट्सके'स टेस्ट्स फॉर परसेप्शन एंड अवेयरनेस*, 20वें कांफ्रेंस ऑन टुवर्ड्स अ साइंस ऑफ कांशसनेस (टी.एस.सी. 2013), दयालबाग एजुकेशनल इंस्टिट्यूट, दयालबाग, आगरा, भारत, 3–9 मार्च 2013.

19. **मियापुरम के.पी.** *कम्प्यूटेशनल मेथड्स इन नयूरोईमजिंग*, इन NUiCONE 2012, 3तक इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन करेंट ट्रेंड्स इन टेक्नोलॉजी, निरमा यूनिवर्सिटी, अहमदाबाद, भारत, 6–8 दिसंबर 2012.

20. **मियापुरम के. पी.**, *बियॉन्ड ब्लोब्सरू करेंट ट्रेंड्स इन फंक्शनल नयूरोईमजिंग*, 22वें एनुअल कन्वेंशन ऑफ नेशनल अकादमी ऑफ साइकोलॉजी, क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बैंगलोर, भारत, 10–12 दिसम्बर 2012.

21. **मियापुरम के. पी.**, *एप्लीकेशन ऑफ कम्प्यूटेशनल टेक्निक्स इन न्यूरो–इमेजिंग*, आई.ई.ई.ई. इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन इंटेलीजेंट सिस्टम्स एंड सिग्नल प्रोसेसिंग, जी.एच. पटेल कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, वल्लभ विद्यानगर, भारत, 1–2 मार्च 2013.

22. **मुखर्जी एस.**, **कुमार एन.*** एंड **मंजली जे.**, *मनी मोडूलेटस एट्रिब्यूशन ऑफ एजेंसी, 20वें कांफ्रेंस ऑन टुवर्ड ए साइंस ऑफ कांशसनेस (टी.एस.सी. 2013),* दयालबाग एजुकेशनल इंस्टिट्यूट, आगरा, भारत, 3–9 मार्च 2013.

23. **मुखर्जी एस.***, नर्गुनकर एम. एंड **मंजली जे.**, *दी इफेक्ट्स ऑफ प्राइमिंग मनी ऑन प्रेडिक्शन्स ऑफ लाइफ–सतिस्फक्तिओन अत आई.आई.टी.स: प्रेलिमिनारी फिन्दिंग्स*, नेशनल कांफ्रेंस ऑन पॉजिटिव बिहेवियररू पर्सपेक्टिव्स एंड एप्लीकेशन्स (एन.सी.पी.बी.पी.ए.–2012), पांडिचेरी यूनिवर्सिटी, भारत, 21–22 सितम्बर 2012.

24. **मुखर्जी एस.***, **मंजली जे.** एंड **कुमार एन.***, *इफेक्ट ऑफ अत्तेन्तिओनल स्कोप एंड लोड ऑन मोनेटरी डोनेशन*, एनुअल कांफ्रेंस ऑफ दी सोसाइटी फॉर जजमेंट एंड डिसिशन मेकिंग (एस.जे.डी.एम.), मिनियापोलिस, यू.एस.ए., 16–19 नवम्बर 2012.

25. **मुखर्जी एस.***, **कुमार एन.*** एंड **मंजली जे.**, *फॉर योर आईज ओनलीरू सिम्पली प्राइमिंग मनी फैसिलिटेट्स इनसाइट प्रॉब्लम सोल्विंग*, 22वें एनुअल कन्वेंशन ऑफ नेशनल अकादमी ऑफ साइकोलॉजी इंडिया (एन.ए.ओ.पी.), बैंगलोर, भारत, 10–12 दिसम्बर 2012.

26. **मुखर्जी एस.***, **कुमार एन.*** एंड **मंजली जे.**, *कान्सेकुएन्स ऑफ प्राइमिंग मनी ऑन इनसाइट प्रॉब्लम सोल्विंग*, 100वे पदकपंद साइंस कांग्रेस अत कलकत्ता यूनिवर्सिटी, कोलकाता, भारत, 3–7 जनवरी 2013.

27. **मुखोपाध्याय जे.**, *चौलेंजेस एंड अपार्चुनिटी विथ रेगार्ड टू एन्विरोंमेंटल इश्यूज इन नॉन फेरस सेक्टर विथ स्पेशल रिफरेन्स टू एलुमिनियम*, नेशनल मेटलर्जिस्ट डे एंड एनुअल टेक्निकल मीटिंग 2012, जमशेदपुर, भारत, 16–19 नवम्बर 2012.

28. नर्गुन्दकर एम., **मंजली जे.** एंड **मुखर्जी एस.***, प्राइवेसी प्रैफरेंसेज ऑफ इंडियन यूथरू फाइंडिंग्स ऑफ ए प्रेलिमिनारी सर्वे, 22वें एनुअल कन्वेंशन ऑफ नेशनल अकादमी ऑफ साइकोलॉजी इंडिया (एन.ए.ओ.पी.), क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, बैंगलोर, भारत, 10–12 दिसम्बर 2012.

29. **न्याती पी.***, **जैन ए.***, **नुवाल एन.*** एंड **घोरोई सी.**, *किचन फायर सेफ्टी सिस्टम, इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन सेफ्टी: प्रोमोटिंग ए कल्चर ऑफ सेफ्टी*, अहमदाबाद, भारत, 12–13 अक्टूबर 2012.

30. **पेरेज आर. एम.** एंड सिकुएइर ए. , *दी एम्पायर अत तह मर्गिंस: सबाल्टर्न वॉइसेस ऑफ पोर्तुगुएसे कोलोनिअलिस्म इन इंडिया*, 22वें कांफ्रेंस फॉर साउथ एशियाई स्टडीज (एक्सेप्टेड फॉर पब्लिकेशन बाई रॉउटलेज), 22–28 जुलाई 2012.

31. **राजीव ए.*** एंड **पलान्थान्दलम–मादापुसी एच.**, *अन इनवर्स, मॉडल एप्रोच फॉर एस्टीमेटिंग कंस्टीत्युटिव लॉज फ्रॉम डायनामिक प्लानर डीफार्मेशन्स ऑफ बायो–फिलामेंट्स*, ऐसन कांफ्रेंस ऑन मैकेनिक्स ऑफ फंक्शनल मैटेरियल्स, आई.आई.टी. दिल्ली, भारत, दिसम्बर 2012.

32. **रथ ए.**, *इमेजिनरी पोर्ट्रेट्सय विसुअलाइजिंग रबिन्द्रनाथ थ्रू वाल्टर पटर'स एस्थेटिक कालीडोसस्कोप*, एशियन कांफ्रेंस ऑन आर्ट्स एंड ह्यूमैनिटिस (ए.सी.ए.एच.) इंटरनेशनल, ओसका, जापान, 6–8 अप्रैल 2012.

33. **रेड्डी एस.**, *पोएट विदाउट अ पत्रों: रिबेलियन एंड रिडेम्पशन इन*

मेडिएवल साउथ इंडिया, 5वें एशियाई ट्रांसलेशन ट्रेडिशन्स कांफ्रेंस (ए.टी.टी.5), अजमान यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस – टेक्नोलॉजी, यूनाइटेड अरब अमीरात, 27–29 नवम्बर 2012.

34. **रेड्डी एस.**, *मेक इट तेलुगुरू लेजिटिमाइजिन्ग ऑथर, पत्रों – टेक्स्ट*, 5वें एशियन ट्रांसलेशन ट्रेडिशन्स कांफ्रेंस (ए.टी.टी.5), अजमान यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस – टेक्नोलॉजी, यूनाइटेड अरब अमीरात, 27–29 नवम्बर 2012.

35. **सैनी एस.**, *नेटवर्क आर्किटेक्चर एंड सेलुलर बिहेवियर इन बैक्टीरिया, इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन नेटवर्क्स इन बायोलॉजी*, सोशल साइंस, एंड इंजीनियरिंग, बैंगलोर, भारत, 12–14 जुलाई 2012.

36. **सामंता टी.**, *लिविंग अरेंजमेंन्ट्स एंड हेल्थ ऑफ ओल्डर एडल्ट्स इन इंडिया: ए मल्टीलेवल एनालिसिस*, 2^{nd} एशियन पोयपापुलेशन एसोसिएशन मीटिंग, बैंकाक, थाईलैंड, 26–29 अगस्त 2012.

37. शंकर आर. एच. एंड **अगरवाल एस.***, *बिहेवियर ऑफ थिन वाल्ड सिलिंडर्स अंडर पल्स लोडिंग: एन एक्सपेरिमेंटल एंड नुमेरिकल इन्वेस्टीगेशन*, 57वें कांग्रेस ऑफ इंडियन सोसाइटी ऑफ थ्योरेटिकल एंड एप्लाइड मैकेनिक्स (आई.एस.टी.ए.एम.), पुणे, भारत, 17–20 दिसम्बर 2012.

38. **सरकार एस.**, *ब्लैक होल थर्मोडायनामिक्सरू बियॉन्ड जनरल रिलेटिविटी*, आई.ए.जी.आर.जी. 27 श्रीनगर, उत्तराखंड, भारत 7–9 मार्च 2013.

39. **सनी एम.एम.** एंड मुह्लेनें ए. वी., *कंडीशन्स ऑफ कैप्चररू व्हेन एंड व्हाई एन ऑनसेट ऑफ मोशन कैप्चर्स अटेंशन*, 22वें एनुअल कन्वेंशन ऑफ दी नेशनल अकादमी ऑफ साइकोलॉजी, बैंगलोर, भारत 10–12 दिसम्बर 2012.

40. ठक्कर एम., शाह डी.ओ. एंड **घोरोई सी.**, *वेत्ताबिलिटी मेजरमेंट एपरेटस फॉर पोरस मटेरियल यूसिंग मॉडिफाइड वाशबर्न मेथड*, इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन नैनोटेक्नोलॉजी – नैनोकॉन 2012, नार्थ कैरोलिना ए.– टी. स्टेट यूनिवर्सिटी, यू.एस.ए. एंड भारतीय विद्यापीठ, पुणे, भारत, 18–19 अक्टूबर 2012.

41. **थॉमस पी.एस.***, *म्यूजियम एज मेताफोर: दी पॉलिटिक्स ऑफ एन इमेजिन्ड अहमदाबाद*, 15वें इंटरनेशनल कांफ्रेंस ऑन मीडिया एंड यूटोपियारू इमेजिनेशन, हिस्ट्री, टेक्नोलॉजी, इलाहाबाद, भारत 17–19 दिसम्बर 2012.

42. **थॉमस टी.**', **मियापुरम के.पी.** एंड बापी आर. एस., *इंटर–मैन्युअल ट्रान्सफर ऑफ विसुओ–मोटर सीक्वेंस लर्निंग*, 22वें एनुअल कन्वेंशन ऑफ थे नेशनल अकादमी ऑफ साइकोलॉजी (एन.ए.ओ.पी.), बैंगलोर, भारत, 10–12 दिसम्बर 2012.

43. **वर्मा एस.***, गोयल एस. एंड **पलान्थान्दलम–मादापुसी एच.**, *सिमुलेशन बेस्ड एनालिसिस ऑफ कास्टिट्यूटिव बिहेवियर ऑफ माइक्रोट्युबुल्स*, एशियन कांफ्रेंस ऑन मैकेनिक्स ऑफ फंक्शनल मैटेरियल्स, आई.आई.टी. दिल्ली, भारत दिसंबर 2012.

वर्किंग पेपर

1. **कोठारी आर.**, *मूविंग वर्ड्सरू शिफ्टिंग बाउंड्रीज*, इंडिया'स वर्किंग, टोक्यो यूनिवर्सिटी ऑफ फॉरेन स्टडीज, टोक्यो जापान, नं. 10, फरवरी 2013.

प्रस्तुत पोस्टर्स

1. **गवासन आर.***, *अर्धापुरकर पी.एम. एंड अत्रे एम. डी., प्रेडिक्शन ऑफ थर्मो–फिजिकल प्रॉपर्टीज ऑफ आर्गन एट क्रायोजेनिक कंडीशन्स यूसिंग मॉडिफाइड बेनेडिक्ट–वेब्ब–रुबिन एक्वेशन ऑफ स्टेट*, नेशनल सिम्पोजियम ऑफ क्रायोजेनिक्स (एन.एस.सी.–24), अहमदाबाद, भारत, 21–24 जनवरी 2013, पोस्टर नं. 750–128.

2. **गीते एच,बी.*** एंड थरेजा पी., नैनो–पार्टिकल्स सेल्फ असेंबली इन लिक्विड क्रिस्टल्स, केम्फरेंस 2012, मुंबई, भारत, 10–11 दिसम्बर 2012, पोस्टर नं. 27.

3. **कोटू एस.पी.*** एंड **गुप्ता एस.**, *सर्च फॉर अ कॉमन लिंक बिटवीन अल्झाइमर'स एंड पार्किन्सन'स डिजीज,* बायोफेस्टरू इंटरनेशनल बायो कांफ्रेंस एंड इवेंट, हैदराबाद, भारत, 12–13 दिसम्बर 2012, पोस्टर नं. 75.

4. **मुखर्जी एस.***, ठक्कर एम. एंड थरेजा पी., *प्रोटीन–पालीसैकराइड नैनो कॉम्प्लेक्सेस अत एयर–वाटर इंटरफेस,* केम्फरेंस 2012, मुंबई, भारत, 10–11 दिसम्बर 2012, पोस्टर नं. 1.

5. **पोपट वी.*** एंड **पधियार एन.**, *एक्सपेरिमेंटल स्टडी ऑफ बेचंप प्रोसेस फॉर दी रिडक्शन ऑफ पी–नाइट्रोटोल्युन,* केम्फरेंस 2012, मुंबई, भारत, 10.11 दिसम्बर 2012 पोस्टर नं. 33.

पत्रिका / समाचारपत्र लेख

1. **डैनिनो एम.**, **दी लॉस्ट रिवर, दी पोइनीर मैगजीन**, सन्डे एडिशन, 21 अक्टूबर 2012.

2. **कोठारी आर.**, *आछे अमरु पोताणु सुख,* चित्रलेखा, (इन गुजराती) वॉल्यूम 52, नं. 3235, पृ. 39, 23 अप्रैल 2012.

3. **कोठारी आर.**, *विल इंग्लिश कंटिन्यू टू रूल दी इंडियन टंग,* फोर्ब्स इंडिया, 5 जनवरी 2013.

4. **कोठारी आर.**, *ऑफ इंडियन सिनेमा एंड मिथोलॉजी: ए 100 इयर्स जर्नी,* डी.एन.ए. अहमदाबाद, पृ. 4, 25 फरवरी 2013.

5. **मेहता एम.**, *मेक ओवर मोदी,* इंडियन एक्सप्रेस अहमदाबाद पृ. 10, 11 दिसम्बर 2012.

6. **मेहता एम.** *मोदी मेक्स अ यूनिक सेल्लिंग प्रोपोजिशन,* अहमदाबाद मिरर, पृ. 8, 7 फरवरी 2013.

7. **रथ ए.**, *वीमेन कैन सेफली स्ट्रोल इन दी स्ट्रीट्स एट नाईट,* इंडिया टुडे, पृ. 57, 4 मार्च 2013.

8. **रथ ए.**, *कैच अ गोल्ड फिश,* फंडामेंटिक्स दृ आई.आई.टी. मुंबई एलुमनाई मैगजीन, े नं. 6, पृ. 87, अप्रैल 2013.

समीक्षा

1. **रथ ए.**, *दी पोएट एंड हिज वर्ल्डरू क्रिटिकल एस्सेज ऑन रबिन्द्रनाथ टैगोर,* मोहम्मद ए. कयूम, द्वारा सम्पादित, अन्तर्राष्ट्रीय साहित्य में, वॉल्यूम 4, नं. 2, मई 2012.

*आई.आई.टी. गाँधीनगर स्टूडेंट्स

छात्र कार्य–कलाप

छात्रों को अतिरिक्त पाठ्यक्रम और सह पाठ्यक्रम गतिविधियों के लिए सक्रिय रूप से प्रोत्साहित किया जाता है जो उनके सर्वांगीण शैक्षिक और व्यक्तिगत विकास को समृद्ध करता है छात्रों ने ऐसी गतिविधियों में वर्ष पर्यन्त उत्कृष्टता हासिल की है तथा नई गतिविधियों की शुरुआत करते रहते हैं.

सह–पाठ्यक्रम कार्य–कलाप

परिसर–नियुक्तियाँ / प्लेसमेंट

जिन संगठनो ने प्रथम परिसर प्लेसमेंट में छात्रों की नियुक्ति की है वे हैं: रिको इनोवेसंस, बी.पी.सी.एल. ग्रासिम इंडस्ट्रीज, टी.सी.ई., फिनीसर, जे.सी.बी., माइक्रोसॉफ्ट, फ्लिपकार्ट, टाइमटूथ टेक्नोलॉजीज, बैंक ऑफ इंडिया, फ्लुइडीन भारत, मैथेसन के. एयर, मैग्नेटी मरेल्ली, सिट्रीक्स, फैशन यू. कॉम, होस्पिरा इंक, अंडरराइटर्स लेबोरेटरीज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड और डी.आर.डी.ओ. कैरियर डेवलपमेंट सेल अन्य भा.प्रौ.सं. में पूर्व छात्र और उद्योग के विशेषज्ञों के साथ पारस्परिक विचार विमर्श की व्यवस्था करके छात्रों की सहायता करता है और इससे उन्हें बाजार में रोजगार की जरूरतों की सामायिक जानकारी रखने का अवसर देता है. नियुक्ति चाहने वाले कुल 59 छात्रों में 54 अपनी पसंद की नियुक्ति पाने में सफल रहे.

ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप

भारत और विदेशों में उद्योगों व शोध संस्थानों में इंटर्नशिप पाने में सहायता करने के लिए यह संस्थान बहुत सक्रिय है. 2012 के ग्रीष्मकाल के दौरान कुल 200 छात्रों ने अपना इंटर्नशिप विश्वविद्यालयों, शोध संस्थानों, पी.एस.यूस. और विभिन्न उद्योगों में संपन्न किया. इनमे से 66 छात्र बी.ए.आर.सी. और आई.एस.आर.ओ. जैसे शोध संस्थानों में गए जबकि 28 छात्र कालटेक, सिरेक्युस विश्वविद्यालय तथा नोट्रे डेम विश्वविद्यालय जैसे विदेश विश्वविद्यालयो में गए. 106 विद्यार्थियों ने अपना ग्रीष्मकाल एल. एन्ड टी., टाटा पॉवर, रिलायन्स इंडस्ट्री, राष्ट्रीय इंस्ट्रुमेंट्स और टेक्सास इंस्ट्रुमेंट्स जैसे उद्योगों में बिताया.

मॉडलिंग में गणितीय प्रतियोगिता

इस संस्थान के 18 छात्रों ने एक विश्वस्तरीय प्रतियोगिता **मॉडलिंग में गणितीय प्रतियोगिता (एम.सी.एम.)** में भाग लिया जिसमे अवर स्नातकों की टीम वास्तविक जीवन की समस्याओं को सुलझाने के लिए गणितीय मॉडलिंग का प्रयोग करती है. इस प्रतियोगिता का आयोजन यू.एस. आधारित बिना लाभ के कार्यरत संगठन दि कंसोर्टियम फॉर मेथेमेटिकल्स एन्ड इट्स एप्लीकेशंस ने किया और इसका आयोजन फरवरी के प्रथम सप्ताह के दौरान प्रतिवर्ष किया जाता है.

कान्क्लेव ऑन ऑटोमोटिव प्रौद्योगिकी

अमल्थिया 2010 में स्थापित इस वार्षिक टेक्नीकल समागम सभा का आयोजन 13–14 अक्टूबर 2013 के दौरान किया गया. इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से 3 क्षेत्रो पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिनके नाम हैं– डिजाईनिंग, निर्माण और उद्यमशीलता और नव–निर्माण. इस कार्यक्रम का उद्घाटन भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर के निदेशक **प्रा. सुधीर कु. जैन** और ए.सी.एम.ए. निदेशक **श्री विनी मेहता** के साथ वरिष्ठ आई.ए.एस. अधिकारी **श्री महेश्वर साहू** मुख्य सचिव, उद्योग और खनन ने किया. प्रसिद्ध ऑटोमोबाइल डिजाईनर **श्री दिलीप छावरिया** ने भाग लेने वाले छात्रों से बातचीत की और ऑटोमोटिव डिजाईन में अभियांत्रिकी की भूमिका पर अपने विचार व्यक्त किए. उद्योग जगत में शामिल हुए अन्य वक्ताओं के नाम हैं– **श्री टॉम चकलाकल** (फोर्ड इंडिया, विनिर्माण), श्री नीतिन नायर (एम.डी., सीमेंस ऑटोमेशन) और **श्री जोआचिम नेल** (हेड, महाद्वीपीय टेक केंद्र भारत). फोर्ड मोटर्स, सीमेंस, महाद्वीपीय, डी.सी. मोटर्स प्राइवेट लिमिटेड जैसी कंपनियों ने भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर का दौरा किया और इस संस्थान में भविष्य के सहयोग और अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं की स्थापना की नीव डाली. इस कार्यक्रम का आयोजन **हर्ष गुप्ता**, **अंशुल गुप्ता** और **श्रेयांस नाहर** ने किया.

कान्क्लेव ऑन ऑटोमोटिव प्रौद्योगिकी

विद्युतीय वाहन प्रतियोगिता

150 छात्रों ने एक शोध प्रतियोगिता में भाग लिया. इसे अंडरराइटर्स प्रयोगशाला (यू.एल.) नार्थब्रूक अमेरिका और भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर ने भारतीय स्थिति में विद्युत वाहन की सुरक्षा

विद्युतीय वाहन प्रतियोगिता टीम 1

चुनौतियों की वर्तमान समझ को वेहतर बनाने के उद्देश्य से एक विद्युतीय वाहन मंच विकसित करने के लिए प्रायोजित किया. ई.वी. उद्योग की एक वाह्य पुर्नावलोकन समिति ने दो विजेता टीम का चुनाव किया. इस समिति में शामिल विशेषज्ञों के नाम हैं– **श्री विक्रम गुलाटी**, निदेशक, नेशनल ऑटोमोटिव टेस्टिंग एंड आर एंड डी इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट, एन.ए.टी.आर.आई.पी., **श्री मुकेश भंडारी**, संस्थापक अध्यक्ष और सी.टी.ओ., इलेक्ट्रोथर्म, **श्री चेतन मैनी**, रणनीति और प्रौद्योगिकी के चीफ रेवा–महिंद्रा रेवा और **डॉ. प्रवीनरे गांधी**, निदेशक, कॉर्पोरेट रिसर्च यू.एल. ये टीम 2013 के ग्रीष्मकाल के दौरान शिकागो यू.एल. लैब्स में प्रोटोटाइप्स के विकास और कार्य करने में समय व्यतीत करेंगे. दोनों विजेता टीम के सदस्यों के नाम हैं: टीम 1: **मदन तल्देवकर**, **वैभव गांधी**, **किमाया काले**, और **प्रथमेश भट्ट**. टीम 2: **किशन सुथार**, **शुभम गुप्ता**, **वरुण गुप्ता** और **श्रेयस वैद्य**.

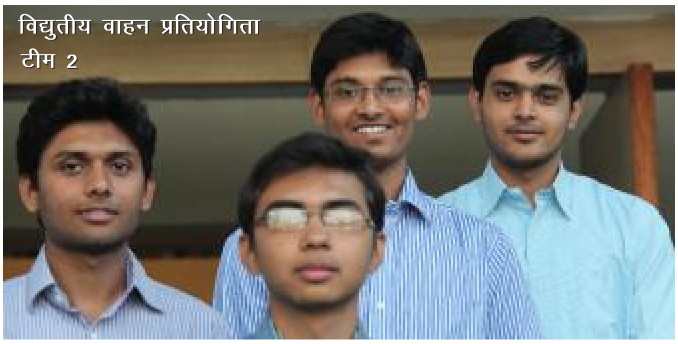
विद्युतीय वाहन प्रतियोगिता टीम 2

शोधकर्ताओं का फेरेट कॉन्फाब 2012

भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर के छात्रों द्वारा संपन्न किए शोध को जानने के लिए अंतरविषयक मंच की स्थापना की दृष्टि के साथ 14 अप्रैल 2012 को **शोधकर्ताओं के इस फेरेट कॉन्फाब 2012** का संगठन किया गया था. वहाँ 16 मौखिक प्रस्तुतीकरण और पोस्टर प्रस्तुतीकरण थे. मौखिक श्रेणी के विजेता **सुदीप्ता दास** और **पायल सी. मुखर्जी** जबकि **अवनीश उपाध्याय** पोस्टर श्रेणी के विजेता थे.

मेकानिज्म मॉक–अप–डिस्प्ले

2009 बैच के यांत्रिकी अभियांत्रिकी के छात्रों ने **मशीन्स प्रयोगशाला पाठ्यक्रम** के नेमेटिकस और गति विज्ञान डाइनामिक के एक हिस्से के रूप में निर्मित गजट के प्रदर्शन के लिए 16 अप्रैल 2012 को एक मेकानिज्म मॉक–अप–डिस्प्ले ओपन हाउस का आयोजन किया था. इस अभ्यास का मुख्य जोर एक तकनीक द्वारा एक कार्य को पहचानना था और तब एक मेकानिज्म डिजाईन करना और एक विशिष्ट समस्या को बताने के लिए अपने यन्त्र मेकानिज्म का एक कार्य करने वाले मॉडल का निर्माण करना था. 37 छात्रों ने 13 ग्रुप बनाए और इन गजटों पर कार्य किए – सीढ़ियों पर चढ़ने वाला व्हील चेयर, तले भोजन से तेल निकालने वाला सघन गजट, कचरा / ट्रैश कॉम्पैक्टर, घुमाने वाले शेल्फ स्टेक्स के लिए मेकानिज्म, हस्त क्रैन्क्ड जूता पालिश करने वाला गजट, यथा स्थान गन्ना काटने और रस निकालने वाला गजट, बच्चो की बोतल धोने वाला गजट, लगेज सीट एकीकरण मेकनिज्म, वाडा तेल निकालनेवाला मेकानिज्म, पेंट–ब्रश साफ करने वाला मेकानिज्म, अनार छिलने वाला गजट, कम लागत वाले डिश–वाशर और मोटरबाइक के लिए क्रेश गार्ड.

मीन मेकानिक्स 2012

5 अप्रैल 2012 को प्रथम और द्वितीय वर्ष के छात्रों के लिए एक **मेकाट्रोनिक्स मॉडल-मेकिंग कार्यशाला-सह-प्रतियोगिता** का आयोजन किया गया था. इसमे 114 छात्रों ने भाग लिया.

विजेता टीम के सदस्य निम्नलिखित हैं:
प्रथम स्थान: **अरुण सिंह**, **प्रशांत बहतेवारा**, **अदित भारद्वाज**, **प्रदीप निखाडे**, **पूनम चंद** (2010 बैच) और **नीतेश उधानी**, **अंकित सुचंती**, **मोहित बजाज**, **सक्षम कोहली** (2010 बैच)
द्वितीय स्थान: **राजेश पाटीदार**, **पंकज गौतम** (2011 बैच)
तृतीय स्थान: **साहिल मेहता**, **गौरव महामुनी**, **जी. एन. लक्ष्मी** (2011 बैच)

विज्ञान दिवस मनाया

प्रेरित और प्रतिभावान विद्वानों को बैज्ञानिक शोध और खास कर इस संस्था के पी.एच.डी. कार्यक्रम में आकर्षिक करने के लिए 1 अप्रैल 2012 भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर गांधीनगर में विज्ञान दिवस मनाया गया. इस कार्यक्रम में 60 छात्रों और क्षेत्र में विभिन्न विश्वविद्यालयों से 3 संकाय सदस्यों ने भाग लिया. भाग लेने वाले सदस्य भौतिक विज्ञान, गणित और रसायन शास्त्र की पृष्ठभूमि के थे.

उद्योग विजिट

प्रा. रघु एचेम्पति ने 13 फरवरी और 6 मार्च 2013 को मशीन डिजाईन पाठ्यक्रम के एक हिस्से के रूप में छात्रों के लिए 2 कंपनियो में दौरे का आयोजन किया. 50 छात्रों के एक समूह ने पी.बी.एल.–एल्कॉन समूह की कंपनी, वल्लभ विद्यानगर का दौरा किया. जबकि 8 छात्रों ने इंडो–जर्मन टूल रूम, वटवा, अहमदाबाद का दौरा किया. छात्रों ने औद्योगिक गियर मोटर्स में इस्तेमाल किए जाने वाले विभिन्न गियरबॉक्स और प्लास्टिक इंजेक्शन मोल्डिंग मशीन सहित विभिन्न मशीनी उपकरणों का सीधा व्यक्तिगत अनुभव प्राप्त किया.

महफिल–ए–अदबः उर्दू शायरी की एक शाम

उर्दू–लिपि और कविता पर आधे सेमेस्टर पाठ्यक्रम का समापन 6 फरवरी 2013 को आयोजित उर्दू शायरी संध्या के माध्यम से संपन्न हुआ. यह पाठ्यक्रम **सुश्री हमीदा बानू चोपड़ा** (कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, वर्कली) द्वारा प्रदान किया गया था. जिन्होंने

महफिल–ए–अदबरू उर्दू शायरी की एक शाम

एक अभ्यागत प्राध्यापक के तौर पर भा. प्रौ.सं. गाँधीनगर में समय व्यतीत किया. बड़ी संख्या में आये श्रोतागण में संकाय, स्टाफ और छात्र शामिल थे. सुश्री चोपड़ा और उनके शिष्यों द्वारा प्रसिद्ध उर्दू कविता के पाठ से सम्मोहित हो गए.

जीवन दक्षता श्रृंखला

- **एम.एस./पी.एच.डी. आवेदन प्रक्रिया के विषयवस्तु पर एक विचार विमर्श बैठक अपने आवेदन पैकेट को सर्वश्रेष्ठ कैसे बनाए? इसे जाने**, इसका आयोजन 12 सितंबर 2012 को किया गया. इस बैठक के वक्ता **प्रा. मालविका सुब्रमण्यम**, **प्रा. हरीश पी. एम.**, **प्रा. सुधांशु शर्मा** और **प्रा. शिवकुमार जोलाद** थे. 85 छात्रों ने इसमें भाग लिया. इस श्रृंखला का संयोजन **प्रा. शर्मिष्ठा लहिरी** ने किया.
- डॉयलाग सर्विसेज की **सुश्री रश्मि दत्त** ने प्रथम वर्ष बी.टेक. के छात्रों के लिए **व्यक्तित्व विकास** के ऊपर एक दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन 20–21 अक्टूबर 2012 के दौरान किया.
- **नौकरी के लिए साक्षात्कार: उन्हें कैसे घेरे?** का आयोजन 12 फरवरी 2013 को किया गया था. चतुर्थ वर्ष के छात्रों, **एकता प्रशनानी**, **तारकेश्वर सिंह**, **गौरव दूबे**, **सौर्यप्रकाश सिन्हा**, **मोहित वर्मा**, **ध्रूव चोक्शी** और **श्यामल किशोर** ने 60 छात्रों के दर्शकों के साथ नौकरी के अपने सफल साक्षात्कार के अनुभवों को

“भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर अपने छात्रों के लिए नवीन कार्यक्रम के साथ एक जीवंत व जीवन को सशक्त करने वाले वातावरण के सृजन के लिए एक गतिशील संस्थान है”

प्रा. सुचित्रा माथुर
अतिथि प्राध्यापक

साझा किया. बैठक का संयोजन **ध्रूव चोक्शी** और **श्यामल किशोर** ने किए. **प्रा. अतुल भार्गव** सत्र में अतिथि विशेषज्ञ थे.

पाठ्येतर गतिविधियों

ब्लिथ्क्रोन 2013

ब्लिथ्क्रोन का पांचवा संस्करण, भा.प्रौ. सं. गाँधीनगर का दो दिवसीय सांस्कृतिक उत्सव 19–20 जनवरी 2013 के दौरान आयोजित किया गया था. इसमें 1900 दर्शक शामिल हुए जो एक रिकॉर्ड है. जिसमे 30 संस्थानों के प्रतियोगियों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया. इसमे 20 से अधिक कार्यक्रम थे जिसमे रॉक कंसर्ट, संगीत शो, नाटक, एक फैशन शो और खेलकूद शामिल थे. सबसे बड़ा आकर्षण रॉक कंसर्ट **प्रोनाइट्स** था जिसमे इंडी रॉक बैंड **अग्नि** और ‘**स्ट्रिंग थिउरी**’ कार्यक्रम थे जिसमे पूरे राज्य से विभिन्न बैंड्स एक दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा कर रहे थे. दूसरे दिन का कार्यक्रम बी.एम.एक्स. (बाईसाइकिल-मोटर-क्रोस) ने बड़ी संख्या में दर्शको को आकर्षित किया. इसमे मुंबई के पेशेवरों ने अपने स्टंट से दर्शकों को सम्मोहित कर दिया.

ब्लिथ्क्रोन 2013

हल्ला बोल 2013

हल्ला बोल का तृतीय संस्करण, देर रात अंतर महाविद्यालय खेलकूद महोत्सव का आयोजन 15–24 मार्च 2013 के दौरान आयोजित किया गया था. इस महोत्सव में 10 दिनों में 11 मनोरंजक खेल प्रदर्शित किए गए. खेल के पारंपरिक नियमों में एक मोड़ दिया गया ताकि खेल और अधिक

हल्ला बोल 2013

अप्रत्याशित और मजेदार हो. छात्र, स्टाफ और संकाय के **2400 से अधिक भाग लेने वाले सदस्यों** को **400 से ज्यादा मैचो** ने आकर्षित किया, जिन्होंने मिश्रित टीम बनाई. 50 सदस्यों से संगठित टीम और 40 से ज्यादा स्वयंसेवी कार्यकर्ता खेल के शांतिपूर्ण संपन्न होने के लिए उद्यमतापूर्वक कार्यरत रहे जो अक्सर मध्यरात्रि के बाद भी चलते रहे. **श्री वसीम खान**, खेलकूद सचिव और प्रशांत पटेल, रसायन अभियांत्रिकी ने इस कार्यक्रम का संयोजन किया.

जश्न – अंतर महाविद्यालय सांस्कृतिक महोत्सव

द्वितीय अंतर महाविद्यालय सांस्कृतिक महोत्सव **जश्न 2012** का आयोजन 25–28 अक्टूबर 2012 के दौरान किया गया. मजेदार कार्यक्रम और प्रतियोगिताएँ जैसे – 'उन्हें कसो', हरफन मौला, फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी प्रतियोगिता में उत्साहपूर्ण भागीदारी रही. मुख्य आयोजित टीम में **अंकित सुचंती, निताई बजाज, मोहित बजाज, रौनक खंडेलवाल** और **ईप्सित तिवारी** शामिल थे.

ग्रीष्मकालीन शिविर 2012

इस संस्थान ने 18 जून से 14 जुलाई 2012 दौरान भा.प्रौ. सं. गाँधीनगर के लिए एक 4 सप्ताह के ग्रीष्मकालीन शिविर का आयोजन किया. इस शिविर में कई गतिविधियां डिजाइन के थीम पर केंद्रित थी. कुल 20 छात्रों और संकाय और स्टाफ ने तकनीकी परियोजनाओं और गैर तकनीकी गतिविधियों में भाग लिया. तकनीकी परियोजनाओं का संयोजन **प्रा. रघु एचेम्पति** ने किया. छात्रों और कर्मचारियों ने कई गैर तकनीकी गतिविधियों का आनंद लिया. इनमे डिजाइन के थीम '**जनता बाजार और समाज**' पर एक कार्यशाला शामिल है जिनमे उद्यमशीलता, बाजार व्यवहार और सर्वेक्षण डिजाइन जैसे विभिन्न विषयों पर बहुमूल्य टिप्स और परामर्श प्रदान किए गए. इस कार्यशाला की बैठकों में **प्रा. तानिस्ठा सामंत** (भा.प्रौ. सं. गाँधीनगर), **डॉ. अभिजित कोठारी** (तरुण इलेक्ट्रिकल इंडस्ट्रीज) एंड **प्रा. रजनीश कृष्णा** (एम.आई.सी.ए., अहमदाबाद) शामिल हुए. परिसर बंधुओं ने **श्री सुगुरेश सुल्तानपुर**, निवासी कलाकार, एम.एस. विश्वविद्यालय, बड़ौदा द्वारा क्राफ्ट और मुखौटा निर्माण पर आयोजित कार्यशाला का आनंद उठाया. 29 जून 2012 के ग्रीष्मकालीन शिविर के लिए कार्यक्रम के एक भाग के रूप में अतुलनीय भारत क्विज का आयोजन किया गया था. **अनिमेष मिश्र**, भा.प्रौ.सं. रुड़की और **निखिल सोरबा** (एन.आई.टी., सुरथकल) की टीम विजेता रही. इस ग्रीष्मकालीन शिविर का संयोजन **प्रा. भास्कर दत्ता** ने किया.

उड़ान – एक संगीतमय शाम

भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर के स्नातक की उपाधि पाने वाले अग्रणी बैच को अलविदा कहने के लिए 3 अप्रैल 2012 को एक संगीतमय संध्या का आयोजन किया गया. इस संध्या की शुरुआत **प्रा. डी.वी. पाई** के व्याख्यान से किया गया जो इस अग्रणी बैच को पढ़ाने वाले प्रथम प्राध्यापको में से एक थे. इस कार्यक्रम में भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर के विद्यार्थियों के अलावा करीब 20 संकाय सदस्य और उनके परिवार के सदस्य शामिल हुए. कुछ अतिथि अपनी स्मृतियों के गलियारे से गुजरते हुए भा. प्रौ.सं. गाँधीनगर के अपने प्रारंभिक अनुभव को साझा किया और भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर के अपने प्रारंभिक अनुभव बांटे, उनमें **प्रा. यू.ए. याजनिक**, शैक्षिक और विद्यार्थी मामलों के प्रथम डीन भा. प्रौ.सं. गाँधीनगर, **प्रा. एम. आर. पटेल**, प्राचार्य, वी.जी.ई.सी. **प्रा. सुधीर कु. जैन**, **प्रा. एस.एल. नारायणमूर्ति**, **प्रा. जी. के. शर्मा** और **प्रा. डी. पी. राय** थे. **प्रा. श्रीनिवास रेड्डी** के मधुर सितार वादन ने इस संध्या में एक समां

बांध दिया. इसके बाद विद्यार्थियों ने अपने संगीत का प्रदर्शन किया. भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर के पूर्व विद्यार्थी, संस्था के सम्बन्ध में, इस संध्या की मुख्य उदघोषना, **विनीत दासराजू** पूर्व महा सचिव, विद्यार्थी जिमखाना और **अजिंक्या कुलकर्णी**, महासचिव, विद्यार्थी जिमखाना द्वारा की गई. इस संध्या का समापन एक शानदार डिनर और एक समूह फोटोग्राफ से किया गया.

अवंत गार्डे: विजुअल आर्ट एक्सपो–कम–कार्यशाला

भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर ने 1–3 मई 2012 के दौरान एक त्रिदिवसीय 'विजुअल आर्ट एक्सपो–कम–कार्यशाला **अवंत गार्डे** के साथ रंगों और कला की खुशियों का उत्सव मनाया. भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर परिवार ने सिखने और अपनी कला की सृजन के लिए इसमे भाग लिया. इस कार्यशाला का आयोजन बड़ोदरा के कलाकार **श्री सुगुरेश सुलतानपुर** ने किया और 22 व्यक्तियों ने इसमे भाग लिया. कार्यशाला में चित्रकला, रेखाचित्र बनाना और प्रिंट निर्माण शामिल थे. इस एक्सपो का समापन कला–कार्य के प्रदर्शन और धन्यवाद ज्ञापन समारोह के साथ हुआ.

अवंत गार्डे: विजुअल आर्ट एक्सपो–कम–कार्यशाला

हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत की एक शाम

भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर ने 7 सितम्बर 2012 को हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत की एक संध्या की मेहमानबाजी की जिसमे **प्रा. श्रीनिवास रेड्डी** सितार पर थे और **सपन अन्जारिया** तबला पर थे. अन्य पारंपरिक रचनाओ के साथ इन कलाकारों ने मानसून राग मेघ का प्रदर्शन किया.

लोथल की सैर

8 अप्रैल 2012 को नजदीक के लोथल के हड़प्पन पोर्ट शहर की सैर में भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर के 15 संकाय सदस्य और 8 छात्र शामिल हुए. **श्री मिशेल डैनियो** (अतिथि प्राध्यापक, भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर) ने इस सैर का आयोजन किया और इस स्थान की विशेषताओं और महत्व के बारे में सबको बताया. लोथल की सैर का उद्देश्य संकाय के सदस्यों और विद्यार्थियो को प्राचीन हड़प्पन सभ्यता और भारत के प्रारंभिक समुद्री गतिविधियों में गुजरात की भूमिका के बारे परिचय कराना था. लोथल अहमदाबाद से करीब 80 किलीमीटर दूर एक छोटा हड़प्पन पोर्ट शहर है जिसका 1955 से 1960 के मध्य उत्खनन हुआ था.

वेब डिजाईन दृ हैकथान

कोडिंग क्लब ने 24 अगस्त 2012 को इंट्रोडक्टरी वेब डिजाईन पर एक हैकथान का आयोजन किया. इस कार्यक्रम में 100 से ज्यादा छात्र शामिल हुए. इसे **बालाजी वेंकटेश**, **हुसैन सफदरी** और **कार्तिक सक्सेना** ने प्रस्तुत किया जो विद्युत अभियांत्रिकी के बीटेक के छात्र हैं.

प्रौद्योगिकी दृष्टि / विजन 2035

प्रौद्योगिकी दृष्टि / विजन 2035 अभ्यास के हिस्से की तरह 16 सितंबर 2012 को दिल्ली में, भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर के 4 छात्रों, **निसर्ग शाह**, **अक्षय जैन**, **रजत जैन** और **सुस्मिता पूर्णिमा कोटू** ने **डॉ. अनिल काकोदकर**, डी.ए.ई., होमी भाभा चेयर प्राध्यापक और चेयरमैन टी.आई.फ.ए.सी. के साथ टी.आई.फ.ए.सी. (टेक्नोलॉजी इनफार्मेशन, फारकास्टिंग और असेसमेंट कौंसिल) के पारस्परिक आदान–प्रदान की बैठक में इस संस्थान का प्रतिनिधित्व किया.

प्रतिबिम्ब

भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर काउंसिलिंग सर्विस ने 24 मार्च 2013 को चतुर्थ वर्ष के बीटेक छात्रों के साथ एक पारस्परिक आदान–प्रदान बैठक **प्रतिबिम्ब** का आयोजन किया. इस कार्यक्रम में छात्रों

ने अपने बैच के साथ अपने अनुभव पर प्रकाश डालते हुए, भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर की अपनी यात्रा के अनुभव संकाय सदस्यों, निदेशक, शैक्षिक कार्यक्रम के डीन और छात्र मामलों के डीन के साथ बांटे. **सुश्री जसवीर थडानी**, काउंसिलर, भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर ने इस कार्यक्रम का संयोजन किया.

विशेष अवसर

स्वतंत्रता दिवस समारोह

भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर की परंपरा के अनुसार 15 अगस्त 2012 को 66वा स्वतंत्रता दिवस समारोह की शुरुआत निदेशक **प्रा. सुधीर कु. जैन** के ध्वजारोहण से हुई. इस अवसर पर निदेशक ने 75 छात्रों को सम्मानित किया जो डीन लिस्ट 2011–12 (semester II) में योग्य पाए गए छात्रों को एक प्रशस्ति पत्र के साथ हर्ष मंदर लिखित Unheard Voices नामक पुस्तक की एक प्रतिलिपि प्रदान की गई. इस कार्यक्रम का समापन छात्रों के सांकृतिक प्रदर्शन के साथ हुआ.

गणतंत्र–दिवस समारोह

26 जनवरी 2013 को 64वें गणतंत्र–दिवस की शुरुआत संकाय, स्टाफ और छात्रों द्वारा '**ग्रीन रन**' में भाग लेने के साथ हुई. बाद में निदेशक, **प्रा. सुधीर कु. जैन** ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया. भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर समुदाय के सांस्कृतिक कार्यक्रम से इसका समापन किया गया.

पुरस्कार एवं प्रशस्तियाँ

भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर वार्षिक खेलकूद पुरस्कार

26 अप्रैल 2012 को आयोजित एक विशेष पुरस्कार वितरण समारोह के 2011–12 के शैक्षिक वर्ष में छात्रों के प्रदर्शन के आधार पर विभिन्न श्रेणियों में निम्नलिखित पुरस्कार दिए गए.

वर्ष का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी – **भार्गव कुमार थाडेम**

वर्ष का सर्वश्रेष्ठ उभरता हुआ खिलाड़ी

शिवानी रानी और **साणे पर्थ विश्वास**
बैडमिंटन ओपन (एकल) चौंपियन

हर्ष पालीवाल
बैडमिंटन ओपन (युगल) चौंपियन

केहब्रूस सिंह और **पुरुषोत्तम लाल सुमन**

अंतर–विभागीय चौंपियनशिप (पुरुष)
रासायनिक अभियांत्रिकी टीम

अंतर–विभागीय चौम्पियनशिप (महिला)
रासायनिक अभियांत्रिकी टीम

डीन सूची के छात्रों को सम्मान

153 बीटेक छात्र डीन–सूची में शामिल किये गए जो 8.5 या उससे ज्यादा एस.पी.आई. के साथ छात्रों के शैक्षिक उपलब्धि को मान्यता प्रदान करती है. निदेशक, **प्रा. सुधीर कु. जैन** ने विद्यार्थियों को एक प्रशस्ति पत्र और एलेक्स बॉन टून्जेलमन लिखित एक पुस्तक '**इंडियन समर**' प्रदान की. डीन सूची (सेमेस्टर–II) में शामिल 118 छात्रों को **प्रा. सुधीर कु. जैन**, **प्रा ब्रायन ब्रोफी** और **प्रा. वाकान्कार** द्वारा, **रैंडी पास्च** और **जेफरी जसलो** की पुस्तक '**दि लास्ट लेक्चर**' और एक प्रशस्ति–पत्र प्रदान किए गए. इसकी विस्तृत जानकारी http://www.iitgn.ac.in/academic_dean list.htm पर है.

केशव जी. ने गांधीयन युवा यन्त्र विज्ञानं सम्बन्धी नव निर्माण पुरस्कार प्राप्त किया

अगरबत्ती की डंडी बनाने के लिए एक मशीन डिजाईन करने के लिए चतुर्थ वर्ष के यांत्रिकी अभियांत्रिकी के छात्र केशव जी. ने **गांधीयन युवा यन्त्र विज्ञानं सम्बन्धी नव निर्माण पुरस्कार** प्राप्त किया. निम्न लागत के हस्तचालित मशीन को **प्रा. मुरली**

"सुरक्षा पर ध्यान केन्द्रीभूत करने के लिए भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर के साथ सहयोग का विकास करने के लिए यू.एल. बहुत भाग्यशाली है. इसने छात्रों को नियुक्त कर अग्नि अभियांत्रिकी पाठ्यक्रम और सुरक्षा सम्मेलनों द्वारा सुरक्षा को भारत में बेहतर बनाने के लिए यू.एल. मिशन को आगे बढ़ाने में सहायता की है"

डॉ. प्रवीनरे डी. गाँधी
अतिथि प्राध्यापक

केशव जी. ने गांधीयन युवा यन्त्र विज्ञान सम्बन्धी नव निर्माण पुरस्कार प्राप्त किया

दामोदरन के परामर्श के साथ विकसित किया गया. इसका उद्देश्य भारत की गरीब महिला मजदूरों के जीवन निर्वाह को बेहतर बनाना है. यह पुरस्कार 5 अप्रैल 2012 को More-for-Less-for-Many की श्रेणी के अंतर्गत **डॉ. आर.ए. माशेलकर**, फ.आर.एस. ने आई.आई.एम. अहमदाबाद में प्रदान किया. यह प्रतियोगिता सृष्टि / **SRISTI** (सोसाइटी फॉर रिसर्च एंड इनिसिएटिव फॉर सस्टेनेबल टेक्नोलॉजी एंड इंस्टिट्यूशन, अहमदाबाद) द्वारा आयोजित किया गया. इसमे देश भर के 45 विश्वविद्यालयों के छात्रों की 5000 प्रविष्टियां प्राप्त हुई थी. 14 सर्वश्रेष्ट विचारों को पुरस्कृत किया गया.

आई–क्रिएट स्पार्क–अप आईडिया फण्ड ग्रांट' के लिए भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर के छात्रों के चुनाव के लिए अंतर्राष्ट्रीय केंद्र उद्यमशीलता और प्रौद्योगिकी

(आई–क्रिएट) द्वारा आयोजित स्पार्क–अप आइडिया फण्ड ग्रांड में प्रारंभिक 50000 के अंतर्गत सहयोग और सलाह के लिए दो टीमो का चुनाव किया गया– एक **गौरव दूबे**, **अभिजित राजीव** और **कौस्तुभ त्रिपुड़े** तथा दूसरी–**यश शाह**, **प्रतीक न्याती** और **शशांक अग्रवाल**. भारतीय बाजारों के लिए मोटर साईकिल क्रेश गार्ड, डिप्लॉयबल समर्थन प्रणाली, और कम लागत वाले स्वचालित डिशवाशर पर उनके विचारो में उनकी नवीन पद्धति के दायरे को बढ़ाने के लिए उद्योग जगत के दृढ़ व्यक्तियों द्वारा इन दो टीमो को पथ प्रदर्शन व परामर्श दिया जायगा.

राष्ट्रीय स्तर के ऑटोडेस्क छात्र डिजाईन प्रतियोगिता

20 अक्टूबर 2012 को चेन्नई में संपन्न **राष्ट्रीय स्तर के ऑटोडेस्क छात्र डिजाईन प्रतियोगिता** में तृतीय वर्ष के यांत्रिकी अभियांत्रिकी के **शशांक अग्रवाल** और **धवानिल शुक्ला** ने तृतीय स्थान प्राप्त किए. उन्होंने एक अनुपम विद्युत उर्जा वाली दोपहिया की डिजाईन बनाई जो जरुरत पड़ने पर चार पहिया बनाने के लिए दो को जोड़ा जा सकता है. उन्होंने नगद 60,000 का पुरस्कार तथा एक ट्राफी प्राप्त की.

छात्र पेटेंट

लोकल स्केल, रोटेशन और पोजीशन–इनवैरिएंट वर्ड डिटेक्शन कैरेक्टर रिकग्निशन के लिए भारत, पी.एल.डब्ल्यू. Ref 10010–03668 filed 31 दिसंबर 2012 को फाइल किया गया. अन्वेषक–**श्री कौशिक पावनी**, शोध–वैज्ञानिक, रिको इनोमेशन्स प्रा. लि. और **सुश्री एकता प्रश्नानी**, अवर स्नातक छात्रा, विद्युत अभियांत्रिकी, भा. प्रौ.सं. गाँधीनगर.

छात्रों की अन्य उपलब्धियाँ

- **भाष्कर ज्योति दास** और **अथर्व पाटिल** दोनों बीटेक तृतीय वर्ष के छात्रों को पूरे देश की **डार्करूम** फोटोग्राफी प्रतियोगिता में क्रमानुसार 'सिल्होउते' और इमोशन्स नाम की प्रतियोगिता में विजेता घोषित किय गया. इसे जनवरी 2013 को पुणे में सिम्बायोसिस सेंटर फॉर सूचना प्रौद्योगिकी (एस.सी.आई.टी.) द्वारा आयोजित किया गया. भास्करज्योति दास को करीब 500 प्रविष्टियों में कुल मिलाकर महान विजेता घोषित किया गया.
- **दीप दिनेश कुमार**– एक चतुर्थ वर्ष यांत्रिकी अभियांत्रिकी के छात्र ने आई.आई.आई.एम. चारुसत में संपन्न हुए **अखिल भारतीय निबंध लेखन प्रतियोगिता** में प्रथम पुरस्कार जीता. इस निबंध का विषय था 'ब्रेन–ड्रेन, रिवर्स ब्रेन ड्रेन और वैश्वीकरण. कुल 125 प्रविष्टियों में 17 निबंधो को सृजनात्मकता, विचारो की मौलिकता विषय,

तार्किक विकास और भाषा के आधार पर सर्वश्रेष्ट निबंध घोषित किया गया. **मिहिका शाह**, रसायन अभियांत्रिकी द्वितीय वर्ष की छात्रा ने **भ्रष्टाचार, शासक व्यवस्था और भारतीय अर्थव्यवस्था** विषयों के लिए तृतीय स्थान प्राप्त किया.

- टाटा मोटर्स द्वारा आयोजित एक राष्ट्रीय प्रतियोगिता 'माइंड शेवर 2013' में अपने डिजाईन "**ओवर हेड ट्रांसपोर्ट सिस्टम (ओ.एच.टी.)**" को पेश करने वाले 1000 टीमो में, अंतिम 6 टीमो में एक टीम में **सुनील पाटीदार**, **रोहित चौकसी** और **प्रशांत पटेल** सभी चतुर्थ वर्ष यांत्रिकी अभियांत्रिकी के छात्र थे. इसका उद्देश्य भारत के लिए व्यक्तिगत और व्यापारिक क्षेत्रों में भविष्य में परिवहन समाधान के लिए विचार प्रकट करना था.

खेलकूद समाचार

गली क्रिकेट टूर्नामेंट

28–30 मई 2012 के दौरान समग्र भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर समुदाय के लिए एक मैत्रीपूर्ण गली क्रिकेट का आयोजन किया गया. कुल 12 टीमो ने इस कार्यक्रम में भाग लिया. बीटेक–2 और बीटेक–3 ने 30 मई 2012 को अंतिम मैच खेला, जिसमे **अंकुर मीना**, **मोहित बजाज**, **नीतेश उधानी**, **शिवांशु अरोरा**, **अक्षय पिंगले** और **देवेन्द्र सिंह** यादव की बीटेक–2 की टीम विजेता घोषित हुई.

जेनेसिस कप 2012

22 अगस्त 2012 को एच.एल. कामर्स कॉलेज, अहमदाबाद में आयोजित प्रथम जेनेसिस कप में भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर की पुरुषों की बास्केटबाल टीम ने रजत पदक जीता. **रवि कुमार** उच्चतम अंक प्राप्त करने वालो में एक रहे और इस टूर्नामेंट के सबसे होनहार खिलाड़ी की ट्राफी के भी विजेता रहे.

राज्यस्तरीय तैराकी प्रतियोगिता

पार्थ साणे विश्वास ने 50 मीटर बैंक–स्ट्रोक और 50 मीटर बटर फ्लाई के राज्यस्तरीय तैराकी प्रतियोगिता में 2 कांस्य पदक प्राप्त किए. प्रतियोगिता का आयोजन गुजरात राज्य एक्वेटिक संस्था ने 8–9 सितम्बर 2012 के दौरान किया था.

48वाँ अंतर भा.प्रौ.सं. खेलकूद सम्मलेन 2012

भा.प्रौ.सं. रुड़की में संपन्न हुए 48वें अंतर– भा.प्रौ.सं. खेलकूद सम्मलेन में भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर ने बहुत ही उत्कृष्ट प्रदर्शन किया. शिवानी रानी ने महिलाओं के चक्र फेंक प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त किया और इस क्रम में उन्होंने 26. 49 मीटर का कीर्तिमान बनाया. उन्होंने गोला फेंक प्रतियोगिता में भी स्वर्ण पदक प्राप्त किया. उमेश सिंह ने 45.95 मीटर उत्कृष्ट भाला फेंकने के साथ भाला फेंक प्रतियोगिता में रजत पदक प्राप्त किया. भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर ने पुरुषो के सामान्य चौम्पियनशीप श्रेणी में 9वाँ स्थान महिलाओं की श्रेणी में 11वाँ स्थान प्राप्त किया.

48वें अंतर भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान एक्वेटिक मीट 2012

पार्थ साणे विश्वास ने भा.प्रौ.सं. रुड़की में 2012 में संपन्न हुए 48वें अंतर भा.प्रौ.सं. एक्वेटिक मीट के 50 मीटर बटरफ्लाई प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक जीता और 2011–12 में जीती अपनी पदवी को सुरक्षित रखा. उन्होंने 100 मीटर के बैकस्ट्रोक और 100 मीटर फ्रीस्टाइल में रजत पदक और 50 मीटर फ्रीस्टाइल में एक कांस्य पदक जीता. अनिमेष कुमावत ने 400 मीटर फ्रीस्टाइल और 1500 मीटर फ्रीस्टाइल में रजत पदक और 200 मीटर फ्रीस्टाइल और 200 मीटर बैकस्ट्रोक में कांस्य पदक जीता. भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर ने भाग लेने वाले 13 भा.प्रौ.सं. में चौथा स्थान प्राप्त किया.

2012 के कॉनकोर्स में महिला बास्केटबाल टीम चौम्पियनशीप उपाधि की विजेता

4 नवम्बर 2012 को डी.ए.आई.आई. गाँधीनगर में आयोजित कॉनकोर्स में महिला बास्केटबाल टीम चौम्पियनशीप ट्राफी की विजेता रही. **सुभांगी बंसुदे**, **ऋतू गवासने**, **शिवानी रानी**, **मिशिता जायसवाल** एंड **संचयनी बागडे** के प्रदर्शन प्रशंसनीय रहे.

पुरुष बास्केटबाल जिला चौम्पियनशीप 2012

7 नवम्बर 2012 को आयोजित जिला चौम्पियनशीप में भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर की पुरुष बास्केटबाल टीम को रनर–अप उपाधि प्रदान की गई जिसमे **सुरेश चौधरी** उच्च अंक प्राप्तकर्ता के रूप में उभरे. पुरुषो की बास्केटबॉल टीम ने महाविद्यालीय स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया तथा अहमदाबाद जिला में वरिष्ठ स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया.

पेट्रो कप 2013

पुरुषो की बास्केटबॉल टीम ने **पेट्रो कप उपाधि** तृतीय बार लगातार जीतने के लिए पी.डी.पी.यू. 65–38 को पराजित किया इसमे **सुरेश चौधरी** और **रवि पल** का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा. महिलाओं की श्रेणी में **शिवानी रानी** ने चक्र फेंक, गोला फेंक और भाला फेंक प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक प्राप्त किया. पुरुषो की श्रेणी में **उमेश सिंह** ने चक्र फेंक और भाला फेंक में स्वर्ण पदक

NAVEEN
15
BHAGAV
14

प्राप्त किया जबकि **चेतन पाटिल** ने चक्र फेंक में रजत पदक और गोला फेंक में कांस्य पदक प्राप्त किया.

अंतर–विभागीय टेबल टेनिस चौम्पियनशीप 2012–13

विद्युत अभियांत्रिकी टीम चेतस ज्योति (कप्तान), **अमेय जोशी**, **रजत चौधरी**, **शुभम रंका**, एंड **लिंगाला त्रिनाथ रेड्डी** ने 7 फरवरी 2013 को रासायनिक अभियात्रिकी टीम के साथ अंतिम मैच में जीत हासिल की.

कैपिटल सीजन लीग (सी.एस.एल.)

भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर के खेलकूद विभागों, पंडित दीनदयाल पेट्रोलियम विश्वविद्यालय (पी.डी.पी.यू.) और गुजरात राष्ट्रीय कानून विश्वविद्यालय के मिश्रित प्रयास के साथ सी.एस.एल. का प्रथम संस्करण, जिसमें वॉलीबॉल और बास्केटबॉल शामिल है. 11–18 मार्च 2013 के दौरान आयोजित किया गया. भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर ने बास्केटबॉल टूर्नामेंट जीता जबकि वॉलीबॉल में यह पी.डी.पी.यू. से बहुत ही कम अंतर पर द्वितीय रहा. भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर के छात्रों में **रवि कुमार** और **एंडला नवीन कुमार** क्रमानुसार बास्केटबॉल और वॉलीबॉल में **टूर्नामेंट खिलाड़ी** का खिताब झटक **वसीम खान** (खेलकूद सचिव) और **आदित्य सामंत** (बास्केटबॉल सचिव) ने सी.एस. एल. के सुचारू रूप से संपन्न होने में अपने योगदान दिए.

अन्य खेलकूद कार्यक्रम

2012–13 के **खेल महाकुम्भ** के **टेबल टेनिस टूर्नामेंट** में **चेतस जोशी** वरिष्ठ अवर स्नातक ने तृतीय स्थान प्राप्त किया. उन्होंने 2000 रुपये नकद राशि जीती और राजकोट में आयोजित अंतर–जिला टेबल टेनिस चौम्पियनशीप में अहमदाबाद का प्रतिनिधित्व किया.

अन्य छात्र गतिविधियाँ

- **X Theory/Praxis Course** (18 जून–14 जुलाई 2012) पर पी.एच. डी. छात्र **पायल सी. मुखर्जी** द्वारा एक रिपोर्ट का मिश्रित आयोजन समकालीन सिद्धांत, वड़ोदरा केंद्र और उस्मानिया विश्वविद्यालय हैदराबाद द्वारा किया था. इसे द्विवार्षिक न्यूज लेटर, **फोरम, समकालीन सिद्धांत** में प्रकाशन के लिए स्वीकृत कर लिया गया है.
- **नीरज कुमार** एक पी.एच.डी. छात्र ने यूरोपीय समाज, संज्ञानात्मक मनोविज्ञान द्वारा 20 जून–28 जुलाई 2012 के दौरान पोलैंड में आयोजित चेतना की गतिशीलता के ग्रीष्मकालीन विद्यालय में भाग लिया.
- अभ्यागत शोध विद्यार्थी की तरह **सुमितावा मुखर्जी** एक पी.एच.डी. छात्र ने एक 14–29 अगस्त 2012 के दौरान न्यू साउथ वेल्स सिडनी विश्वविद्यालय, ऑस्ट्रेलिया का दौरा किया.
- रसायन अभियांत्रिकी की **अल्पना थोरात** और **देबिका चौधरी** शोधकर्ता और **पावनी पंड्या** (सिविल अभियांत्रिकी की एम.टेक. छात्रा) ने 29–31 अगस्त के **वुमन इंजीनियर्स लीडिंग ग्लोबल इनोवेशन सिम्पोजियम** बंगलोर में भाग लिया. भारत की 35 महिला अभियंताओ तथा इतनी ही संख्या में अमेरिकी महिला अभियंताओ ने इस संगोष्ठी में भाग लिया.

बाह्य / विदेशी सम्बंध

भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर अंतर्राष्ट्रीय रूप से प्रसिद्ध विश्वविद्यालयीय संगठनो और शैक्षिक संस्थानों के साथ मजबूत और पारस्परिक लाभकारी सम्बंध बनाता रहा है. पिछले वर्ष विद्यार्थियों और संकाय को अधिक से अधिक लाभ देने के लिए कई साझेदारी बनाई गई है.

अंतर्राष्ट्रीय सहमति पत्र (एम.ओ.यू.)

संगठन / संस्था	उद्देश्य	सहमति पत्र पर हस्ताक्षर की तारीख
मैसाचुसेट्स विश्वविद्यालय, लोवेल, अमरीका	शिक्षा और अनुसन्धान में सहयोग	07.05.2012
सास्काटचेवन विश्वविद्यालय, सास्काटून, कनाडा	शैक्षिक सहयोग	01.07.2012
कैलिफोर्निया प्रौद्योगिकी संस्थान (कैलटेक), पस्डेना, यूएसए	अवर स्नातक छात्र विनिमय	04.10.2012
अंडर राइटर प्रयोगशाला इंक, शिकागो	अग्नि अभियांत्रिकी में उत्कृष्टता को सहयोग	28.12.2012
सास्काटचेवन विश्वविद्यालय, सास्काटून, कनाडा	आपसी हित के क्षेत्रों में शैक्षिक सहयोग के लिए एक कार्यक्रम की स्थापना करना	09.01.2013
कोलंबिया जल केन्द्र, कोलंबिया विश्वविद्यालय, न्यूयॉर्क, अमेरिका और गुजरात पारिस्थितिकी आयोग, गुजरात सरकार (वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल इन्वेस्टर समिट–13 के अंतर्गत)	गुजरात में प्राकृतिक संसाधनों का क्षरण रोकने के लिए पर्यावरणीय निगरानी पर परियोजनाये बनाना	11.01.2013
क्वांसर काउंसलिंग इंक, मरखाम, कनाडा	शैक्षिक और अनुसंधान सहयोग	11.01.2013
रिको कंपनी लिमिटेड, जापान	डिजाइन और इनोवेशन केंद्र की स्थापना में सहयोग	28.01.2013
फ्रांसीसी दूतावास	फ्रेंच भाषा शिक्षण कार्यक्रम	28.02.2013

राष्ट्रीय सहमति पत्र (एम.ओ.यू.)

संगठन / संस्था	उद्देश्य	सहमति पत्र पर हस्ताक्षर की तारीख
टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, चेन्नई	शैक्षिक सहयोग में तेजी लाना	07.05.2012
केंद्रीय लोक निर्माण विभाग, भारत सरकार	भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर के नए परिसर का निर्माण	15.05.2012
उद्यमिता और प्रौद्योगिकी के लिए अंतर्राष्ट्रीय केंद्र (पब्तमंजम), अहमदाबाद	उद्यमशीलता, नवीन पद्धति और प्रौद्योगिकी को बढ़ावा देना	21.05.2012
धीरूभाई अंबानी सूचना और संचार प्रौद्योगिकी संस्थान (डी.ए.आई.आई.सी.टी.), गाँधीनगर	शैक्षणिक इंटरेक्शन और संचार को बढ़ाना और बढ़ावा देना	02.07.2012
क्रेन्स सॉफ्टवेयर इंटरनैशनल लिमिटेड, बंगलौर	शिक्षण / अनुसंधान प्रयोगशाला व्यवस्था	06.07.2012
क्रेन्स सॉफ्टवेयर इंटरनेशनल लिमिटेड, बंगलौर	C2000 के माइक्रोकंट्रोलर प्रयोगशाला की व्यवस्था	06.07.2012
क्रेन्स सॉफ्टवेयर इंटरनेशनल लिमिटेड, बंगलौर	एनालॉग शिक्षण प्रयोगशाला की व्यवस्था	06.07.2012
फील्ड्स ऑफ व्यू, बंगलौर	संयुक्त अनुसंधान, शोधकर्ताओं का आदान–प्रदान	17.10.2012
इंडस्ट्रीज आयुक्तालय (कमीशनेरेट), गुजरात सरकार	भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर में उत्कृष्टता के लिए एक केंद्र की स्थापना करना	18.10.2012
प्रौद्योगिकी संस्थान, निरमा विश्वविद्यालय, अहमदाबाद	संकाय और छात्रों का विनिमय और संयुक्त अनुसंधान और विभिन्न कार्यक्रमों में सहयोग	09.01.2013
महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय, बड़ौदा	संकाय और छात्रों का विनिमय और संयुक्त अनुसंधान और विभिन्न कार्यक्रमों में सहयोग	09.01.2013
प्रैक्सोल स्वस्थ्य भारत प्रा. लि. (पी.एच.आई.पी.एल.), कोलकाता	जैव चिकित्सा सूचना प्रोसेसिंग यन्त्र, हेल्थ केयर जीवन शिअली उत्पाद और सुरक्षा प्रणाली के संयुक्त शोध और विकास को बढ़ावा देना	10.10.2013
उन्नत कंप्यूटिंग (सी.–डेक) विकास केंद्र, बैंगलोर	एच.पी.सी.और ग्रीड कंप्यूटिंग में शोध, प्रौद्योगिकी अभियांत्रिकी, वास्तुकला, स्टैंडर्ड्स और प्रयोग को बढ़ावा देना	12.02.2013
ग्लसमउ वाटर सोल्यूशन भारत, प्रा.लि.वरोदरा	पारस्परिक हित के क्षेत्र में शैक्षणिक सहयोग	12.02.2013

2012 में विदेशी संस्थानों में ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप

मेजबान संस्था	छात्र नाम	विभाग
वाशिंगटन विश्वविद्यालय, सेंट लुइस, मिसूरी, सं. रा. अमेरिका	शालिनी कावड़िया, आकांक्षा जगवानी	रासायनिक
सास्कटचेवन विश्वविद्यालय, कनाडा	मोहित वर्मा	रासायनिक
विस्कॉन्सिन मैडिसन विश्वविद्यालय, मैडिसन, डब्ल्यू. आई., सं. रा. अमेरिका	सुस्मिता पूर्णिमा कोटू	रासायनिक
राष्ट्रीय विश्वविद्यालय सिंगापुर	चेतस जोशी	विद्युत
सिरैक्यूज विश्वविद्यालय, सं. रा. अमेरिका	शुभम अग्रवाल	विद्युत
नोट्रे डेम विश्वविद्यालय, नोट्रे डेम, इंडियाना, सं. रा. अमेरिका	शुभम रांका	विद्युत
स्ट्रेथक्लाइड विश्वविद्यालय, ग्लासगो, स्कॉटलैंड	प्रशांत पटेल	यांत्रिकी
वाशिंगटन विश्वविद्यालय, सिएटल, वाशिंगटन, सं. रा. अमेरिका	अभिजीत राजीव, वरुण गुप्ता	यांत्रिकी
रोड आइलैंड विश्वविद्यालय, अमेरिका	श्यामल किशोर	यांत्रिकी
कैलिफोर्निया प्रौद्योगिकी संस्थान, पासाडेना, सं. रा. अमेरिका	श्रुति जैन	रासायनिक
	जैनिल पारेख, प्रीतेश सांखे, सत्येन्द्र सिंह जादौन	विद्युत
	रोहित चौकसी, मोहक पटेल	यांत्रिकी
अंडर राइटर प्रयोगशालाओं, कामास, वाशिंगटन, सं. रा. अमेरिका	दिव्यांक सिंह, रवि तेजा	रासायनिक
	यू. रेवंत वेंकट संदीप	विद्युत
	अभिलाष पटेल, शुभम चौहान	यांत्रिकी

2013 में ग्रीष्म कालीन इंटर्नशीप के लिए जाने वाले अनुमानित छात्र

संस्था	**छात्र नाम**	**विभाग**
ड्यूक विश्वविद्यालय, अमेरिका	सुनील नायर, बालाजी वेंकटेश, यश गोयल, शशांक त्यागी	विद्युत
सिरैक्यूज विश्वविद्यालय, अमेरिका	अदित भारद्वाज, स्मित सोनी	विद्युत
सस्काचेवन विश्वविद्यालय, कनाडा	मयंक झलारिया	रासायनिक
नोट्रे डेम विश्वविद्यालय, नोट्रे डेम, इंडियाना	हुसैन सफदारी	विद्युत
वाशिंगटन विश्वविद्यालय, सिएटल, वाशिंगटन	ऐश्वर्या अग्रवाल अंकिता शर्मा	विद्युत यांत्रिकी
वाशिंगटन विश्वविद्यालय, सेंट लुइस, मिसूरी	स्मित शाह	रासायनिक
कैलिफोर्निया प्रौद्योगिकी संस्थान, पासाडेना, अमेरिका	दीप्ति चोपड़ा, नितेश उधानी, शिवम त्रिपाठी, कार्तिक सक्सेना, निशंक जैन,	विद्युत
	पमार्थी चंद्र कांत, धवनिल शुक्ला, शशांक अग्रवाल	यांत्रिकी
टेक्सास ए. एंड एम. विश्वविद्यालय	अक्षय जैन, प्रणव बगारिया	रासायनिक
पर्ड्यू विश्वविद्यालय	नंदन परेश वोरा	रासायनिक
कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, मर्सड	शालीवाहन सिंह राठौड़	मैकेनिकल
अंडरराइटर्स प्रयोगशाला	किमाया उदय काले, वैभव गांधी,	विद्युत
	मदन जे. तलदेवकर, प्रथमेश गणेश भट्ट	यांत्रिकी

विदेशो में उच्चतर अध्ययन के लक्ष्य के लिए अनुमानित 2009 बैच के छात्र

नाम	संस्थान	कार्यक्रम	भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर में
एकता प्रश्नानी	कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय, सांता बारबरा	एम.एस. और पी.एच.डी. (विद्युत और कंप्यूटर अभियांत्रिकी)	इलेक्ट्रिकल
नरेंद्रनाथ बलासुब्रमोनी	कॉर्नेल विश्वविद्यालय, अमेरिका	एम.एस. (विद्युत और कंप्यूटर (ई.सी.ई.) अभियांत्रिकी	इलेक्ट्रिकल
सुस्मिता पूर्णिमा कोटू	टेक्सास ए. एंड एम. विश्वविद्यालय, कॉलेज स्टेशन	पी.एच.डी. (रासायनिक अभियांत्रिकी)	रासायनिक
श्रुति जैन	टेक्सास विश्वविद्यालय, ऑस्टिन	पी.एच.डी. (रासायनिक अभियांत्रिकी)	रासायनिक
प्रथम शाह	कार्नेगी मेलॉन विश्वविद्यालय	उत्पाद विकास में मास्टर	मैकेनिकल
मोहक पटेल	ब्राउन विश्वविद्यालय, प्रोविडेंस, अमेरिका	पी.एच.डी (ठोस यांत्रिकी)	मैकेनिकल
अदिति दिघे	ड्यूक विश्वविद्यालय	पी.एच.डी. (विद्युत और कंप्यूटर अभियांत्रिकी)	इलेक्ट्रिकल
चेतस जोशी	पर्ड्यू विश्वविद्यालय	एम.एस. (विद्युत और कंप्यूटर अभियांत्रिकी)	इलेक्ट्रिकल
सुरेश रामासामी	कार्नेगी मेलॉन विश्वविद्यालय	एम.एस. (यांत्रिक अभियांत्रिकी)	मैकेनिकल
अभिजीत राजीव	वाशिंगटन विश्वविद्यालय, सिएटल	एम.एस. (यांत्रिक अभियांत्रिकी)	मैकेनिकल
शालिनी कावड़िया	वाशिंगटन विश्वविद्यालय, सेंट लुइस	पी.एच.डी. (ऊर्जा विभाग, पर्यावरण और रासायनिक अभियांत्रिकी)	रासायनिक

भारत में उच्चतर अध्ययन के लक्ष्य के लिए अनुमानित 2009 बैच के छात्र

नाम	संस्थान	कार्यक्रम	भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर में
दीपेश दायमा	आई.आई.एम. अहमदाबाद	प्रबंध में स्नातकोत्तर (पी.जी.पी.)	यांत्रिकी
बी. अभिलाष चौधरी	आई.आई.एम. कलकत्ता	प्रबंध में फैलोशीप (पीएचडी)	विद्युत
सुशांत कुमार सुमन	एन.आई.डी. अहमदाबाद	(डक्मे) फर्नीचर और आंतरिक डिजाइन	रासायनिक
श्रंखला नार्या	सृष्टि स्कूल ऑफ आर्ट्स डिजाइन और प्रौद्योगिकी, बंगलौर	सौंदर्यशास्त्र और समालोचनात्मक पाठ्यक्रम में ए.डी.पी.	रासायनिक
मोनिका यादव	टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंस, मुंबई	विकास अध्यन में स्नातकोत्तर (एम.ए.)	रासायनिक
हिमा तेजा	आई.आई.टी. खड़गपुर	संयुक्त एम.टेक./एम.सी.पी.–पी.एच.डी. (रासायनिक अभियांत्रिकी)	रासायनिक

बाहरी पहुँच

- **प्रा. सुधीर कु. जैन** 19 अप्रैल 2012 को कैलटेक में एक "कैलटेक Y फ्रेंड्स डिनर **ऐडवेंचर इन इंडिया**" के विशिष्ट अतिथि थे. यहाँ कैलटेक के छात्रों ने भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर में '**भारत की खोज**' में अपनी भागीदारी के अनुभव बांटे. प्रा. जैन ने अंतर्राष्ट्रीय विनिमय कार्यक्रम के महत्व के बारे में वक्तव्य दिए. प्रा जैन ने 7 जनवरी 2013 को आई.आई.टी. काउंसिल को भा. प्रौ.सं. गाँधीनगर पर एक प्रस्तुतीकरण पेश की, और वे 14–17 फरवरी 2013 मुंबई के दौरान आयोजित भारतीय कार्डियोथोरेसिक सर्जन समिति के 59वें वार्षिक सम्मलेन में मुख्य अतिथि थे.
- **प्रा. जैन** ने आई.आई.टी. काउंसिल में 7 जनवरी 2013 को एक प्रेजेंटेशन दिया.
- 14–17 फरवरी 2013 को इंडियन एसोसिएशन ऑफ कर्डियोथोरेसिस सर्जन मुंबई के 59वे वार्षिक सम्मलेन में **प्रा. जैन** मुख्य अतिथि थे.
- **प्रा. जैन** ने 10–13 अप्रैल 2012 के दौरान मेम्फिस टेनेसी में संपन्न भूकंप अभियांत्रिकी शोध संस्थान (ई. ई.आर.ई.) के वार्षिक सम्मलेन में भाग लिया. उन्होंने सम्बंध बनाने, संकाय की नियुक्ति और दानदाताओं की खोज के लिए अमेरिका में कई विश्वविद्यालयों और संगठनो के दौरे के अवसर प्राप्त किए. 19 अप्रैल 2012 को कैलटेक का दौरा किया. प्रा. जैन ने नोट्रे डेम और कलिफोर्निया वर्कले विश्वविद्यालयों का दौरा किया. उन्होंने ई.पी.आई. आर. प्रौद्योगिकी (शिकागो) और होस्पिरा (शिकागो) के नेतृत्व के साथ बैठक की. **सुश्री अंजली जोशी** सन फ्रांसिस्को के अपने घर पर भा. प्रौ.सं. गाँधीनगर के काबिल दोस्तों की एक बैठक की मेजबानी की. **श्री नवनीत चुग** ने इसी तरह की एक बैठक की मेजबानी लोस एंजेल्स क्षेत्र के अपने कार्यालय में की.
- **प्रा. जैन** और **प्रा. डी.वी. पाई** ने 26–27 मई 2012 के दौरान आयोजित स्टेनफोर्ड विश्वविद्यालय के युवा शोधकर्ताओ के सम्मलेन में गणित और कंप्यूटर विज्ञानं में काबिल संकाय सदस्यों के साथ संयोजन बनाने की दृष्टि से भाग लिया था.
- **प्रा. जैन** शास्त्री इंडो–कनाडियन संस्थान द्वारा 3–4 जून 2012 के दौरान कलगरी में आयोजित सम्मलेन '**इंगेजिंग इंडिया – विज्ञान और प्रौद्योगिकी के मानव और सामाजिक आयाम**' में भी शामिल हुए उन्होंने स्टेनफोर्ड विश्वविद्यालय, रिको इनोवेशन केंद्र (मेनलो पार्क) और कैलकट के दौरे का अवसर लिया. उन्होंने सस्केचेवान विश्वविद्यालय का दौरा किया और इसके साथ पारस्परिक सहयोग के समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए.
- **प्रा. जैन** ने 6–8 अक्टूबर 2012 को एम.आई.टी. कैम्ब्रिज में आयोजित युवा अन्वेषक सम्मलेन में भाग लिया और '**भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर, सफलता की भागीदारी के साथ का एक अवसर**' एक वार्ता पेश की. यह भारत में शैक्षिक संस्थानों के साथ अमेरिका में भारतीय मूल के आकांक्षी संकाय सदस्यों को जोड़ने का एक वार्षिक कार्यक्रम है. भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर इस वर्ष वाई. आई.एम के प्रमुख प्रयोजको में एक था.
- **प्रा. जैन** ने 22 नवम्बर 2012 के एम.एस. विश्वविद्यालय वड़ोदरा में 3 समितियों– भारतीय पुरातत्व समिति, भारतीय प्रागैतिहासिक और चतुर्भागात्मक अध्ययन समिति तथा भारतीय इतिहास और संस्कृति समिति, के संयुक्त वार्षिक सम्मलेन में अध्यक्षीय व्याख्यान दिए. 27 फरवरी 2013 को भारतीय जन संपर्क समिति (पी.आर.एस.आई.) अहमदाबाद में **पी.आर. चुनौतियों एक शैक्षिक शुरुआतः भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर वृतांत** पर एक वार्ता पेश की. उन्होंने 30 मार्च 2013 को गोवा प्रबंधन संस्थान में '**एक संस्था का निर्माणः भा.प्रौ.सं. गाँधीनगर वृतांत**' पर व्याख्यान भी दिए.